हरियाणा विधान सभा

की

कार्यवाही

25 अक्टूबर, 2017

खण्ड–3, अंक–4

अधिकृत विवरण

विषय सूची

बुधवार, 25 अक्टूबर, 2017

	पृष्ठ
शोक प्रस्ताव का मामला उठाना	5
तारांकित प्रश्न एवं उत्तर	5
इंडियन नैशनल लोकदल के सदस्यगण द्वारा कपड़ों से (गैग्ज) मुंह को ढांकने संबंधी मामला उठाना	9
तारांकित प्रश्न एवं उत्तर (पुनरारम्भ)	10
इंडियन नैशनल लोकदल के सदस्यगण द्वारा कपड़ों से (गैग्ज) मुंह को ढांकने संबंधी मामला उठाना (पुनरारम्भ)	17
तारांकित प्रश्न एवं उत्तर (पुनरारम्भ)	20
इंडियन नैशनल लोकदल के सदस्यगण द्वारा कपड़ों से (गैग्ज) मुंह को ढांकने संबंधी मामला उठाना (पुनरारम्भ)	21
बैठक का स्थगन	31
नियम 45 (1) के अधीन सदन की मेज पर रखे गए तारांकित प्रश्नों के लिखित उत्तर	31
अतारांकित प्रश्न एवं उत्तर	36
नियम–15 के अधीन प्रस्ताव	120
नियम–16 के अधीन प्रस्ताव	121
पी.के.आर. जैन वाटिका वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय, अम्बाला शहर, हरियाणा के अध्यापकों तथा छात्रों तथा हरियाणा विधान सभा के भूतपूर्व सदस्य का अभिनन्दन	121

मुख्यमंत्री द्वारा घोषणाएं 122

प्रश्नकाल के दौरान इंडियन नैशनल लोकदल के सदस्यगण के विरूद्ध स्वास्थ्य मंत्री द्वारा की गई टिप्पणियों के सम्बन्ध में मामला उठाना 123

चेयर के विरूद्ध आक्षेप 126

समिति की बैठक में श्री अशोक खेमका, आई.ए.एस. को बुलाने संबंधी श्री अभय सिंह चौटाला, एम.एल.ए. द्वारा लोक उपक्रमों संबंधी समिति की बजाय लोक लेखा समिति का नाम लेने का मामला उठाना 129

ध्यानाकर्षण प्रस्ताव– 132

गन्ने का मूल्य निर्धारित करने संबंधी

वक्तव्य–

कृषि मंत्री द्वारा उपरोक्त ध्यानाकर्षण प्रस्ताव संबंधी 135

हरियाणा के भूतपूर्व मंत्री तथा हरियाणा विधान सभा के भूतपूर्व सदस्य का अभिनन्दन 150

विभिन्न मामले उठाना 172

ध्यानाकर्षण प्रस्ताव– 198

राज्य के ग्रामीण क्षेत्रों में राजकीय विद्यालयों में पढ़ रहे विद्याथियों को सरकारी नौकरियों में वरीयता देने संबंधी

वक्तव्य– 198

मुख्यमंत्री द्वारा उपरोक्त ध्यानाकर्षण प्रस्ताव संबंधी

हरियाणा विधान सभा के भूतपूर्व सदस्य का अभिनन्दन 204

ध्यानाकर्षण प्रस्ताव (पुनरारम्भ) 204

श्री केहर सिंह, एम.एल.ए. द्वारा श्री ज्ञानचंद गुप्ता, एम.एल.ए. के विरूद्ध पंचकूला में रेहड़ी वालो से पैसा इकट्ठा करने के आरोप लगाने से संबंधित 220

श्री केहर सिंह, एम.एल.ए. के विरूद्ध अभिकथित विशेषाधिकार भंग की सूचना 228

ध्यानाकर्षण प्रस्ताव (पुनरारम्भ) 230

सदन की मेज पर रखे गए कागज–पत्र 240

विधेयक को वापिस लेने संबंधी संसदीय कार्यमंत्री द्वारा घोषणा 242

विधान कार्य–

(i) दि हरियाणा ऐप्रोप्रिएशन (नंबर 3) बिल, 2017 242

(ii) दि हरियाणा विश्वकर्मा स्किल यूनिवर्सिटी (अमैंडमैंट) बिल, 2017 244

(iii) दि गुरूग्राम मैट्रोपोलिटन डिवैल्पमैंट अथॉरिटी बिल, 2017 246

(iv) दि हरियाणा सेटलमैंट ऑफ आउटस्टैंडिंग ड्यूज बिल, 2017 247

(v) दि हरियाणा प्राईवेट यूनिवर्सिटीज़ (सैकेण्ड अमैंडमैंट) बिल, 2017 250

(vi) दि हरियाणा कंसोलिडेशन ऑफ प्रोजैक्ट लैण्ड (स्पैशल प्रोविज़न) बिल, 2017 252

वॉक–आउट्स 258

विधान कार्य (पुनरारम्भ) 258

संसदीय कार्य मंत्री एवं अध्यक्ष महोदय द्वारा धन्यवाद 260

हरियाणा विधान सभा

बुधवार, 25 अक्टूबर, 2017

विधान सभा की बैठक, हरियाणा विधान सभा हाल, विधान भवन, सैक्टर–1, चण्डीगढ़ में प्रातः 10:00 बजे हुई। अध्यक्ष (श्री कंवर पाल) ने अध्यक्षता की।

शोक प्रस्ताव का मामला उठाना

श्रीमती शकुंतला खटक : अध्यक्ष महोदय, मैं आपसे आग्रह करना चाहूंगी कि स्वर्गीय अतुल कुमार पंवार, डिप्टी लैफ्टिनेंट–इन–नैवी, निवासी गांव–भाली, कलानौर, जिला–रोहतक का 29 सितम्बर, 2017 को दुःखद निधन हो गया है अतः इनका नाम मुख्यमंत्री द्वारा 23.10.2017 को रखे गए शोक प्रस्ताव में शामिल किया जाए। मैं यह भी उल्लेख करना चाहूंगी कि इन्होंने अपने लीवर, हार्ट और दोनों किडनी दान कर रखे थे।

श्री अध्यक्ष : ठीक है, अतुल कुमार पंवार का नाम भी शोक प्रस्ताव में शामिल कर लिया जाएगा।

.....

तरांकित प्रश्न एवं उत्तर

श्री अध्यक्षः माननीय सदस्यगण, अब प्रश्न काल शुरू होता है।

तरांकित प्रश्न संख्या–2149

(यह प्रश्न पूछा नहीं गया क्योंकि इस समय माननीय सदस्य श्री बलकौर सिंह, विपक्ष के नेता श्री अभय सिंह चौटाला को 24.10.2017 को सदन में बोलने का मौका न दिए जाने के विरोध स्वरूप सदन में मुँह पर पट्टी बाधकर बैठे रहे।)

.....

तरांकित प्रश्न संख्या–2149

(यह प्रश्न पूछा नहीं गया क्योंकि इस समय माननीय सदस्य सरदार जसविन्द्र सिंह संधू, विपक्ष के नेता श्री अभय सिंह चौटाला को 24.10.2017 को सदन में बोलने का मौका न दिए जाने के विरोध स्वरूप सदन में मुँह पर पट्टी बाधकर बैठे रहे।)

.....

Purchase of Millet

***2248. Shri. Shyam Singh Rana**: will the Food and Supplies Minister be pleased to state:-

(a) the year wise quantity of millet purchased in the Haryana mandies during the tenure of 10 years of previous Government together with the purchase price thereof;

(b) the quantity of millet purchased during the tenure of 3 years of the present Haryana Government.

खाद्य एवं आपूर्ति राज्य मंत्री (श्री कर्णदेव कम्बोज) :

(क) पिछली सरकार के 10 वर्ष के कार्यकाल के दौरान हरियाणा राज्य की मण्डियों मे वर्षवार खरीदे गए बाजरे की मात्रा इसके खरीद मूल्य सहित निम्न प्रकार से हैः–

क्र. संख्या	वर्ष	खरीद की मात्रा (टनों मे)	खरीद मूल्य/न्यूनतम समर्थन मूल्य (रूपये प्रति क्विंटल)
1	2003.04	199121	505
2	2004.05	130119	515
3	2005.06	4895	525
4	2006.07	.	540
5	2007.08	122718	600
6	2008.09	310478	840
7	2009.10	76996	840
8	2010.11	73653	880
9	2011.12	17385	980
10	2012.13	.	1175
11	2013.14	.	1250
12	2014.15	.	1250

(ख) वर्तमान सरकार के तीन वर्ष के कार्यकाल के दौरान खरीदे गए बाजरे की मात्रा निम्न प्रकार से हैः–

क्र. संख्या	वर्ष	खरीद की मात्रा (टनों मे)	खरीद मूल्य/न्यूनतम समर्थन मूल्य (रूपये प्रति क्विंटल)
1	2015.16	5094	1275

2	2016.17	6341	1330
3	2017-18	19056	1425

श्री कर्णदेव कम्बोजः अध्यक्ष महोदय, माननीय सदस्य श्री श्याम सिंह राणा जी ने यह जानना चाहा है कि पिछली सरकार के 10 वर्ष के कार्यकाल के दौरान हरियाणा राज्य की मंडियों में वर्षवार खरीदे गए बाजरे की मात्रा और यह किस मूल्य पर हुई है। मान्यवर अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से माननीय सदस्य को बताना चाहूंगा कि जो कौस्ट ग्रेन है, उसमें बाजरा भी शामिल होता है और इसको खरीदने का निर्णय पहली बार 2003 में श्रीमान् अटल बिहारी वाजपेयी जी जब प्रधानमंत्री थे तो केन्द्र की सरकार ने पॉलिसी बनाकर यह कौस्ट ग्रेन खरीदने का निर्णय लिया। अध्यक्ष महोदय, मैं बताना चाहूंगा कि पिछली सरकार में 2003–2004 में 199121 मीट्रिक टन जोकि 505 रुपए प्रति क्विंटल, 2004–2005 में 130119 मीट्रिक टन जोकि 515 रुपए प्रति क्विंटल, 2005–2006 में 4895 मीट्रिक टन जोकि 525 रुपए प्रति क्विंटल बाजरे की खरीद हुई, लेकिन 2006–2007 में कोई भी बाजरे की खरीद नहीं हुई। उसके बाद सरकार में 2007–2008 में 122718 मीट्रिक टन जोकि 600 रुपए प्रति क्विंटल, 2008–2009 में 310478 मीट्रिक टन जोकि 840 रुपए प्रति क्विंटल, 2009–2010 में 76996 मीट्रिक टन जोकि 840 रुपए प्रति क्विंटल, 2010–2011 में 73653 मीट्रिक टन जोकि 880 रुपए प्रति क्विंटल, 2011–2012 में 17385 मीट्रिक टन जोकि 980 रुपए प्रति क्विंटल बाजरे की खरीद की गई, लेकिन 2012–2013, 2013–2014, 2014–2015 में कोई भी हरियाणा के अंदर बाजरे की खरीद नहीं की गई। अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से माननीय सदस्य को बताना चाहूंगा कि 2012–2013 के अंदर 1175 रुपए, 2013–2014 में 1250 रुपए, 2014–2015 में 1250 रुपए बाजरे का एम.एस.पी. केन्द्र सरकार ने तय किया था और माननीय सदस्य ने यह भी जानकारी मांगी है कि इस सरकार के कार्यकाल में पिछले तीन साल के समय में कितना बाजरा हरियाणा की मंडियों में खरीदा गया तो मैं माननीय सदस्य को बताना चाहूंगा कि 2015–2016 में 5094 मीट्रिक टन जोकि 1275 रुपए प्रति क्विंटल, 2016–2017 में 6341 मीट्रिक टन जोकि 1330 रुपए प्रति क्विंटल, 2017–2018 में 19056 मीट्रिक टन जोकि 1425 रुपए प्रति क्विंटल के हिसाब से सरकार द्वारा हरियाणा की मंडियों से खरीदा गया और अभी भी हम बाजरे की खरीद करने वाले हैं और हमारा विश्वास है कि यह

आंकड़ा इससे भी ऊपर आएगा। इस प्रकार से बाजरे की हमने खरीद हरियाणा के अंदर की है।

श्री श्याम सिंह राणाः अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से सदन की जानकारी के लिए यह कहना चाहूंगा कि 2013, 2014, 2015 में कांग्रेस की सरकार थी, उस समय सरकार की तरफ से एक भी क्विंटल बाजरा किसानों का नहीं खरीदा गया और कांग्रेस पार्टी के लोग यह कहते हैं कि भारतीय जनता पार्टी किसान विरोधी है। मेरा आपसे अनुरोध है कि जहां बाजरा खरीदा गया, वही हमारी सरकार ने 3 साल में सबसे ज्यादा मुआवजा दिया है। अध्यक्ष महोदय, मैं बस आपके माध्यम से सदन में यही कहना चाहूंगा कि हमारी सरकार बहुत अच्छा काम कर रही है और कांग्रेस पार्टी की सरकार ने अपने समय में बाजरे की कोई खरीद नहीं की थी।

श्री विक्रम सिंह यादव : अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से मंत्री जी से जानना चाहता हूं कि सरकार ने जो 19056 टन बाजरा किसानों से इस साल खरीदा है उसका ब्यौरा जिलावार बताया जाये कि किस–किस जिले में कितना–कितना बाजरा खरीदा गया है ? यदि संभव हो तो मण्डीवाईज भी यह जानकारी दे दी जाये ।

श्री कर्णदेव कम्बोज : अध्यक्ष महोदय, हमारी सरकार आने के बाद हमने 2015–16 में दादरी में 10 मीट्रिक टन बाजरा खरीदा और भिवानी में 101 मीट्रिक टन बाजरा खरीदा । इसी तरह से वर्ष 2016–17 में दादरी में 45 मीट्रिक टन बाजरा खरीदा । इसके अतिरिक्त इस वर्ष में दादरी मण्डी में 2125 मीट्रिक टन, फरूख नगर मण्डी में 668 मीट्रिक टन, हेलीमण्डी में 531 मीट्रिक टन, झज्जर मण्डी में 4370 मीट्रिक टन, मातनहेल मण्डी में 1837 मीट्रिक टन, डाकला मण्डी में 1405 मीट्रिक टन, महम मण्डी में 32 मीट्रिक टन, रोहतक मण्डी में 310 मीट्रिक टन, नारनौल में 1464 मीट्रिक टन, नांगल चौधरी मण्डी में 1011 मीट्रिक टन, अटेली मण्डी में 2109 मीट्रिक टन, कोसली मण्डी में 1675 मीट्रिक टन और रेवाड़ी मण्डी में 711 मीट्रिक टन बाजरा खरीदा गया है । फरीदाबाद और तावडू में इस साल बिलकुल भी बाजरा नहीं खरीदा गया क्योंकि वहां की मण्डियों में इस साल बाजरे की अराईवल नहीं हुई ।

श्री श्याम सिंह राणा : अध्यक्ष महोदय, मंत्री जी ने अपने जवाब में बताया है कि वर्ष 2012–13 में बाजरे की कोई खरीद नहीं की गई । मैं मंत्री जी से यह जानना

चाहता हूं कि क्या इस वर्ष प्रदेश में बाजरे की फसल ही नहीं हुई या सरकार की तरफ से बाजरे की खरीद नहीं की गई ?

श्री कर्णदेव कम्बोज : अध्यक्ष महोदय, मैं माननीय साथी को बताना चाहूंगा कि भारत सरकार की तरफ से बाजरे के खरीद के नार्म्ज तय किए गए थे और 2008 तक हरियाणा में बाजरे की खरीद हुई । उसके बाद 2009 में भारत सरकार ने आदेश जारी किए कि हरियाणा सरकार नार्म्ज के मुताबिक बाजरे की खरीद नहीं कर रही इसलिए एफ.सी.आई. बाजरे की खरीद को स्वीकार नहीं करेगी । हरियाणा में कांग्रेस पार्टी की सरकार थी और वर्ष 2009 से 2011 तक तीन साल के दौरान हरियाणा सरकार ने जो बाजरा खरीदा था उसको एफ.सी.आई. ने नहीं खरीदा जिसके कारण प्रदेश सरकार को 30 करोड़ रुपये का नुकसान हुआ । उसके बाद तीन साल तक हरियाणा की कांग्रेस सरकार ने किसानों का बाजरा नहीं खरीदा । वर्ष 2014 में हमारी सरकार बनी उस समय तक बाजरे की खरीद का समय निकल चुका था । उसके बाद वर्ष 2015 में हमने केन्द्र सरकार से निवेदन करके बाजरे की खरीद को बहाल करवाया और हम तब से रैगूलर किसान का बाजरा खरीद रहे हैं । आज बाजरे की सही खरीद होने के कारण किसान खुशहाल है । आज प्रदेश का किसान कह रहा है कि जितनी सुनवाई उनकी भारतीय जनता पार्टी की सरकार के समय में हुई है उतनी सुनवाई पहले कभी नहीं हुई । अध्यक्ष महोदय, भारतीय जनता पार्टी की सरकार ने किसानों की भलाई के लिए जितने कार्य किए हैं उतने कार्य पहले वाली किसी सरकार ने नहीं किए । जो लोग किसानों का ढिंढोरा पीटकर राजनीति करते थे आज उनका नकाब उतर गया है । आज प्रदेश में हमारी सरकार ने किसानों की भलाई के लिए जो कार्य किए हैं उससे किसान खुश हैं । (शोर एवं व्यवधान)

श्री ओम प्रकाश धनखड़ : अध्यक्ष महोदय, इनको शीशा दिखा दिया तो ये डरते क्यों हैं । अपना चेहरा देखकर डरते क्यों हैं ?

इंडियन नैशनल लाकदन के सदस्यगण द्वारा कपड़ों से (गैग्ज) मुंह को ढ़ांकने संबंधी मामला उठाना

श्री बलकौर सिंह : अध्यक्ष महोदय, जो कुछ भी कल यहां हुआ वह अच्छा नहीं हुआ । कल हमारे नेता को यहां बोलने का समय नहीं दिया गया था जिसके विरोध स्वरूप आज इनेलो के सभी सदस्य अपने मुँह पर पट्टी बांधकर आए हैं और वे अपने प्रश्न भी नहीं पूछ रहे हैं ।

श्री अध्यक्ष : बलकौर जी, प्रश्नकाल चल रहा है इसलिए या तो आप प्रश्न पूछें या फिर अपनी सीट पर बैठ जाएं ।

श्री बलकौर सिंह : अध्यक्ष महोदय, आप मेरी बात तो सुनें ।***

श्री अध्यक्ष : बलकौर जी, आप प्रश्न नहीं पूछ रहे हैं । अब ये जो कुछ बोल रहे हैं वह रिकार्ड न किया जाये ।

श्री बलकौर सिंह : अध्यक्ष महोदय, ***

तारांकित प्रश्न एवं उत्तर (पुनरारम्भ)

तरांकित प्रश्न संख्या–2084

(यह प्रश्न पूछा नहीं गया क्योंकि इस समय माननीय सदस्य श्री परमिन्दर सिंह ढुल, विपक्ष के नेता श्री अभय सिंह चौटाला को 24.10.2017 को सदन में बोलने का मौका न दिए जाने के विरोध स्वरूप सदन में मुँह पर पट्टी बाधकर बैठे रहे।)

.....

तारांकित प्रश्न संख्या–2099

(यह प्रश्न पूछा नहीं गया क्योंकि इस समय माननीय सदस्य श्री असीम गोयल सदन में उपस्थित नहीं थे ।)

.....

To open a Nursing College in Thanesar

***2251. Shri Subhash Sudha:** Will the Medical Education Minister be pleased to state:

(a) Whether it is a fact that an announcement was made to open a Nursing College by the Hon'ble Chief Minister in Thanesar Vikas Rally on 04.06.2015; and

---

* चेयर के आदेशानुसार रिकार्ड नहीं किया गया।

(b) If so, the action taken by the department on the above said announcement so far togetherwith the time by which the said college is likely to be opened?

Health Minister (Shri Anil Vij) :

(a) Yes, Sir,

(b) The CM Announcement was shifted from the Health Department to the Directorate of Medical Education and Research on 12.04.2017. A suitable site measuring (28 bigha 13 biswa) for opening of a Nursing College has been located in village Kheri Ram Nagar, Gram Panchayat has passed a conditional resolution to give this land on lease for 33 years @ Rs. 1/- per acre per year

In view of Indian Nursing Council guidelines matter has been taken up with Deputy Commissioner, Kurukshetra for getting an unconditional resolution. Further action will be taken in the matter after receipt of appropriate resolution from the Gram Panchayat Kheri Ram Nagar, Thanesar, Kurukshetra.

श्री सुभाष सुधा : अध्यक्ष महोदय, मैं मंत्री जी को बताना चाहूंगा कि पंचायत ने दोबारा से 21.10.2017 को जमीन देने के लिए रैज्योलूशन सरकार के पास भेज दिया है । वहां पर कब तक नर्सिंग कालेज बना दिया जायेगा ?

श्री अनिल विज : अध्यक्ष महोदय, पहले पंचायत ने जो जमीन दी थी उसमें दो कंडीशंज लगाई थी (i) 5 seats for Girls should be reserved and (ii) 25% posts in Class-III and IV should be reserved for the permanent residents of the village in this Nursing College. अध्यक्ष महोदय, इण्डियन नैशनल काउंसिल के नॉर्म्ज के मुताबिक सशर्त दी गई जमीन पर नर्सिंग कालेज नहीं बनाया जा सकता । अब

माननीय सदस्य ने बताया है कि पंचायत ने दूसरा रैज्योलूशन भेज दिया है। उसका अध्ययन करके जल्द से जल्द वहां नर्सिंग कालेज बना दिया जायेगा ।

.....

तारांकित प्रश्न संख्या–2136

(यह प्रश्न पूछा नहीं गया क्योंकि इस समय माननीय सदस्य श्री जाकिर हुसैन, विपक्ष के नेता श्री अभय सिंह चौटाल को 24.10.2017 को सदन में बोलने का मौका न दिए जाने के विरोध स्वरूप सदन में मुंह पर पट्टी बांधकर बैठे रहे ।)

.....

Utilization of HAFED God own

***2118. Shri Mool Chand Sharma**: Will the Minister of State for Cooperation be pleased to state:-

(a) whether it is a fact that the HAFED God own situated in Mukesh Colony adjacent to Ballabhgarh City is lying in dilapidated condition;

(b) if so, whether there is any proposal under consideration of the Government to utilize the said God own after its repair?

सहकारिता राज्य मंत्री (श्री मनीष कुमार ग्रोवर) :

(अ) नहीं महोदय।

(ब) इसलिए यह प्रश्न नहीं उठता।

अध्यक्ष महोदय, माननीय साथी ने मुकेश कॉलोनी में स्थित हैफेड गोदाम की दयनीय हालत के बारे में प्रश्न पूछा है । मैं उस गोदाम की फोटो साथ लेकर आया हूं। उस गोदाम की हालत ठीक है इसलिए उसकी मुरम्मत की कोई आवश्यकता नहीं है।

श्री मूलचन्द शर्माः अध्यक्ष महोदय, वहां पर दो गोदाम हैं। एक मंडी में है और एक दूसरा मुकेश कालोनी सिटी पैलेस के साथ है जिसकी हालत बहुत जर्जर है। मंत्री

जी जो फोटो दिखा रहे हैं वह गलती से मंडी वाले गोदाम की फोटो ले आये हैं। मुकेश कालोनी सिटी पैलेस वाला गोदाम पिछले 20 सालों से टूटा पड़ा है और उस पर स्मैकियों का कब्जा है। वहां पर 250–300 बंदर रहते हैं जो शहर के आम आदमी के साथ शरारतें करते हैं और उनको काट भी लेते हैं। वहां पर सारे दो नम्बर के काम होते हैं। मेरा मंत्री जी से निवेदन है कि उस गोदाम को शीघ्रातिशीघ्र ठीक करवाया जाये।

श्री मनीष कुमार ग्रोवरः अध्यक्ष महोदय, माननीय सदस्य ने जो सवाल किया है वह बल्लभगढ़ कोआप्रेटिव सोसायटी, मुकेश मार्केट से संबंधित है। यह हमारे हैफेड से संबंधित नहीं है। जिस गोदाम का माननीय सदस्य जिक्र कर रहे हैं उसको हमने किराये पर नहीं लिया हुआ है तथा उसकी रिपेयर के आदेश दे दिये गये हैं।

श्री मूलचन्द शर्माः अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से माननीय मंत्री जी से यह पूछना चाहता हूं कि उसकी रिपेयर कब तक हो जायेगी, आप उसकी समय–सीमा तय कर दीजिए क्योंकि वहां पर बंदरों का बहुत बड़ा आतंक है? सुबह जब लोग सैर करने जाते हैं तो वे उन पर हमला कर देते हैं तथा काट लेते हैं।

श्री मनीष कुमार ग्रोवरः अध्यक्ष महोदय, हमारे साथी वन मंत्री जी यहां पर बैठे हैं मैं उनसे अनुरोध करना चाहूंगा कि वे इन बंदरों की समस्या का कोई समाधान निकालें।

श्री मूलचन्द शर्माः अध्यक्ष महोदय, मंत्री जी उसकी रिपेयर करवा दें तो बंदर वहां पर रहेंगे ही नहीं तथा यह समस्या अपने आप समाप्त हो जायेगी।

.....

Plantation of Date trees

***2147 Shri Jai Tirth Dahiya**: Will the Urban Local Bodies Minister be pleased to state:-

(a) The details of amount spent on plantation of date trees alongside the roads of Sonipat City in years 2015-16 and to uproot the date tree alongside the said road in year 2017; and

(b) The name of the company to whom the contract has been given for planting of new date trees alongside the roads in Sonipat City together with the Head of Account from which the above said amount likely to be incurred?

शहरी स्थानीय निकाय मंत्री (श्रीमती कविता जैन) :

(क) वर्ष 2016 में कालु पूर चुगीं से पुरा ने रोहतक रोड़ के फ्लाई–ओवर तक के डिवाईडर के सौंदर्यीकरण व पौधा–रोपण हेतू 3,56,439.00 रूपये खर्च किये गये हैं। नगर निगम, सोनीपत द्वारा वर्ष 2017 में खजूर के पेड़ उखाड़ ने पर किसी प्रकार का व्यय नही किया गया।

(ख) मै0 स्ट्रैंथ कन्संट्रक्शन कम्पनी को नये खजूर के पेड़ लगाने के लिए दिनांक 23.02.2017 को कार्य आदेश जारी किया गया। इसकी अदायगी सरकार से प्राप्त धन राशि से की जायेगी ।

श्री जयतीर्थः अध्यक्ष महोदय, मेरा आपके माध्यम से माननीय मंत्री जी से यह सवाल है कि सोनीपत शहर में जो खजूर के पेड़ लगाये गये थे उनमें से 80 प्रतिशत पेड़ सूख गये हैं। क्या संबंधित कम्पनी के साथ कोई ऐसा एग्रीमैंट था कि उनको दोबारा लगाया जायेगा या दोबारा से टैंडर किये जायेंगे?

श्रीमती कविता जैनः अध्यक्ष महोदय, मैं सम्मानित साथी को बताना चाहूंगी कि जैसा कि मैंने अपने लिखित जवाब में भी कहा है कि 2015 में सोनीपत शहर में कोई पेड़ नहीं लगाया गया। वर्ष 2016 में सोनीपत में जो हमारे मेन रोड, इंडस्ट्रियल एरिया, कालूपुर चुंगी रोड पर पेड़ लगाये गये थे जो कि 5,54,000/– रुपये की कॉस्ट के थे उसके बदले में जो पेमैंट की गई है वह 3,56,439/– रुपये है। उस कम्पनी के साथ यह एग्रीमैंट था कि अगले 2 वर्ष तक इन पेड़ों का रख–रखाव और मेन्टीनेंस कम्पनी के द्वारा किया जायेगा। अगर पेड़ चल जायेंगे तभी उनको भुगतान किया जायेगा। इसी वजह से उस कम्पनी को पूरी पेमेंट नहीं की गई। जहां तक माननीय साथी कह रहे हैं कि 80 प्रतिशत पेड़ सूखे हुये हैं तो यह ठीक नहीं है। 2016 में 72 खजूर के पेड़ लगाये गये थे उनमें से 23 पेड़ सूख गये हैं। जैसा मैंने कहा कि कांट्रैक्ट की शर्तों में यह शर्त थी और इसके ऐवज में उनको कोई भुगतान नहीं किया गया। वर्ष 2016 के बाद वर्ष 2017 के अन्दर जो प्लांट लगाए गये उसका

मैसर्ज स्ट्रैंथ कंस्ट्रक्शन कंपनी को वर्क अलोट किया गया था और इस वर्क अलोटमैंट के बाद इसमें 302 पेड़ों की प्लांटिंग की गई थी जिसमें से लगभग 150 के करीब प्लांट सूख गये थे। मैं पुनः इस बात को दोहराना चाहूंगी कि कॉन्ट्रैक्ट की शर्तों में शामिल था कि जो प्लांट चलेंगे केवल उसी की उसको पेमेंट की जाएगी । इस बार वर्ष 2017 में जो स्ट्रैन्थ कंस्ट्रक्शन कंपनी को ठेका दिया गया उसकी पेमेंट नगर निगम के द्वारा अभी तक भी नहीं दी गई है । स्पीकर सर, इसके अलावा हमारे जो सोनीपत के आस पास के माननीय सम्मानित साथी हैं इनका जो कंसर्न है वह वाजिब है । उस संबंध में मैं बताना चाहूंगी कि हमारी जो प्राईवेट कंपनीज हैं जैसे जैस कंपनी है और दूसरी ब्रेकपार्टस इण्डिया लिमिटिड कंपनी है उन्होंने हमसे रिक्वेस्ट करके अपनी मर्जी से लगभग 10 लाख के पौधे उन दोनों सड़कों मुरथल और बहालगढ़ रोड़ पर लगाए हैं । माननीय साथी की जो चिन्ता है वह निश्चित रूप से बिल्कुल जायज है और मैं समझती हूं कि जो जवाब सदन के पटल पर रखा गया है उससे इनकी जो जिज्ञासा है, जो चिन्ता है वह दूर हो गई होगी ।

श्री जयतीर्थ दहिया : अध्यक्ष महोदय, मैं मंत्री जी से पूछना चाहता हूं कि प्राईवेट कंपनियों से जो एग्रीमैंट हुआ है उसमें अब तक टोटल कितना पैसा दिया गया है, या फिर वह प्राईवेट कंपनियां फ्री में ही पौधे लगा रही हैं । जहां तक मेरी जानकारी है उसके हिसाब से एक पेड़ पर 10000/–रूपये खर्च हुए हैं । अब तक जितने पेड़ लगाए गये हैं क्या उनमें किसी पेड़ की कोई पेमेंट नहीं की गई है ?

श्रीमती कविता जैन : अध्यक्ष महोदय, वर्ष 2017 की अब तक कोई पेमेंट नहीं की गई । मैंने दोबारा से ब्रेकअप करके भी बताया है कि वर्ष 2015–16 में कोई पेड़ नहीं लगा । वर्ष 2016 में as per scope of works 72 डेटप्लांट लगाए गये थे जिसमें से 10 पेड़ खत्म हो गये हैं । कॉन्ट्रैक्ट की शर्तों में यह शामिल था कि मैंटीनैंस और रख रखाव पर एक साल का खर्च उस कंपनी द्वारा किया जाएगा जिसने वह पेड़ लगाए हैं । इसलिये उस कंपनी को उसके अगेंस्ट पेमेंट नहीं की गई । हमारा जो टोटल कॉट्रैक्ट था वह 5 लाख से भी ज्यादा का था और उसकी एवेज में उनको जो पेमेंट की गई है वह साढ़े तीन लाख के करीब की गई है और वर्ष 2017 के अन्दर जो पेड़ लगे हैं उनकी पेमेंट उनको अभी तक नहीं की गई है ।

श्री अध्यक्ष : जयतीर्थ जी, आपने यही प्रश्न तीन बार पूछ लिया और जिसका मंत्री जी ने काफी क्लीयर जवाब भी दे दिया है उसके बाद भी अब क्या पूछना रह गया है । (शोर एवं व्यवधान)

श्री जयतीर्थ दहिया : अध्यक्ष महोदय, यहां पर जो पेड़ लगाए गये हैं उनमें से कोई भी पेड़ वातावरण को शुद्ध करने वाला नहीं है क्योंकि ये सारे पेड़ बाहर के दूसरे देशों से मंगवाए गये हैं । मैं यह कहना चाहता हूं कि हमारे यहां स्वदेशी व अपने प्रदेश के पेड़ क्यों नहीं लगाए गये ? यहां पर विदेशी पेड़ क्यों लगाए गये हैं ? क्या हमारे अपने देश के पेड़ों से प्रदेश का सौंदर्यीकरण नहीं हो सकता था ? दूसरे प्रदेश के पेड़ यहां लगा दिये गये जिनके लिये न तो यहां का वातावरण ठीक है और न ही यहां की जमीन ठीक है ? ये पेड़ तो हमारे यहां फल फूल ही नहीं सकते । यह तो केवल कंपनी को फायदा पहुंचाने के लिये किया गया है । (शोर एवं व्यवधान)

श्रीमती कविता जैन : अध्यक्ष महोदय, इनको तो यह भी नहीं पता कि खजूर के पेड़ दूसरे देश के पेड़ नहीं हैं । जिस वक्त ये पेड़ लगाये गये थे वे बिल्कुल हरे थे लेकिन प्रकृति पर किसी का वश नहीं है । किसान होने के बावजूद इन्हें यह नहीं पता कि ये खजूर के पेड़ दूसरे प्रदेश या दूसरे देश के नहीं हैं ।

सहकारिता राज्यमंत्री(मनीष ग्रोवर) : अध्यक्ष महोदय, जब दूसरे देश की सोनिया गांधी यहां हमारे देश में बस सकती हैं तो पेड़ क्यों नहीं लग सकते ?(शोर एवं व्यवधान)

श्रीमती किरण चौधरी : मंत्री जी, आप ऐसी बात मत कीजिये ।

श्री अध्यक्ष : किरण जी, वह तो दूसरे देश की बात पर कह रहे हैं ।

श्रीमती किरण चौधरी : अध्यक्ष महोदय, यह सब से बड़ी बात है कि आज कल तो हरियाणा के खेतों में भी स्ट्राबेरी उगने लगी है । अब अलग–अलग प्रकार के फल भी हरियाणा में उगने लगे हैं जो कभी ठंडे इलाकों में उगते थे । इसलिये माननीय साथी की बात का कोई लोजिक नहीं बनता । जबकि सौंदर्यीकरण हमारी प्राथमिता होनी चाहिए ।

श्री जयतीर्थ दहिया : अध्यक्ष महोदय, यह तो यही बात हो गई कि–

'' बड़ा हुआ तो क्या हुआ, जैसे पेड़ खजूर,

पंथी को छाया नहीं , फल लागे अतिदूर''

अध्यक्ष महोदय, मेरी सब्मिशन यह है कि जितने भी पेड़ लगाए गये हैं उनकी इंकवायरी करवाई जाए ।

Construction of Yamuna Bridge

***2244. Shri Lalit Nagar:** Will the PWD Minister be pleased to state whether it is a fact that the foundation stone was laid down for construction of Yamuna Bridge in village Manjhawali on 15 August, 2014 in Tigaon Area; if so, the time by which the construction work of the said bridge is likely to be started?

लोक निर्माण मंत्री (श्री नरबीर सिंह) : हाँ, श्रीमान् जी। गांव मंझावली में यमुना पुल का निर्माण कार्य, सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय भारत सरकार के द्वारा 148. 84 करोड़ रुपये के अनुमान के, केन्द्रीय सड़क कोष के अन्तर्गत अर्न्तराज्य संयोजकता के तहत, अनुमोदन के बाद आरम्भ किया जायेगा। अनुमोदन की शीघ्र उम्मीद है। नवम्बर महीनें में इसका तैंडर लगाया जाएगा। अध्यक्ष महोदय, इसके साथ–साथ मैं माननीय सदस्य के प्रश्न के जवाब में मैं ''हां'' कहना चाहूंगा और साथ ही यह भी बताना चाहूंगा कि भारत सरकार ने 13 अक्टूबर, 2017 को इस प्रोजैक्ट को मंजूरी दे दी है और नवम्बर महीने में इस काम का टैंडर लगा दिया जायेगा।

इंडियन नैशनल लोकदल के सदस्यगण द्वारा कपड़ों से (गैग्ज) मुंह को ढांकने संबंधी मामला उठाना (पुनरारम्भ)

शिक्षा मंत्री (श्री राम बिलास शर्मा): स्पीकर सर, चौधरी अभय सिंह चौटाला जी माननीय विपक्ष के नेता ने और इंडियन नैशनल लोकदल पार्टी के सभी माननीय विधायक ''बोलना मना है'' शब्द लिखित एक पट्टिका मुंह पर लगाकर सदन में अपनी सीटों पर विराजमान हैं। सदन में चूंकि अब प्रश्न काल चल रहा है और इनके प्रश्न भी लगे हुए हैं तो ऐसी हालत में मैं दरख्वास्त करूंगा कि जब माननीय स्पीकर साहब इनको अपना प्रश्न पूछने के लिए कहें तो यह मुंह से बोलकर अपना प्रश्न पूछें। वैसे स्पीकर सर, मैं यह बात भी माननीय इंडियन नैशनल लोकदल के

सदस्यों के ध्यान में लाना चाहता हूँ कि श्वास प्रक्रिया को ज्यादा देर रोकने से कई प्रकार की विसंगतियां उठ खड़ी हो सकती है? (हंसी और विघ्न) स्पीकर सर, जिस तरह का विरोध प्रदर्शन हमारे विपक्ष के साथियों के द्वारा किया जा रहा है, इस तरह के विरोध क्षणिक और सांकेतिक होते हैं। इस तरह के विरोधों को बहुत लंबे समय तक नहीं चलाना चाहिए? (शोर एवं व्यवधान)

स्वास्थ्य मंत्री (श्री अनिल विज): अध्यक्ष महोदय, इन लोगों ने जैन धर्म को तो स्वीकार नहीं कर लिया? या फिर इनको कोई भयंकर बीमारी तो नहीं हो गई है? (शोर एवं व्यवधान) कहीं इनको टी.बी. की बीमारी तो नहीं हो गई है? (शोर एवं व्यवधान) कहीं इनको बहुत ज्यादा शर्म तो नहीं आ रही है? (शोर एवं व्यवधान)। लगता है कोई बीमारी ही हो गई है? (शोर एवं व्यवधान) इसी वजह से इन्होंने अपने मुंह पर पट्टी बांध रखी है। (शोर एवं व्यवधान)

शहरी एवं स्थानीय निकाय मंत्री (श्रीमती कविता जैन): अध्यक्ष महोदय, जैन धर्म में तो पट्टी लगाकर भी बोल सकते हैं। (शोर एवं व्यवधान) जैन धर्म में पट्टी लगी हो और बोला न जाये ऐसा कोई नियम नहीं है। (शोर एवं व्यवधान)

श्रीमती गीता भुक्कल: अध्यक्ष महोदय, इंडियन नैशनल लोकदल के सदस्यों ने जो मुंह पर पट्टियां बांधी हुई हैं इसके लिए किसी धर्म का मजाक नहीं उड़ाना चाहिए?(शोर एवं व्यवधान) किसी धर्म का मजाक उड़ाना बहुत गलत बात है?(शोर एवं व्यवधान)

श्री अध्यक्ष: गीता जी, किसी ने किसी के धर्म का कोई मजाक नहीं उड़ाया है? (शोर एवं व्यवधान)

श्रीमती गीता भुक्कल: अध्यक्ष महोदय, विपक्ष की आवाज को दबाना लोकतंत्र के लिए बहुत बड़ा खतरा है। अध्यक्ष जी, आप सत्तानशीं हैं, सदन की मुख्य चेयर पर विराजमान हैं, अगर हमारे विपक्ष के साथियों ने किसी कारण से या जो भी कारण है जैसाकि आप सबको मालूम ही है, अगर इन्होंने अपने मुंह पर पट्टी लगा रखी है तो स्पीकर होने के नाते न तो आपने चाहा है और न ही पार्लियामैंट्री अफेयर्स मिनिस्टर भाई ने चाहा है कि विपक्ष के साथियों द्वारा वाकई यह पट्टियां खोली जाये। यह ठीक है कि आपने पट्टियां खोलने के बारे में कहा जरूर है। पार्लियामैंट्री अफेयर्स मिनिस्टर ने तो उठकर इनके द्वारा मुंह पर पट्टी लगाने का मजाक ही उड़ाया है और साथ ही योगा पद्धति पर आधारित श्वास प्रक्रिया का भी

मजाक उड़ाया है। अध्यक्ष महोदय, मेरा आपसे अनुरोध है कि कृपया आप इनको बोलने का मौका दें। प्रश्न काल लगा हुआ है (शोर एवं व्यवधान) लोगों की आवाज को दबाने का नतीजा सत्ता पक्ष को भुगताना पड़ेगा?(शोर एवं व्यवधान)

श्री राम बिलास शर्माः अध्यक्ष महोदय, मैंने हाथ जोड़कर माननीय विपक्ष के नेता को बोलने के लिए निवेदन किया है लेकिन जिस तरह से इस समय आदरणीय बहन गीता भुक्कल जी बोल रही हैं, यह इनका एक स्टाइल है। मैं बड़े अदब से बड़ी विनम्रता से सदन के माननीय विपक्ष के नेता से निवेदन करता हूँ कि प्रश्न काल समय चल रहा है इसलिए उनको अपने प्रश्न पूछने चाहिए और साथ ही गीता जी को बताना चाहता हूँ कि उनको चीजों को ज्यादा ट्विस्ट नहीं करना चाहिए। वास्तव में उनसे अच्छा तो किरण चौधरी ही बोल लेती हैं? (हंसी एवं विघ्न)

श्रीमती किरण चौधरीः अध्यक्ष महोदय, यह प्रश्न काल है। पार्लियामैंट्री अफेयर्स मिनिस्टर एक तरह से विपक्ष की आवाज को दबाने की कोशिश कर रहे है। (शोर एवं व्यवधान) कल भी इन्होंने यही किया था। (शोर एवं व्यवधान) यह जानबूझकर व्यवस्थित ढंग से विपक्ष की आवाज दबाने का काम कर रहे हैं? यह ठीक बात नहीं है?(शोर एवं व्यवधान)

श्री ललित नागरः माननीय स्पीकर साहब, मेरा भी आपके माध्यम से अनुरोध है कि सदन में विपक्ष के नेताओं की आवाज को दबाने का काम नहीं होना चाहिए? सदन में जिस तरह से विपक्ष की आवाज को दबाया जा रहा है, उस परिपेक्ष्य में मेरा आपसे अनुरोध है कि आप इस बात का आश्वासन दे कि आगे से विपक्ष को बोलने का पूरा मौका मिलेगा।

सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता राज्य मंत्री (श्री कृष्ण कुमार बेदी): अध्यक्ष महोदय, मैं ललित नागर जी का और गीता भुक्कल जी का समर्थन करता हूँ परन्तु यह एक बार अपनी अंतरात्मा से सोचकर बता दें कि इनके प्रदेश अध्यक्ष श्री अशोक तंवर के साथ जो बर्ताव किया जा रहा है क्या वह सही है। मैं समझता हूँ कि इनको अपने प्रदेशाध्यक्ष के प्रति भी थोड़ी बहुत हमदर्दी दिखानी चाहिए।(शोर एवं व्यवधान) अपने प्रदेशाध्यक्ष पर तो यह लोग लट्ठ बरसा रहें हैं और सदन में मर्यादाओं की बात करते हैं। यदि यह लोग अपने प्रदेशाध्यक्ष के प्रति भी थोड़ी बहुत हमदर्दी दिखा दें तो इनको फायदा हो जायेगा? (शोर एवं व्यवधान) आज अशोक तंवर मारा–मारा

फिर रहा है। (शोर एवं व्यवधान) अध्यक्ष महोदय, यह जो सदन में लोकतंत्र की बात कर रहे है, यह भपूेन्द्र सिंह हुड्डा की गोद में बैठे हुए लोग हैं।(शोर एवं व्यवधान)

.....

तरांकित प्रश्न एवं उत्तर (पुनरारम्भ)

Construction of Power House In Juan

***2088. Shri Jagbir Singh Malik**: Will the Chief Minister be pleased to state:

(a) whether it is a fact that the power supply of village Juan of Gohana constituency is very dismal; if so, whether there is any proposal under consideration of the Government to set up a power house in the said village; and

(b) if so, the time by which the above said power house is likely to be set up?

परिवहन मंत्री (श्री कृष्ण लाल पंवार) : (क) नहीं श्रीमान, गांव जुआन को 11 केवी जुआन आर.डी.एस. फीडर के द्वारा बिजली आपूर्ति की जा रही है जोकि 33 केवी सब–स्टेशन, भटगांव से निकलता है। क्योंकि फीडर थोड़ा ओवरलोडिड था इसलिए गांव रत्तनगढ़ का लोड इस फीडर से 11 केवी माहरा आर.डी.एस. फीडर पर शिफ्ट किया गया था व गांव माछरी से गांव रत्तनगढ़ तक लगभग 2 किलामीटर लम्बे कमजोर क्षमता वाले कंडक्टर से बदला गया था। गांव जुआन को शेड्यूल के अनुसार बिजली आपूर्ति की जा रही है। आगे, यह भी अवगत कराया जाता है कि नए 33 केवी सब–स्टेशन जुआन का निर्माण कार्य भी आबंटित कर दिया गया है।

(ख) नए 33 केवी सब–स्टेशन जुआन की अक्तूबर, 2018 तक चालू होने की संभावना है।

.....

इंडियन नैशनल लोकदल के सदस्यगण द्वारा कपड़ों से (गैग्ज) मुंह को ढांकने संबंधी मामला उठाना (पुनरारम्भ)

श्रीमती किरण चौधरी : अध्यक्ष जी, यहां हर चीज पर तंज कसा जा रहा है । आप बताइये कि क्या पार्लियामैंट अफेयर्स मिनिस्टर का यही काम होता है । हमारी आवाज को दबाया जा रहा है । (शोर एवं व्यवधान)

श्री अध्यक्ष : किरण जी, हमने किसी की आवाज को नहीं दबाया है । माननीय मंत्री जी ने जो बात कही है उसे वैज्ञानिक भी मानते हैं । 'श्वास–प्रक्रिया' से संबंधित बात पर वैज्ञानिक भी कहते हैं कि मुंह पर पट्टी बांधने से थोड़ी–सी दिक्कत होती है । सदन में सभी अति महत्वपूर्ण लोग उपस्थित हैं इसलिए माननीय मंत्री जी ने इस बात की चिन्ता की है । (शोर एवं व्यवधान) उन्होंने किसी का मजाक नहीं उड़ाया है बल्कि सचमुच में चिन्ता की है । इसके अतिरिक्त आपकी पार्टी के मैम्बर ने अपना क्वैश्चन नंबर बोल दिया है । सरकार जवाब देना चाहती है और आप जवाब लेना नहीं चाह रही हैं । आपकी पार्टी के विधायक का प्रश्न लगा हुआ है और माननीय मंत्री जी उसका जवाब देने के लिए तैयार हैं लेकिन आप जवाब लेने के लिए तैयार ही नहीं हो । (शोर एवं व्यवधान)

श्री मनोहर लाल : अध्यक्ष महोदय, हमारी जो संसदीय परम्पराएं हैं वे एक प्रकार से अच्छी और मर्यादित बनी रहनी चाहिए । यह ठीक है कि कई बार हर तरफ से मर्यादाएं तोड़ी जाती हैं । आपको ध्यान होगा वर्ष 2014 के पहले सत्र में मैंने कहा था कि हम सभी को मर्यादाएं बनाकर रखनी चाहिएं । कई बार आवेश में सत्ता पक्ष और विपक्ष में एक–दूसरे की आलोचना और नोक–झोंक होना स्वाभाविक है लेकिन उनमें ज्यादा तल्खी नहीं आनी चाहिए । अतः मैं नेता प्रतिपक्ष और विपक्ष से प्रश्न पूछने की अपील करता हूं क्योंकि उन्होंने आज अपना सांकेतिक विरोध प्रदर्शन भी कर दिया । अब प्रश्नकाल चल रहा है और वे इसमें भाग लें और सरकार से प्रश्न पूछें और हमारी तरफ से उनका जवाब दिया जाएगा ।

(इस समय इंडियन नैशनल लोकदल के सदन में सभी उपस्थित सदस्यों ने अपने मुंह से बंधी हुई पट्टियां हटा ली ।)

श्री अभय सिंह चौटाला : स्पीकर महोदय, अभी माननीय मुख्य मंत्री जी ने कहा कि सदन में किसी चीज पर तल्खी नहीं होनी चाहिए । उनकी बात सही है लेकिन यह तल्खी हमने पैदा नहीं की है । सदन में जो तल्खी पैदा हुई उसकी सच्चाई जानने के लिए विषय की गहराई में जाना पड़ेगा । यह सरकार की जिम्मेवारी है कि वह हर विधायक की रक्षा करें । एक माननीय सदस्य को एक 'मामा' नाम का व्यक्ति

थ्रैट कर रहा था कि अगर तूने मेरे बारे में कभी किसी किस्म का कोई विरोध किया तो मैं तुझे मरवा दूंगा । जब यह बात शुरू हुई तो आपकी पार्टी के विधायक मूल चन्द शर्मा जी, बी.एस.पी. के विधायक टेक चन्द शर्मा जी और कांग्रेस पार्टी के माननीय सदस्य ने भी अवैध निर्माण के लिए स्पीकर के माध्यम से सरकार से प्रश्न पूछना चाहा । हर माननीय सदस्य की रक्षा की जिम्मेवारी सरकार की है । इसके अलावा स्पीकर की यह जिम्मेवारी है कि अगर कोई मैम्बर विधान सभा में खड़ा होकर सरकार से प्रश्न पूछे और वह इशू सैंसेटिव हो तो वह उस पर तुरंत संज्ञान ले और सरकार से उसका जवाब तुरंत मांगे । जब मैं इस बात के लिए अपनी सीट से खड़ा हुआ तो मुझसे कहा गया कि आप तो हर बात के बीच में खड़े हो जाते हो । मैं उस समय अपनी सीट से उठकर बोलने के लिए इसलिए खड़ा हुआ था क्योंकि नेता प्रतिपक्ष के नाते यह मेरी जिम्मेवारी बनती है कि अगर हाउस के किसी भी माननीय सदस्य को कोई डराता या धमकाता है, न केवल हाउस के सदस्य को बल्कि हरियाणा प्रदेश के किसी भी नागरिक के साथ इस किस्म का व्यवहार कोई दूसरा व्यक्ति करता है तो मैं उस बात को सदन में उठाऊँगा। मुझे यह बात पूरी करने की बजाय पहले मुझे खड़ा किया गया और फिर मुझे कहा गया कि इस बात का फैसला मैं करूँगा कि सदन में कौन बोलेगा और कौन नहीं बोलेगा। अध्यक्ष महोदय, जब आपने स्वयं फैसला ही कर लिया है तो फिर यह सत्र बुलाने की जरूरत ही क्या थी। हाउस में जो विधायक बैठे हुए हैं वे अपने–अपने हल्के की समस्याएं लेकर आए हुए हैं, या फिर और कुछ करने के लिए आए हुए हैं। (शोर एवं व्यवधान)

श्री ज्ञान चंद गुप्ता : अध्यक्ष महोदय, यह तो संविधान में ही लिखा हुआ है कि हाउस में स्पीकर ही बोलने के लिए माननीय सदस्य को अलाउ करता है। (शोर एवं व्यवधान)

मुख्यमंत्री (श्री मनोहर लाल) : अध्यक्ष महोदय, नेता प्रतिपक्ष ने एक–दो विषय सदन में उठाए हैं। सदन में कल जो विषय हुआ उस समय मैं सदन में उपस्थित नहीं था। लेकिन मुझे जानकारी मिली है कि पहला विषय जो चर्चा का केन्द्र बिन्दु था, वह वहाँ की स्थानीय राजनीति को लेकर ज्यादा था। विषयों से जुड़ा हुआ मुझे नहीं लगा फिर भी यदि कोई विषयों से जुड़ा हुआ था तो मुझे पता लगा कि सरकार के संसदीय कार्य मंत्री ने कहा था कि अगर इस तरह की बात होगी तो हम उसका संज्ञान लेंगे, इतनी ही कार्रवाई काफी होती है। क्योंकि जो व्यक्ति यहाँ उपस्थित

नहीं है उसके बारे में यदि कोई जानकारी मिल भी गई तो उसके बाद संज्ञान लेना ही विषय बनता है। सदन तुरंत कार्रवाई करे ऐसा नहीं होता है। जो जानकारी मिली माननीय मंत्री जी ने उसका उत्तर दे दिया और वह विषय वहीं समाप्त होना चाहिए था। दूसरा अभय जी, आपने कहा कि अध्यक्ष महोदय को यह कहना कि किसको बोलना चाहिए और किसको नहीं बोलना चाहिए। निश्चित रूप से यह संसदीय परम्पराएं हैं इसमें हर माननीय सदस्य स्वयं तय नहीं कर सकता कि मैं सदन में बोलूंगा मैं नहीं बोलूंगा। अभय जी, अगर यह व्यवस्था नहीं बनाई गई तो संसदीय परम्पराएं नहीं चलेगी। हम अध्यक्ष महोदय का चुनाव इसलिए करते हैं कि उनकी देख–रेख में सदन की कार्यवाही सुचारू रूप से चले। किस को बोलने देना है और किसको नहीं और सदन की क्या परिस्थिति है क्या नहीं इस पर बहस करने का कोई विषय नहीं है। यह सदन की परम्परा भी है, नियम भी है और कायदा कानून भी है। यदि हम अध्यक्ष महोदय को चलेंज करेंगे कि आप कौन होते हैं इस तरह से बोलने वाले, यह अच्छी बात नहीं है। मुझे जहां तक पता लगा है कि तू–तू मैं–मैं करके भी बाते हुई हैं, यह कोई अच्छी बात नहीं है। (शोर एवं व्यवधान)

श्री अभय सिंह चौटाला : अगर कोई आंख दिखाए और यह कहे कि आप ऐसे ही खड़े हो जाते हो। (शोर एवं व्यवधान)

श्री अध्यक्ष : अभय सिंह जी, आंख कौन दिखाता है, यह पूरे हाउस को पता है। (शोर एवं व्यवधान)

श्री मनोहर लाल : हाउस की मर्यादा बनाए रखनी चाहिए। (शोर एवं व्यवधान)

श्री कृष्ण कुमार बेदी : आंख दिखाने का काम किसका है, सबको इस बात का पता है। (शोर एवं व्यवधान)

श्री अध्यक्ष : आंख कौन दिखाता है, सभी माननीय सदस्यों को पता है। (शोर एवं व्यवधान)

श्री ज्ञान चंद गुप्ता : अध्यक्ष महोदय, आंख दिखाने का काम इनैलो का है। (शोर एवं व्यवधान)

श्री अध्यक्ष : अभय जी, आप अपनी सीट से कई बार उठते हैं, मैंने कभी भी आंख नहीं दिखाई। आप स्वयं विधान सभा का रिकॉर्ड चैक करवा सकते हैं। आप दूसरे माननीय सदस्यों से 10 गुणा बार अपनी सीट से उठते हैं, इस बात को तो आप

स्वयं मानते हो। (शोर एवं व्यवधान) इसके बावजूद भी मैंने कभी भी आपको रोका नहीं। (शोर एवं व्यवधान)

श्री अभय सिंह चौटाला : सदन में बात कहना मेरी जिम्मेवारी बनती है। (शोर एवं व्यवधान)

श्री अध्यक्ष : अभय जी, आपने अपनी जिम्मेवारी के हिसाब से अपना विषय एक घण्टा 24 मिनट सदन में रखा है। उसके बाद सरकार की जिम्मेवारी बनती है कि जितने भी प्रश्न आपने पूछे हैं उन सबका जवाब दें। जैसे ही सदन का नेता जवाब देते है उसके बीच में भी आप चार–चार बार बीच में खड़े हो जाते हो। आप एक सीनियर नेता है उसके हिसाब से आपको विचार करना चाहिए।

श्री अभय सिंह चौटाला : अध्यक्ष जी, जब आपने यह कहा कि आप हर दफा बीच में उठ जाते हो तो मैंने यह कहा कि अगर आपको लगता है कि मैं बीच–बीच में उठता हूँ, जिससे आपको पीड़ा होती है तो मैं सदन से चला जाता हूँ । (शोर एवं व्यवधान)

श्री अध्यक्ष : अभय जी, बात आपके कहने की स्टाईल की थी। आपका कहने का तरीका सही नहीं था। (शोर एवं व्यवधान)

श्री अभय सिंह चौटाला : विधान सभा के एक सदस्य को मारने की धमकी दी जाती है और उसकी बात हम सदन में उठाए, तो उसका जवाब देने की बजाए हमें आंख दिखाई जाती है। (शोर एवं व्यवधान)

श्री अध्यक्ष : अभय जी, कई बार आवेश में आकर के एक–दूसरे के मुँह से बात निकल जाती है, इसलिए अब इस बात को यहीं समाप्त करना चाहिए। (शोर एवं व्यवधान)

श्री कृष्ण कुमार बेदी : कांग्रेस का असली चहेरा तो मेरे मोबाईल में है। (शोर एवं व्यवधान)

श्री अध्यक्ष : बेदी जी, प्लीज आप अपनी सीट पर बैठ जाइये। (शोर एवं व्यवधान)

प्रो. रविन्द्र बलियाला : अध्यक्ष महोदय, बेदी जी को अपनी सीट पर बिठाये। (शोर एवं व्यवधान)

श्री कृष्ण कुमार बेदी : अध्यक्ष महोदय, मेरा आपसे निवेदन है कि एक बार आप मोबाईल की रिकॉडिंग सुन लें। (शोर एवं व्यवधान)

श्री अध्यक्ष : मंत्री जी, मैं अपने चैम्बर में बैठ कर सुन लूंगा। प्लीज आप बैठ जाइये। (शोर एवं व्यवधान)

श्री आनन्द सिंह दांगी : अध्यक्ष महोदय, आप मंत्री जी को तो बिठाएं। (शोर एवं व्यवधान)

शिक्षा मंत्री (श्री राम बिलास शर्मा) : अध्यक्ष महोदय, कल माननीय सदस्य ललित नागर ने एक बात उठाई और उसके बाद नेता प्रतिपक्ष ने उस बात को लेकर के काफी संजीदगी से एक बात कही है। ललित जी फरीदाबाद से विधायक हैं और इनके भाषण में हमने 3–4 बातें नोट की है। एक तो इनको थ्रैट किया गया है। हमने पुलिस कमिश्नर से और गृह सचिव से बात करके सदन को आश्वस्त किया है और कहा है कि ललित नागर जी का जो कुछ भी कहना है वे उसके अनुसार विधिवत लिखकर दे दें। वे अखबार की बातों पर न जायें। नागर जी ने लिखकर नहीं दिया है फिर भी हमने पूरा संज्ञान लिया है। एक बात इन्होंने यह भी कही थी कि कुछ प्राईवेट बसें बिना परमिट के वहां चलती हैं। अध्यक्ष महोदय, उसकी जांच परिवहन मंत्री ने बड़ी गहराई से करवाई है। (शोर एवं व्यवधान)

श्रीमती किरण चौधरी : यह बात आपकी ही पार्टी के विधायक ने बोली थी। (शोर एवं व्यवधान)

श्री अध्यक्ष : किरण जी, आप माननीय मंत्री जी का जवाब तो सुन लें। (शोर एवं व्यवधान)

श्री राम बिलास शर्मा : अध्यक्ष महोदय, पूरा सदन इस बात को लेकर के चिंतित था और नेता प्रतिपक्ष भी इस बात को लेकर बड़े चिंतित थे। उसके बाद सरकार ने इस मामले की बड़ी गहराई के साथ जांच की है। (शोर एवं व्यवधान)

श्री कृष्ण लाल पंवार : अध्यक्ष महोदय, कल मेरे माननीय साथी श्री मूल चंद शर्मा और नागर जी ने बसों के बारे में सवाल उठाया था। मेरी जानकारी में यह आया कि हरियाणा के फरीदाबाद में कैपिटल ट्रांसपोर्ट के नाम से कांग्रेस विधायक श्री करण सिंह दलाल के भाई की अवैध बसें सड़कों पर दौड़ रही हैं। (शोर एवं व्यवधान)

श्री अध्यक्ष : ललित नागर जी, आपने जो आरोप लगायें हैं आप उस सम्बन्ध में प्रूफ के तौर पर एफिडेविट दे दें। मैं इस मामले की जांच के लिए हाउस की कमेटी गठित कर दूंगा। किसी भी माननीय सदस्य को किसी के भी विरूद्ध निराधार आरोप लगाने की इजाज़त नहीं दी जा सकती। आप मुझे प्रूफ दें मैं इस मामले में आगे की कार्यवाही करवाऊंगा। जो व्यक्ति सदन में उपस्थित नहीं है उसके ऊपर अगर कोई माननीय सदस्य आरोप लगाता है तो उसको सारे सबूत साथ देने होंगे। तभी उस मामले की जांच करवाई जा सकती है क्योंकि जिसके ऊपर आरोप लगाये जा रहे हैं वह सदन में जवाब देने के लिए उपस्थित नहीं है। (शोर एवं व्यवधान) मेरी इजाज़त के बिना जो भी माननीय सदस्य बोल रहे हैं उनकी कोई भी बात रिकार्ड न की जाये। (शोर एवं व्यवधान) सभी माननीय सदस्य कृपया बैठ जायें और श्री राम बिलास शर्मा जी को बोलने दें।

श्री राम बिलास शर्मा : स्पीकर सर, हमने इस मामले की जांच करवाई है। जांच में यह पाया गया है कि जिस आदमी का नाम लेकर यहां पर यह कहा गया है कि उसके साथ 6–6 गनमैन चलते हैं यह सरासर गलत बात है क्योंकि हरियाणा पुलिस का कोई भी कर्मचारी उस आदमी के साथ नियुक्त नहीं है। ललित नागर जी ने जिस व्यक्ति का नाम यहां पर लिया है उसके साथ हरियाणा सरकार द्वारा दिया गया कोई गनमैन नहीं है। (शोर एवं व्यवधान) कल यहां पर माननीय सदस्य श्री ललित नागर द्वारा इतनी बार मामा–मामा कहा गया जिससे सारे मामा इस बात से नाराज़ हो गये हैं क्योंकि मामा होना कोई पाप नहीं है। (शोर एवं व्यवधान)

श्रीमती किरण चौधरी : स्पीकर सर, संसदीय कार्यमंत्री हमेशा ही बेतुकी बात करते हैं। मेरी इनसे आपके माध्यम से रिकवैस्ट है कि ये बेतुकी बात न किया करें।

श्री अध्यक्ष : किरण चौधरी जी, आप कृपया करके बैठ जायें और क्वैश्चन ऑवर को ऐसे न डिस्टर्ब करें।

श्री उदय भान : स्पीकर सर, जो विषय ललित नागर जी ने उठाया है वह एक गम्भीर मामला है इसलिए इसको मज़ाक में न लिया जाये।

श्री अध्यक्ष : उदय भान जी, मैंने यह कहा है कि ललित नागर जी अपने आरोपों के प्रूफ के तौर पर एफिडेविट दें हम इस मामले की निष्पक्ष जांच करवायेंगे। यह बात पूरी तरह से गलत है कि इस मामले को मज़ाक में लिया जा रहा है। मैंने इस मामले की निष्पक्ष जांच के लिए कह दिया है इससे ज्यादा सीरियसनैस और क्या हो सकती है? (शोर एवं व्यवधान) इस मामले में आप और आपकी पार्टी के सदस्य

ही सीरियस नहीं है। सरकार इस मामले में पूरी तरह से सीरियस है। (शोर एवं व्यवधान)

श्री जगबीर सिंह मलिक : स्पीकर सर, मैं यह कहना चाहता हूं कि आप इस मामले में हाउस की एक कमेटी बना दें। अगर श्री ललित नागर जी झूठे आरोप लगाने के दोषी पाये जाएं तो इनके विरूद्ध प्रिविलेज मोशन आ जायेगा और यदि वह व्यक्ति दोषी पाया गया तो उसके विरूद्ध प्रिविलेज मोशन आ जायेगा। मेरी आपसे रिक्वैस्ट है कि आप इस मामले की निष्पक्ष जांच के लिए हाउस की एक कमेटी बना दें। (शोर एवं व्यवधान)

श्री अध्यक्ष : जगबीर सिंह जी, अगर आप बिना वजह से शोर करेंगे तो क्वैश्चन ऑवर के दौरान एक भी सवाल का जवाब नहीं आ पायेगा इसलिए आप कृपया करके बैठ जायें और क्वैश्चन ऑवर की प्रक्रिया को ठीक ढंग से चलने दें। (शोर एवं व्यवधान)

श्रीमती किरण चौधरी : स्पीकर सर, आप इस मामले की जांच के लिए एक कमेटी बना दें उसके बाद दूध का दूध और पानी का पानी हो जायेगा। (शोर एवं व्यवधान)

श्री अध्यक्ष : किरण जी, अभी आप बैठ जायें और क्वैश्चन ऑवर को चलने दें उसके बाद आप जीरो ऑवर में अपनी बात कह लेना। (शोर एवं व्यवधान)

श्री परमिन्द्र सिंह ढुल : स्पीकर सर, अगर हाउस में कोई माननीय सदस्य किसी व्यक्ति के ऊपर आरोप लगाता है तो उसको सबूत के तौर पर कोई एफिडेविट देने की आवश्यकता नहीं है। (शोर एवं व्यवधान)

श्री अध्यक्ष : ढुल जी, अगर कोई माननीय सदस्य किसी बाहरी व्यक्ति पर आरोप लगाता है तो उसको उन आरोपों के प्रूफ के तौर पर एफिडेविट तो देना ही होगा। (शोर एवं व्यवधान) हाउस की यह भी परम्परा है कि जो व्यक्ति हाउस में उपस्थित नहीं है उसके ऊपर हाउस में नाम लेकर आरोप नहीं लगाये जा सकते। यह भी हाउस की परम्परा है। सभी माननीय सदस्यों को इस परम्परा का भी पालन करना चाहिए। (शोर एवं व्यवधान)

श्री परमिन्दर सिंह ढुल : स्पीकर सर, आपकी बात ठीक है लेकिन अगर कोई विधायक किसी के ऊपर आरोप लगाता है तो उसे एफिडेविट देने की आवश्यकता नहीं होती। (शोर एवं व्यवधान)

श्री ज्ञान चंद गुप्ता : अध्यक्ष जी, विपक्ष के माननीय सदस्य तो आरोप लगाते हैं और भाग जाते हैं। इनको आरोप लगाने के बाद कोई प्रूफ तो देना ही चाहिए। ये हर बार आरोप लगाते हैं और भाग जाते हैं। (शोर एवं व्यवधान)

श्री परमिन्दर सिंह ढुल : अध्यक्ष महोदय, ***

श्री अध्यक्ष : जो भी माननीय सदस्यगण मेरी इजाजत के बिना बोल रहे हैं उनकी कोई भी बात रिकार्ड न की जाये।

श्री जगबीर सिंह मलिक : अध्यक्ष महोदय, ***

श्री कृष्ण कुमार बेदी : स्पीकर सर, माननीय ललित नागर जी श्री राबर्ट वाद्रा जी के बिजनैस पार्टनर हैं इसलिए श्री वाद्रा के मामले की जांच करने के लिए भी हाउस की कमेटी बना दी जाये। (शोर एवं व्यवधान) उस मामले में भी सच्चाई सामने आ जायेगी। (शोर एवं व्यवधान) सर, मेरे पास इस मामले से सम्बंधित एक ऑडियो क्लिप भी है अगर इस मामले की जांच करवाई जाती है तो पूरी जांच करवाई जाये अधूरी जांच न करवाई जाये और उस ऑडियो क्लिप की भी जांच की जाये।

श्री अध्यक्ष : माननीय सदस्यगण, इस समय 10:51 हो गया है लेकिन अभी तक दो–चार सवाल ही हो पाये हैं इसलिए आप कृपया करके शांति से बैठ जायें और क्वैश्चन ऑवर की कार्यवाही सुचारू रूप से चलने दें। जो भी माननीय सदस्य इस मामले के बारे में बात करना चाहते हैं वे जीरो ऑवर में इस बारे में बात कर लें। (शोर एवं व्यवधान) आप सभी नौ आदमी खड़े हैं और बोलने के लिए सभी दो–दो मिनट का समय मांग रहे हैं लेकिन क्वैश्चन ऑवर का समय सिर्फ नौ मिनट ही शेष बचा है इसलिए आप ही बतायें कि मैं समय की अलॉटमैंट कैसे करूं? (शोर एवं व्यवधान) जसविन्द्र जी, आप तो सीनियर मैम्बर हैं इसलिए आपको तो मेरी बात समझनी चाहिए। मैं आपसे भी यही कह रहा हूं कि आप इस मामले के बारे में जीरो ऑवर में बात कर लेना। (शोर एवं व्यवधान) आप सभी का व्यवहार देखकर मुझे ऐसा लगता है कि आप आज किसी भी सवाल का जवाब नहीं लेना चाहते हैं। (शोर एवं व्यवधान) लगता है कि आप सरकार की कार्यप्रणाली से पूरी तरह से सैटिसफाई हैं। (शोर एवं व्यवधान)

श्रीमती सीमा त्रिखा : अध्यक्ष जी, मैं सिर्फ एक मिनट के लिए बोलना चाहती हूं

***चेयर के आदेशानुसार रिकार्ड नहीं किया गया।**

इसलिए मुझे बोलने दिया जाये। सर, फरीदाबाद एक ऐसी जगह है जो हरियाणा प्रदेश को पिछले 50 सालों से फीड करती हुई आ रही है। इस प्रकार से वह हरियाणा प्रदेश की दाई–मां है परन्तु फरीदाबाद का सबसे बड़ा दुख यह है कि वह हमेशा से ही बड़े–बड़े लोगों की राजनीति का शिकार हुआ है। आज कांग्रेस पार्टी के माननीय साथियों ने एक मुद्दा उठाया है जो कि सरासर गलत है। स्पीकर सर, जिस प्रकार से महाभारत में भगवान श्रीकृष्ण ने द्रौपदी की लाज बचाई थी उसी प्रकार से फरीदाबाद को बचाने के लिए माननीय कृष्ण पाल जी और माननीय मनोहर लाल जी जैसे नेता आये। (शोर एवं व्यवधान) मैं आज आपसे एक रिकवैस्ट करना चाहती हूं कि मेरे भाई ललित नागर द्वारा लगाये गये सभी आरोपों की निष्पक्ष जांच हो लेकिन उससे पहले पप्पू के जीजा जी के कारनामों की जांच करने के लिए भी कमेटी बनाई जाये। ये दोनो ही कमेटियां इक्ट्ठी ही बनाई जायें। इन दोनों मामलों में एक साथ जांच होनी चाहिए। (शोर एवं व्यवधान)

श्री अध्यक्ष : माननीय सदस्यगण, मेरी आप सभी से एक रिकवैस्ट है कि पहले क्वैश्चन ऑवर की कार्यवाही को सुचारू रूप से चल लेने दें उसके बाद मैं आपको जीरो ऑवर में इस मामले पर बात करने के लिए समय दे दूंगा। (शोर एवं व्यवधान)

सरदार जसविन्द्र सिंह संधू : स्पीकर सर, मेरा आपसे यही कहना है कि हमारे साथ कल हुए व्यवहार के विरोधस्वरूप हमारे पार्टी के सभी माननीय सदस्य आज अपने मुंह पर पट्टियां बांधकर आये। यह सांकेतिक तौर पर था कि हमें सदन में बालने नहीं दिया जा रहा है। क्वैश्चन ऑवर के दौरान जिस ढंग से संसदीय कार्य मंत्री द्वारा हमें कहा गया वह कटाक्ष रूप में था । हम उनकी उस बात को भी बर्दाश्त कर गये। स्पीकर सर, उसके बाद स्वास्थ्य मंत्री श्री अनिल विज जी खड़े हुए। (शोर एवं व्यवधान)

श्री अध्यक्षः आप सभी शांत हो जाईये। आज काफी संख्या में स्कूलों के बच्चे आये हुये हैं। (शोर एवं व्यवधान)

सरदार जसविन्द्र सिंह संधूः अध्यक्ष महोदय, स्वास्थ्य मंत्री श्री अनिल विज जी ने हमारे मुंह पर पट्टी बंधी देख कर कहा कि क्या इन्होंने जैन धर्म अपना लिया है, क्या इनको कोई भयंकर बीमारी है, क्या इनको एड्स हो गई है। (शोर एवं व्यवधान)

श्री अध्यक्षः एड्स नहीं कहा है? (शोर एवं व्यवधान)

सरदार जसविन्द्र सिंह संधूः नहीं सर, एड्स ही कहा है। अगर इन्होंने नहीं कहा है तो मंत्री जी इस बारे में स्पष्ट करें और अगर उन्होंने कहा है तो वे सदन से इसके लिए माफी मांगें। (शोर एवं व्यवधान)

श्रम एवं रोजगार राज्य मंत्री (श्री नायब सैनी) : सर, आज सभी 90 विधान सभा क्षेत्रों में विकास के काम हो रहे हैं उसके कारण ही विपक्ष मुद्दा विहीन हो गया है। इनके पास कोई मुद्दा नहीं है इसीलिए ये शोर मचा रहे हैं। (शोर एवं व्यवधान)

सरदार जसविन्द्र सिंह संधूः अध्यक्ष महोदय, या तो मंत्री जी स्पष्ट करें और अगर उन्होंने ऐसा कहा है तो वे सदन से इसके लिए माफी मांगें। (शोर एवं व्यवधान)

श्री अध्यक्षः जसविन्द्र जी, आज जब सुबह सदन में आये तभी मुझे पता चल गया था कि आप सदन से बाहर जाओगे। (शोर एवं व्यवधान)

सरदार जसविन्द्र सिंह संधूः अध्यक्ष महोदय, आपको सर्वसम्मति से हाउस ने अध्यक्ष बनाया है और आप सरकार का पक्ष ले रहे हो, यह आपको शोभा नहीं देता है। (शोर एवं व्यवधान)

श्री अध्यक्षः मैं किसी का पक्ष नहीं ले रहा हूं। (शोर एवं व्यवधान)

सरदार जसविन्द्र सिंह संधूः अध्यक्ष महोदय, अगर आप सरकार का पक्ष नहीं ले रहे हो तो आप आज अनिल विज जी से कहें कि वे सदन से माफी मांगें। (शोर एवं व्यवधान)

सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता राज्य मंत्री (श्री कृष्ण कुमार बेदी): अध्यक्ष महोदय, एक आदमी झूठ बोलने पर तुला हुआ है। इनसे झूठा आदमी कोई नहीं है। (शोर एवं व्यवधान)

सरदार जसविन्द्र सिंह संधूः अध्यक्ष महोदय, श्री सुभाष सुधा विधायक यहां पर बैठे हुये हैं। विधान सभा चुनाव में श्री कृष्ण कुमार बेदी के वोट 90 हजार में उन्होंने खरीदे हैं। ये तो बिकाऊ आदमी हैं ये भी कैसे बोल सकते हैं? (शोर एवं व्यवधान)

.....

बैठक का स्थगन

11:00 बजे **श्री करण सिंह दलाल :** अध्यक्ष महोदय, आप हमारी बात सुन तो लीजिये ।(शोर एवं व्यवधान)

श्री अध्यक्ष :आप पहले अपनी सीटों पर जाकर बैठिये ।(शोर एवं व्यवधान)

माननीय सदस्यगण, अब प्रश्न काल समाप्त होता है और हाऊस को 30 मिनट के लिये एडजर्न किया जाता है ।

(The Sabha than adjourned at 11.00 A.M and reassembled at 11.30 A.M)

नियम 45 (1) के अधीन सदन की मेज पर रखे गए तारांकित प्रश्नों के लिखित उत्तर

Reconstruction of ITI Campus Roads

***2109. Shri Prithi Singh:** Will the Industrial Training Minister be pleased to state:

(a) Whether it is a fact that the roads in ITI campus in Narwana city are in very bad condition; and

(b) If so, whether there is any proposal under consideration of Government to reconstruct the above said roads; if so, the time by which the said roads are likely to be reconstructed?

औद्योगिक एवं वाणिज्य मंत्री (श्री विपुल गोयल) : श्रीमान जी,

(क) हां श्रीमान,

(ख) दिनांक 13.10.2017 को औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान, नरवाना के आंतरिक सड़कों की मुरम्मत के लिए 35.63 लाख रूपये की प्रशासकीय स्वीकृति को जारी की जा चुकी है। यह कार्य लोक निर्माण विभाग (भवन एंव सड़कें) द्वारा कार्य प्रारंभ होने की वास्तविक तिथि से चार महीने के अन्दर पूर्ण कर दिया जाएगा।

.....

Recognition of NCVT to the ITI

***2104 Shri Rajdeep Phogat :** Will the Industrial Training Minister be pleased to state the time by which the recognition of N.C.V.T is likely to be given to the I.T.I. situated in village Rawaldhi of Charkhi Dadri ?

औद्योगिक एवं वाणिज्य मंत्री (श्री विपुल गोयल) :श्रीमान जी। राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान, रावलधी ने 18 व्यवसाय यूनिटों का एन0सी0वी0टी0 से सम्बन्धन प्राप्त करने हेतू 09.09.2016 को आवेदन किया है। निरीक्षण तथा एन0सी0वी0टी0 से सम्बन्धन प्राप्त करने के कार्य को षीघ्रता प्रदान करने हेतू प्रधान सचिव, कौशल विकास एवं औद्योगिक प्रशिक्षण विभाग द्वारा भारत सरकार को 13.07.2017 को पत्र लिखा गया है। मामला विचाराधीन है। यद्यपि इस स्थिति में समय सीमा अंकित नहीं की जा सकती।

.....

Up gradation of Tehsil as Sub-Division

***2113. Dr. Pawan Saini:** Will the Revenue & Disaster Management Minister be pleased to state whether it is a fact that the sub-committee constituted by the Government has recommended to upgrade Ladwa tehsil as sub-division; if so, the time by which it is likely to be upgraded ?

वित्त मंत्री (कैप्टन अभिमन्यु) : नहीं, श्रीमान् जी।

.....

Construction of Polytechnical College

***2064 Dr. Hari Chand Middha** : Will the Technical Education Minister be pleased to state the time by which the Polytechnical College in Jind is likely to be constructed as per the announcement of the Hon’ble Chief Minister together with the

reasons for not starting the construction work of the above said college so far?

शिक्षा मंत्री (श्री राम बिलास शर्मा) : श्रीमान जी, जींद जिले के बधाना गाँव में नये राजकीय बहुतकनीकी संस्थान खोलने के प्रस्ताव को पंचायत भूमि की उपयुक्तता की जांच के उपरान्त अन्तिम रूप दिया जायेगा। पहले इस प्रस्ताव को राजकीय बहुतकनीकी नरवाना तथा जिला जींद में स्थापित 11 निजी बहुतकनीकी संस्थानों में बड़ी संख्या में छात्रों की सीटें खाली रहने के कारण लम्बित रखा गया था।

.....

To Open a CHC of AIIMS

***2154. Shri Tek Chand Sharma**: Will the Health Minister be pleased to state whether there is any proposal under consideration of the Government to open a Community Health Centre of All India Institution of Medical Science in village Fathehpur Billoch; if so, the details thereof ?

स्वास्थ्य मंत्री (श्री अनिल विज): नहीं, श्रीमान जी।

.....

Illegal Liquor Sub-Dealers

***2175 Shri Jasbir Singh Deswal:** Will the Excise & Taxation Minister be please to states the steps taken by the Government to check the illegal liquor sub-dealers in the villages?

वित्त मंत्री (कैप्टन अभिमन्यु) : ब्यौरा सदन के पठल पर रख दिया गया है।

ब्यौरा

''अवैध शराब के सब–डीलर''

पंजाब आबकारी अधिनियम, 1914 की धारा 61(1)(aaa) उन उप–विक्रेता पर जुर्माना लगान से संबंधित है जो अवैध शराब की पूर्ति व बिक्री गांव में करते हैं।

अवैध शराब को रोकने के लिए आबकारी स्टाफ पदस्थ किया जाता है तथा वे आकास्मिक चैकिंग करते हैं और उन पर ध्यान रखते हैं ताकि जिले व उनके गांव में अवैध शराब की बिक्री न हो। इसके अतिरिक्त जब भी किसी गांव के व्यक्ति या किसी अन्य माध्यम से द्वारा अवैध शराब की बिक्री बारे शिकायत या सूचना प्राप्त होती है तो उप आबकारी व कराधान आयुक्त (आ0) के द्वारा टीम गठित करके चैकिंग करवाई जाती है ताकि गांवों में उप–डीलरों के द्वारा अवैध शराब की बिक्री न हो।

यहां यह भी उल्लेख करपा उचित होगा कि वर्ष 2016–2017 में अवैध शराब के 8209 केसिज पकड़े गये और उन पर 4,86,24,540 रुपये का जुर्माना लगाया गया। वर्ष 2017–18 में सितम्बर माह तक 359.23 लाख रुपये का जुर्माना लगाया गया है जबकि पिछले वर्ष इसी अवधि में यह जुर्माना 298.29 लाख था।

वर्ष 2017–18 के दौरान 392 जोन में से 390 जोन ई–निविदा के माध्यम से 3162.00 करोड़ रुपये की लाइसैंस फीस पर आबंटित किये गये। लाइसैंस को अपने कमॉड एरिया में सब–वैन्ड खोलने की अनुमति दी गई है ताकि अवैध शराब की बिक्री का रोका जा सके।

.....

To Correct the Bed of Minor

***2181 Shri Anoop Dhanak:** Will the irrigation Minister be pleased to state-

(a) whether it is a fact that the level of bed of Sabarwas Minor is not correct behind right of 12200 in village Sabarwas of Uklana Legislative Assembly Constituency ; and

(b) if so, whether there is any proposal under consideration of the Government to level the bed of the above said minor together with the time by which it is likely to be levelled?

मुख्यमंत्री (श्री मनोहर लाल) : (क) हां, श्रीमान जी।

(ख) हां, श्रीमान जी । यह कार्य दो साल के अन्दर पूरा होने की संभावना है।

.....

Repair of Road

***2170. Shri Ved Narang** : Will the PW (B&R) Minister be pleased to state whether there is any proposal under consideration of the Government to repair the damaged road from Railway Crossing (L.C. Gate 40) to Swami Ramdev Senior Secondary School via New and Old Bus Stands of Barwala City; if so, the details thereof ?

लोक निर्माण मंत्री (श्री नरबीर सिंह) : हॉ, श्रीमान् जी। भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण ने उनके पत्र दिनांक 09.10.2017 के द्वारा बरवाला शहर के राष्ट्रीय राजमार्ग के आंतरिक भाग की मरम्मत के लिए 3.23 करोड़ रूपये की मंजूरी प्रदान कर दी है और अनुमान की 50 प्रतिशत राशि जमा करा दी है। मरम्मत कार्य के लिए निविदाएं आमन्त्रित की जा रही है।

.....

To Open a Trauma Centre in Fatehabad

***2160. Shri Balwan Singh Daulatpuria:** Will the Health Minister be pleased to state whether there is any proposal under consideration of the Government to open a Trauma Centre, O.P.D. in Fatehabad District; if so, the details thereof?

स्वास्थ्य मंत्री (श्री अनिल विज): नहीं, श्रीमान जी, इसलिए प्रश्न का यह भाग उत्पन्न नहीं होता।

.....

अतारांकित प्रश्न एवं उत्तर

Re-construction of road

501. Shri Om Parkash Barwa : Will the PW (B&R) Minister be pleased to state whether it is a fact that the road from village Sehar to village Dhani Lalpur in Loharu Block of Loharu constituency has been completely damaged; if so, the time by which it is likely to be reconstructed?

लोक निर्माण मंत्री (श्री नरबीर सिंह) : हाँ, श्री मान जी, गांव सेहर से ढाणी लालपुर सड़क का पुनर्निर्माण/मरम्मत 31.07.2018 तक पूर्ण किये जाने की सम्भावना है।

.....

Providing help under PMAY

521. Shri Jagbir Singh Malik: Will the Housing Minister be pleased to State**:-**

(a) Whether the Government is providing houses and monetary help to the people in villages and cities under Pradhan Mantri Awas Yojana; and

(b) if so, the district-wise and village-wise details of the applicants together with the details of monetary help or constructed houses provided so far?

शहरी स्थानीय निकाय मंत्री (श्रीमती कविता जैन) :

(ए) हाँ, श्रीमान जी,

(बी) प्रधानमंत्री आवास योजना–शहरी के अन्तर्गत शहरी क्षेत्र में आवास की मांग का आकंलन करने हेतू सर्वेक्षण किया जा चुका है। सर्वेक्षण अनुसार 3,23,352 आवेदन प्राप्त हुऐ हैं, जिनका जिला–वार तथा कस्बा–वार विवरण अनुलग्नक–1 पर सलंग्न है। इन आवेदनों की जांच/सत्यापन का कार्य किया जा रहा है। इसके अतिरिक्त, स्लम बस्तियों में डोर–टू–डोर का सर्वे भी किया जा रहा है। अभी तक

किसी भी व्यक्ति को आर्थिक सहायता या बना–बनाया मकान उपलब्ध नहीं करवाया गया है। प्रधान मंत्री आवास योजना–ग्रामीण के अन्तर्गत जिला–वार एवं गाँव–वार उपलब्ध करवाई गई सहायता (MIS अनुसार) विवरण अनुलग्नक–II पर सलंग्न है।

.....

Annexure-I

PRADHAN MANTRI AWAS YOJAN- URBAN (PMAY-U)

District and Town-wise details of demand applications

District	Town	BLC	CLS	AHP	ISSR	Total
Ambala	Ambala	3932	90	11506	286	15814
	Barara	418	5	291	0	714
	Naraingarh	242	68	754	0	1064
Total		**4592**	**163**	**12551**	**286**	**17592**
Bhiwani	Bawani khera	938	12	34	2	986
	Bhiwani	3650	5	1477	17	5149
	Loharu	535	51	187	0	773
	Siwani	1112	10	67	0	1189
Total		**6235**	**78**	**1765**	**19**	**8097**
Charkhi Dadri	Charkhi Dadri	1760	97	586	0	2443
Total		**1760**	**97**	**586**	**0**	**2443**
Faridabad	Faridabad	32	4	52993	0	53029
Total		**32**	**4**	**52993**	**0**	**53029**
Fatehabad	Bhuna	1631	76	156	0	1863
	Fatehabad	1733	719	1466	6	3924
	Ratia	1281	364	632	0	2277
	Tohana	1861	84	560	0	2505
Total		**6506**	**1243**	**2814**	**6**	**10569**
Gurgaon	Farrukhnagar	185	0	515	0	700
	Gurgaon	0	0	32091	166	32257
	Hailey Mandi	694	0	488	0	1182
	Pataudi	432	0	1095	0	1527

District	Town	BLC	CLS	AHP	ISSR	Total
	Sohna	596	297	4048	0	4941
Total		**1907**	**297**	**38237**	**166**	**40607**
Hisar	Barwala	2320	13	447	0	2780
	Hansi	2615	7	1470	0	4092
	Hisar	3200	475	6972	0	10647
	Narnaund	1020	27	112	0	1159
	Uklana	1512	28	310	0	1850
Total		**10667**	**550**	**9311**	**0**	**20528**
Jhajjar	Bahadurgarh	930	816	7188	0	8934
	Beri	643	58	264	0	965
	Jhajjar	1046	109	1255	0	2410
Total		**2619**	**983**	**8707**	**0**	**12309**
Jind	Jind	1852	249	1769	0	3870
	Julana	303	33	79	0	415
	Narwana	825	78	548	0	1451
	Safidon	1072	36	327	0	1435
	Uchana	540	55	226	0	821
Total		**4592**	**451**	**2949**	**0**	**7992**
Kaithal	Cheeka	1171	48	1183	3	2405
	Kaithal	2301	288	3642	103	6334
	Kalayat	743	45	108	0	896
	Pundri	782	53	265	0	1100
	Rajound	987	36	36	0	1059
Total		**5984**	**470**	**5234**	**106**	**11794**
Karnal	Assandh	840	25	581	63	1509
	Gharaunda	560	18	1325	148	2051
	Indri	463	0	197	473	1133
	Karnal	1825	114	5473	9	7421
	Nilokheri	164	33	964	132	1293
	Nissing	721	118	379	0	1218
	Taraori	300	0	1058	0	1358
Total		**4873**	**308**	**9977**	**825**	**15983**

District	Town	BLC	CLS	AHP	ISSR	Total
Kurukshetra	Ladwa	927	29	798	0	1754
	Pehowa	743	28	1142	0	1913
	Shahbad	583	24	963	32	1602
	Thanesar	2641	88	3878	105	6712
Total		**4894**	**169**	**6781**	**137**	**11981**
Mahendragarh	Ateli	48	111	105	0	264
	Kanina	646	41	58	0	745
	Mahendragarh	549	765	70	0	1384
	Nangal Choudhary	642	140	40	0	822
	Narnaul	1562	255	242	0	2059
Total		**3447**	**1312**	**515**	**0**	**5274**
Mewat	Ferozepur jhirka	551	18	248	0	817
	Nuh	210	5	306	0	521
	Punahana	733	54	232	0	1019
	Taoru	312	4	561	0	877
Total		**1806**	**81**	**1347**	**0**	**3234**
Palwal	Hathin	617	78	37	0	732
	Hodal	3131	291	255	0	3677
	Palwal	3213	1329	646	0	5188
Total		**6961**	**1698**	**938**	**0**	**9597**
Panchkula	Panchkula	149	30	6543	0	6722
Total		**149**	**30**	**6543**	**0**	**6722**
Panipat	Panipat	1743	0	13281	350	15374
	Samalkha	793	0	2040	0	2833
Total		**2536**	**0**	**15321**	**350**	**18207**
Rewari	Bawal	613	491	165	0	1269
	Dharuhera	369	102	452	0	923
	Rewari	2099	334	4246	0	6679
Total		**3081**	**927**	**4863**	**0**	**8871**
Rohtak	Kalanaur	1184	14	496	0	1694
	Maham	685	52	1163	0	1900
	Rohtak	4119	620	4722	0	9461

District	Town	BLC	CLS	AHP	ISSR	Total
	Sampla	694	6	800	0	1500
Total		**6682**	**692**	**7181**	**0**	**14555**
Sirsa	Ellenabad	734	165	804	0	1703
	Kalanwali	441	227	565	0	1233
	Mandi Dabwali	877	521	1359	0	2757
	Rania	991	373	417	0	1781
	Sirsa	1590	881	2897	0	5368
Total		**4633**	**2167**	**6042**	**0**	**12842**
Sonipat	Ganaur	983	39	1140	0	2162
	Gohana	1266	0	828	0	2094
	Kharkhoda	284	0	211	0	495
	Sonipat	4007	85	6768	42	10902
Total		**6540**	**124**	**8947**	**42**	**15653**
Yamunanagar	Radaur	207	10	101	0	318
	Yamunanagar	5305	164	9686	0	15155
Total		**5512**	**174**	**9787**	**0**	**15473**
Grand Total		**96008**	**12018**	**213389**	**1937**	**323352**

BLC : Beneficiary Led Construction

CLSS: Credit Linked Subsidy Scheme

AHP : Affordable Housing in Partnership

ISSR: "In situ" Slum Redevelopment-Using land as a resource with private participation

Annexure-II

Districtwise report of PMAY-G beneficiaries (FY 2016-17 & 2017-18)

#	District	Block	Panchayat	Houses Sanctioned	1st Instalment Paid	2nd Instalment Paid	3rd Instalment Paid
1	AMBALA	AMBALA-I	MASTPUR	1	1	1	0
	AMBALA	AMBALA-I	MEHLAN	1	1	1	0
	AMBALA	BARARA	ADHOYA-MUSALMAN	4	4	0	0
	AMBALA	BARARA	KAMBASS	3	3	0	0
	AMBALA	NARAINGARH	NAGOULI	2	2	0	0

	AMBALA	NARAINGARH	BATAURA	1	1	0	0
	AMBALA	NARAINGARH	KHANPUR RAJPUTAN	1	1	0	0
	AMBALA	SHAHZADPUR	BHERON	1	1	0	0
Total				14	14	2	0
2	BHIWANI	BADHRA	BERLA	21	21	0	0
	BHIWANI	BADHRA	DAGROLI	18	0	0	0
	BHIWANI	BADHRA	BHANDWA	14	14	0	0
	BHIWANI	BADHRA	MANDI KEHAR	8	8	0	0
	BHIWANI	BADHRA	KARI ADU	6	0	0	0
	BHIWANI	BADHRA	JEET PURA	5	0	0	0
	BHIWANI	BADHRA	KARI DHARNI	5	5	0	0
	BHIWANI	BADHRA	BADHRA	4	4	0	0
	BHIWANI	BADHRA	KARIDASS	4	4	0	0
	BHIWANI	BADHRA	DHANASARI	3	3	3	0
	BHIWANI	BADHRA	HANSAWAS KALAN	3	3	0	0
	BHIWANI	BADHRA	HUI	3	0	0	0
	BHIWANI	BADHRA	KAKROLISA RDARA	3	0	0	0
	BHIWANI	BADHRA	MAI KHURD	3	3	0	0
	BHIWANI	BADHRA	MANDHI HARIYA	3	3	0	0
	BHIWANI	BADHRA	NIMAD BEDSARA	2	2	0	0
	BHIWANI	BADHRA	SURAJGARH	2	2	0	0
	BHIWANI	BADHRA	KARI RUPA	1	1	0	0
	BHIWANI	BADHRA	MAI KALAN	1	1	1	0
	BHIWANI	BADHRA	SHYAM KALAN	1	1	0	0
	BHIWANI	BAWANI KHERA	BHURTANA	20	20	0	0
	BHIWANI	BAWANI KHERA	KIRAWAR	16	16	16	0
	BHIWANI	BAWANI KHERA	SUI	10	10	0	0
	BHIWANI	BAWANI KHERA	JAMALPUR	9	9	0	0
	BHIWANI	BAWANI	BALIALI	7	7	0	0

		KHERA					
	BHIWANI	BAWANI KHERA	LOHARI JATU	5	5	0	0
	BHIWANI	BAWANI KHERA	BOHAL	3	3	2	0
	BHIWANI	BAWANI KHERA	ROHNAT	3	3	3	0
	BHIWANI	BAWANI KHERA	SIPPER	3	2	0	0
	BHIWANI	BAWANI KHERA	PUR	2	2	1	0
	BHIWANI	BAWANI KHERA	KUNGAR	1	1	0	0
	BHIWANI	BEHAL	KASHNI KALAN	6	6	0	0
	BHIWANI	BEHAL	SIDHANWA	4	4	0	0
	BHIWANI	BEHAL	PATWAN	1	1	0	0
	BHIWANI	BEHAL	SHAHARYAR PUR	1	1	0	0
	BHIWANI	BEHAL	SURPURA KHURD	1	1	0	0
	BHIWANI	BHIWANI	KHARAK KALAN	38	36	0	0
	BHIWANI	BHIWANI	BAPORA	25	21	0	0
	BHIWANI	BHIWANI	AMRUPANA KALINGA	23	23	10	0
	BHIWANI	BHIWANI	PALUWAS	20	18	4	0
	BHIWANI	BHIWANI	MITATHAL	15	14	0	0
	BHIWANI	BHIWANI	MUNDHAL KHURD	11	11	0	0
	BHIWANI	BHIWANI	CHANG	9	9	7	0
	BHIWANI	BHIWANI	DHIRANA KALAN	9	8	0	0
	BHIWANI	BHIWANI	KOUHT	9	8	5	0
	BHIWANI	BHIWANI	UMRAWAT	9	8	4	0
	BHIWANI	BHIWANI	BAMLA-I	8	8	0	0
	BHIWANI	BHIWANI	DHANA LADANPUR	8	7	0	0
	BHIWANI	BHIWANI	ASALWAS MARHATA	7	5	0	0
	BHIWANI	BHIWANI	HALUWAS	7	7	6	0
	BHIWANI	BHIWANI	GUJRANI	6	2	0	0

	BHIWANI	BHIWANI	SAI	6	6	0	0
	BHIWANI	BHIWANI	TALU	6	5	0	0
	BHIWANI	BHIWANI	DHANANA-I	5	5	0	0
	BHIWANI	BHIWANI	NEEMRIWALI	5	5	0	0
	BHIWANI	BHIWANI	NINAN	5	5	0	0
	BHIWANI	BHIWANI	DINOD	4	4	0	0
	BHIWANI	BHIWANI	PHOOLPURA	4	4	0	0
	BHIWANI	BHIWANI	DEVSAR	3	3	0	0
	BHIWANI	BHIWANI	KHARAK KHURD	3	3	0	0
	BHIWANI	BHIWANI	NAND GAON	3	2	0	0
	BHIWANI	BHIWANI	NANGAL	3	3	0	0
	BHIWANI	BHIWANI	JATAI	2	2	0	0
	BHIWANI	BHIWANI	KAILA	2	2	0	0
	BHIWANI	BHIWANI	MANHERU	2	1	0	0
	BHIWANI	BHIWANI	NAGLA	2	2	1	0
	BHIWANI	BHIWANI	NATHUWAS	2	2	2	0
	BHIWANI	BHIWANI	ROOPGARH	2	2	0	0
	BHIWANI	BHIWANI	ASALWAS DUBIA	1	1	1	0
	BHIWANI	BHIWANI	BADALA	1	1	0	0
	BHIWANI	BHIWANI	BIRAN	1	1	0	0
	BHIWANI	BHIWANI	DHARERU	1	1	0	0
	BHIWANI	BHIWANI	GHUSKANI	1	1	1	0
	BHIWANI	DADRI-I (PART)	MAURI	7	7	0	0
	BHIWANI	DADRI-I (PART)	DHANI PHOGAT	5	2	0	0
	BHIWANI	DADRI-I (PART)	KANHETI	5	4	0	0
	BHIWANI	DADRI-I (PART)	KHERI SANWAL	4	4	0	0
	BHIWANI	DADRI-I (PART)	MAKRANA	3	3	0	0
	BHIWANI	DADRI-I (PART)	KAMOD	1	1	0	0
	BHIWANI	DADRI-I (PART)	MEHRANA	1	1	0	0
	BHIWANI	DADRI-I	MORWALA	1	1	0	0

		(PART)					
	BHIWANI	DADRI-II	DUDHWA	10	10	0	0
	BHIWANI	DADRI-II	ATELA KHURD	9	9	0	0
	BHIWANI	DADRI-II	ASHAWARI	8	8	0	0
	BHIWANI	DADRI-II	BIRHI KALAN	7	6	0	0
	BHIWANI	DADRI-II	KALYANA	7	7	0	0
	BHIWANI	DADRI-II	TIWALA	5	5	0	0
	BHIWANI	DADRI-II	BALKARA	2	2	0	0
	BHIWANI	DADRI-II	BARSANA	2	1	0	0
	BHIWANI	KAIRU	LOHANI	8	8	4	0
	BHIWANI	KAIRU	GOLAGARH	4	4	2	0
	BHIWANI	KAIRU	JITWANBASS	4	2	1	0
	BHIWANI	KAIRU	JUI KHURD	4	3	3	0
	BHIWANI	KAIRU	KAIRU	4	4	4	0
	BHIWANI	KAIRU	JUI KALAN	3	3	0	0
	BHIWANI	KAIRU	LAGHAN HETWAN	3	2	1	0
	BHIWANI	KAIRU	BABARWAS	2	2	2	0
	BHIWANI	KAIRU	BHANGARH	1	1	1	0
	BHIWANI	KAIRU	CHANDANA WAS	1	0	0	0
	BHIWANI	KAIRU	DHANGER	1	1	1	0
	BHIWANI	KAIRU	HETAMPURA	1	1	1	0
	BHIWANI	KAIRU	INDIWALI	1	1	1	0
	BHIWANI	KAIRU	KUSUMBHI	1	1	1	0
	BHIWANI	KAIRU	LADIAWALI	1	0	0	0
	BHIWANI	KAIRU	LEGHAN BHANAN	1	1	1	0
	BHIWANI	KAIRU	POHKARWA S	1	1	1	0
	BHIWANI	KAIRU	TITANI	1	1	1	0
	BHIWANI	LOHARU	DHIGAWA JATTAN	9	0	0	0
	BHIWANI	LOHARU	DHIGAWA SHAMIYAN	5	3	0	0
	BHIWANI	LOHARU	JHANJHARA SHEORAN	4	0	0	0
	BHIWANI	LOHARU	KURAL	3	3	0	0

	BHIWANI	LOHARU	PAHARI	3	2	0	0
	BHIWANI	LOHARU	BITHAN	1	1	0	0
	BHIWANI	LOHARU	BUDHERA	1	1	0	0
	BHIWANI	LOHARU	GOTHRA	1	1	0	0
	BHIWANI	LOHARU	KHARKHARI	1	1	0	0
	BHIWANI	LOHARU	KUSHALPUR A	1	1	0	0
	BHIWANI	SIWANI	BARWA	9	9	0	0
	BHIWANI	SIWANI	GURERA	8	7	0	0
	BHIWANI	SIWANI	KHERA	8	7	0	0
	BHIWANI	SIWANI	BHERA	3	3	0	0
	BHIWANI	SIWANI	NALOI	3	3	0	0
	BHIWANI	SIWANI	GUDHA	2	2	0	0
	BHIWANI	SIWANI	RUPANA	2	2	0	0
	BHIWANI	SIWANI	DHANI BHAKERAN	1	1	0	0
	BHIWANI	SIWANI	DHANI DARIYAPUR	1	1	0	0
	BHIWANI	SIWANI	GADWAKHA RKHRI	1	1	0	0
	BHIWANI	SIWANI	JHUPA KHURAD	1	1	0	0
	BHIWANI	SIWANI	MATANI	1	1	0	0
	BHIWANI	SIWANI	MOHILA	1	1	0	0
	BHIWANI	TOSHAM	PATODHI KALAN	14	0	0	0
	BHIWANI	TOSHAM	GARANPURA KALAN	14	6	0	0
	BHIWANI	TOSHAM	DANG KALAN	12	0	0	0
	BHIWANI	TOSHAM	NIGANA KHURD	10	9	0	0
	BHIWANI	TOSHAM	BAJINA	8	7	0	0
	BHIWANI	TOSHAM	ALAMPUR	6	5	0	0
	BHIWANI	TOSHAM	BUSHAN	6	5	0	0
	BHIWANI	TOSHAM	SIDHAN	5	5	0	0
	BHIWANI	TOSHAM	DEVAWAS	5	4	0	0
	BHIWANI	TOSHAM	KHANAK	4	4	0	0
	BHIWANI	TOSHAM	MIRAN	4	4	0	0
	BHIWANI	TOSHAM	TOSHAM	4	0	0	0

	BHIWANI	TOSHAM	KHARKARI SOHAN	3	3	0	0
	BHIWANI	TOSHAM	PINJOKHERA	3	3	0	0
	BHIWANI	TOSHAM	NIGANA KALAN	2	1	0	0
	BHIWANI	TOSHAM	DULHERI	1	0	0	0
	BHIWANI	TOSHAM	KHARKHARI MAKHWAN	1	1	0	0
	BHIWANI	TOSHAM	RODHAN	1	1	0	0
Total				762	629	92	0
3	FARIDABAD	BALLABGARH	MOHNA	25	25	19	2
	FARIDABAD	BALLABGARH	CHHAINSA	19	19	14	0
	FARIDABAD	BALLABGARH	SHAHPUR KHADAR	9	9	0	0
	FARIDABAD	BALLABGARH	ATALI	7	7	6	0
	FARIDABAD	BALLABGARH	IMAMUDDIN PUR	7	7	6	0
	FARIDABAD	BALLABGARH	NARYALA	6	6	6	0
	FARIDABAD	BALLABGARH	MALERNA	5	5	3	3
	FARIDABAD	BALLABGARH	ARUA	4	4	3	0
	FARIDABAD	BALLABGARH	DEEG	4	4	4	0
	FARIDABAD	BALLABGARH	MOTHUKA	4	4	0	0
	FARIDABAD	BALLABGARH	NARHAWALI	4	4	0	0
	FARIDABAD	BALLABGARH	SHAHJAHAN PUR	4	4	4	1
	FARIDABAD	BALLABGARH	SOTAI	4	4	1	0
	FARIDABAD	BALLABGARH	ALIPUR	3	3	3	0
	FARIDABAD	BALLABGARH	BIJOPUR	3	3	1	0
	FARIDABAD	BALLABGARH	ZAKOPUR	3	3	0	0
	FARIDABAD	BALLABGARH	ATERNA	2	2	0	0
	FARIDABAD	BALLABGARH	BAHBALPUR	2	2	2	0
	FARIDABAD	BALLABGARH	CHANDPUR	2	2	0	0
	FARIDABAD	BALLABGARH	FATEHPUR BILOCH	2	2	2	0
	FARIDABAD	BALLABGARH	MIRJAPUR	2	2	2	0
	FARIDABAD	BALLABGARH	SEEKRI	2	2	2	1
	FARIDABAD	BALLABGARH	BADROLA	1	1	0	0
	FARIDABAD	BALLABGARH	FAIZUPUR KHADAR	1	1	1	0

	FARIDABAD	BALLABGARH	FEROZEPUR KALAN	1	1	1	0
	FARIDABAD	BALLABGARH	GARHKHERA	1	1	0	0
	FARIDABAD	BALLABGARH	JAWAN	1	1	1	0
	FARIDABAD	BALLABGARH	JUNHERA	1	1	1	0
	FARIDABAD	BALLABGARH	KAIL GAON	1	1	1	0
	FARIDABAD	BALLABGARH	KARNERA	1	1	1	0
	FARIDABAD	BALLABGARH	MACCHGARH	1	1	1	0
	FARIDABAD	BALLABGARH	PEHLADPUR MAJRA DEEG	1	1	0	0
	FARIDABAD	BALLABGARH	RAIPUR KALAN	1	1	0	0
	FARIDABAD	BALLABGARH	SUNPER	1	1	1	0
	FARIDABAD	FARIDABAD	FATEHPUR TAGA	9	9	8	0
	FARIDABAD	FARIDABAD	TIKRI KHERA	6	6	6	0
	FARIDABAD	FARIDABAD	BHOPANI	4	4	3	0
	FARIDABAD	FARIDABAD	Sidhola	3	3	2	0
	FARIDABAD	FARIDABAD	JASANA	2	2	1	0
	FARIDABAD	FARIDABAD	KHORI JAMALPUR	2	2	2	0
	FARIDABAD	FARIDABAD	MANGAR	2	2	2	0
	FARIDABAD	FARIDABAD	ALAMPUR	1	1	1	0
	FARIDABAD	FARIDABAD	BADARPUR SAID	1	1	1	0
	FARIDABAD	FARIDABAD	LENDHOLA	1	1	1	0
	FARIDABAD	FARIDABAD	TIGAON	1	1	1	0
	FARIDABAD	FARIDABAD	TIKAWALI	1	1	1	0
Total				168	168	115	7
4	FATEHABAD	BHATTU KALAN	DHABI KALAN	14	13	13	0
	FATEHABAD	BHATTU KALAN	DHABI KHURD	10	8	7	0
	FATEHABAD	BHATTU KALAN	SARWARPUR	10	10	10	0
	FATEHABAD	BHATTU KALAN	DAIYAR	9	8	7	3
	FATEHABAD	BHATTU KALAN	KUKRAWALI	9	9	8	0

	FATEHABAD	BHATTU KALAN	MEHUWALA	9	9	7	0
	FATEHABAD	BHATTU KALAN	JANDWALA BAGAR	8	8	7	0
	FATEHABAD	BHATTU KALAN	PILIMANDOR I	8	8	8	2
	FATEHABAD	BHATTU KALAN	KHABRA KALAN	6	4	0	0
	FATEHABAD	BHATTU KALAN	RAMSARA	6	4	0	0
	FATEHABAD	BHATTU KALAN	BAN MANDORI	4	4	2	0
	FATEHABAD	BHATTU KALAN	BODIWALI	4	4	3	0
	FATEHABAD	BHATTU KALAN	DHAND	4	4	2	0
	FATEHABAD	BHATTU KALAN	DHINGSARA	4	4	4	1
	FATEHABAD	BHATTU KALAN	SIRDHAN	3	3	3	0
	FATEHABAD	BHATTU KALAN	THUIYAN	3	3	3	0
	FATEHABAD	BHATTU KALAN	GADLI	2	2	1	0
	FATEHABAD	BHATTU KALAN	BANAWALI	1	1	1	0
	FATEHABAD	BHUNA	BOSTI	31	25	7	0
	FATEHABAD	BHUNA	TIBBI	12	12	6	0
	FATEHABAD	BHUNA	DEHMAN	11	11	7	0
	FATEHABAD	BHUNA	DHANI SANCHLA	6	6	6	0
	FATEHABAD	BHUNA	GORAKH PUR	5	5	5	0
	FATEHABAD	BHUNA	JANDLI KHURD	5	5	0	0
	FATEHABAD	BHUNA	NEHLA	5	5	2	0
	FATEHABAD	BHUNA	BHUTHAN KHURD	2	2	1	0
	FATEHABAD	BHUNA	CHOBARA	2	2	0	0
	FATEHABAD	BHUNA	DULAT	2	2	0	0
	FATEHABAD	BHUNA	NADHORI	2	2	0	0
	FATEHABAD	BHUNA	REHAN KHERI	2	2	0	0
	FATEHABAD	BHUNA	DHOLU	1	1	1	1

	FATEHABAD	BHUNA	MOCHIWALI	1	1	0	0
	FATEHABAD	FATEHABAD	BIGHAR	24	23	21	4
	FATEHABAD	FATEHABAD	KAJAL HERI	19	19	18	2
	FATEHABAD	FATEHABAD	DHARNIA	17	17	14	0
	FATEHABAD	FATEHABAD	JHALANIA	14	13	12	10
	FATEHABAD	FATEHABAD	BANGAON	12	12	10	0
	FATEHABAD	FATEHABAD	NAGPUR	10	8	5	0
	FATEHABAD	FATEHABAD	AYALKI	8	7	7	0
	FATEHABAD	FATEHABAD	BHODIA KHERA	8	8	8	0
	FATEHABAD	FATEHABAD	KHARA KHERI	8	8	6	0
	FATEHABAD	FATEHABAD	CHINDER	7	7	6	1
	FATEHABAD	FATEHABAD	HIZRAWAN KALAN	7	6	3	0
	FATEHABAD	FATEHABAD	HIZRAWAN KHURD	7	1	0	0
	FATEHABAD	FATEHABAD	KUMHARIA	7	7	7	5
	FATEHABAD	FATEHABAD	M P ROHI	7	7	5	2
	FATEHABAD	FATEHABAD	DHANI BINZA LAMBA	5	5	4	4
	FATEHABAD	FATEHABAD	BARSEEN	4	4	4	1
	FATEHABAD	FATEHABAD	BASTI BHIWAN	4	4	3	0
	FATEHABAD	FATEHABAD	BHODA HOSHANK	4	4	3	1
	FATEHABAD	FATEHABAD	DARYAPUR	4	4	2	2
	FATEHABAD	FATEHABAD	KARNOLI	4	2	1	0
	FATEHABAD	FATEHABAD	MAJRA	4	4	4	2
	FATEHABAD	FATEHABAD	MANAWALI	4	0	0	0
	FATEHABAD	FATEHABAD	KHAJURI JATTI	3	0	0	0
	FATEHABAD	FATEHABAD	BAHBAL PUR	2	0	0	0
	FATEHABAD	FATEHABAD	BHATTU KHURD	2	2	0	0
	FATEHABAD	FATEHABAD	BOSWAL	2	2	2	0
	FATEHABAD	FATEHABAD	CHAND KOTHI	2	2	0	0
	FATEHABAD	FATEHABAD	DHANGAR	2	0	0	0

	FATEHABAD	FATEHABAD	MATANA	2	2	2	2
	FATEHABAD	FATEHABAD	THERI	2	1	0	0
	FATEHABAD	FATEHABAD	NAKTA	1	0	0	0
	FATEHABAD	JAKHAL	SADHANWAS	10	5	0	0
	FATEHABAD	JAKHAL	MEOND KHURD	3	2	0	0
	FATEHABAD	JAKHAL	TALWARA	3	3	0	0
	FATEHABAD	JAKHAL	DHER	2	2	0	0
	FATEHABAD	RATIA	HAROLI	51	50	48	23
	FATEHABAD	RATIA	AHARWAN	34	33	31	0
	FATEHABAD	RATIA	LAMBA	27	27	27	0
	FATEHABAD	RATIA	GHASWA	19	19	19	0
	FATEHABAD	RATIA	HUKMAWALI	18	18	11	0
	FATEHABAD	RATIA	MOHAMMED PUR SOTTER	18	17	15	0
	FATEHABAD	RATIA	ALIKA	16	16	16	0
	FATEHABAD	RATIA	SUKHMAN PUR	15	15	9	0
	FATEHABAD	RATIA	MEHMARA	14	14	9	0
	FATEHABAD	RATIA	SEHNAL	14	14	13	0
	FATEHABAD	RATIA	HASSANGA	13	13	13	0
	FATEHABAD	RATIA	BAHMANWALA	12	12	12	0
	FATEHABAD	RATIA	BALIALA	12	12	10	0
	FATEHABAD	RATIA	KAWAL GARH	10	8	6	3
	FATEHABAD	RATIA	Dhani Jakhandadi	9	3	1	1
	FATEHABAD	RATIA	KHUNDAN	7	7	5	1
	FATEHABAD	RATIA	NANGAL	7	7	7	0
	FATEHABAD	RATIA	PALSAR	7	4	0	0
	FATEHABAD	RATIA	MADH	6	6	6	0
	FATEHABAD	RATIA	BABANPUR	5	5	4	0
	FATEHABAD	RATIA	HANSPUR	5	5	5	0
	FATEHABAD	RATIA	BORA	4	4	3	1
	FATEHABAD	RATIA	KUNAL	4	4	0	0
	FATEHABAD	RATIA	PHUL	4	4	4	0

	FATEHABAD	RATIA	BHUNDERWAS	3	3	3	0
	FATEHABAD	RATIA	KALOTHA	3	3	3	0
	FATEHABAD	RATIA	RAIPUR	3	3	3	1
	FATEHABAD	RATIA	SARDAREWALA	3	3	2	0
	FATEHABAD	RATIA	GURUSAR	2	2	2	0
	FATEHABAD	RATIA	JALOPUR	2	2	2	0
	FATEHABAD	RATIA	KHAI	2	2	1	0
	FATEHABAD	RATIA	LAHLI	2	2	2	1
	FATEHABAD	RATIA	MAHAMADKI	2	2	1	0
	FATEHABAD	RATIA	RATTA KHERA	2	2	1	1
	FATEHABAD	RATIA	RATTAN GARH	2	2	2	0
	FATEHABAD	RATIA	ALIPUR BAROTA	1	1	0	0
	FATEHABAD	RATIA	BADAL GARH	1	1	0	0
	FATEHABAD	RATIA	BHANIKHERA	1	1	1	0
	FATEHABAD	RATIA	CHANDO KALAN	1	1	0	0
	FATEHABAD	RATIA	DADUPUR	1	1	0	0
	FATEHABAD	RATIA	JANDWALA SOTTER	1	1	1	0
	FATEHABAD	RATIA	MALWALA	1	1	1	0
	FATEHABAD	RATIA	MIRANA	1	1	1	0
	FATEHABAD	RATIA	MUNSHIWALI	1	1	1	0
	FATEHABAD	RATIA	NATHAWAN	1	1	1	1
	FATEHABAD	RATIA	NIKUWANA	1	1	1	0
	FATEHABAD	RATIA	ROJHANWALI	1	1	1	0
	FATEHABAD	TOHANA	AMANI	25	23	22	0
	FATEHABAD	TOHANA	HANSAWALA	17	17	0	0
	FATEHABAD	TOHANA	RATTA KHERA	16	16	15	0
	FATEHABAD	TOHANA	GAJUWALA	12	12	8	0
	FATEHABAD	TOHANA	SAMAIN	9	7	0	0

	FATEHABAD	TOHANA	JAMALPUR SHAIKHAN	6	4	1	0
	FATEHABAD	TOHANA	NANGLI	6	6	6	0
	FATEHABAD	TOHANA	NANAHERI	5	5	0	0
	FATEHABAD	TOHANA	CHANDER KALAN	4	4	2	0
	FATEHABAD	TOHANA	CHANDER KHURD	3	3	3	0
	FATEHABAD	TOHANA	DANGRA	3	3	3	0
	FATEHABAD	TOHANA	INDACHOI	3	3	1	0
	FATEHABAD	TOHANA	LALODA	3	3	3	0
	FATEHABAD	TOHANA	PARTA	3	3	0	0
	FATEHABAD	TOHANA	PIRTHALA	3	3	1	0
	FATEHABAD	TOHANA	THARWA	3	3	3	0
	FATEHABAD	TOHANA	CHITAIN	2	2	0	0
	FATEHABAD	TOHANA	PURU MAJRA	2	2	2	0
	FATEHABAD	TOHANA	BALIAN WALA	1	1	0	0
	FATEHABAD	TOHANA	HINDALWALA	1	1	1	0
	FATEHABAD	TOHANA	Kanheri	1	1	0	0
	FATEHABAD	TOHANA	KULLAN	1	1	0	0
	FATEHABAD	TOHANA	LOHA KHERA	1	1	0	0
	FATEHABAD	TOHANA	RAINWALI	1	1	1	0
Total				925	858	644	76
5	GURGAON	FARRUKHNAGAR	MUBARIKPUR	2	2	2	0
	GURGAON	FARRUKHNAGAR	IKBALPUR	1	1	0	0
	GURGAON	FARRUKHNAGAR	JATAULA	1	1	1	0
	GURGAON	FARRUKHNAGAR	SIWARI	1	1	1	0
	GURGAON	GURGAON	SADHARANA	4	4	4	0
	GURGAON	GURGAON	BAGHANKI	3	3	3	0
	GURGAON	GURGAON	KHERKI MAJRA	1	1	1	0
	GURGAON	PATAUDI	DARAPUR	3	3	2	0
	GURGAON	PATAUDI	LOKRI	3	3	3	0

	GURGAON	PATAUDI	PALASOLI	3	3	3	0
	GURGAON	PATAUDI	RAJPURA	3	3	3	0
	GURGAON	PATAUDI	BASPADAMKA	2	2	2	0
	GURGAON	PATAUDI	SHERPUR	2	2	2	0
	GURGAON	PATAUDI	BHORA KHURD	1	1	1	0
	GURGAON	PATAUDI	KHETIAWAS	1	1	1	0
	GURGAON	PATAUDI	PATHERHERI	1	1	1	0
	GURGAON	SOHANA	JOHLAKA	4	4	4	0
	GURGAON	SOHANA	RAHAKA	2	2	1	0
	GURGAON	SOHANA	AKLIM PUR	1	1	1	1
	GURGAON	SOHANA	ALIPUR	1	1	1	0
	GURGAON	SOHANA	DAULHA	1	1	1	1
	GURGAON	SOHANA	KADAR PUR	1	1	1	0
	GURGAON	SOHANA	KULIYAKA	1	1	1	0
Total				43	43	40	2
6	HISAR	ADAMPUR	KHARA BARWALA	23	23	0	0
	HISAR	ADAMPUR	MOHABATPUR	23	23	10	0
	HISAR	ADAMPUR	DAROLI	20	19	3	0
	HISAR	ADAMPUR	MODA KHERA	18	18	4	0
	HISAR	ADAMPUR	CHAUDHRIWALI	12	11	1	0
	HISAR	ADAMPUR	KHOLI	8	8	0	0
	HISAR	ADAMPUR	BHODIA BISHNOIAN	7	7	0	0
	HISAR	ADAMPUR	CHULI BAGRIAN(HISAR)	6	6	0	0
	HISAR	ADAMPUR	TELANWALI	5	5	3	0
	HISAR	ADAMPUR	CHABARWAL(HISAR)	4	4	1	0
	HISAR	ADAMPUR	LADWI	4	4	3	0
	HISAR	ADAMPUR	MOTHSARA	4	4	4	0
	HISAR	ADAMPUR	CHULI KALAN(HISAR)	3	3	2	0
	HISAR	ADAMPUR	CHULI KHURD(HISA	3	2	0	0

			R)				
	HISAR	ADAMPUR	KHAIRAMPUR	3	3	0	0
	HISAR	ADAMPUR	SADALPUR	3	3	0	0
	HISAR	ADAMPUR	KABREL	2	2	1	0
	HISAR	ADAMPUR	MAHALSARA	2	2	0	0
	HISAR	ADAMPUR	ASSRAWAN	1	1	0	0
	HISAR	ADAMPUR	GHURSAL	1	1	0	0
	HISAR	AGROHA	SARANGPUR	10	10	6	0
	HISAR	AGROHA	BHANA	8	8	6	0
	HISAR	AGROHA	NANGTHALA	7	7	6	0
	HISAR	AGROHA	CHIKANWAS	5	5	3	0
	HISAR	AGROHA	KANOH	5	5	2	0
	HISAR	AGROHA	KIRORI	5	5	0	0
	HISAR	AGROHA	DURJANPURA	4	4	0	0
	HISAR	AGROHA	JAGAN	3	3	0	0
	HISAR	AGROHA	SHAM SUKH	3	3	0	0
	HISAR	AGROHA	KULERI	2	2	2	0
	HISAR	AGROHA	SANDOL	2	2	1	0
	HISAR	AGROHA	FRANSI	1	1	1	0
	HISAR	AGROHA	KIRMARA	1	1	0	0
	HISAR	AGROHA	RAJLI	30	0	0	0
	HISAR	AGROHA	BADHAWAR	23	23	12	0
	HISAR	AGROHA	BHANI BADSHAPUR	15	15	0	0
	HISAR	AGROHA	JEWERA	15	15	0	0
	HISAR	AGROHA	SULKHANI	12	0	0	0
	HISAR	AGROHA	NAYAGAON	10	7	1	0
	HISAR	AGROHA	GAIBIPUR	8	7	0	0
	HISAR	AGROHA	BIANA KHERA	7	7	0	0
	HISAR	AGROHA	KHARKARA	7	7	0	0
	HISAR	AGROHA	SARSOD	6	0	0	0
	HISAR	AGROHA	SUREHERA	6	6	2	0
	HISAR	AGROHA	BUGANA	4	0	0	0
	HISAR	AGROHA	BEHBALPUR	3	3	3	0

	HISAR	AGROHA	PANGHAL	3	0	0	0
	HISAR	HANSI-I	HAZAMPUR	18	18	0	0
	HISAR	HANSI-I	SULTANPUR	13	13	0	0
	HISAR	HANSI-I	PUTHI MANGAL KHAN	7	7	0	0
	HISAR	HANSI-I	GURANA	6	6	0	0
	HISAR	HANSI-I	KHANPUR	6	6	0	0
	HISAR	HANSI-I	KHARKARA	5	5	0	0
	HISAR	HANSI-I	SISAI BOLA	5	5	0	0
	HISAR	HANSI-I	SORKHI	5	5	0	0
	HISAR	HANSI-I	BIR HANHI	3	2	0	0
	HISAR	HANSI-I	MAJAD	3	3	0	0
	HISAR	HANSI-I	SINDHAR	3	3	0	0
	HISAR	HANSI-I	MEHNDA	2	2	0	0
	HISAR	HANSI-I	MUJADPUR	2	1	0	0
	HISAR	HANSI-I	SHEIKHPUR A	2	2	0	0
	HISAR	HANSI-I	BHATLA	1	1	0	0
	HISAR	HANSI-I	CHANOT	1	1	0	0
	HISAR	HANSI-I	DEPAL	1	1	0	0
	HISAR	HANSI-I	KANWARI	1	1	0	0
	HISAR	HANSI-I	MASOODPUR	1	1	0	0
	HISAR	HANSI-I	SISAI KALIRAWAN	1	1	0	0
	HISAR	HANSI-II	BHAKLANA	24	24	0	0
	HISAR	HANSI-II	MADAN HERI	24	0	0	0
	HISAR	HANSI-II	UGLAN	6	0	0	0
	HISAR	HANSI-II	SINGHWA KHASS	1	0	0	0
	HISAR	HISAR-I	DABRA	48	48	0	0
	HISAR	HISAR-I	TALWANDI BADSHAHPU R	25	24	0	0
	HISAR	HISAR-I	ALIPUR	15	14	0	0
	HISAR	HISAR-I	DHANSU	11	9	0	0
	HISAR	HISAR-I	DAHIMA	7	4	0	0
	HISAR	HISAR-I	KAIMARI	7	7	0	0

	HISAR	HISAR-I	KHARAR	7	7	0	0
	HISAR	HISAR-I	RAIPUR	7	7	0	0
	HISAR	HISAR-I	MIRJAPUR	6	6	0	0
	HISAR	HISAR-I	SAHARWA	6	6	0	0
	HISAR	HISAR-I	MANGALI SURTIA	5	5	0	0
	HISAR	HISAR-I	NIANA	5	5	0	0
	HISAR	HISAR-I	TALWANDI RANA	5	5	0	0
	HISAR	HISAR-I	BHOJRAJ	3	2	0	0
	HISAR	HISAR-I	SATROD KALAN	3	2	0	0
	HISAR	HISAR-I	BHARI	2	2	0	0
	HISAR	HISAR-I	DAYA	2	2	0	0
	HISAR	HISAR-I	KHARAKRI	2	2	0	0
	HISAR	HISAR-I	LADWA	2	2	0	0
	HISAR	HISAR-I	BALAWAS	1	0	0	0
	HISAR	HISAR-I	DUBETA	1	1	0	0
	HISAR	HISAR-II	BIR HISAR	17	14	0	0
	HISAR	HISAR-II	GORCHI	16	16	2	0
	HISAR	HISAR-II	BALSAMAN DH	14	14	9	0
	HISAR	HISAR-II	BURAK	14	14	5	0
	HISAR	HISAR-II	SISWALA	11	11	10	0
	HISAR	HISAR-II	DOBHI	9	9	6	0
	HISAR	HISAR-II	SHAHPUR	8	8	8	0
	HISAR	HISAR-II	BANDAHERI	7	7	0	0
	HISAR	HISAR-II	PATAN	7	7	0	0
	HISAR	HISAR-II	CHAUDHRIW AS	5	5	3	0
	HISAR	HISAR-II	GAWAR	5	5	3	0
	HISAR	HISAR-II	SALEMGARH	5	5	1	0
	HISAR	HISAR-II	SUNDAWAS	5	5	2	0
	HISAR	HISAR-II	KALWAS	4	4	0	0
	HISAR	HISAR-II	RAWALWAS KALAN	3	3	3	0
	HISAR	HISAR-II	RAWALWAS KHURD	3	3	3	0
	HISAR	HISAR-II	HINDWAN	2	2	2	0

	HISAR	HISAR-II	MATTAR SHYAM	2	2	2	0
	HISAR	HISAR-II	MINGNI KHERA	2	2	1	0
	HISAR	HISAR-II	PANIHAR CHAK	2	2	0	0
	HISAR	HISAR-II	ARYA NAGAR(KURRI)	1	1	0	0
	HISAR	HISAR-II	DHIRANWAR	1	1	0	0
	HISAR	HISAR-II	KHARIA	1	1	0	0
	HISAR	HISAR-II	KIRTAN	1	1	1	0
	HISAR	HISAR-II	LUDAS	1	1	0	0
	HISAR	NARNAUND	MAJRA	72	62	0	0
	HISAR	NARNAUND	MOTH RANGRAN	37	23	0	0
	HISAR	NARNAUND	PALI	10	0	0	0
	HISAR	NARNAUND	KHERIJALAB	7	5	0	0
	HISAR	NARNAUND	KAPRO	6	6	0	0
	HISAR	NARNAUND	MADHA	5	1	0	0
	HISAR	NARNAUND	PATWAR	5	0	0	0
	HISAR	NARNAUND	RAJPURA	5	5	0	0
	HISAR	NARNAUND	LOHARI RAGHO	4	4	0	0
	HISAR	NARNAUND	MILAKPUR	4	4	0	0
	HISAR	NARNAUND	SULCHANI	4	3	0	0
	HISAR	NARNAUND	HABETPUR	1	1	0	0
	HISAR	NARNAUND	KINNER	1	1	0	0
	HISAR	NARNAUND	MIRACHPUR	1	1	0	0
	HISAR	NARNAUND	RAKHI KHAS	1	1	0	0
	HISAR	UKLANA	PABRA	8	8	0	0
	HISAR	UKLANA	BHUDA KHERA	6	6	0	0
	HISAR	UKLANA	LITANI	4	4	0	0
	HISAR	UKLANA	CHAMAR KHERA	3	3	0	0
	HISAR	UKLANA	SAHU	3	3	0	0
	HISAR	UKLANA	UKLANA	1	1	0	0
Total				1002	848	138	0
7	JHAJJAR	BAHADURGA	JAKHODA	7	7	4	1

		RH					
	JHAJJAR	BAHADURGARH	LOHAR HERI	7	7	4	0
	JHAJJAR	BAHADURGARH	SALOTHI	7	7	1	0
	JHAJJAR	BAHADURGARH	MANDAUTHI	6	5	0	0
	JHAJJAR	BAHADURGARH	KULASI	5	5	3	3
	JHAJJAR	BAHADURGARH	DULHERA	4	4	3	0
	JHAJJAR	BAHADURGARH	ASANDA	3	3	3	0
	JHAJJAR	BAHADURGARH	ROHAD	3	3	1	0
	JHAJJAR	BAHADURGARH	BAMNOLI	2	2	1	0
	JHAJJAR	BAHADURGARH	BHAPRODA	2	2	0	0
	JHAJJAR	BAHADURGARH	DEHKORA	2	2	1	1
	JHAJJAR	BAHADURGARH	SOLDHA	2	2	2	0
	JHAJJAR	BAHADURGARH	CHHARA	1	1	0	0
	JHAJJAR	BAHADURGARH	KANONDA	1	1	1	0
	JHAJJAR	BAHADURGARH	KHARMAAN	1	1	1	0
	JHAJJAR	BAHADURGARH	MAJRI	1	1	1	0
	JHAJJAR	BAHADURGARH	MUKANDPUR	1	1	1	0
	JHAJJAR	BAHADURGARH	REWARI KHERA	1	1	1	0
	JHAJJAR	BERI	DIGHAL	37	36	21	0
	JHAJJAR	BERI	BAKRA	11	11	10	0
	JHAJJAR	BERI	BHAMBEWAH	6	6	0	0
	JHAJJAR	BERI	DHARANA	6	5	0	0
	JHAJJAR	BERI	JAHAJ GARH	4	4	0	0
	JHAJJAR	BERI	SIWANA	4	4	0	0
	JHAJJAR	BERI	BERHANA MILWAN	3	3	0	0

	JHAJJAR	BERI	MADANA KHURAD	3	3	2	0
	JHAJJAR	BERI	MAJARA DUBALDHAN	3	3	0	0
	JHAJJAR	BERI	GOCHI	2	2	0	0
	JHAJJAR	BERI	DHANDLAN	1	1	0	0
	JHAJJAR	BERI	WAZIRPUR	1	1	0	0
	JHAJJAR	BERI	SERIA	0	0	0	0
	JHAJJAR	JHAJJAR	DUJANA	31	30	28	0
	JHAJJAR	JHAJJAR	PATAUDA	11	11	5	0
	JHAJJAR	JHAJJAR	JAHANGIRPUR	10	10	8	0
	JHAJJAR	JHAJJAR	YAKUBPUR	10	10	6	0
	JHAJJAR	JHAJJAR	SONDHI	5	4	4	0
	JHAJJAR	JHAJJAR	LUHARI	4	4	2	0
	JHAJJAR	JHAJJAR	BABRA	3	2	2	0
	JHAJJAR	JHAJJAR	BAZIDPUR TAPPA HAWELI	3	3	3	0
	JHAJJAR	JHAJJAR	DADRI TOE	3	2	1	0
	JHAJJAR	JHAJJAR	BHATERA	2	0	0	0
	JHAJJAR	JHAJJAR	KHERI SULTAN	2	2	2	0
	JHAJJAR	JHAJJAR	SILANI KESHO	2	2	1	0
	JHAJJAR	JHAJJAR	ASADPUR KHERA	1	0	0	0
	JHAJJAR	JHAJJAR	BIRDHANA	1	1	0	0
	JHAJJAR	JHAJJAR	FORATPURA	1	1	1	0
	JHAJJAR	JHAJJAR	SILANA	1	1	1	0
	JHAJJAR	JHAJJAR	SILANI ZALIM	1	1	1	0
	JHAJJAR	MATENHAIL	KHETAWAS	14	14	14	0
	JHAJJAR	MATENHAIL	KOHRDA	9	9	4	0
	JHAJJAR	MATENHAIL	CHADWANA	8	8	7	0
	JHAJJAR	MATENHAIL	BIR CHHUCHAK WAS	7	7	7	5
	JHAJJAR	MATENHAIL	MATANHAIL	7	7	5	0
	JHAJJAR	MATENHAIL	BAHU	4	4	3	0

	JHAJJAR	MATENHAIL	BILOCHPUR A	4	4	4	0
	JHAJJAR	MATENHAIL	ISLAMGARH	4	4	3	0
	JHAJJAR	MATENHAIL	KHANPUR KHURD	4	4	0	0
	JHAJJAR	MATENHAIL	KHAPARWA S	4	4	2	0
	JHAJJAR	MATENHAIL	KHERI HOSDARPUR	4	4	4	0
	JHAJJAR	MATENHAIL	SASRAULI	4	4	2	0
	JHAJJAR	MATENHAIL	KARODA	3	3	1	0
	JHAJJAR	MATENHAIL	MAROT	3	3	3	0
	JHAJJAR	MATENHAIL	MUNDSA	3	3	1	0
	JHAJJAR	MATENHAIL	BIROHAR	2	2	1	0
	JHAJJAR	MATENHAIL	JHAMRI	2	2	2	0
	JHAJJAR	MATENHAIL	JHANSWA	2	2	0	0
	JHAJJAR	MATENHAIL	KALIAWAS	2	2	2	0
	JHAJJAR	MATENHAIL	BHAMBOOLI A	1	1	0	0
	JHAJJAR	MATENHAIL	GAWALISAN	1	1	0	0
	JHAJJAR	MATENHAIL	NOGAONWA	1	1	0	0
	JHAJJAR	MATENHAIL	SEHLANGA	1	1	1	0
	JHAJJAR	SALHAWAS	KOHANDRA WALI	11	10	5	0
	JHAJJAR	SALHAWAS	CHHAPAR	8	5	2	0
	JHAJJAR	SALHAWAS	KHUDAN	8	4	4	0
	JHAJJAR	SALHAWAS	AHRI	7	3	2	0
	JHAJJAR	SALHAWAS	DHAKLA	7	3	3	0
	JHAJJAR	SALHAWAS	NIWADA	4	4	3	0
	JHAJJAR	SALHAWAS	TUMBAHERI	3	3	3	0
	JHAJJAR	SALHAWAS	BIRAR	2	1	1	0
	JHAJJAR	SALHAWAS	CHANDPUR	2	2	0	0
	JHAJJAR	SALHAWAS	DADANPUR	2	2	2	0
	JHAJJAR	SALHAWAS	AMBOLI	1	0	0	0
	JHAJJAR	SALHAWAS	BHURAWAS	1	0	0	0
	JHAJJAR	SALHAWAS	DHANA	1	1	1	0
	JHAJJAR	SALHAWAS	KASNI	1	1	1	0
	JHAJJAR	SALHAWAS	SAMASPUR MAJRA	1	1	0	0

	JHAJJAR	SALHAWAS	SAROLA	1	1	1	0
	JHAJJAR	SALHAWAS	SUBANA	1	0	0	0
Total				383	353	220	10
8	JIND	ALEWA	NAGURAN	16	16	12	5
	JIND	ALEWA	DEOHLA	14	14	14	5
	JIND	ALEWA	KUCHRANA KALAN	10	10	10	0
	JIND	ALEWA	ALEWA	9	8	8	5
	JIND	ALEWA	BIGHANA	8	7	4	1
	JIND	ALEWA	KHANDA	3	2	1	0
	JIND	ALEWA	KUCHRANA KHURD	3	3	3	0
	JIND	ALEWA	PEGAN	2	2	2	0
	JIND	ALEWA	SHAMDO	2	2	0	0
	JIND	ALEWA	DILLUWALA	1	1	0	0
	JIND	ALEWA	KATWAL	1	1	0	0
	JIND	ALEWA	THUA	1	1	1	0
	JIND	JIND	BAROLI	23	22	4	0
	JIND	JIND	JALALPUR KHURD	15	14	9	0
	JIND	JIND	SHAHPUR	13	13	9	0
	JIND	JIND	HABATPUR	9	8	6	0
	JIND	JIND	MANOHARPUR	6	6	5	0
	JIND	JIND	RAMRAI	5	5	0	0
	JIND	JIND	AHIRKA	4	4	1	0
	JIND	JIND	DHANDA KHERI	4	4	1	0
	JIND	JIND	JAJWAN	4	4	1	0
	JIND	JIND	RAJPURA	3	3	2	0
	JIND	JIND	IKKAS	2	0	0	0
	JIND	JIND	RAMGARH	2	2	0	0
	JIND	JIND	AMARHERI	1	1	1	0
	JIND	JIND	BEHBALPUR	1	1	0	0
	JIND	JIND	GULKANI	1	1	0	0
	JIND	JIND	NIRJAN	1	1	0	0
	JIND	JIND	ASHRAFGARH	0	0	0	0

	JIND	JULANA	SHAMLO KHURD	17	17	15	0
	JIND	JULANA	SHAMLO KALAN	16	15	12	0
	JIND	JULANA	LAJWANA KALAN	10	10	0	0
	JIND	JULANA	AKALGARH	7	7	0	0
	JIND	JULANA	KHARAINTI	7	5	0	0
	JIND	JULANA	LAJWANA KHURD	7	7	0	0
	JIND	JULANA	BUWANA	6	6	0	0
	JIND	JULANA	KARSOLA	5	5	4	0
	JIND	JULANA	FATEHGARH	3	3	0	0
	JIND	JULANA	SADI PUR	3	3	0	0
	JIND	JULANA	DHIGANA	2	2	0	0
	JIND	JULANA	GATAULI	2	2	0	0
	JIND	JULANA	ANOOPGARH	1	1	1	0
	JIND	JULANA	BRAHMANWAS	1	1	0	0
	JIND	JULANA	HATHWALA	1	1	0	0
	JIND	JULANA	NAND GARH	1	1	0	0
	JIND	NARWANA	BIDHRANA	8	7	0	0
	JIND	NARWANA	PIPALTHA	7	7	7	0
	JIND	NARWANA	SINSER	7	7	4	0
	JIND	NARWANA	HANSDEHAR	6	6	0	0
	JIND	NARWANA	LOWN	6	6	6	0
	JIND	NARWANA	PHULIA KALAN	6	6	0	0
	JIND	NARWANA	DHANAURI	4	4	0	0
	JIND	NARWANA	SACHA KHERA	4	4	1	0
	JIND	NARWANA	UJHANA	4	4	4	0
	JIND	NARWANA	DHABITEKSINGH	3	2	1	0
	JIND	NARWANA	RASIDAN	3	3	0	0
	JIND	NARWANA	SINGHWAL	3	2	1	0
	JIND	NARWANA	BHIKHEWALA	2	2	0	0
	JIND	NARWANA	DANODA KHURD	2	2	0	0

	JIND	NARWANA	KHARAL	2	2	0	0
	JIND	NARWANA	GURUSAR	1	1	0	0
	JIND	NARWANA	HARNAAMPUR	1	1	0	0
	JIND	NARWANA	KHAN PUR	1	0	0	0
	JIND	NARWANA	NEPAWALA	1	1	0	0
	JIND	NARWANA	SAINTHALY	1	0	0	0
	JIND	PILLUKHERA	BHAMBHEWA	8	8	7	0
	JIND	SAFIDON	SINGHPURA	17	17	16	0
	JIND	SAFIDON	DIDWARA	7	7	7	0
	JIND	SAFIDON	TODIKHERI	7	7	5	0
	JIND	SAFIDON	ANTA	6	6	4	0
	JIND	SAFIDON	KHERAKHE MAWATI	5	5	2	0
	JIND	SAFIDON	ANCHRA KALAN	3	3	0	0
	JIND	SAFIDON	SINGHANA	3	3	1	0
	JIND	SAFIDON	SIWANAMAL	3	3	2	0
	JIND	SAFIDON	RATTA KHERA	2	2	1	0
	JIND	SAFIDON	SILLA KHERI	2	2	2	0
	JIND	SAFIDON	AFTABGARH	1	1	1	0
	JIND	SAFIDON	BAHADURPUR	1	1	1	0
	JIND	SAFIDON	BHUSLANA	1	1	0	0
	JIND	SAFIDON	BUTTANI	1	1	0	0
	JIND	SAFIDON	DHARAMGARH	1	1	1	0
	JIND	SAFIDON	HOSIYAR PURA	1	1	1	0
	JIND	SAFIDON	MALIKPUR	1	1	0	0
	JIND	SAFIDON	NIMNABAD	1	1	0	0
	JIND	UCHANA	TARKHA	24	24	18	0
	JIND	UCHANA	KARSHINDHU	20	20	17	0
	JIND	UCHANA	ALIPURA	10	10	8	0
	JIND	UCHANA	KABARCHHA	10	10	8	0
	JIND	UCHANA	PALWAN	7	7	5	0

	JIND	UCHANA	CHHATTAR	6	6	2	0
	JIND	UCHANA	GHOGRIAN	5	5	5	0
	JIND	UCHANA	GHASO KALAN	3	3	3	0
	JIND	UCHANA	DUMARKHA KHURD	2	2	0	0
	JIND	UCHANA	MANDI KALAN	2	2	1	0
	JIND	UCHANA	BARODA	1	1	1	0
	JIND	UCHANA	BUDIAN	1	1	1	0
	JIND	UCHANA	MAKHAND	1	1	1	0
	JIND	UCHANA	NACHAR KHERA	1	1	1	0
	JIND	UCHANA	SURBHARA	1	1	1	0
Total				490	474	273	16
9	KAITHAL	GUHLA	DABA	22	22	0	0
	KAITHAL	GUHLA	PEEDAL	20	19	0	0
	KAITHAL	GUHLA	AZIMGARH	19	19	0	0
	KAITHAL	GUHLA	DUSERPUR	8	8	0	0
	KAITHAL	GUHLA	LANDAHERI	7	3	0	0
	KAITHAL	GUHLA	SADARHERI	6	6	0	0
	KAITHAL	GUHLA	BALBEHRA	5	4	0	0
	KAITHAL	GUHLA	GARHI NAZIR	5	5	0	0
	KAITHAL	GUHLA	SEON MAJRA	5	5	0	0
	KAITHAL	GUHLA	HAMU MAJRA	4	2	0	0
	KAITHAL	GUHLA	MEHMOODPUR	4	4	0	0
	KAITHAL	GUHLA	BADSUI	3	3	0	0
	KAITHAL	GUHLA	BHATIAN	3	2	0	0
	KAITHAL	GUHLA	MAJRI	3	3	0	0
	KAITHAL	GUHLA	BHUNSLA	2	2	0	0
	KAITHAL	GUHLA	MASTGARH	2	2	0	0
	KAITHAL	GUHLA	BHAGAL	1	1	0	0
	KAITHAL	GUHLA	THEH NEWAL	1	1	0	0
	KAITHAL	KAITHAL	KHERI SHERU	31	31	13	0
	KAITHAL	KAITHAL	SISLA	31	28	0	0

	KAITHAL	KAITHAL	HARSOLA	23	22	0	0
	KAITHAL	KAITHAL	SARAN	21	21	11	0
	KAITHAL	KAITHAL	BHANPURA	18	17	1	0
	KAITHAL	KAITHAL	BUDH KHERA	18	18	0	0
	KAITHAL	KAITHAL	KEORAK	16	15	7	0
	KAITHAL	KAITHAL	SAJUMA	16	6	0	0
	KAITHAL	KAITHAL	CHHOT	13	12	7	0
	KAITHAL	KAITHAL	ROHERIAN	11	10	0	0
	KAITHAL	KAITHAL	MANAS	9	9	7	0
	KAITHAL	KAITHAL	DHILON WALI	8	8	0	0
	KAITHAL	KAITHAL	PADLA	8	7	0	0
	KAITHAL	KAITHAL	TEEK	8	7	0	0
	KAITHAL	KAITHAL	TITRAM	8	6	0	0
	KAITHAL	KAITHAL	DHONS	7	5	1	0
	KAITHAL	KAITHAL	BHAINI MAJRA	6	6	0	0
	KAITHAL	KAITHAL	FRANSWALA	4	4	0	0
	KAITHAL	KAITHAL	GUHNA	4	4	3	0
	KAITHAL	KAITHAL	NAINA	4	4	1	0
	KAITHAL	KAITHAL	KAKAUT	3	2	0	0
	KAITHAL	KAITHAL	MUNDRI	3	3	1	0
	KAITHAL	KAITHAL	NARAR	3	3	0	0
	KAITHAL	KAITHAL	PATTI AFGAN	3	3	0	0
	KAITHAL	KAITHAL	DEOHRA	2	2	0	0
	KAITHAL	KAITHAL	GEONG	2	2	0	0
	KAITHAL	KAITHAL	KULTARAN	2	2	0	0
	KAITHAL	KAITHAL	NOUCH	2	2	0	0
	KAITHAL	KAITHAL	GARHI	1	1	0	0
	KAITHAL	KAITHAL	KATHWAR	1	1	0	0
	KAITHAL	KAITHAL	MALKHERI	1	1	0	0
	KAITHAL	KAITHAL	PATTI DHOGAR SAKTINAGAR	1	1	0	0
	KAITHAL	KAITHAL	UJHANA	1	1	1	0
	KAITHAL	KALAYAT	KALASAR	37	37	0	0

	KAITHAL	KALAYAT	CHAUSALA	36	36	0	0
	KAITHAL	KALAYAT	KOLEKHAN	35	35	21	1
	KAITHAL	KALAYAT	BALU BIDAN PATTI	19	19	7	0
	KAITHAL	KALAYAT	KURAR	17	17	8	0
	KAITHAL	KALAYAT	KHERI SHERKHAN	13	12	3	0
	KAITHAL	KALAYAT	KAMALPUR	7	7	7	0
	KAITHAL	KALAYAT	BADSIKRI KHURD	6	6	5	0
	KAITHAL	KALAYAT	HARIPURA	6	6	0	0
	KAITHAL	KALAYAT	BATA	5	5	1	0
	KAITHAL	KALAYAT	KHARAK PANDWA	4	4	0	0
	KAITHAL	KALAYAT	DHUNDWA	3	3	1	0
	KAITHAL	KALAYAT	KAILRAM	1	1	0	0
	KAITHAL	KALAYAT	RAMGARH PANDWA	1	1	0	0
	KAITHAL	PUNDRI	DHAND	25	19	8	0
	KAITHAL	PUNDRI	SALIMPUR MEHMOOD	20	14	0	0
	KAITHAL	PUNDRI	JANDOLA	17	4	0	0
	KAITHAL	PUNDRI	SANGRAULL I	17	17	0	0
	KAITHAL	PUNDRI	HABRI	16	16	0	0
	KAITHAL	PUNDRI	RASINA	11	4	0	0
	KAITHAL	PUNDRI	CHUR MAJRA	9	0	0	0
	KAITHAL	PUNDRI	BANDRANA	8	8	0	0
	KAITHAL	PUNDRI	PABNAWA	7	6	0	0
	KAITHAL	PUNDRI	BADNARA	6	0	0	0
	KAITHAL	PUNDRI	PAI	5	4	0	0
	KAITHAL	PUNDRI	PHARAL	5	5	0	0
	KAITHAL	PUNDRI	DEEG	4	3	0	0
	KAITHAL	PUNDRI	DERDU	4	3	0	0
	KAITHAL	PUNDRI	SIRSAL	3	3	0	0
	KAITHAL	PUNDRI	MEOLI	2	2	0	0
	KAITHAL	PUNDRI	HAJWANA	1	1	0	0
	KAITHAL	PUNDRI	KARORA	1	1	0	0

	KAITHAL	PUNDRI	SANCH	1	1	0	0
	KAITHAL	RAJOUND	KITHANA	30	28	0	0
	KAITHAL	RAJOUND	SANTOKH MAJRA	23	20	0	0
	KAITHAL	RAJOUND	SERDHA	17	17	0	0
	KAITHAL	RAJOUND	KASAN	12	12	0	0
	KAITHAL	RAJOUND	GULYANA	11	11	0	0
	KAITHAL	RAJOUND	ROHERA	7	7	0	0
	KAITHAL	RAJOUND	SONGAL	6	0	0	0
	KAITHAL	RAJOUND	ROHERA MAJRA	5	5	0	0
	KAITHAL	RAJOUND	BIRTHE BAHARI	3	3	0	0
	KAITHAL	RAJOUND	FARIYABAD	3	3	0	0
	KAITHAL	RAJOUND	BIR BANGRA	2	2	0	0
	KAITHAL	SIWAN	PABSAR	28	27	0	0
	KAITHAL	SIWAN	PISAWAL	28	28	26	0
	KAITHAL	SIWAN	Manjhla	20	20	0	0
	KAITHAL	SIWAN	KHARKAN	13	13	0	0
	KAITHAL	SIWAN	KAKEOR MAJRA	8	7	4	0
	KAITHAL	SIWAN	ATTELA	7	7	0	0
	KAITHAL	SIWAN	RASULPUR	7	7	0	0
	KAITHAL	SIWAN	ANDHALI	6	6	0	0
	KAITHAL	SIWAN	JANEDPUR	3	3	0	0
	KAITHAL	SIWAN	KANGTHALI	3	0	0	0
	KAITHAL	SIWAN	PAHAR PUR	3	2	0	0
	KAITHAL	SIWAN	SOTHA	3	2	0	0
	KAITHAL	SIWAN	KAKHERI	2	2	0	0
	KAITHAL	SIWAN	KASOUR	2	1	0	0
	KAITHAL	SIWAN	LANDER PIRJADA	2	2	0	0
	KAITHAL	SIWAN	MANDI SADRA	2	2	0	0
	KAITHAL	SIWAN	RAMTHALLI	2	0	0	0
	KAITHAL	SIWAN	THEH KHARAK	2	1	0	0
	KAITHAL	SIWAN	FEROZPUR	1	1	0	0
	KAITHAL	SIWAN	KHERI	1	0	0	0

			GULAM ALI				
	KAITHAL	SIWAN	MALIKPUR	1	1	0	0
Total				1024	915	144	1
10	KARNAL	ASSANDH	POPRA	34	34	0	0
	KARNAL	ASSANDH	DUPEDI	22	22	22	0
	KARNAL	ASSANDH	KHERI SHARF ALI	20	20	16	0
	KARNAL	ASSANDH	BASSI	19	19	0	0
	KARNAL	ASSANDH	BILONA	13	13	0	0
	KARNAL	ASSANDH	RAHRA	13	13	0	0
	KARNAL	ASSANDH	BAHARI	10	10	5	0
	KARNAL	ASSANDH	DANOLI	10	10	8	0
	KARNAL	ASSANDH	LALAIN	10	10	0	0
	KARNAL	ASSANDH	BALLAH	9	9	0	0
	KARNAL	ASSANDH	JAI SINGH PURA	7	7	5	0
	KARNAL	ASSANDH	SALWAN	6	6	0	0
	KARNAL	ASSANDH	JALMANA	4	4	3	0
	KARNAL	ASSANDH	KABULPUR KHERA	4	4	0	0
	KARNAL	ASSANDH	RATTAK	4	4	0	0
	KARNAL	ASSANDH	CHORKARSA	3	2	0	0
	KARNAL	ASSANDH	PHARPHRANA	3	3	0	0
	KARNAL	ASSANDH	ZIMRI KHERA	3	3	0	0
	KARNAL	ASSANDH	ARDANA	1	1	0	0
	KARNAL	ASSANDH	CHOCHRA	1	1	0	0
	KARNAL	ASSANDH	GANGATHERI	1	1	1	0
	KARNAL	ASSANDH	SHEIKHUPURA	1	1	1	0
	KARNAL	GHARAUNDA (PART)	GARHI KHAJOOR	22	22	18	0
	KARNAL	GHARAUNDA (PART)	JAMAL PUR	22	17	0	0
	KARNAL	GHARAUNDA (PART)	LALUPURA	18	18	16	0
	KARNAL	GHARAUNDA (PART)	MUNDIGARHI	14	13	5	0

	KARNAL	GHARAUNDA (PART)	ARAINPURA	11	11	0	0
	KARNAL	GHARAUNDA (PART)	BARSAT	10	9	7	0
	KARNAL	GHARAUNDA (PART)	FARIDPUR	9	9	0	0
	KARNAL	GHARAUNDA (PART)	KAIMLA	7	6	1	0
	KARNAL	GHARAUNDA (PART)	MALAKPUR	7	5	4	0
	KARNAL	GHARAUNDA (PART)	RAIPUR JATTAN	7	7	0	0
	KARNAL	GHARAUNDA (PART)	BASTARA	6	6	3	0
	KARNAL	GHARAUNDA (PART)	KAIRWALI	6	3	3	0
	KARNAL	GHARAUNDA (PART)	MUNAK	6	4	1	1
	KARNAL	GHARAUNDA (PART)	AMRITPUR KALAN	4	4	4	0
	KARNAL	GHARAUNDA (PART)	CHOURA	4	4	0	0
	KARNAL	GHARAUNDA (PART)	GARHI BHARAL	4	0	0	0
	KARNAL	GHARAUNDA (PART)	HASSANPUR	4	3	2	0
	KARNAL	GHARAUNDA (PART)	JHIVERHERI	4	4	3	0
	KARNAL	GHARAUNDA (PART)	PANAURI	4	0	0	0
	KARNAL	GHARAUNDA (PART)	BEEJNA	3	1	0	0
	KARNAL	GHARAUNDA (PART)	KOHAND	3	3	0	0
	KARNAL	GHARAUNDA (PART)	ALIPUR KHALSA	2	0	0	0
	KARNAL	GHARAUNDA (PART)	GAGSINA	2	0	0	0
	KARNAL	GHARAUNDA (PART)	GUDHA	2	2	0	0
	KARNAL	GHARAUNDA (PART)	KUTAIL	2	2	0	0
	KARNAL	GHARAUNDA (PART)	SHAHJANPUR	2	2	2	0
	KARNAL	GHARAUNDA (PART)	KALHERI	1	1	1	0

	KARNAL	GHARAUNDA (PART)	PABANA HASSANPUR	1	0	0	0
	KARNAL	GHARAUNDA (PART)	PHURLAK	1	1	0	0
	KARNAL	GHARAUNDA (PART)	SADARPUR	1	1	0	0
	KARNAL	INDRI	BIBIPUR BRAHBNAN	113	112	40	0
	KARNAL	INDRI	NAURTA	17	17	0	0
	KARNAL	INDRI	BHADSON	16	16	12	2
	KARNAL	INDRI	BADHARI	12	12	0	0
	KARNAL	INDRI	GARHPUR TAPU	7	7	3	0
	KARNAL	INDRI	MUSE PUR	7	7	6	0
	KARNAL	INDRI	BUDANPUR	6	6	6	0
	KARNAL	INDRI	GARHI BIRBAL	5	5	2	0
	KARNAL	INDRI	DHANORA JAGIR	4	4	0	0
	KARNAL	INDRI	GORGARH	4	4	0	0
	KARNAL	INDRI	MUKHALI	4	4	4	0
	KARNAL	INDRI	NAGAL	4	4	2	0
	KARNAL	INDRI	SAMORA	4	4	0	0
	KARNAL	INDRI	DAMANHERI	3	3	3	0
	KARNAL	INDRI	GARHI JATTAN	3	3	3	0
	KARNAL	INDRI	JANESHRO	3	3	3	0
	KARNAL	INDRI	RANDOLI	3	3	0	0
	KARNAL	INDRI	UMAR PUR	3	3	3	0
	KARNAL	INDRI	BHOJI	2	2	0	0
	KARNAL	INDRI	BIR REAT KHANA	2	2	1	0
	KARNAL	INDRI	HAIBATPUR	2	2	0	0
	KARNAL	INDRI	HANSU MAJRA	2	2	0	0
	KARNAL	INDRI	KAMALPUR RORAN	2	2	0	0
	KARNAL	INDRI	KHERI MANN SINGH	2	2	1	0
	KARNAL	INDRI	LABKARI	2	2	2	1

	KARNAL	INDRI	SHER GHARH	2	2	2	0
	KARNAL	INDRI	CHHAPRION	1	1	1	0
	KARNAL	INDRI	DABKOLI KHURD	1	1	0	0
	KARNAL	INDRI	GARHPUR KHALSA	1	1	1	0
	KARNAL	INDRI	GUMTON	1	1	1	0
	KARNAL	INDRI	HANORI	1	1	1	0
	KARNAL	INDRI	JAINPUR SADAN	1	1	1	0
	KARNAL	INDRI	KALSORA	1	1	1	0
	KARNAL	INDRI	KHERA	1	1	0	0
	KARNAL	INDRI	NANDI	1	1	0	0
	KARNAL	INDRI	NATORI	1	1	1	0
	KARNAL	INDRI	RAITKHANA	1	1	0	0
	KARNAL	INDRI	RAJEPUR	1	1	1	0
	KARNAL	INDRI	RASULPUR	1	1	0	0
	KARNAL	INDRI	SHEKHPURA BANGER	1	1	1	0
	KARNAL	INDRI	TUSANG	1	1	0	0
	KARNAL	KARNAL	SANGOHA	80	70	29	0
	KARNAL	KARNAL	PUNDRAK	38	36	3	0
	KARNAL	KARNAL	RAWAR	38	34	19	0
	KARNAL	KARNAL	KUNJPURA	31	21	10	0
	KARNAL	KARNAL	DARAR	19	16	11	0
	KARNAL	KARNAL	NALVI PAR	19	13	7	0
	KARNAL	KARNAL	CHUNDI PUR NAI	18	15	0	0
	KARNAL	KARNAL	KHIRAJPUR	15	15	0	0
	KARNAL	KARNAL	SHERGADTA PU	10	10	0	0
	KARNAL	KARNAL	SHEIKH PURA	8	7	0	0
	KARNAL	KARNAL	DABRKI	6	6	0	0
	KARNAL	KARNAL	MAKHU MAJRA	6	6	0	0
	KARNAL	KARNAL	CHURNI	4	2	0	0
	KARNAL	KARNAL	KALAMPUR A	4	4	0	0

	KARNAL	KARNAL	LANDHORA	4	4	0	0
	KARNAL	KARNAL	MUGAL MAJRA	4	4	0	0
	KARNAL	KARNAL	BAZID PUR	3	2	0	0
	KARNAL	KARNAL	SALARPUR	3	3	2	0
	KARNAL	KARNAL	BARAGAON	2	2	0	0
	KARNAL	KARNAL	DILAWRA (ANDHEDA)	2	2	0	0
	KARNAL	KARNAL	KURALI	2	2	0	0
	KARNAL	KARNAL	MOHDINDPUR	2	1	0	0
	KARNAL	KARNAL	NALVI KALAN	2	2	0	0
	KARNAL	KARNAL	RINDAL	2	2	0	0
	KARNAL	KARNAL	SARFA BAD MAJRA	2	2	0	0
	KARNAL	KARNAL	CHHAPRA JAGIR	1	1	0	0
	KARNAL	KARNAL	DANYELPUR	1	1	1	0
	KARNAL	KARNAL	GANJOGARI	1	1	0	0
	KARNAL	KARNAL	KACHHWA	1	1	0	0
	KARNAL	KARNAL	KALWAHERI	1	1	0	0
	KARNAL	KARNAL	MAINMATI	1	1	0	0
	KARNAL	KARNAL	MANGLORA	1	1	1	0
	KARNAL	KARNAL	MUSTFABAD	1	1	0	0
	KARNAL	KARNAL	NAGLA MEGA	1	1	0	0
	KARNAL	NILOKHERI	ANJANTHALI	36	36	0	0
	KARNAL	NILOKHERI	SOUNKRA	26	26	0	0
	KARNAL	NILOKHERI	NIGDHU	15	15	13	0
	KARNAL	NILOKHERI	BOHLA KHALSA	14	14	10	0
	KARNAL	NILOKHERI	RAISON	14	14	10	0
	KARNAL	NILOKHERI	PASTANA	13	13	10	0
	KARNAL	NILOKHERI	SITAMAI	11	11	9	0
	KARNAL	NILOKHERI	AIBLA	9	9	5	0
	KARNAL	NILOKHERI	MAJRA RORAN	8	8	8	0
	KARNAL	NILOKHERI	BARSALU	4	4	3	0
	KARNAL	NILOKHERI	PUJAM	4	4	0	0

	KARNAL	NILOKHERI	SANDHIR	4	4	4	0
	KARNAL	NILOKHERI	SHEKHAN PUR	4	4	3	0
	KARNAL	NILOKHERI	ARJAHERI	3	3	0	0
	KARNAL	NILOKHERI	SEED PUR	3	3	3	0
	KARNAL	NILOKHERI	BUDHERA	2	2	2	0
	KARNAL	NILOKHERI	KEOR	2	1	1	0
	KARNAL	NILOKHERI	RAMANA RAMANI	2	2	2	0
	KARNAL	NILOKHERI	SOHLO	2	2	1	0
	KARNAL	NILOKHERI	BIR BADALWA	1	1	1	0
	KARNAL	NILOKHERI	KALSI	1	1	0	0
	KARNAL	NILOKHERI	MANAK MAJRA	1	1	1	0
	KARNAL	NILOKHERI	NILOKHERI	1	1	0	0
	KARNAL	NILOKHERI	SAGGA	1	1	0	0
	KARNAL	NILOKHERI	SAMBHI	1	1	0	0
	KARNAL	NILOKHERI	SHAM GARH	1	1	1	0
	KARNAL	NILOKHERI	TAKHANA	1	1	0	0
	KARNAL	NILOKHERI	UNISPUR	1	1	0	0
	KARNAL	NISSING AT CHIRAO	AMUPUR	31	29	19	0
	KARNAL	NISSING AT CHIRAO	KATLAHERI	22	21	11	0
	KARNAL	NISSING AT CHIRAO	PEONT	18	13	0	0
	KARNAL	NISSING AT CHIRAO	JUNDLA	17	16	11	0
	KARNAL	NISSING AT CHIRAO	JANI	15	15	11	0
	KARNAL	NISSING AT CHIRAO	BANSA	12	11	5	0
	KARNAL	NISSING AT CHIRAO	BALU	8	7	6	0
	KARNAL	NISSING AT CHIRAO	PICHOLIA	8	8	7	0
	KARNAL	NISSING AT CHIRAO	SAMBHLI	8	8	0	0
	KARNAL	NISSING AT CHIRAO	MOTIA	6	6	5	0
	KARNAL	NISSING AT	BAROTA	5	0	0	0

		CHIRAO					
	KARNAL	NISSING AT CHIRAO	JALALA VIRAN	5	5	0	0
	KARNAL	NISSING AT CHIRAO	SHAHPUR	5	5	3	0
	KARNAL	NISSING AT CHIRAO	BIRACHPUR	4	4	1	0
	KARNAL	NISSING AT CHIRAO	KUCHPURA	4	4	4	0
	KARNAL	NISSING AT CHIRAO	BEHLOLPUR	2	2	2	0
	KARNAL	NISSING AT CHIRAO	CHAKDA	2	2	1	0
	KARNAL	NISSING AT CHIRAO	GUNIANA	2	2	0	0
	KARNAL	NISSING AT CHIRAO	SIRSI	2	2	0	0
	KARNAL	NISSING AT CHIRAO	THAROTA	2	2	1	0
	KARNAL	NISSING AT CHIRAO	BASTLI	1	1	0	0
	KARNAL	NISSING AT CHIRAO	BIR DHINDARI	1	1	0	0
	KARNAL	NISSING AT CHIRAO	BUDHANPUR VIRAN	1	0	0	0
	KARNAL	NISSING AT CHIRAO	CHIRAO	1	1	1	0
	KARNAL	NISSING AT CHIRAO	PINGLI	1	1	1	0
Total				1337	1243	492	4
11	KURUKSHETRA	BABAIN	BABIAN	16	16	9	0
	KURUKSHETRA	BABAIN	BIR KALWA	9	9	7	0
	KURUKSHETRA	BABAIN	BERTHLA	7	7	1	0
	KURUKSHETRA	BABAIN	ISHERHERI	7	7	7	0
	KURUKSHETRA	BABAIN	KALWA	7	7	7	0
	KURUKSHETRA	BABAIN	BUHAWI	3	3	3	0
	KURUKSHETRA	BABAIN	TATKI	3	3	1	0
	KURUKSHET	BABAIN	BHUKHARI	1	1	1	0

	RA						
	KURUKSHETRA	BABAIN	KALAL MAJRA	1	1	1	0
	KURUKSHETRA	BABAIN	MERCHERI	1	1	1	0
	KURUKSHETRA	BABAIN	TATKA	1	1	1	0
	KURUKSHETRA	ISMAILABAD	THASKA MIRAN JI	34	33	28	0
	KURUKSHETRA	ISMAILABAD	THOL	20	20	12	1
	KURUKSHETRA	ISMAILABAD	JALBERA	17	17	15	0
	KURUKSHETRA	ISMAILABAD	TABRA	16	16	15	0
	KURUKSHETRA	ISMAILABAD	SHANTI NAGAR	12	12	12	0
	KURUKSHETRA	ISMAILABAD	GOG PUR	11	11	11	0
	KURUKSHETRA	ISMAILABAD	CHAMU KALAN	9	9	8	0
	KURUKSHETRA	ISMAILABAD	JHANSA	9	9	8	2
	KURUKSHETRA	ISMAILABAD	JHIMREHRI	9	9	8	0
	KURUKSHETRA	ISMAILABAD	NAISI	8	8	8	0
	KURUKSHETRA	ISMAILABAD	SALPANI KALAN	4	4	4	0
	KURUKSHETRA	ISMAILABAD	MANDI	3	3	3	0
	KURUKSHETRA	ISMAILABAD	ISMAILA BAD	2	2	2	1
	KURUKSHETRA	ISMAILABAD	THAROLI	2	2	2	0
	KURUKSHETRA	ISMAILABAD	THASKALI	2	2	2	0
	KURUKSHETRA	ISMAILABAD	AJRANA KHURD	1	1	1	0
	KURUKSHETRA	ISMAILABAD	DALLA MAJRA	1	1	1	0
	KURUKSHETRA	ISMAILABAD	FATEHGERH CHAMMU	1	1	1	0
	KURUKSHETRA	ISMAILABAD	KUMHAR MAJRA	1	1	1	0

	KURUKSHETRA	ISMAILABAD	MALIKPUR	1	1	0	0
	KURUKSHETRA	ISMAILABAD	THANDRON	1	1	0	0
	KURUKSHETRA	LADWA	BODLA	30	30	28	0
	KURUKSHETRA	LADWA	MUKAR PUR	23	23	18	0
	KURUKSHETRA	LADWA	DHANORA JATTAN	21	21	15	0
	KURUKSHETRA	LADWA	SULTAN PUR	12	12	9	0
	KURUKSHETRA	LADWA	KHAIRA	10	10	0	0
	KURUKSHETRA	LADWA	LOHARA	10	10	0	0
	KURUKSHETRA	LADWA	BADAR PUR	8	8	8	1
	KURUKSHETRA	LADWA	PARLAHAD PUR	8	8	7	0
	KURUKSHETRA	LADWA	DUGARI	7	7	7	0
	KURUKSHETRA	LADWA	BAHLOL PUR	6	6	0	0
	KURUKSHETRA	LADWA	DUDDA	6	6	3	1
	KURUKSHETRA	LADWA	KALI RANO	4	4	2	0
	KURUKSHETRA	LADWA	BHALAR	3	3	3	0
	KURUKSHETRA	LADWA	BIR KHAIRI	3	3	3	0
	KURUKSHETRA	LADWA	DUBKHERA	3	3	3	0
	KURUKSHETRA	LADWA	BAPDI	2	2	2	0
	KURUKSHETRA	LADWA	GUDHA	2	2	1	0
	KURUKSHETRA	LADWA	MURAD NAGER	2	2	0	0
	KURUKSHETRA	LADWA	BAKALI	1	1	0	0
	KURUKSHETRA	LADWA	BUDHA	1	1	0	0
	KURUKSHETRA	LADWA	LATHI DHANORA	1	1	0	0

	KURUKSHETRA	PEHOWA	THANA	41	41	39	0
	KURUKSHETRA	PEHOWA	DIWANA	16	16	13	0
	KURUKSHETRA	PEHOWA	MAGANA	15	15	13	0
	KURUKSHETRA	PEHOWA	BHORESAIDA	10	10	10	0
	KURUKSHETRA	PEHOWA	CHANALHERI	10	10	8	0
	KURUKSHETRA	PEHOWA	TIKRI	10	10	0	0
	KURUKSHETRA	PEHOWA	SARSA	9	9	9	0
	KURUKSHETRA	PEHOWA	GUL DEHRA	8	8	8	0
	KURUKSHETRA	PEHOWA	SANDHOLI	8	8	7	0
	KURUKSHETRA	PEHOWA	BODHNI	5	5	3	0
	KURUKSHETRA	PEHOWA	GARI SINGA	5	5	5	0
	KURUKSHETRA	PEHOWA	ISHAQ	5	5	0	0
	KURUKSHETRA	PEHOWA	JAKHAWALA	5	5	5	0
	KURUKSHETRA	PEHOWA	KAKRALA	5	5	5	0
	KURUKSHETRA	PEHOWA	Mohanpur	5	5	4	0
	KURUKSHETRA	PEHOWA	BHERIAN	2	2	1	1
	KURUKSHETRA	PEHOWA	HELWA	2	2	2	1
	KURUKSHETRA	PEHOWA	JULMAT	2	2	1	0
	KURUKSHETRA	PEHOWA	BAKHALI	1	1	1	0
	KURUKSHETRA	PEHOWA	BATHERI	1	1	0	0
	KURUKSHETRA	PEHOWA	JURASI KALAN	1	1	0	0
	KURUKSHETRA	PEHOWA	RATTAN GARH KAKRALI	1	1	1	0
	KURUKSHET	PEHOWA	SARASWATI	1	1	0	0

	RA		KHERA				
	KURUKSHETRA	PEHOWA	SIANA SAIDAN	1	1	1	1
	KURUKSHETRA	SHAHBAD	RAM NAGAR (O)	24	24	12	0
	KURUKSHETRA	SHAHBAD	CHANARTHAL	23	22	22	0
	KURUKSHETRA	SHAHBAD	SAMBLAKHI	20	20	0	0
	KURUKSHETRA	SHAHBAD	BIBI PUR	10	10	10	0
	KURUKSHETRA	SHAHBAD	MADAN PUR	6	6	6	0
	KURUKSHETRA	SHAHBAD	PADLU	5	5	0	0
	KURUKSHETRA	SHAHBAD	CHHAPRI	4	4	0	0
	KURUKSHETRA	SHAHBAD	KATHUWA	4	4	0	0
	KURUKSHETRA	SHAHBAD	DADLU	3	3	0	0
	KURUKSHETRA	SHAHBAD	DHANTORI	3	3	2	0
	KURUKSHETRA	SHAHBAD	KHARINDWA	3	3	3	0
	KURUKSHETRA	SHAHBAD	MACHCHRAULI	3	3	3	0
	KURUKSHETRA	SHAHBAD	MOHAN PUR	3	3	0	0
	KURUKSHETRA	SHAHBAD	MOHRI	3	3	0	0
	KURUKSHETRA	SHAHBAD	NAGLA	3	3	0	0
	KURUKSHETRA	SHAHBAD	RAWA	3	3	0	0
	KURUKSHETRA	SHAHBAD	BRAHAM	2	2	2	0
	KURUKSHETRA	SHAHBAD	LANDI	2	2	0	0
	KURUKSHETRA	SHAHBAD	SURAKH PUR	2	2	0	0
	KURUKSHETRA	SHAHBAD	TANGOR	2	2	1	0
	KURUKSHETRA	SHAHBAD	TEORA	2	2	2	0

	KURUKSHETRA	SHAHBAD	YARA	2	2	0	0
	KURUKSHETRA	SHAHBAD	BIZARPUR	1	1	0	0
	KURUKSHETRA	SHAHBAD	CHOR PUR	1	1	0	0
	KURUKSHETRA	SHAHBAD	DHAKALA	1	1	0	0
	KURUKSHETRA	SHAHBAD	MADUDAN	1	1	0	0
	KURUKSHETRA	SHAHBAD	MALIKPUR	1	0	0	0
	KURUKSHETRA	SHAHBAD	NALVI	1	0	0	0
	KURUKSHETRA	SHAHBAD	YARI	1	1	1	0
	KURUKSHETRA	THANESAR	JYOTISAR	42	40	20	0
	KURUKSHETRA	THANESAR	AJRANA KALAN	38	31	0	0
	KURUKSHETRA	THANESAR	BARWA	27	25	22	0
	KURUKSHETRA	THANESAR	JHINVERHERI-II	24	20	15	0
	KURUKSHETRA	THANESAR	JIRBARI	24	24	23	0
	KURUKSHETRA	THANESAR	BODHI	21	19	15	0
	KURUKSHETRA	THANESAR	DUDHLA	18	16	16	0
	KURUKSHETRA	THANESAR	BAHARI	17	16	14	0
	KURUKSHETRA	THANESAR	KAULAPUR	14	14	13	2
	KURUKSHETRA	THANESAR	MATHANA	12	12	11	0
	KURUKSHETRA	THANESAR	BEHOLI	10	9	8	0
	KURUKSHETRA	THANESAR	KIRMACH	8	6	3	0
	KURUKSHETRA	THANESAR	UMRI	7	7	5	0
	KURUKSHETRA	THANESAR	BARNA	5	5	4	0
	KURUKSHETRA	THANESAR	HINGA KHERI	5	5	2	0

	KURUKSHETRA	THANESAR	DABKHERI	4	4	0	0
	KURUKSHETRA	THANESAR	PINDARSI	4	4	0	0
	KURUKSHETRA	THANESAR	SODHI	4	4	4	0
	KURUKSHETRA	THANESAR	BISHANGARH DARAKHURD	3	3	2	0
	KURUKSHETRA	THANESAR	KHERI MARKANDA	3	3	3	0
	KURUKSHETRA	THANESAR	LOHAR MAJRA	3	3	0	0
	KURUKSHETRA	THANESAR	SIRSAMA	3	2	2	0
	KURUKSHETRA	THANESAR	BAGTHALA	2	2	1	0
	KURUKSHETRA	THANESAR	BIR AMIN	2	2	1	0
	KURUKSHETRA	THANESAR	CHANDER BHAN PURA	2	2	0	0
	KURUKSHETRA	THANESAR	CHIBBA	2	2	2	0
	KURUKSHETRA	THANESAR	HATHIRA	2	2	1	0
	KURUKSHETRA	THANESAR	KANIPALA	2	2	2	0
	KURUKSHETRA	THANESAR	MUNDA KHERA	2	2	0	0
	KURUKSHETRA	THANESAR	ADHON	1	1	1	0
	KURUKSHETRA	THANESAR	BALAHI	1	1	1	0
	KURUKSHETRA	THANESAR	DEODA KHERI	1	1	1	0
	KURUKSHETRA	THANESAR	HARYAPUR	1	1	0	0
	KURUKSHETRA	THANESAR	KAINTHAL KHURD	1	1	1	0
	KURUKSHETRA	THANESAR	KAMODA	1	1	0	0
	KURUKSHETRA	THANESAR	KHANPURKOLIAN	1	1	1	0
	KURUKSHETRA	THANESAR	KHERI RAM NAGAR	1	1	0	0

	KURUKSHETRA	THANESAR	NARKATARI	1	1	1	0
	KURUKSHETRA	THANESAR	PARTAPGARH	1	0	0	0
	KURUKSHETRA	THANESAR	SHADIPUR LADWA	1	1	0	0
	KURUKSHETRA	THANESAR	SIRSLA	1	1	1	0
	KURUKSHETRA	THANESAR	UDARSI	1	1	1	0
Total				1014	985	687	11
12	MAHENDRAGARH	ATELI NANGAL	KHARIWARA	10	10	0	0
	MAHENDRAGARH	ATELI NANGAL	BIHALI	7	7	0	0
	MAHENDRAGARH	ATELI NANGAL	KANTI	7	1	0	0
	MAHENDRAGARH	ATELI NANGAL	RATAKALAN	4	4	1	0
	MAHENDRAGARH	ATELI NANGAL	ATELI	3	3	1	0
	MAHENDRAGARH	ATELI NANGAL	KHAIRANI	3	3	0	0
	MAHENDRAGARH	ATELI NANGAL	PIRTHIPURA	3	3	0	0
	MAHENDRAGARH	ATELI NANGAL	NANGAL	2	2	1	0
	MAHENDRAGARH	ATELI NANGAL	HASSANPUR	1	1	0	0
	MAHENDRAGARH	ATELI NANGAL	KATKAI	1	1	0	0
	MAHENDRAGARH	ATELI NANGAL	RAJPURA	1	1	0	0
	MAHENDRAGARH	ATELI NANGAL	TAJPUR	1	1	0	0
	MAHENDRAGARH	ATELI NANGAL	TIGRA	1	0	0	0
	MAHENDRAGARH	KANINA	KAKRALA	20	12	0	0
	MAHENDRAGARH	KANINA	DHANUNDA	7	7	0	0
	MAHENDRAGARH	KANINA	BUCHAWAS	5	0	0	0
	MAHENDRAGARH	KANINA	GUDHA	5	5	0	0

	MAHENDRA GARH	KANINA	KHERA	4	4	0	0
	MAHENDRA GARH	KANINA	MORI	4	4	0	0
	MAHENDRA GARH	KANINA	POTA	4	2	0	0
	MAHENDRA GARH	KANINA	AGHIAR	3	3	0	0
	MAHENDRA GARH	KANINA	BHOJAWAS	3	3	1	0
	MAHENDRA GARH	KANINA	KHERI	3	0	0	0
	MAHENDRA GARH	KANINA	NANGAL HARNATH	3	0	0	0
	MAHENDRA GARH	KANINA	BAGHOT	2	2	0	0
	MAHENDRA GARH	KANINA	JHAGROLI	2	1	0	0
	MAHENDRA GARH	KANINA	SIHOR	2	2	1	0
	MAHENDRA GARH	KANINA	SUNDRAH	2	2	0	0
	MAHENDRA GARH	KANINA	BAWANIA	1	1	0	0
	MAHENDRA GARH	KANINA	BEWAL	1	1	0	0
	MAHENDRA GARH	KANINA	BHALKHI	1	0	0	0
	MAHENDRA GARH	KANINA	KAPOORI	1	1	0	0
	MAHENDRA GARH	KANINA	MEGHANWAS	1	1	0	0
	MAHENDRA GARH	KANINA	MOHANPUR	1	1	1	0
	MAHENDRA GARH	KANINA	SURJANWAS	1	1	0	0
	MAHENDRA GARH	MAHENDRAGARH	JANT	21	21	12	0
	MAHENDRA GARH	MAHENDRAGARH	BASAI	14	13	5	0
	MAHENDRA GARH	MAHENDRAGARH	NIMBI	9	9	2	0
	MAHENDRA GARH	MAHENDRAGARH	PALI	7	0	0	0
	MAHENDRA GARH	MAHENDRAGARH	DHOLI	3	1	0	0

	MAHENDRA GARH	MAHENDRAGARH	KHARKHARA(AKODA)	3	3	1	0
	MAHENDRA GARH	MAHENDRAGARH	KHUNDANA	3	2	2	0
	MAHENDRA GARH	MAHENDRAGARH	KOTHAL KALAN	3	0	0	0
	MAHENDRA GARH	MAHENDRAGARH	MANDOLA	3	3	3	0
	MAHENDRA GARH	MAHENDRAGARH	NIMBHERA	3	3	0	0
	MAHENDRA GARH	MAHENDRAGARH	BHAGDANA	2	2	0	0
	MAHENDRA GARH	MAHENDRAGARH	BHANDOR UCHI	2	2	0	0
	MAHENDRA GARH	MAHENDRAGARH	CHITLANG	2	2	2	2
	MAHENDRA GARH	MAHENDRAGARH	KUKSI	2	0	0	0
	MAHENDRA GARH	MAHENDRAGARH	RIWASA	2	2	2	0
	MAHENDRA GARH	MAHENDRAGARH	BALAYACHA	1	1	0	0
	MAHENDRA GARH	MAHENDRAGARH	DEROLI JAT	1	0	0	0
	MAHENDRA GARH	MAHENDRAGARH	MAJRA KALAN	1	0	0	0
	MAHENDRA GARH	MAHENDRAGARH	PALRI PANIHAR	1	1	0	0
	MAHENDRA GARH	MAHENDRAGARH	ZERAPUR	1	1	0	0
	MAHENDRA GARH	NANGAL CHAUDHARY	NAYAN	12	12	9	1
	MAHENDRA GARH	NANGAL CHAUDHARY	SIROHI BAHALI	7	6	6	0
	MAHENDRA GARH	NANGAL CHAUDHARY	NIYAMATPUR	6	5	4	0
	MAHENDRA GARH	NANGAL CHAUDHARY	BHEDANTI	5	1	0	0
	MAHENDRA GARH	NANGAL CHAUDHARY	NANGAL KALIA	4	3	2	0
	MAHENDRA GARH	NANGAL CHAUDHARY	AKOLI	3	3	3	0
	MAHENDRA GARH	NANGAL CHAUDHARY	ASRAWAS	3	3	0	0
	MAHENDRA GARH	NANGAL CHAUDHARY	SEORAMNATHPURA	3	3	3	0

	MAHENDRA GARH	NANGAL CHAUDHARY	BHUNGARKHA	2	2	1	0
	MAHENDRA GARH	NANGAL CHAUDHARY	DOKHERA	2	2	0	0
	MAHENDRA GARH	NANGAL CHAUDHARY	KAMANIA	2	1	0	0
	MAHENDRA GARH	NANGAL CHAUDHARY	NANGAL SODA	2	2	2	1
	MAHENDRA GARH	NANGAL CHAUDHARY	THANWAS	2	2	2	0
	MAHENDRA GARH	NANGAL CHAUDHARY	TOTAHARI	2	1	0	0
	MAHENDRA GARH	NANGAL CHAUDHARY	BANIHARI	1	1	0	0
	MAHENDRA GARH	NANGAL CHAUDHARY	BIHARIPUR	1	1	1	0
	MAHENDRA GARH	NANGAL CHAUDHARY	BUDHWAL	1	1	0	0
	MAHENDRA GARH	NANGAL CHAUDHARY	MORUND	1	1	1	0
	MAHENDRA GARH	NANGAL CHAUDHARY	MULODI	1	1	1	0
	MAHENDRA GARH	NANGAL CHAUDHARY	SAHABAJPUR	1	1	0	0
	MAHENDRA GARH	NARNAUL	DHANI BHATOTHA	20	8	3	0
	MAHENDRA GARH	NARNAUL	DHARSON	20	18	1	0
	MAHENDRA GARH	NARNAUL	GEHLI	13	13	4	0
	MAHENDRA GARH	NARNAUL	BASKIRAROD UMRARAD	10	7	7	0
	MAHENDRA GARH	NARNAUL	SEKA	8	5	1	0
	MAHENDRA GARH	NARNAUL	BARKODA	7	7	7	0
	MAHENDRA GARH	NARNAUL	AMARPUR JORASI	6	6	5	0
	MAHENDRA GARH	NARNAUL	KAROTA	6	6	4	0
	MAHENDRA GARH	NARNAUL	KULTAJPUR	6	5	0	0
	MAHENDRA GARH	NARNAUL	MAHRAMPUR	6	6	1	0
	MAHENDRA GARH	NARNAUL	PATIKARA	5	4	1	0

	MAHENDRA GARH	NARNAUL	BARGAON	3	3	3	0
	MAHENDRA GARH	NARNAUL	SOBHAPUR	3	3	3	0
	MAHENDRA GARH	NARNAUL	CHINDALIA	2	1	1	0
	MAHENDRA GARH	NARNAUL	DOCHANA	2	1	0	0
	MAHENDRA GARH	NARNAUL	KANWI	2	1	0	0
	MAHENDRA GARH	NARNAUL	NANGAL KATHA	2	0	0	0
	MAHENDRA GARH	NARNAUL	NUNIAWAL	2	2	1	0
	MAHENDRA GARH	NARNAUL	BADOPUR	1	0	0	0
	MAHENDRA GARH	NARNAUL	BALAHA KHURD	1	1	0	0
	MAHENDRA GARH	NARNAUL	BAPROLI	1	1	0	0
	MAHENDRA GARH	NARNAUL	BHANKHRI	1	1	0	0
	MAHENDRA GARH	NARNAUL	HAMIDPUR	1	0	0	0
	MAHENDRA GARH	NARNAUL	JAILAF	1	1	1	0
	MAHENDRA GARH	NARNAUL	NANGAL SYALU	1	1	1	0
	MAHENDRA GARH	NARNAUL	TEHLA	1	1	1	0
	MAHENDRA GARH	NARNAUL	THANA	1	1	0	0
	MAHENDRA GARH	NIZAMPUR	NANGAL DARGU	7	7	7	0
	MAHENDRA GARH	NIZAMPUR	NIZAMPUR	4	4	0	0
	MAHENDRA GARH	NIZAMPUR	KAROLI	3	2	0	0
	MAHENDRA GARH	NIZAMPUR	HASANPUR	2	2	0	0
	MAHENDRA GARH	NIZAMPUR	ISLAMPUR	2	2	0	0
	MAHENDRA GARH	NIZAMPUR	ROPAR SARAI	2	2	0	0
	MAHENDRA GARH	NIZAMPUR	SARELI	2	2	0	0

	MAHENDRA GARH	NIZAMPUR	BASIRPUR	1	1	1	0
	MAHENDRA GARH	NIZAMPUR	DANCHOLI	1	1	0	0
	MAHENDRA GARH	NIZAMPUR	DHANOTA	1	0	0	0
	MAHENDRA GARH	NIZAMPUR	GHATASHER	1	1	1	0
	MAHENDRA GARH	NIZAMPUR	MUSNOTA	1	1	0	0
	MAHENDRA GARH	NIZAMPUR	RAMBASS	1	1	0	0
	MAHENDRA GARH	SATNALI	SHYAMPURA	7	7	4	0
	MAHENDRA GARH	SATNALI	NAWAN	6	6	5	0
	MAHENDRA GARH	SATNALI	MADHOGARH	4	4	2	0
	MAHENDRA GARH	SATNALI	SUREHTI JAKHAL	4	4	0	0
	MAHENDRA GARH	SATNALI	SUREHTI PILANIA	4	3	0	0
	MAHENDRA GARH	SATNALI	BARDA	3	3	0	0
	MAHENDRA GARH	SATNALI	DIGROTA	3	3	2	0
	MAHENDRA GARH	SATNALI	NANGALMALA	3	3	0	0
	MAHENDRA GARH	SATNALI	SATNALI	3	3	2	0
	MAHENDRA GARH	SATNALI	SUREHTI MODIAN	3	3	0	0
	MAHENDRA GARH	SATNALI	BASS	2	2	0	0
	MAHENDRA GARH	SATNALI	JARWA	2	2	2	0
	MAHENDRA GARH	SATNALI	PATHARWAS	2	2	2	0
	MAHENDRA GARH	SATNALI	SOHRI	2	2	0	0
	MAHENDRA GARH	SATNALI	DALANWAS	1	1	1	0
	MAHENDRA GARH	SATNALI	RAJAWAS	1	0	0	0
	MAHENDRA GARH	SATNALI	SOHLA	1	1	0	0

	MAHENDRA GARH	SIHMA	DAROLI AHIR	3	3	2	1
	MAHENDRA GARH	SIHMA	DUBLANA	3	3	3	0
	MAHENDRA GARH	SIHMA	SALUNI	3	3	3	0
	MAHENDRA GARH	SIHMA	MEERPUR	2	2	2	0
	MAHENDRA GARH	SIHMA	SILARPUR	2	2	2	1
	MAHENDRA GARH	SIHMA	AJAM NAGAR	1	1	1	1
	MAHENDRA GARH	SIHMA	CHHAPRA SALIMPUR	1	1	1	0
	MAHENDRA GARH	SIHMA	HUDINA	1	1	0	0
	MAHENDRA GARH	SIHMA	JAT GUWANA	1	1	1	0
	MAHENDRA GARH	SIHMA	KHASPUR	1	1	1	1
	MAHENDRA GARH	SIHMA	SAGARPUR	1	1	1	0
Total				495	405	161	8
13	MEWAT	FEROZEPUR JHIRKA	BIWAN	44	42	0	0
	MEWAT	FEROZEPUR JHIRKA	AKHNAKA	37	31	0	0
	MEWAT	FEROZEPUR JHIRKA	RAWA	30	27	0	0
	MEWAT	FEROZEPUR JHIRKA	SAKRAS	29	29	0	0
	MEWAT	FEROZEPUR JHIRKA	MAHUN	21	21	0	0
	MEWAT	FEROZEPUR JHIRKA	PATHKHORI	19	16	0	0
	MEWAT	FEROZEPUR JHIRKA	HIRWARI	18	18	0	0
	MEWAT	FEROZEPUR JHIRKA	BHOND	16	15	0	0
	MEWAT	FEROZEPUR JHIRKA	BUBELHERI	15	14	0	0
	MEWAT	FEROZEPUR JHIRKA	CHITTORA	15	15	0	0
	MEWAT	FEROZEPUR JHIRKA	DUNGEJA	14	14	0	0

	MEWAT	FEROZEPUR JHIRKA	PADLA SHAHPURI	14	14	0	0
	MEWAT	FEROZEPUR JHIRKA	SULELA	13	11	0	0
	MEWAT	FEROZEPUR JHIRKA	CHANDRAK A	12	12	0	0
	MEWAT	FEROZEPUR JHIRKA	NEEMKHERA	12	12	0	0
	MEWAT	FEROZEPUR JHIRKA	AGON	11	10	0	0
	MEWAT	FEROZEPUR JHIRKA	IBRAHIMBAS	11	11	0	0
	MEWAT	FEROZEPUR JHIRKA	NASIR BASS	11	10	0	0
	MEWAT	FEROZEPUR JHIRKA	DONDAL	10	9	0	0
	MEWAT	FEROZEPUR JHIRKA	AHAMAD BASS	9	8	0	0
	MEWAT	FEROZEPUR JHIRKA	DHAMALA	6	6	0	0
	MEWAT	FEROZEPUR JHIRKA	NAWLI	6	6	0	0
	MEWAT	FEROZEPUR JHIRKA	GHATASHA MSHABAD	4	3	0	0
	MEWAT	FEROZEPUR JHIRKA	BASAI MEO	3	0	0	0
	MEWAT	FEROZEPUR JHIRKA	BHAKROJI	3	3	0	0
	MEWAT	FEROZEPUR JHIRKA	MOHDBASS	2	1	0	0
	MEWAT	FEROZEPUR JHIRKA	RANYALI	2	2	0	0
	MEWAT	FEROZEPUR JHIRKA	SHAKER PURI	2	2	0	0
	MEWAT	FEROZEPUR JHIRKA	ALIPUR TIGHARA	1	0	0	0
	MEWAT	NAGINA	MOOLTHAN	23	22	0	0
	MEWAT	NAGINA	DHADOLI KALAN	22	20	0	0
	MEWAT	NAGINA	RANIYALA PATAKPUR	20	20	0	0
	MEWAT	NAGINA	GANDURI	12	4	0	0
	MEWAT	NAGINA	GHAGAS	11	9	0	0
	MEWAT	NAGINA	JHIMRAWAT	11	9	0	0

	MEWAT	NAGINA	BALAI	7	6	0	0
	MEWAT	NAGINA	IMAM NAGAR	7	5	0	0
	MEWAT	NAGINA	BUKHARAKA	5	5	0	0
	MEWAT	NAGINA	UMRI	5	5	0	0
	MEWAT	NAGINA	MARORA	3	1	0	0
	MEWAT	NAGINA	GOHANA	2	1	0	0
	MEWAT	NAGINA	NOTKI	2	0	0	0
	MEWAT	NAGINA	ULETA	2	2	0	0
	MEWAT	NUH	MEOLI	38	36	0	0
	MEWAT	NUH	TAIN	37	36	0	0
	MEWAT	NUH	DHANDUKA	35	33	0	0
	MEWAT	NUH	BADKA ALIMUDDIN	32	31	0	0
	MEWAT	NUH	MALAB	24	22	0	0
	MEWAT	NUH	AKERA	18	17	0	0
	MEWAT	NUH	NALHAR	18	18	0	0
	MEWAT	NUH	KHOR BASAI	15	13	0	0
	MEWAT	NUH	KHERA KHALIL PUR	8	7	0	0
	MEWAT	NUH	RAIPURI	8	8	0	0
	MEWAT	NUH	GAJAR PUR	7	5	0	0
	MEWAT	NUH	TAPKAN	5	5	0	0
	MEWAT	NUH	BAJHERA	4	4	0	0
	MEWAT	NUH	MARORA	3	2	0	0
	MEWAT	NUH	BIRSIKA	2	1	0	0
	MEWAT	PUNAHANA	BICHHOR	85	73	50	0
	MEWAT	PUNAHANA	AMINABAD	66	65	0	0
	MEWAT	PUNAHANA	SINGAR	52	52	0	0
	MEWAT	PUNAHANA	AUTHA	49	49	48	0
	MEWAT	PUNAHANA	KHORE SHAH CHOKHA	47	45	0	0
	MEWAT	PUNAHANA	MOHD.PUR TER	45	43	0	0
	MEWAT	PUNAHANA	JAKHOPUR	40	40	0	0
	MEWAT	PUNAHANA	MUNDHETA	31	31	0	0
	MEWAT	PUNAHANA	GANGWANI	29	29	0	0

	MEWAT	PUNAHANA	SAROLI	28	28	0	0
	MEWAT	PUNAHANA	GADHOLA	25	25	0	0
	MEWAT	PUNAHANA	HATHANGA ON	23	23	0	0
	MEWAT	PUNAHANA	KHERLA PUNHANA	23	23	0	0
	MEWAT	PUNAHANA	NAI	23	14	0	0
	MEWAT	PUNAHANA	TER	22	22	0	0
	MEWAT	PUNAHANA	FEROZE PUR MEO	21	21	0	0
	MEWAT	PUNAHANA	LEHARWARI	21	21	0	0
	MEWAT	PUNAHANA	NEEMKA	21	21	0	0
	MEWAT	PUNAHANA	PAPRA	20	20	0	0
	MEWAT	PUNAHANA	SS HERI	18	18	0	0
	MEWAT	PUNAHANA	BADLI	17	3	0	0
	MEWAT	PUNAHANA	JAIWANT	16	16	0	0
	MEWAT	PUNAHANA	NAHEDA	16	15	0	0
	MEWAT	PUNAHANA	NEWANA	15	14	0	0
	MEWAT	PUNAHANA	TIRWARA	15	13	0	0
	MEWAT	PUNAHANA	KHAWAJLI KALAN	14	14	0	0
	MEWAT	PUNAHANA	CHANDANKI	13	13	0	0
	MEWAT	PUNAHANA	GODHOLA	12	12	0	0
	MEWAT	PUNAHANA	INDANA	12	12	0	0
	MEWAT	PUNAHANA	LAFURI	10	10	0	0
	MEWAT	PUNAHANA	AKBERPUR	9	9	0	0
	MEWAT	PUNAHANA	BHURIYKI	9	9	0	0
	MEWAT	PUNAHANA	ANDHAKI	8	7	0	0
	MEWAT	PUNAHANA	HAZIPUR	8	8	0	0
	MEWAT	PUNAHANA	REHPUWA	8	8	0	0
	MEWAT	PUNAHANA	SHAMSHABA D KHURD	7	7	0	0
	MEWAT	PUNAHANA	TUSENI	7	7	0	0
	MEWAT	PUNAHANA	BANDHOLI	6	6	0	0
	MEWAT	PUNAHANA	DUDOLI	4	4	0	0
	MEWAT	PUNAHANA	GUBRADI	4	3	0	0
	MEWAT	PUNAHANA	JHAROKRI	3	3	0	0
	MEWAT	PUNAHANA	NAHERPUR	2	2	0	0

	MEWAT	PUNAHANA	THEK	2	2	0	0
	MEWAT	PUNAHANA	HINGANPUR	1	1	0	0
	MEWAT	PUNAHANA	RAIPUR	1	0	0	0
	MEWAT	TAORU	SAHSHOLA	14	13	0	0
	MEWAT	TAORU	CHEELA	11	11	0	0
	MEWAT	TAORU	CHHARORA	3	3	0	0
	MEWAT	TAORU	KHARKHARI	1	1	0	0
	MEWAT	TAORU	SUNDA	1	1	0	0
Total				1714	1599	98	0
14	PALWAL	HASSANPUR	KUSHAK	22	22	17	0
	PALWAL	HASSANPUR	PINGORE	9	9	6	0
	PALWAL	HASSANPUR	MURTAJABAD	7	7	6	0
	PALWAL	HASSANPUR	TIKRI GUJJAR	7	7	0	0
	PALWAL	HASSANPUR	DARANA	6	6	6	0
	PALWAL	HASSANPUR	TAPPA	6	6	3	0
	PALWAL	HASSANPUR	AJIJABAD	5	5	3	0
	PALWAL	HASSANPUR	BATA	5	5	5	0
	PALWAL	HASSANPUR	GULAWAD	4	4	4	0
	PALWAL	HASSANPUR	LIKHI	4	4	2	0
	PALWAL	HASSANPUR	ATWA	3	3	2	0
	PALWAL	HASSANPUR	GHASERA	3	3	3	0
	PALWAL	HASSANPUR	JATOLI	3	3	1	0
	PALWAL	HASSANPUR	RAHIMPUR	3	3	3	0
	PALWAL	HASSANPUR	LULWARI	2	2	0	0
	PALWAL	HASSANPUR	SULTANPUR	2	2	0	0
	PALWAL	HASSANPUR	WALI MOHMADPUR	2	2	2	0
	PALWAL	HASSANPUR	KHAMBI	1	1	1	0
	PALWAL	HASSANPUR	MIRPUR KURALI	1	1	1	0
	PALWAL	HASSANPUR	RAIDASKA	1	1	1	0
	PALWAL	HATHIN	UTTAWAR	84	79	37	0
	PALWAL	HATHIN	LAKHNAKA	16	16	9	0
	PALWAL	HATHIN	ROOPRAKA	16	13	1	0
	PALWAL	HATHIN	ALIMEO	14	14	1	0

	PALWAL	HATHIN	KHILUKA	13	13	12	0
	PALWAL	HATHIN	MEHLUKA	13	13	0	0
	PALWAL	HATHIN	MOHDAMKA	11	10	1	0
	PALWAL	HATHIN	ROPNAGAR NATOLI	11	11	6	0
	PALWAL	HATHIN	DHAKALPUR	10	10	5	0
	PALWAL	HATHIN	GHIGRAKA	10	7	7	0
	PALWAL	HATHIN	GURAKSAR	10	10	0	0
	PALWAL	HATHIN	PAWSAR	10	10	7	0
	PALWAL	HATHIN	KHAIKA HATHIN	8	8	0	0
	PALWAL	HATHIN	MEERKA	8	8	0	0
	PALWAL	HATHIN	RANSEEKA	8	8	1	0
	PALWAL	HATHIN	ANDROLA	7	7	2	0
	PALWAL	HATHIN	BABUPUR HATHIN	7	7	6	0
	PALWAL	HATHIN	BHIMSIKA	7	7	4	0
	PALWAL	HATHIN	GHARROT	6	6	2	0
	PALWAL	HATHIN	BHAMBROL A JOGI	5	5	5	0
	PALWAL	HATHIN	CHHAINSA	5	5	5	0
	PALWAL	HATHIN	LADMAKI	5	4	1	0
	PALWAL	HATHIN	MALOKHAR A	5	5	0	0
	PALWAL	HATHIN	ANDHOP	4	4	4	0
	PALWAL	HATHIN	GARHI VINODA	4	4	1	0
	PALWAL	HATHIN	GOHPUR	4	4	2	0
	PALWAL	HATHIN	KHOKIYA JANPUR	4	4	0	0
	PALWAL	HATHIN	ALI BRAHMAN	3	3	0	0
	PALWAL	HATHIN	BICHPURI	3	3	3	0
	PALWAL	HATHIN	MALUKA	3	3	0	0
	PALWAL	HATHIN	PAHARI	3	3	3	0
	PALWAL	HATHIN	BHUDPUR	2	2	0	0
	PALWAL	HATHIN	DHIRANKI	2	2	0	0
	PALWAL	HATHIN	FEROZEPUR RAJPUT	2	2	2	0
	PALWAL	HATHIN	PONDRI	2	2	0	0

	PALWAL	HATHIN	SWAMIKA	2	2	2	0
	PALWAL	HATHIN	BAHIN	1	1	0	0
	PALWAL	HATHIN	JARARI	1	1	0	0
	PALWAL	HATHIN	KALSADA	1	1	1	0
	PALWAL	HATHIN	KOT	1	1	0	0
	PALWAL	HATHIN	MANDKOLA	1	1	1	0
	PALWAL	HATHIN	MANGORAKA	1	0	0	0
	PALWAL	HATHIN	MANPUR	1	1	0	0
	PALWAL	HATHIN	NANGAL JAT	1	1	0	0
	PALWAL	HATHIN	PACHAINKA	1	1	0	0
	PALWAL	HODAL	SONDH	9	9	8	0
	PALWAL	HODAL	SIHA	5	5	3	0
	PALWAL	HODAL	BEHROLA	4	3	2	0
	PALWAL	HODAL	BHIDUKI	3	3	3	0
	PALWAL	HODAL	SHOLAKA	2	2	2	0
	PALWAL	HODAL	AURANGABAD	1	1	1	0
	PALWAL	HODAL	BANCHARI	1	1	1	0
	PALWAL	HODAL	BORAKA	1	1	1	0
	PALWAL	HODAL	DADKA	1	1	0	0
	PALWAL	HODAL	DAKORA	1	1	1	0
	PALWAL	HODAL	HIDAYATPUR	1	1	1	0
	PALWAL	PALWAL	RASULPUR	12	10	3	0
	PALWAL	PALWAL	TIKRI BRAHMAN	9	9	1	0
	PALWAL	PALWAL	BHOLRA	7	7	1	0
	PALWAL	PALWAL	RAJPURA	7	7	2	0
	PALWAL	PALWAL	DUNGARPUR	5	2	0	0
	PALWAL	PALWAL	FARIJABAD MISSA	3	3	2	0
	PALWAL	PALWAL	KHEDLA	3	2	2	0
	PALWAL	PALWAL	BAGHPUR	2	2	2	0
	PALWAL	PALWAL	BHUD KHERLI	2	2	1	0
	PALWAL	PALWAL	CHHAJJU NAGAR	2	2	2	0
	PALWAL	PALWAL	DHATIR	2	2	2	0

	PALWAL	PALWAL	GHORI	2	2	2	0
	PALWAL	PALWAL	KISHORPUR	2	2	1	0
	PALWAL	PALWAL	SIHOL	2	2	1	0
	PALWAL	PALWAL	TARAKA	2	2	2	0
	PALWAL	PALWAL	THANTRI	2	2	0	0
	PALWAL	PALWAL	AHERWAN	1	1	1	0
	PALWAL	PALWAL	PAHLADPUR	1	1	1	0
	PALWAL	PALWAL	RAMPUR KHOR	1	1	0	0
	PALWAL	PRITHLA	SEHROLA	6	6	0	0
	PALWAL	PRITHLA	SADARPUR	5	5	0	0
	PALWAL	PRITHLA	DEVLI	4	4	4	0
	PALWAL	PRITHLA	BADHRAMM	2	2	0	0
	PALWAL	PRITHLA	JANOLI	2	2	0	0
	PALWAL	PRITHLA	KALWAKA	2	2	0	0
	PALWAL	PRITHLA	BHURJA	1	1	0	0
	PALWAL	PRITHLA	GADPURI	1	1	0	0
Total				551	530	250	0
15	PANCHKULA	BARWALA	TRILOK PUR	6	6	6	0
	PANCHKULA	BARWALA	RATTE WALI	3	3	3	1
	PANCHKULA	BARWALA	SULTAN PUR	3	3	3	0
	PANCHKULA	BARWALA	TAPRIAN	2	2	2	0
	PANCHKULA	BARWALA	BARWALA	1	1	0	0
	PANCHKULA	BARWALA	BHARAULI	1	1	1	0
	PANCHKULA	BARWALA	KHARWALE PARWALA	1	1	1	0
	PANCHKULA	BARWALA	REHORE	1	1	1	0
	PANCHKULA	MORNI	BHOJ RAJPURA	16	16	12	0
	PANCHKULA	MORNI	BHOJ KUDANA	14	14	9	0
	PANCHKULA	MORNI	BHOJ DHARTI	13	13	6	0
	PANCHKULA	MORNI	PLASRA	7	7	3	0
	PANCHKULA	MORNI	BHOJ NAITA	6	6	1	0
	PANCHKULA	MORNI	RAJI TIKRI	6	6	6	0
	PANCHKULA	MORNI	BHOJ BALAG	4	4	0	0
	PANCHKULA	MORNI	BHOJ KOTI	3	3	0	0

	PANCHKULA	MORNI	BHOJ KOTHI	3	3	0	0
	PANCHKULA	MORNI	BHOJ MATOUR	2	2	0	0
	PANCHKULA	MORNI	SABILPUR	1	1	1	0
	PANCHKULA	PINJORE	THAkNE KI SAIR	2	2	0	0
	PANCHKULA	PINJORE	GORAKH NATH	1	1	1	0
	PANCHKULA	PINJORE	JABROT	1	1	0	0
	PANCHKULA	PINJORE	KANDIALA	1	1	0	0
	PANCHKULA	PINJORE	MALLAH	1	1	1	0
	PANCHKULA	PINJORE	NAWA NAGAR	1	1	1	0
	PANCHKULA	RAJPURRANI	MOULI	2	2	2	0
	PANCHKULA	RAJPURRANI	SAMLEHRI	2	2	2	0
	PANCHKULA	RAJPURRANI	BADHOUR	1	1	1	0
	PANCHKULA	RAJPURRANI	GARI KOTAHA	1	1	1	0
	PANCHKULA	RAJPURRANI	HARYOLI	1	1	1	0
	PANCHKULA	RAJPURRANI	NATWAL	1	1	0	0
	PANCHKULA	RAJPURRANI	REHNA	1	1	0	0
Total				109	109	65	1
16	PANIPAT	BAPOLI	RASLAPUR	43	43	37	25
	PANIPAT	BAPOLI	GOELA KHURD	21	21	20	7
	PANIPAT	BAPOLI	KHOJKIPUR	14	12	10	7
	PANIPAT	BAPOLI	BEHRAMPUR	13	13	13	8
	PANIPAT	BAPOLI	GARHI BHALOR	5	5	5	0
	PANIPAT	BAPOLI	SANJOLI	5	5	5	2
	PANIPAT	BAPOLI	BAPOLI	4	4	3	1
	PANIPAT	BAPOLI	DADHOLA	3	3	3	3
	PANIPAT	BAPOLI	GOYLA KALAN	1	1	1	1
	PANIPAT	BAPOLI	NURPUR MUGLAN	1	1	1	0
	PANIPAT	BAPOLI	PASSINA KALAN	1	1	1	0
	PANIPAT	ISRANA	PARDHANA	20	20	18	5
	PANIPAT	ISRANA	HARTARI	16	16	4	0

	PANIPAT	ISRANA	NAULTHA	13	11	10	3
	PANIPAT	ISRANA	KAITH	12	12	12	2
	PANIPAT	ISRANA	PALRI	9	9	9	6
	PANIPAT	ISRANA	AHAR	3	3	0	0
	PANIPAT	ISRANA	DIDWARI	3	3	1	0
	PANIPAT	ISRANA	PUTHAR	3	3	2	0
	PANIPAT	ISRANA	BALANA	2	2	2	0
	PANIPAT	ISRANA	KURANA	2	2	0	0
	PANIPAT	ISRANA	CHHICHHRANA	1	1	0	0
	PANIPAT	ISRANA	PATHARI	1	1	0	0
	PANIPAT	MADLAUDA	ALUPUR	32	32	31	7
	PANIPAT	MADLAUDA	URLANA KALAN	20	20	11	4
	PANIPAT	MADLAUDA	NARA	16	16	13	4
	PANIPAT	MADLAUDA	ADIYANA	9	9	9	4
	PANIPAT	MADLAUDA	NAIN	8	8	8	8
	PANIPAT	MADLAUDA	BHANDARY	7	7	6	0
	PANIPAT	MADLAUDA	KHANDRA	6	6	5	0
	PANIPAT	MADLAUDA	SHERA	6	6	4	0
	PANIPAT	MADLAUDA	BHADER	5	5	4	0
	PANIPAT	MADLAUDA	KALKHA	5	5	5	5
	PANIPAT	MADLAUDA	URLANA KHURD	5	5	4	1
	PANIPAT	MADLAUDA	AHMEDPUR MAJARA	4	4	4	1
	PANIPAT	MADLAUDA	LOHARI	4	4	4	1
	PANIPAT	MADLAUDA	RAIR KALAN	3	3	2	0
	PANIPAT	MADLAUDA	WAISER	2	2	0	0
	PANIPAT	MADLAUDA	ATAWALA	1	1	0	0
	PANIPAT	MADLAUDA	DARYAPUR	1	1	1	0
	PANIPAT	MADLAUDA	MOHIDINPUR THIRANA	1	1	1	1
	PANIPAT	MADLAUDA	NOHRA	1	1	0	0
	PANIPAT	MADLAUDA	SHODAPUR	1	1	1	0
	PANIPAT	PANIPAT	BARANA	148	148	137	102
	PANIPAT	PANIPAT	SEWAH	51	50	46	29
	PANIPAT	PANIPAT	KABDI	21	21	15	12

	PANIPAT	PANIPAT	KACHROLI	13	13	12	7
	PANIPAT	PANIPAT	BABAR PUR	10	10	10	7
	PANIPAT	PANIPAT	CHANDOLI	3	3	3	3
	PANIPAT	PANIPAT	BABAIL	2	2	1	1
	PANIPAT	PANIPAT	GARHSARNA I	2	2	2	0
	PANIPAT	PANIPAT	BINJHOL	1	1	1	1
	PANIPAT	SAMALKHA	WAZIR PUR TITANA	9	9	3	0
	PANIPAT	SAMALKHA	KIWANA	8	8	2	0
	PANIPAT	SAMALKHA	BASHERA	7	7	4	0
	PANIPAT	SAMALKHA	SEHER MALPUR	5	5	5	0
	PANIPAT	SAMALKHA	NARAINA	4	4	2	1
	PANIPAT	SAMALKHA	BUDHANPUR	3	3	0	0
	PANIPAT	SAMALKHA	JORASI SARF KHAS	3	3	3	0
	PANIPAT	SAMALKHA	MANANA	3	3	3	0
	PANIPAT	SAMALKHA	CHADDIA YUSHUFPUR	2	2	2	0
	PANIPAT	SAMALKHA	CHULKANA	2	2	1	0
	PANIPAT	SAMALKHA	GARHI CHAJU	2	2	2	0
	PANIPAT	SAMALKHA	HATHWALA	2	2	0	0
	PANIPAT	SAMALKHA	MAHAWATI	2	2	2	0
	PANIPAT	SAMALKHA	NAMUNDA	2	2	0	0
	PANIPAT	SAMALKHA	RAKSERA	2	2	2	0
	PANIPAT	SAMALKHA	BEHOLI	1	1	0	0
	PANIPAT	SAMALKHA	DHODPUR	1	1	0	0
	PANIPAT	SANOLI KHURD	MOHALI	2	2	2	1
	PANIPAT	SANOLI KHURD	JHAMBA	1	1	1	0
	PANIPAT	SANOLI KHURD	NANHERA	1	1	0	0
Total				646	641	531	270
17	REWARI	BAWAL	IBRAHIMPUR	4	4	4	0
	REWARI	BAWAL	JALALPUR	3	3	1	0
	REWARI	BAWAL	RAJGARH	3	3	2	0
	REWARI	BAWAL	JARTHAL	2	2	0	0

	REWARI	BAWAL	JHABUA	2	2	1	0
	REWARI	BAWAL	KHANDORA	2	2	1	0
	REWARI	BAWAL	PATHUERA	2	2	0	0
	REWARI	BAWAL	RAGHUNAT H PURA	2	2	2	0
	REWARI	BAWAL	RAIPUR	2	2	1	0
	REWARI	BAWAL	BADHRANA	1	1	1	0
	REWARI	BAWAL	BOLNI	1	1	1	0
	REWARI	BAWAL	DHARAN	1	1	1	0
	REWARI	BAWAL	RALIAWAS	1	1	0	0
	REWARI	BAWAL	TANKRI	1	1	0	0
	REWARI	JATUSANA	JATUSANA	5	5	2	0
	REWARI	JATUSANA	PARKHOTA MPUR	2	2	0	0
	REWARI	JATUSANA	BERLI KHURD	1	1	0	0
	REWARI	JATUSANA	CHANDANW AS	1	1	0	0
	REWARI	JATUSANA	GURAWARA	1	1	0	0
	REWARI	JATUSANA	NAINSUKHP URA	1	1	0	0
	REWARI	KHOL AT REWARI	JATUSANA	5	5	2	0
	REWARI	KHOL AT REWARI	PARKHOTA MPUR	2	2	0	0
	REWARI	KHOL AT REWARI	BERLI KHURD	1	1	0	0
	REWARI	KHOL AT REWARI	CHANDANW AS	1	1	0	0
	REWARI	KHOL AT REWARI	GURAWARA	1	1	0	0
	REWARI	KHOL AT REWARI	NAINSUKHP URA	1	1	0	0
	REWARI	NAHAR	NEHRUGARH	9	9	7	0
	REWARI	NAHAR	KHERI RAMGARH	5	5	2	0
	REWARI	NAHAR	AHEMD PUR PARTAL	4	4	4	0
	REWARI	NAHAR	JHOLRI	2	2	2	0
	REWARI	NAHAR	MUNDRA	2	2	2	0
	REWARI	NAHAR	BISOHA	1	1	0	0

	REWARI	NAHAR	JHARODA	1	1	0	0
	REWARI	NAHAR	KOSLI	1	1	0	0
	REWARI	NAHAR	LILODH	1	1	1	0
	REWARI	NAHAR	LUKHI	1	1	0	0
	REWARI	REWARI	BAIRIAWAS	2	2	0	0
	REWARI	REWARI	DOHAKI	2	2	0	0
	REWARI	REWARI	GARAHI ALAWALPUR	2	2	0	0
	REWARI	REWARI	KHALIAWAS	1	1	0	0
	REWARI	REWARI	MAJRA GURDAS	1	1	0	0
Total				84	84	37	0
18	ROHTAK	KALANAUR	KAHNAUR	77	76	24	0
	ROHTAK	KALANAUR	SENPAL	37	37	34	0
	ROHTAK	KALANAUR	BASANA	18	18	18	0
	ROHTAK	KALANAUR	LAHLI	17	17	17	0
	ROHTAK	KALANAUR	KHERRI	15	15	13	0
	ROHTAK	KALANAUR	GUDHAN	10	10	10	0
	ROHTAK	KALANAUR	ANWAL	9	9	7	0
	ROHTAK	KALANAUR	BALLAB	9	9	8	0
	ROHTAK	KALANAUR	PILANA	8	8	7	0
	ROHTAK	KALANAUR	TAIMURPUR	5	5	5	3
	ROHTAK	KALANAUR	GARHI BALLAM	4	4	4	0
	ROHTAK	KALANAUR	SUNDANA	4	4	3	0
	ROHTAK	KALANAUR	KATESRA	3	3	3	3
	ROHTAK	KALANAUR	KAKRANA	2	2	2	0
	ROHTAK	KALANAUR	PATWAPUR	2	2	2	0
	ROHTAK	KALANAUR	BHALI ANANDPUR	1	1	0	0
	ROHTAK	KALANAUR	GARNAWATHI	1	1	1	0
	ROHTAK	LAKHAN MAJRA	KHARAK JATAN	3	3	0	0
	ROHTAK	LAKHAN MAJRA	BAINSI	2	2	0	0
	ROHTAK	LAKHAN MAJRA	NANDAL	2	2	0	0
	ROHTAK	LAKHAN MAJRA	GHARAWATHI	1	1	0	0

	ROHTAK	LAKHAN MAJRA	KHARAINTI	1	1	0	0
	ROHTAK	LAKHAN MAJRA	LAKHAN MAJRA	1	1	0	0
	ROHTAK	LAKHAN MAJRA	TITOLI	1	1	0	0
	ROHTAK	MAHAM	NINDANA PANA TIGRI	46	44	26	3
	ROHTAK	MAHAM	BHAINI BHAINRO	39	39	39	12
	ROHTAK	MAHAM	BHAINI MAHARAJ PUR	23	23	23	18
	ROHTAK	MAHAM	MOKHRA PANA KHERI	16	16	13	0
	ROHTAK	MAHAM	SAMAN	12	12	12	3
	ROHTAK	MAHAM	BAHLBA	6	6	4	0
	ROHTAK	MAHAM	BHARAN	4	4	0	0
	ROHTAK	MAHAM	BHAINI SURJAN	2	2	1	0
	ROHTAK	MAHAM	MOKHRA ROJ	2	2	2	0
	ROHTAK	MAHAM	NIDANA	2	2	2	0
	ROHTAK	MAHAM	BAHALBA	1	1	0	0
	ROHTAK	MAHAM	BHAINI CHANDERPA L	1	1	1	0
	ROHTAK	MAHAM	KHARAKRA	1	1	1	0
	ROHTAK	MAHAM	KHERI MEHAM	1	1	1	1
	ROHTAK	ROHTAK	KHIDWALI	21	21	21	12
	ROHTAK	ROHTAK	RITHAL PHOUGAT	13	13	0	0
	ROHTAK	ROHTAK	KAHNI 7.5	9	9	9	0
	ROHTAK	ROHTAK	LADHOT	9	9	9	2
	ROHTAK	ROHTAK	SANGHI	4	4	2	1
	ROHTAK	ROHTAK	BHAGWATI PUR	3	3	3	0
	ROHTAK	ROHTAK	BALAND	2	2	2	1
	ROHTAK	ROHTAK	CHAMARIAN	2	2	1	0
	ROHTAK	ROHTAK	KARONTHA	2	2	0	0
	ROHTAK	ROHTAK	GHILOR KALAN	1	1	1	1

	ROHTAK	ROHTAK	KABUL PUR	1	1	1	1
	ROHTAK	ROHTAK	NASIR PUR	1	1	1	1
	ROHTAK	ROHTAK	SIMLI	1	1	0	0
	ROHTAK	SAMPLA	MORKHEREE	10	10	8	0
	ROHTAK	SAMPLA	BHESRU KHURD	3	3	1	0
	ROHTAK	SAMPLA	ISMAILA 9-B	2	2	1	0
	ROHTAK	SAMPLA	KAROR	2	2	0	0
	ROHTAK	SAMPLA	KHARAWAD	2	2	1	1
	ROHTAK	SAMPLA	SAMPLA	2	2	0	0
	ROHTAK	SAMPLA	KISRANTI	1	1	1	0
	ROHTAK	SAMPLA	NONAND	1	1	0	0
Total				481	478	345	63
19	SIRSA	BARAGUDHA	JHIRI	17	17	13	0
	SIRSA	BARAGUDHA	BHANGU	13	13	8	0
	SIRSA	BARAGUDHA	BHIWAN	12	12	7	0
	SIRSA	BARAGUDHA	KHAI SHERGARH	10	8	2	0
	SIRSA	BARAGUDHA	ALIKAN	8	8	0	0
	SIRSA	BARAGUDHA	BIRUWALA GUDHA	5	5	2	0
	SIRSA	BARAGUDHA	KARAMGARH	5	5	5	0
	SIRSA	BARAGUDHA	MALLENWALA	5	5	4	0
	SIRSA	BARAGUDHA	BARAGUDHA	3	3	0	0
	SIRSA	BARAGUDHA	BHAGSAR	3	3	0	0
	SIRSA	BARAGUDHA	SUKHCHAIN	3	3	3	0
	SIRSA	BARAGUDHA	DHABAN	2	2	0	0
	SIRSA	BARAGUDHA	KHUIYAN NEPALPUR	2	2	0	0
	SIRSA	BARAGUDHA	MALARI	2	2	0	0
	SIRSA	BARAGUDHA	RANGA	2	2	2	0
	SIRSA	BARAGUDHA	BHADRA	1	1	0	0
	SIRSA	BARAGUDHA	BUPP	1	1	1	0
	SIRSA	BARAGUDHA	BURJ BHANGU	1	1	1	0
	SIRSA	BARAGUDHA	DAULATPUR KHERA	1	1	1	0

	SIRSA	BARAGUDHA	PANJUANA	1	1	0	0
	SIRSA	BARAGUDHA	RAGHUANA	1	1	1	0
	SIRSA	BARAGUDHA	ROHAN	1	1	0	0
	SIRSA	BARAGUDHA	SHEKHUPURIA	1	1	0	0
	SIRSA	BARAGUDHA	SUBEWALA KHERA	1	1	0	0
	SIRSA	DABWALI	DESUJODHA	17	17	2	0
	SIRSA	DABWALI	PANNIWALA MORIKAN	15	15	15	12
	SIRSA	DABWALI	GORIWALA	7	7	0	0
	SIRSA	DABWALI	LOHGARH	6	6	0	0
	SIRSA	DABWALI	JOGAWALA	5	5	0	0
	SIRSA	DABWALI	MATHDADU	5	4	0	0
	SIRSA	DABWALI	RAMPURA BISHNOIA	5	5	0	0
	SIRSA	DABWALI	MANGEANA	3	3	2	0
	SIRSA	DABWALI	ASSA KHERA	2	1	0	0
	SIRSA	DABWALI	RAMGARH	2	2	1	0
	SIRSA	DABWALI	SAKTA KHERA	2	2	0	0
	SIRSA	DABWALI	HABUANA	1	1	0	0
	SIRSA	DABWALI	JUTTANWALI	1	1	0	0
	SIRSA	DABWALI	RISALIA KHERA	1	1	0	0
	SIRSA	ELLENABAD	MALLEKANA	53	52	26	0
	SIRSA	ELLENABAD	BHURATWALA	30	23	9	0
	SIRSA	ELLENABAD	TALWARA KHURD	28	24	15	0
	SIRSA	ELLENABAD	AMRITSAR KALAN	15	15	7	0
	SIRSA	ELLENABAD	MITHI SURERAN	14	14	9	0
	SIRSA	ELLENABAD	CHILKANI DHAB	11	9	0	0
	SIRSA	ELLENABAD	KESHUPURA	11	11	3	0
	SIRSA	ELLENABAD	POHARKAN	11	9	8	0
	SIRSA	ELLENABAD	MAUJU KHERA	10	7	0	0

	SIRSA	ELLENABAD	KUTHA BADH	8	7	0	0
	SIRSA	ELLENABAD	THOBRIAN	8	8	5	0
	SIRSA	ELLENABAD	DHOLPALIA	7	4	0	0
	SIRSA	ELLENABAD	NEEMLA	6	5	0	0
	SIRSA	ELLENABAD	BUDHI MARI	4	3	0	0
	SIRSA	ELLENABAD	KOTLI	3	3	0	0
	SIRSA	ELLENABAD	KUMTHALA	3	2	0	0
	SIRSA	ELLENABAD	DHANI JATTAN	2	2	0	0
	SIRSA	ELLENABAD	KHARI SURERA	2	2	0	0
	SIRSA	ELLENABAD	RATTA KHERA	2	1	0	0
	SIRSA	ELLENABAD	SHEKHU KHERA	2	1	0	0
	SIRSA	ELLENABAD	HARNI KHURD	1	1	1	0
	SIRSA	ELLENABAD	HIYMANU KHERA	1	1	0	0
	SIRSA	ELLENABAD	MIRZAPUR	1	1	0	0
	SIRSA	NATHUSARI CHOPTA	JAMAL	48	47	42	0
	SIRSA	NATHUSARI CHOPTA	CHAUBURJA	29	28	27	0
	SIRSA	NATHUSARI CHOPTA	GIGORANI	21	21	11	0
	SIRSA	NATHUSARI CHOPTA	KAGDANA	21	21	19	3
	SIRSA	NATHUSARI CHOPTA	ARNIANWALI	20	20	17	0
	SIRSA	NATHUSARI CHOPTA	BAKARIANWALI	18	18	17	8
	SIRSA	NATHUSARI CHOPTA	GANJA RUPANA	15	15	13	0
	SIRSA	NATHUSARI CHOPTA	RUPANA BISHONIA	15	15	15	2
	SIRSA	NATHUSARI CHOPTA	CHAHARWALA	13	13	11	1
	SIRSA	NATHUSARI CHOPTA	GUSAIN WALA	13	13	9	0
	SIRSA	NATHUSARI CHOPTA	JODHAKAN	13	13	11	0
	SIRSA	NATHUSARI	SHAHPURIA	13	13	0	0

		CHOPTA					
	SIRSA	NATHUSARI CHOPTA	JOGIWALA	11	10	5	0
	SIRSA	NATHUSARI CHOPTA	MAKHOSARANI	11	10	1	0
	SIRSA	NATHUSARI CHOPTA	NATHUSARI KALAN	10	10	8	0
	SIRSA	NATHUSARI CHOPTA	RUPAWAAS	7	7	6	3
	SIRSA	NATHUSARI CHOPTA	BARASARI	6	6	4	0
	SIRSA	NATHUSARI CHOPTA	KHERI	6	6	5	0
	SIRSA	NATHUSARI CHOPTA	TARKANWALI	6	6	1	0
	SIRSA	NATHUSARI CHOPTA	DHINGTANIA	5	5	2	2
	SIRSA	NATHUSARI CHOPTA	NEJIA KHERA	5	5	4	2
	SIRSA	NATHUSARI CHOPTA	ALI MOHMAMD	4	4	2	0
	SIRSA	NATHUSARI CHOPTA	DARBA KALAN	4	2	0	0
	SIRSA	NATHUSARI CHOPTA	DHOOKRA	4	4	2	0
	SIRSA	NATHUSARI CHOPTA	KUKARTHANA	3	3	2	0
	SIRSA	NATHUSARI CHOPTA	MOCHIWALI	3	3	0	0
	SIRSA	NATHUSARI CHOPTA	NARAIN KHERA	3	0	0	0
	SIRSA	NATHUSARI CHOPTA	RAJPURA SAHNI	3	3	2	0
	SIRSA	NATHUSARI CHOPTA	SAHUWALA - II	3	3	2	0
	SIRSA	NATHUSARI CHOPTA	RAIPUR	2	2	2	0
	SIRSA	NATHUSARI CHOPTA	RAMPURA BAGRIAN	2	2	2	2
	SIRSA	NATHUSARI CHOPTA	RUPANA KHURD	2	2	2	0
	SIRSA	NATHUSARI CHOPTA	SHAKKAR MANDORI	2	1	1	0
	SIRSA	NATHUSARI CHOPTA	SHERPURA	2	2	2	0

	SIRSA	NATHUSARI CHOPTA	GUDIA KHERA	1	1	0	0
	SIRSA	NATHUSARI CHOPTA	TAJIA KHERA	1	1	0	0
	SIRSA	ODHAN	DESU MALKANA	18	18	12	0
	SIRSA	ODHAN	PANNIWALA MOTA	8	8	7	0
	SIRSA	ODHAN	ANANDGAR H	4	4	0	0
	SIRSA	ODHAN	ROHIRANWA LI	4	4	0	0
	SIRSA	ODHAN	TILOKEWAL A	4	0	0	0
	SIRSA	ODHAN	MITHRI	2	1	0	0
	SIRSA	ODHAN	JANDWALA JATTAN	1	1	0	0
	SIRSA	ODHAN	MALIKPURA	1	1	0	0
	SIRSA	RANIA	NATHOR	34	34	32	0
	SIRSA	RANIA	BANI	29	28	23	0
	SIRSA	RANIA	MAMBER KHERA	26	26	25	0
	SIRSA	RANIA	KEHARWAL A	12	12	0	0
	SIRSA	RANIA	OTTU	12	12	8	0
	SIRSA	RANIA	DHUDIANW ALI	11	11	11	0
	SIRSA	RANIA	DHOTTAR	8	8	5	0
	SIRSA	RANIA	BAHIYA	7	7	5	0
	SIRSA	RANIA	CHAKAN	7	7	1	0
	SIRSA	RANIA	SULTANPURI A	7	6	4	0
	SIRSA	RANIA	BACHER	6	6	5	0
	SIRSA	RANIA	KHARIAN	5	5	5	0
	SIRSA	RANIA	CHAKA RIYAN	4	4	3	0
	SIRSA	RANIA	DHANOOR	4	4	2	0
	SIRSA	RANIA	MATTU WALA	4	4	4	0
	SIRSA	RANIA	ABHOLI	3	3	2	0
	SIRSA	RANIA	BHOONA	3	3	3	0
	SIRSA	RANIA	SAINPA L	3	3	0	0

	SIRSA	RANIA	GIDRANWALI	2	2	2	0
	SIRSA	RANIA	HARIPURA	2	2	2	0
	SIRSA	RANIA	THEIR MOHAR SINGH	1	1	1	0
	SIRSA	SIRSA	BHAUDIN	31	27	0	0
	SIRSA	SIRSA	PATLI DABAR	16	16	16	11
	SIRSA	SIRSA	BAJEKAN	12	12	11	0
	SIRSA	SIRSA	KOTLI	10	10	1	0
	SIRSA	SIRSA	AHMEDPUR	9	9	0	0
	SIRSA	SIRSA	FARWAIN KALAN	9	9	6	0
	SIRSA	SIRSA	MIRPUR	9	9	0	0
	SIRSA	SIRSA	SHAHPUR BEGU	9	7	0	0
	SIRSA	SIRSA	HANDI KHERA	8	8	4	0
	SIRSA	SIRSA	BHAMBOOR	5	4	0	0
	SIRSA	SIRSA	MORIWALA	5	4	2	0
	SIRSA	SIRSA	DARBI	4	4	4	0
	SIRSA	SIRSA	KASUMBI	3	3	3	0
	SIRSA	SIRSA	KHEREKAN	3	3	1	0
	SIRSA	SIRSA	MUSAHIBWALA	2	2	1	0
	SIRSA	SIRSA	CHATTARGARH PATTI	1	1	1	0
	SIRSA	SIRSA	NAREL KHERA	1	1	1	0
	SIRSA	SIRSA	RANGRI KHERA	1	1	1	0
	SIRSA	SIRSA	SANGAR SARISTA	1	1	1	0
Total				1122	1065	615	46
20	SONIPAT	GANAUR	DATAUILI	47	47	22	0
	SONIPAT	GANAUR	BAIN	34	34	22	0
	SONIPAT	GANAUR	BARAUT	34	32	22	0
	SONIPAT	GANAUR	PANCHI JATAN	20	20	11	0
	SONIPAT	GANAUR	GHASAULI	16	16	15	0

	SONIPAT	GANAUR	KHERI GUJJAR	12	12	7	0
	SONIPAT	GANAUR	TEHA	11	11	6	0
	SONIPAT	GANAUR	BAJANA KHURD	10	10	9	0
	SONIPAT	GANAUR	BEGA	7	7	2	0
	SONIPAT	GANAUR	AHULANA	3	3	3	0
	SONIPAT	GANAUR	RAJLU GARHI	3	3	0	0
	SONIPAT	GANAUR	BHORA RASULPUR	2	2	0	0
	SONIPAT	GANAUR	CHIRSMI	2	2	2	0
	SONIPAT	GANAUR	SARDANA	2	2	0	0
	SONIPAT	GANAUR	PUGTHALA	1	1	1	0
	SONIPAT	GOHANA	JAULI	14	14	0	0
	SONIPAT	GOHANA	RUKHI	9	9	0	0
	SONIPAT	GOHANA	BIDHAL	5	5	0	0
	SONIPAT	GOHANA	KATWAL	5	5	0	0
	SONIPAT	GOHANA	KHANPUR KALAN	5	5	0	0
	SONIPAT	GOHANA	RIWARA	5	5	0	0
	SONIPAT	GOHANA	SIKANDARPUR MAJRA	5	5	0	0
	SONIPAT	GOHANA	SARGTHAL	4	4	0	0
	SONIPAT	GOHANA	TIHAR MALIK	3	3	0	0
	SONIPAT	GOHANA	BAROTA	2	2	0	0
	SONIPAT	GOHANA	GARHI SARAI NAMDAR KHAN	1	1	0	0
	SONIPAT	GOHANA	JASRANA	1	0	0	0
	SONIPAT	GOHANA	RABHARA	1	1	0	0
	SONIPAT	GOHANA	BANWASA	36	35	0	0
	SONIPAT	GOHANA	CHHICHHRANA	8	7	0	0
	SONIPAT	GOHANA	DHANANA	3	3	0	0
	SONIPAT	GOHANA	AHULANA	1	0	0	0
	SONIPAT	GOHANA	GHARWAL	1	1	0	0
	SONIPAT	GOHANA	GUDHA	1	1	0	0

	SONIPAT	KHARKHODA	RIDHAU	28	27	0	0
	SONIPAT	KHARKHODA	KHANDA	5	5	0	0
	SONIPAT	MUNDLANA	MUNDLANA	42	42	0	0
	SONIPAT	MUNDLANA	CHIDANA	20	18	0	0
	SONIPAT	MUNDLANA	RANA KHERI	13	13	0	0
	SONIPAT	MUNDLANA	BUSANA	12	12	0	0
	SONIPAT	MUNDLANA	DHURANA	8	8	0	0
	SONIPAT	MUNDLANA	KOHLA	7	7	0	0
	SONIPAT	MUNDLANA	SARSADH	7	6	0	0
	SONIPAT	MUNDLANA	BARODA MOR	4	4	0	0
	SONIPAT	MUNDLANA	JAGSI SEHRAWAT	4	4	0	0
	SONIPAT	MUNDLANA	SIWANKA	3	3	0	0
	SONIPAT	MUNDLANA	BICHPARI	2	2	0	0
	SONIPAT	MUNDLANA	NURUNKHERA	2	2	0	0
	SONIPAT	MURTHAL	RAM NAGAR	27	27	0	0
	SONIPAT	MURTHAL	JHUNDPUR	19	19	0	0
	SONIPAT	MURTHAL	SANPERA	17	17	0	0
	SONIPAT	MURTHAL	MAMIARPUR	13	11	0	0
	SONIPAT	MURTHAL	BASODI	8	7	0	0
	SONIPAT	MURTHAL	PIPLI KHERA	7	7	0	0
	SONIPAT	MURTHAL	JAJAL	4	4	0	0
	SONIPAT	MURTHAL	UMEDGARH	3	2	0	0
	SONIPAT	MURTHAL	ASADPUR	2	2	0	0
	SONIPAT	MURTHAL	BAROLI	2	2	0	0
	SONIPAT	MURTHAL	KAMI	2	2	0	0
	SONIPAT	MURTHAL	BHURI	1	1	0	0
	SONIPAT	MURTHAL	NANDNAUR	1	1	0	0
	SONIPAT	RAI	JANTI KALAN	6	6	3	0
	SONIPAT	RAI	BAQIPUR	4	4	3	0
	SONIPAT	RAI	DAHISERA	3	2	1	0
	SONIPAT	RAI	AKBARPUR BAROTA	2	2	1	0
	SONIPAT	RAI	ATERNA	2	2	1	0
	SONIPAT	RAI	HALALPUR	2	1	0	0

	SONIPAT	RAI	GARHI BALA	1	1	0	0
	SONIPAT	RAI	JAKHAULI	1	1	1	0
	SONIPAT	RAI	PABSRA	1	1	0	0
	SONIPAT	SONIPAT	BADHANA	10	10	10	0
	SONIPAT	SONIPAT	BAGHRU	7	7	4	0
	SONIPAT	SONIPAT	BHATANA ZAFRABAD	7	6	6	0
	SONIPAT	SONIPAT	MOHANA	7	7	7	7
	SONIPAT	SONIPAT	DODWA	6	6	2	0
	SONIPAT	SONIPAT	JUAN I	5	5	4	0
	SONIPAT	SONIPAT	AULDEPUR	4	4	0	0
	SONIPAT	SONIPAT	KAKROI	3	3	2	0
	SONIPAT	SONIPAT	KAREWARI	2	1	1	0
	SONIPAT	SONIPAT	ROLAD LATIF PUR	2	2	0	0
	SONIPAT	SONIPAT	SALIMSER MAJRA	2	2	0	0
	SONIPAT	SONIPAT	CHATIA AULIA	1	1	1	0
	SONIPAT	SONIPAT	KHIJARPUR JAT MAJRA	1	1	0	0
	SONIPAT	SONIPAT	MAHIPUR	1	1	0	0
Total				657	639	169	7
21	Y/NAGAR	BILASPUR	MACHHROULI	27	27	11	0
	Y/NAGAR	BILASPUR	MANGLORE	17	17	10	0
	Y/NAGAR	BILASPUR	SHERGARH	12	12	6	0
	Y/NAGAR	BILASPUR	NAGLI 32	10	10	3	0
	Y/NAGAR	BILASPUR	KOTRA KHAS	9	9	1	0
	Y/NAGAR	BILASPUR	NAGLI-264	8	8	5	0
	Y/NAGAR	BILASPUR	ALISHER PUR	7	7	5	0
	Y/NAGAR	BILASPUR	RAMPUR HEDIAN	7	7	1	0
	Y/NAGAR	BILASPUR	SAHAPUR	6	6	6	0
	Y/NAGAR	BILASPUR	BATHUWALA	5	5	0	0
	Y/NAGAR	BILASPUR	DHANORA	5	5	1	0
	Y/NAGAR	BILASPUR	HAIBATPUR	5	5	4	0

	Y/NAGAR	BILASPUR	KAPOORI KHURD	5	5	4	0
	Y/NAGAR	BILASPUR	KATHGARH	5	5	0	0
	Y/NAGAR	BILASPUR	MIANPUR	5	5	2	0
	Y/NAGAR	BILASPUR	PILKHAN WALA	5	5	0	0
	Y/NAGAR	BILASPUR	SAFILPUR	5	5	4	0
	Y/NAGAR	BILASPUR	BHAGWAN PUR	4	4	1	0
	Y/NAGAR	BILASPUR	BHOGPUR	4	4	3	0
	Y/NAGAR	BILASPUR	RAMPUR KAMBOYAN	4	4	1	0
	Y/NAGAR	BILASPUR	AZIZPUR KALAN	3	3	0	0
	Y/NAGAR	BILASPUR	NAGAL PATI	3	3	1	0
	Y/NAGAR	BILASPUR	BANKAT	2	2	0	0
	Y/NAGAR	BILASPUR	BIHTA	2	2	1	0
	Y/NAGAR	BILASPUR	CHANDA KEHRI	2	2	0	0
	Y/NAGAR	BILASPUR	CHHALOUR	2	2	0	0
	Y/NAGAR	BILASPUR	MARWA KALAN	2	2	2	0
	Y/NAGAR	BILASPUR	PARBHOLI	2	2	2	0
	Y/NAGAR	BILASPUR	RANIPUR	2	2	0	0
	Y/NAGAR	BILASPUR	ARNAULI	1	1	0	0
	Y/NAGAR	BILASPUR	ARRIYANWA LA	1	1	0	0
	Y/NAGAR	BILASPUR	BHAMNOULI	1	1	1	0
	Y/NAGAR	BILASPUR	CHAURAHI	1	1	0	0
	Y/NAGAR	BILASPUR	JUDDA SHEKHAN	1	1	1	0
	Y/NAGAR	BILASPUR	MARWA KHURD	1	1	0	0
	Y/NAGAR	BILASPUR	MUJAFAT	1	1	1	0
	Y/NAGAR	BILASPUR	PONTI	1	1	0	0
	Y/NAGAR	BILASPUR	RAMGARH MAJRA	1	1	0	0
	Y/NAGAR	BILASPUR	ROHLAHERI	1	1	1	0
	Y/NAGAR	BILASPUR	SANDHAI	1	1	0	0
	Y/NAGAR	BILASPUR	TAHARPUR KHURD	1	1	0	0

	Y/NAGAR	CHHACHHRA ULI	TAHARPUR KALAN	19	19	4	0
	Y/NAGAR	CHHACHHRA ULI	TAJE WALA	16	16	14	0
	Y/NAGAR	CHHACHHRA ULI	TIBBI ARYAIAN	12	12	10	0
	Y/NAGAR	CHHACHHRA ULI	DAULATPUR	7	7	4	0
	Y/NAGAR	CHHACHHRA ULI	GANAULI	7	7	6	0
	Y/NAGAR	CHHACHHRA ULI	JAIT PUR	7	7	4	0
	Y/NAGAR	CHHACHHRA ULI	SHAJHAN PUR	7	7	7	0
	Y/NAGAR	CHHACHHRA ULI	BEGAM PUR	6	6	6	0
	Y/NAGAR	CHHACHHRA ULI	PIRTHI PUR	6	6	5	0
	Y/NAGAR	CHHACHHRA ULI	SHAHZAD WALA	6	6	3	0
	Y/NAGAR	CHHACHHRA ULI	KOT BASAWA SINGH	5	5	5	0
	Y/NAGAR	CHHACHHRA ULI	SALEEMPUR BANGAR	5	5	2	0
	Y/NAGAR	CHHACHHRA ULI	TIHMO	5	5	4	0
	Y/NAGAR	CHHACHHRA ULI	DEV DHAR	4	4	4	0
	Y/NAGAR	CHHACHHRA ULI	DHAKWALA	4	4	3	0
	Y/NAGAR	CHHACHHRA ULI	CHUHAR PUR KHURD	2	2	2	0
	Y/NAGAR	CHHACHHRA ULI	LEDI	2	2	1	0
	Y/NAGAR	CHHACHHRA ULI	SALEM PUR KOHI	2	2	0	0
	Y/NAGAR	CHHACHHRA ULI	BASATIAN WALA	1	1	0	0
	Y/NAGAR	CHHACHHRA ULI	DADUPUR CANTT	1	1	1	0
	Y/NAGAR	CHHACHHRA ULI	GULAB GARH	1	1	0	0
	Y/NAGAR	CHHACHHRA ULI	KOT MUSTARKA	1	1	1	0
	Y/NAGAR	JAGADHRI	LAPRA	39	39	10	0

	Y/NAGAR	JAGADHRI	BHOJPUR	13	13	0	0
	Y/NAGAR	JAGADHRI	AKALGARH	9	9	5	0
	Y/NAGAR	JAGADHRI	DAYALGARH	9	9	3	0
	Y/NAGAR	JAGADHRI	KHAJURI	8	8	0	0
	Y/NAGAR	JAGADHRI	MUKARAM PUR	8	8	2	0
	Y/NAGAR	JAGADHRI	FATEH PUR	7	7	0	0
	Y/NAGAR	JAGADHRI	BIBIPUR	6	6	4	0
	Y/NAGAR	JAGADHRI	KARERA KHURD I	6	6	3	0
	Y/NAGAR	JAGADHRI	PANJUPUR	6	6	4	0
	Y/NAGAR	JAGADHRI	TODARPUR	5	5	4	0
	Y/NAGAR	JAGADHRI	AMADAL PUR	4	4	4	0
	Y/NAGAR	JAGADHRI	MAHILAWALI	4	4	3	0
	Y/NAGAR	JAGADHRI	SUDHAIL	4	4	3	0
	Y/NAGAR	JAGADHRI	SUGH	4	4	0	0
	Y/NAGAR	JAGADHRI	BEHRAMPUR	3	3	2	0
	Y/NAGAR	JAGADHRI	GOLAN PUR	3	3	0	0
	Y/NAGAR	JAGADHRI	KAIT	3	3	2	0
	Y/NAGAR	JAGADHRI	DAULATPUR	2	2	0	0
	Y/NAGAR	JAGADHRI	GALOLI	2	2	0	0
	Y/NAGAR	JAGADHRI	HARIPUR KAMBOYAN	2	2	1	0
	Y/NAGAR	JAGADHRI	KAIL	2	2	1	0
	Y/NAGAR	JAGADHRI	KHUNDE WALA	2	2	2	0
	Y/NAGAR	JAGADHRI	KUNJAL JATTAN	2	2	0	0
	Y/NAGAR	JAGADHRI	RULA KHERI	2	2	2	0
	Y/NAGAR	JAGADHRI	BAHADUR PUR	1	1	1	0
	Y/NAGAR	JAGADHRI	BHOG PUR	1	1	1	0
	Y/NAGAR	JAGADHRI	DAMLA	1	1	0	0
	Y/NAGAR	JAGADHRI	DHOURANG	1	1	0	0
	Y/NAGAR	JAGADHRI	HARNAUL	1	1	0	0
	Y/NAGAR	JAGADHRI	MAHAMMAD PUR	1	1	1	0

	Y/NAGAR	JAGADHRI	RAMPUR MAJRA	1	1	1	0
	Y/NAGAR	JAGADHRI	SABHA PUR	1	1	1	0
	Y/NAGAR	JAGADHRI	TIGRA	1	1	0	0
	Y/NAGAR	JAGADHRI	TIGRI	1	1	1	0
	Y/NAGAR	MUSTAFABAD	KANDHRI KALAN	17	17	8	0
	Y/NAGAR	MUSTAFABAD	JAGDHAULI	15	15	8	0
	Y/NAGAR	MUSTAFABAD	BADAN PURI	6	6	0	0
	Y/NAGAR	MUSTAFABAD	GADHAULI	5	5	2	0
	Y/NAGAR	MUSTAFABAD	KOTAR KHANA	4	4	3	0
	Y/NAGAR	MUSTAFABAD	SATARI	4	4	0	0
	Y/NAGAR	MUSTAFABAD	TOPRA KHURD	4	4	3	0
	Y/NAGAR	MUSTAFABAD	UNCHA CHANDNA	4	4	0	0
	Y/NAGAR	MUSTAFABAD	BHAMBOLI	3	3	2	0
	Y/NAGAR	MUSTAFABAD	HANGOLI	3	3	1	0
	Y/NAGAR	MUSTAFABAD	MAHESHWA RI	3	3	0	0
	Y/NAGAR	MUSTAFABAD	MUSTAFABA D	3	3	0	0
	Y/NAGAR	MUSTAFABAD	NAGALA KHALSA	3	3	0	0
	Y/NAGAR	MUSTAFABAD	AKBAR PUR TEHI	2	2	0	0
	Y/NAGAR	MUSTAFABAD	HUDIA	2	2	1	0
	Y/NAGAR	MUSTAFABAD	KHANPUR	2	2	1	0
	Y/NAGAR	MUSTAFABAD	KHANPUR RAJPUTAN	2	2	0	0
	Y/NAGAR	MUSTAFABAD	SIALBA	2	2	0	0
	Y/NAGAR	MUSTAFABAD	BHAGWANP UR	1	1	0	0
	Y/NAGAR	MUSTAFABAD	FATEH PUR	1	1	0	0
	Y/NAGAR	MUSTAFABAD	GARHI SIKANDRA	1	1	0	0
	Y/NAGAR	MUSTAFABAD	KHERA KHURD	1	1	0	0
	Y/NAGAR	MUSTAFABAD	KULCHAND U	1	1	1	0
	Y/NAGAR	MUSTAFABAD	MANSOOR	1	1	0	0

			PUR				
	Y/NAGAR	MUSTAFABAD	MASANA JATTAN	1	1	0	0
	Y/NAGAR	MUSTAFABAD	NAGLA JAGIR	1	1	1	0
	Y/NAGAR	MUSTAFABAD	RAPOLI	1	1	0	0
	Y/NAGAR	RADAUR	JATHLANA	27	0	0	0
	Y/NAGAR	RADAUR	POTLI	14	0	0	0
	Y/NAGAR	RADAUR	GHILLAUR	12	0	0	0
	Y/NAGAR	RADAUR	NACHRON	11	0	0	0
	Y/NAGAR	RADAUR	KHURDBAN	9	0	0	0
	Y/NAGAR	RADAUR	GUMTHALA RAO	7	0	0	0
	Y/NAGAR	RADAUR	BARSAN	5	0	0	0
	Y/NAGAR	RADAUR	HARTAN	5	0	0	0
	Y/NAGAR	RADAUR	BAPA	4	0	0	0
	Y/NAGAR	RADAUR	CHHARI	3	0	0	0
	Y/NAGAR	RADAUR	MASANA RANGRAN	3	0	0	0
	Y/NAGAR	RADAUR	MARUPUR	2	0	0	0
	Y/NAGAR	RADAUR	ALAHAR	1	0	0	0
	Y/NAGAR	RADAUR	GHESPUR	1	0	0	0
	Y/NAGAR	RADAUR	JHINWERHE RI	1	0	0	0
	Y/NAGAR	RADAUR	JUBBAL	1	0	0	0
	Y/NAGAR	RADAUR	KANJNU	1	0	0	0
	Y/NAGAR	RADAUR	SANDHALI	1	0	0	0
	Y/NAGAR	SADAURA (PART)	SHAMPUR	14	14	0	0
	Y/NAGAR	SADAURA (PART)	RAMPUR ARIAN	8	8	0	0
	Y/NAGAR	SADAURA (PART)	SAIDU PUR	8	8	0	0
	Y/NAGAR	SADAURA (PART)	JHANDA	5	5	0	0
	Y/NAGAR	SADAURA (PART)	NAUSHERA	5	5	0	0
	Y/NAGAR	SADAURA (PART)	MIRJAPUR	4	4	0	0
	Y/NAGAR	SADAURA (PART)	FAJALPUR	2	2	0	0

	Y/NAGAR	SADAURA (PART)	RATHALI	2	2	0	0
	Y/NAGAR	SADAURA (PART)	SABHA PUR	2	2	0	0
	Y/NAGAR	SADAURA (PART)	ISMAIL PUR	1	1	0	0
	Y/NAGAR	SADAURA (PART)	KANIPLA	1	1	0	0
Total				731	623	256	0
STATE TOTAL				13752	12703	5374	522

Posting of Staff in Up-graded Schools

496. Shri Rajdeep Phogat: Will the Education Minister be pleased to state the time by which the shortage of requisite staff in up-graded schools of Dadri Assembly Constituency is likely to be metout?

शिक्षा मंत्री (श्री राम बिलास शर्मा) :श्रीमान जी, दर्जा बढ़ाए गए विद्यालयों में अपेक्षित अमले की कमी को जल्द ही सीधी भर्ती से पूरा किया जाएगा।

.....

To Implement the Roster System

530. Prof. Ravinder Baliala: Will the Education Minister pleased to state whether there is any proposal under consideration of the Government to implement Roster system to fill reserve seats in Kurukshetra University if so, the time by which the Roster system is likely to be implement?

शिक्षा मंत्री (श्री राम बिलास शर्मा): जी श्रीमान। कुरूक्षेत्र की कार्यकारिणी परिषद् की दिनांक 27.06.1981 को हुई बैठक में प्रस्ताव क्रमांक 23 दिनांक 31.03.1985 द्वारा शिक्षण पदों हेतू राजय सरकार की क्रमांक 24/17/80–3GSIII दिनांक 16. 12.1980 के अधीन जारी की गई आरक्षण नीति को अपना लिया गया था। माननीय

उच्च न्यायालय के सिविल रिट याचिका क्रमांक 12133 to 2007 के आदेश दिनांक 13.02.2013 की पालना में रोस्टर अंक 17.06.1995 को लागू किया जा चुका है।

.....

Repair of Nakipur Minor

502. Shri Om Parkash Barwa: Will the Chief Minister be pleased to state whether it is a fact that the Nakipur minor has been completely damaged; if so, the time by which it is likely to be repaired?

मुख्यमंत्री (श्री मनोहर लाल) : नहीं, श्रीमान् जी । इसलिए प्रश्न के दूसरे भाग का सवाल ही नहीं उठता ।

.....

To Construct a Community Centre

495. Sri. Rajdeep Phogat: Will the Urban Local Bodies Minister be pleased to state whether there is any proposal under consideration of the Government to Construct a Community Centre in Charkhi Dadri; If so, the time by which it is likely to be constructed?

शहरी स्थानीय निकाय मंत्री (श्रीमती कविता जैन) : नहीं, श्री मान जी।

.....

To Upgrade the Government Girls School

529. Prof. Ravinder Baliala: Will the Education Minister be pleased to state whether there is any proposal under consideration of the Government to upgrade the Government Girls School of village Bhodia-Khera in Ratia Constituency up to 10+2; if so, the time by which it is likely to be upgraded?

शिक्षा मंत्री (श्री राम बिलास शर्मा): नहीं श्रीमान जी, रतिया निर्वाचन क्षेत्र के राजकीय कन्या उच्च विद्यालय भोडिया–खेड़ा को राजकीय कन्या वरिष्ठ माध्यमिक स्तर तक स्तरोन्नत करने का कोई प्रस्ताव सरकार के विचाराधीन नहीं है क्योंकि यह विद्यालय कम छात्र संख्या एवं कम कक्षा कक्ष होने के कारण स्तरोन्नति के नार्मस पूर्ण नहीं करता है।

.....

To Metal the Passage

503. Shri Om Parkash Barwa : Will the PW (B&R) Minister be pleased to state whether it is a fact that the passage from village Matani to village Dhani Bhakra in Siwani Block of Loharu constituency is unmetalled; if so, the time by which the above said passage is likely to be metalled ?

लोक निर्माण मंत्री (श्री नरबीर सिंह मंत्री) : नहीं, श्रीमान् जी।

.....

Re-construction Government School Building

494. Shri Rajdeep Phogat: Will the Education Minister be pleased to state the time by which the reconstruction work of dilapidated building of the Government school of village Ghikara is likely to be started?

शिक्षा मंत्री (श्री राम बिलास शर्मा): श्रीमान जी, विभाग द्वारा गांव घिकरा के सरकारी स्कूल के पुनर्निर्माण की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है जिसके लिए 1.33 करोड़ रूपये की राशि दिनांक 10.10.2017 को जारी की गई है और यह कार्य शीघ्र ही शरू हो जायेगा।

.....

Shortage of Staff in School

528. Prof Ravinder Baliala: Will the Education Minister be pleased to state whether it is a fact that due to shortage of teaching staff in the school of village Mehmada in Ratia Constituency the strength of students is decreasing continuously; if so, the time by which the strength of staff is likely to be met out?

शिक्षा मंत्री (श्री राम बिलास शर्मा) : श्रीमान जी, रतिया निर्वाचनक्षेत्र के गांव मेहमदा के विद्यालय में अध्यापन अमले की कमी है। अपेक्षित अमले की कमी को जल्द ही सीधी भर्ती से पूरा किया जाएगा।

.....

Repair of Sub Minor

504. Shri Om Parkash Barwa : Will the Chief Minister be pleased to state whether it is a fact that Mandholi Khurd sub minor emanating from Mithi minor in Siwani block of Loharu constituency has been completely damaged; if so, the time by which it is likely to be repaired ?

मुख्यमंत्री (श्री मनोहर लाल) : हां, श्रीमान जी । क्योंकि सिवानी फीडर से निर्वहन माइनरों का पुनर्वास चरणबद्ध तरीके से फंड की उपलब्धता के अनुसार किया जाना है, इसलिए कोई समय सीमा तय नहीं की जा सकती ।

.....

Construction work of Road

493. Shri Rajdeep Phogat: Will the PW (B&R) Minister be pleased to state the time by which the construction work of the road from Dadri to Jhojhu via Kaliyana is likely to be started?

लोक निर्माण मंत्री (श्री नरबीर सिंह): दादरी, झोझू तथा कलियाना सड़क का निर्माण कार्य 07.10.2017 को शुरू किया जा चुका है तथा आशा है इसे 07.10.2018 तक पूर्ण कर दिया जाएगा।

.....

To Metal the Unmetalled Passage

527. Prof Ravinder Baliala: Will the PW (B&R) Minister be pleased to State whether there is any proposal under consideration of the Government to metal the unmetalled passage from Village Akkanwali to Daulatpur in Ratia Constituency; if so, the time by which it is likely to be metalled?

लोक निर्माण मंत्री (श्री नरबीर सिंह) : नहीं, श्रीमान् जी।

.....

Deenbandhu Haryana Gram Uday Yojna

468. Shri Parminder Singh Dhull: Will the Development & Panchayats Minister be pleased to state the details of the Deenbandhu Haryana Gram Uday Yojana?

कृषि मंत्री (श्री ओम प्रकाश धनखड) : श्रीमान जी, एक व्यक्तव्य सदन के पटल पर रख दिया गया है ।

विवरण

राज्य सरकार ने दीन बन्धु हरियाणा ग्राम उदय योजना का शुभारम्भ किया है, जिसका उद्देश्य शहरों और शहरों के समकक्ष बेहतर जीवन शैली प्रदान करने के लिए मूलभूत सुविधाएं और सेवाओं का स्तर बढाकर 3,000 से 10,000 की आबादी वाले गांवों को विकसित करना है । कुल 585 गांव ऐसे है जिनकी जनसंख्या 5000 से 10,000 है तथा 1156 गांव ऐसे है जिनकी जनसंख्या 3000 से 5000 है । अतः इस योजना के अर्न्तगत कुल 1741 गांवों को कवर किया जाना प्रस्तावित है ।

इन गांवों को आवश्यक सुविधाओं के साथ मजबूत किया जाएगा जिसके लिए राज्य सरकार की विभिन्न योजनाओं के माध्यम से संसाधनों को जुटाया जाएगा इससे अधिक और उपर के गैप फंडिग जो नाबार्ड से वित्तीय सहायता के अन्तर्गत उपलब्ध करवाया जाएगा।

चूंकि इस योजना के तहत गांवों को उन्नत मूलभूत सुविधाए और सेवाओं के प्रावधान करके दीन बन्धु हरियाणा ग्राम उदय गांवों की परिकल्पना की गई है, इसलिए इस योजना के माध्यम से एक गांव के समग्र तथा एकीकृत विकास के लिए वांछित विकासशील जरूरतों को पूर्ण करने के लिए गांव विकास योजना को तैयार करना बहुत महत्वपूर्ण है । यह प्रत्येक गांव के बुनियादी ढांचे तथा सेवाओं से सम्बन्धित गंभीर अन्तराल को भी उजागर करेगी । इन जरूरतों को पूरा करने के लिए आवश्यक महत्वपूर्ण हस्तक्षेपों को भी उजागर करेगी । ग्राम विकास योजना की निम्नलिखित व्याख्या की जाती है :–

1. ग्राम पंचायत में चिन्हित प्रत्येक ग्राम सभा के लिए गांव एकीकृत विजन हेतु एक रणनीति बनाई जाएगी ।

2. केन्द्रीय प्रायोजित और राज्य सैक्टर योजनाओं, विभिन्न केन्द्रीय क्षेत्र के अर्न्तगत संसाधनों को एकत्रित किया जाना है ।

3. गांव के लिए क्रीटीकल गैप फंडिगं (सी0जी0एफ0) आवश्यक है ।

4. सबसे महत्वपूर्ण है कि गांव विकास योजना सम्पूर्ण ग्राम पंचायत के लिए एक विस्तृत स्थानिक योजना तैयार करेगी । ये योजनाएं ग्राम सभा के क्षेत्र को चिन्हित करती है और योजना के मानदंडों के अनुसार अच्छी तरह से योजनाबद्ध लेआउट शमिल करती है। इसमें ग्राम पंचायत में किए जाने वाले सभी कार्यो का विस्तृत अनुमान भी शामिल होगा।

.....

नियम–15 के अधीन प्रस्ताव

श्री अध्यक्षः माननीय सदस्यगण, अब संसदीय कार्य मंत्री नियम– 15 के अधीन प्रस्ताव प्रस्तुत करेंगे।

संसदीय कार्य मंत्री (श्री राम बिलास शर्मा): मैं प्रस्ताव करता हूँ–

कि आज के लिए निश्चित की गई कार्य की मदों पर की कार्यवाही को आज की बैठक में अनिश्चित काल तक नियम "सभा की बैठकें" के उपबन्धों से मुक्त किया जाये।

श्री अध्यक्षः प्रस्ताव प्रस्तुत हुआ–

कि आज के लिए निश्चित की गई कार्य की मदों पर की कार्यवाही को आज की बैठक में अनिश्चित काल तक नियम "सभा की बैठकें" के उपबन्धों से मुक्त किया जाये।

श्री अध्यक्षः प्रश्न है–

कि आज के लिए निश्चित की गई कार्य की मदों पर की कार्यवाही को आज की बैठक में अनिश्चित काल तक नियम "सभा की बैठकें" के उपबन्धों से मुक्त किया जाये।

प्रस्ताव स्वीकृत हुआ

नियम–16 के अधीन प्रस्ताव

श्री अध्यक्षः माननीय सदस्यगण, अब संसदीय कार्य मंत्री नियम– 16 के अधीन प्रस्ताव प्रस्तुत करेंगे।

संसदीय कार्य मंत्री (श्री राम बिलास शर्मा): मैं प्रस्ताव करता हूँ–

कि सभा अपनी आज की बैठक से उठने पर अनिश्चित काल तक के लिए स्थगित रहेगी।

श्री अध्यक्षः प्रस्ताव प्रस्तुत हुआ–

कि सभा अपनी आज की बैठक से उठने पर अनिश्चित काल तक के लिए स्थगित रहेगी।

श्री अध्यक्षः प्रश्न है–

कि सभा अपनी आज की बैठक से उठने पर अनिश्चित काल तक के लिए स्थगित रहेगी।

प्रस्ताव स्वीकृत हुआ

पी.के.आर.जैन वाटिका वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय, अम्बाला शहर, हरियाणा के अध्यापकों, छात्रों तथा हरियाणा विधान सभा के भूतपूर्व सदस्य का अभिनंदन

शिक्षा मंत्री (श्री रामबिलास शर्मा): अध्यक्ष महोदय, आज आपकी अनुमति से दर्शक दीर्घा में पी.के.आर.जैन वाटिका सीनियर सैकेंडरी स्कूल, अम्बाला शहर के

छात्र–छात्राएं और उनके अध्यापकगण तथा श्री रामभज, पूर्व विधायक वी.आई.पीज. गैलेरी में विधान सभा की कार्यवाही को देखने के लिए आए हैं। विधान सभा के सदन के नेता आदरणीय मुख्यमंत्री जी और विधान सभा के सभी सदस्यों की ओर से मैं उनका स्वागत करता हूँ तथा बच्चों के उज्जवल भविष्य की कामना भी करता हूँ। (इस समय मेजें थपथपाई गई।)

मुख्यमंत्री द्वारा घोषणाएं

मुख्यमंत्री (श्री मनोहर लाल): अध्यक्ष महोदय, हमारी रि–आर्गेनाइजेशन कमेटी ने कई प्रशासनिक और रिवेन्यु इकाइयों के पुनर्गठन का निर्णय लिया है जिनके बारे में मैं सदन को अवगत कराना चाहता हूँ। लाडवा जोकि अभी तहसील है इसको उपमंडल का दर्जा दिया जाता है। (इस समय मेजें थपथपाई गई।)

डॉ. पवन सैनी: अध्यक्ष महोदय, चूंकि लाडवा को तहसील से उपमंडल का दर्जा दिया गया है इसके लिए मैं अपनी तरफ से तथा लाडवा की जनता जनार्दन की तरफ से माननीय मुख्यमंत्री जी का तहे दिल से धन्यवाद करता हूँ। (इस समय मेजें थपथपाई गई।)

श्री मनोहर लाल: अध्यक्ष महोदय, इसके साथ–साथ जैसे अभी गेहूं की बिजाई शुरू हो रही है तो इस बिजाई सीजन को ध्यान में रखते हुए हरियाणा प्रदेश में 15 नवम्बर, 2017 से बिजली की सप्लाई को रोजाना 8 घंटे की बजाय 10 घंटे किया जायेगा। (इस समय मेजें थपथपाई गई।) अध्यक्ष महोदय, स्वर्ण जयंती वर्ष में सरकार की तरफ से यह बात कही गई थी कि जहां–जहां के लोग अपने किसी गांव के नाम का परिवर्तन चाहते हैं तो वहां की पंचायत इस संबंध में रिजोल्यूशन तैयार करके भेज सकती है। इस तरह के रिजोल्यूशंज पर विचार करके भारत सरकार के संबंधित विभागों में भेजा जाता है क्योंकि इस तरह के कार्य के लिए प्रदेश सरकार को भारत सरकार के तीन–तीन विभागों की सहमति लेनी पड़ती है तो इस परिपेक्ष्य में जो नाम बदले गए हैं उनमें सबसे पहले यमुनानगर के मुस्तफाबाद गांव का नाम बदलकर सरस्वती नगर कर दिया गया है, फतेहाबाद जिले के गंदा गांव का नाम बदलकर अजीत नगर कर दिया गया है, जिला हिसार के किन्नर गांव का नाम बदलकर गैबीपुर कर दिया गया है। इसके अतिरिक्त दो गांवों के नामकरण की प्रक्रिया अभी अंतिम चरण में है जिनमें रोहतक के गढ़ी गांव को चौधरी छोटूराम नगर का नाम दिया गया है। हालांकि रोहतक के गढ़ी गांव को

गढ़ी–सांपला के रूप में जाना जाता है लेकिन जो नाम बदला गया है वह केवल गढ़ी गांव का ही बदला गया है। इसी प्रकार चमारखेड़ा गांव का नाम बदलकर सुंदरखेड़ा किया जा रहा है। इसके अतिरिक्त हमारे स्वास्थ्य मंत्री अनिल विज की तरफ से हमें उनके एरिया से संबंधित एक गांव पंजोखरा को पंजोखरा साहिब करने की सिफारिश प्राप्त हुई हैं अतः पंजोखरा गांव का नाम पंजोखरा साहिब करने का भी निर्णय लिया गया है। (शोर एवं व्यवधान) मैं सदन को एक आवश्यक सूचना देना चाहता हूं कि केन्द्र सरकार ने गेहूं का समर्थन मूल्य 110 रूपये प्रति क्विंटल और बढ़ाने का निर्णय किया है । इसके लिए मैं माननीय प्रधानमंत्री जी का धन्यवाद करता हूं और उनका आभार प्रकट करता हूं । (विघ्न)

श्री आनन्द सिंह दांगी : अध्यक्ष महोदय, मेरा कहना है कि केन्द्र सरकार को गेहूं का समर्थन मूल्य कम से कम 500 रूपये प्रति क्विंटल बढ़ाना चाहिए था । (विघ्न)

श्री ज्ञान चन्द गुप्ता : आप अपना कार्यकाल याद कीजिए कि आपने गेहूं के कितने रेट बढ़ाये थे । (विघ्न)

श्री मनोहर लाल : अध्यक्ष महोदय, यह निर्णय केन्द्र सरकार ने किया है और हमने सदन में सिर्फ इसकी सूचना दी है । अतः इसमें ऐसा कुछ नहीं है कि हमने स्वयं कोई निर्णय लिया हो और हम उसे बदल सके । (विघ्न)

सरदार जसविन्द्र सिंह संधू : अध्यक्ष महोदय, मेरा कहना है कि किसानों को गेहूं का बोनस तो दिया ही जा सकता है । (विघ्न)

श्री मनोहर लाल : अध्यक्ष महोदय, मेरा कहना है कि गेहूं का बोनस नहीं दिया जा सकता । इसके लिए एफ.सी.आई. को नोटिफिकेशन करनी पड़ेगी । हम अपनी तरफ से जो कर सकते हैं हम वह कर रहे हैं । इसके साथ–साथ हरियाणा में गन्ने का रेट पूरे देश में सब राज्यों से ज्यादा है और हमने तय किया है कि हम गन्ने का रेट हरियाणा में सब राज्यों से ज्यादा ही रखेंगे । इसके लिए हमने गन्ने का समर्थन मूल्य 10 रूपये प्रति क्विंटल और बढ़ाने का निश्चय किया है । (विघ्न)

प्रश्न काल के दौरान इंडियन नैशनल लोकदल के सदस्यगण के विरूद्ध स्वास्थ्य मंत्री द्वारा की गई टिप्पणियों के संबंध में मामला उठाना

सरदार जसविन्द्र सिंह संधू : अध्यक्ष महोदय, आज आपने हाउस को कुछ समय के लिए एडजॉर्न किया था । उससे पहले सदन में जो भी घटना घटी अब हम उन सारी बातों को भूल चुके हैं । आज जब हम सदन में मुंह पर पट्टियां बांधकर आये तो सबसे पहले संसदीय कार्य मंत्री श्री राम बिलास शर्मा ने हमसे पट्टियां खोलने

की प्रार्थना की । उसके बाद माननीय स्वास्थ्य मंत्री अनिल विज जी अपनी सीट से बोलने के लिए खड़े हुए । अध्यक्ष जी, आज सैशन का तीसरा दिन है । मैं देख रहा था कि हमारे स्वास्थ्य मंत्री जी इस सैशन में बड़े संजीदा रहे हैं लेकिन सैशन खत्म होते–होते वे एक पंजाबी कहावत "खिदों फ्लोरां ते लीरा निकलदियां ने" को चरितार्थ कर गये । (विघ्न) इन्होंने पहले तो हमसे कहा कि इन्होंने जैन धर्म को अपना लिया है । मैं पूछना चाहता हूं कि क्या जैन धर्म इतना बुरा है । इस सरकार ने जैन धर्म के साधू–सन्यासी को सदन में बुलाकर उनको अपने विचार रखने का मौका दिया और उनको सभी सदस्यों ने शांति से सुना और मान–सम्मान दिया । एक समय जैन धर्म को इन्होंने इतना सम्मान दिया और आज ये उनको अच्छा नहीं समझते हैं । (विघ्न) इसके बाद इन्होंने कहा कि इनको एक गम्भीर बीमारी एड्स हो गई है । अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से माननीय मंत्री जी से पूछना चाहता हूं कि क्या यह बात निंदनीय नहीं है । (विघ्न) एक ओर तो माननीय मुख्य मंत्री जी सदन में संसदीय परम्पराओं को बनाए रखने की बात करते हैं और दूसरी तरफ उनके माननीय मंत्री जी जो 5–6 बार एम.एल.ए. बन चुके हैं ऐसी बातें करते हैं । उनके मुंह से ऐसी बातें शोभा नहीं देती । (विघ्न) अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से माननीय मंत्री जी को कहना चाहूंगा कि ये अपने शब्द वापस लें और इस सदन को चलने दें, इस सदन की कार्यवाही में ये रोड़ा न बनें और ये इस विषय पर संजीदा होकर जो इनकी जिम्मेवारी बनती है ये उस जिम्मेवारी को निभाएं।

श्री अनिल विजः स्पीकर सर, मैं आपके माध्यम से इस सदन को बताना चाहूंगा कि आज इस सदन में श्री असीम अहमद जी ने मुंह पर पट्टी बांधकर आए थे। अध्यक्ष महोदय, मैंने इनसे कहा नहीं है, बल्कि मैंने इनसे पूछा है। अध्यक्ष महोदय, कहने और पूछने में बड़ा फर्क होता है। मैंने इनसे केवल यह पूछा है कि आप आज जैन मुनि बन कर क्यों आए हैं। अध्यक्ष महोदय, मैंने जैन मुनि की बात कही है और ये एड्स की बात कर रहे हैं।। अध्यक्ष महोदय, मैंने इनसे बस पूछा है अगर इन्हें एड्स नहीं है तो ठीक है। (शोर एवं व्यवधान)

सरदार जसविंद्र सिंह संधूः अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से सदन को बताना चाहूंगा कि इंडियन नेशनल लोक दल के सभी सदस्य शादी–शुदा हैं और सभी बाल–बच्चे वाले हैं। अध्यक्ष महोदय, मैं इसके साथ–साथ यह भी बताना चाहूंगा कि हमारे स्वास्थ्य मंत्री जी की अभी तक शादी नहीं हुई है मेरे ख्याल से इन्हें एड्स

है। (शोर एवं व्यवधान) अध्यक्ष महोदय, स्वास्थ्य मंत्री जी का मेडिकल जांच करवाई जाए। (शोर एवं व्यवधान)

श्री अध्यक्षः संधू जी, आप बैठ जाएं।

सरकार जसविंद्र सिंह संधूः अध्यक्ष महोदय, *****

श्री अध्यक्षः संधू जी, जो कह रहे हैं वह रिकॉर्ड न किया जाएं। (शोर एवं व्यवधान)

शिक्षा मंत्री (श्री राम बिलास शर्मा) : स्पीकर सर, हम विपक्ष के सदस्यों का धन्यवाद करते हैं कि इनैलो के हमारे साथियों ने हमारे कहने से अपने मुंह से पट्टी उतार ली है। (शोर एवं व्यवधान)

श्री अध्यक्षः माननीय सदस्यगण, कृपया आप सभी लोग बैठ जाएं, राम बिलास शर्मा जी कुछ कह रहे हैं। (शोर एवं व्यवधान)

श्री राम बिलास शर्मा : स्पीकर सर, माननीय मुख्यमंत्री जी के निवेदन पर और हम सभी सदस्यों के कहने पर इनैलो के हमारे साथियों ने अपने मुंह से पट्टी उतार ली है, इसके लिए मैं उन्हें धन्यवाद करता हूं। मैं संधू जी को भी कहना चाहूंगा कि अपने समाज में जो कुंवारा होता है वह बेचारा होता है। (हंसी की आवाजें आईं) अध्यक्ष महोदय, मैं संधू जी को बताना चाहूंगा कि ब्याह के गीत सारे सच्चे नहीं होते हैं, इसलिए कार्यवाही को चलने दें। (शोर एवं व्यवधान)

श्री अध्यक्षः आनंद सिंह दांगी जी, आप अपनी बात रखें।

श्री मनोहर लालः अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से माननीय सदस्यगण को बताना चाहूंगा कि जो लाडवा के बारे में विषय आया था कि लाडवा तो पहले से ही तहसील है, इसलिए मैं सदन की जानकारी के लिए बताना चाहूंगा कि लाडवा को तहसील से सब–डिवीजन में अपग्रेड कर दिया गया है। (इस समय मेंजें थप–थपाई गईं) (शोर एवं व्यवधान)

श्री अध्यक्षः दांगी जी, आप अपनी बात शुरू करें।

श्री आनंद सिंह दांगीः अध्यक्ष महोदय, (शोर एवं व्यवधान)

*** चेयर के आदेशानुसार रिकॉर्ड नहीं किया गया**

श्री अध्यक्षः आप सब कृपया बैठ जाएं। (शोर एवं व्यवधान) आनंद सिंह दांगी जी, आप अपनी बात बोलें।

चेयर के विरुद्ध आक्षेप

श्री आनंद सिंह दांगीः अध्यक्ष महोदय, मैं आपका धन्यवाद करना चाहता हूं कि आपने मुझे बोलने का समय दिया। अध्यक्ष महोदय, आज इस सदन का एक घंटे का समय बर्बाद हुआ।

श्री अध्यक्षः दांगी जी, सदन का समय बर्बाद होने से बचाने की जिम्मेवारी आप माननीय सदस्यों के हाथों में है।

श्री आनंद सिंह दांगीः अध्यक्ष महोदय, आज इस सदन का जो भी समय बर्बाद हुआ, उसके सबसे ज्यादा जिम्मेदार **** हैं, इसमें कोई शक की बात नहीं है। सदन को चलाने की 3 लोगों की जिम्मेवारी होती है। (विघ्न)

श्री राम बिलास शर्माः अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से माननीय सदस्य को बताना चाहूंगा कि यह बिल्कुल गलत बात बोल रहे हैं। दांगी जी, जो चेयर के ऊपर एसपर्शन लगा रहे हैं वह बिल्कुल गलत है और इन्होंने बिल्कुल ही गलत बात कही है। Speaker is not at all responsible for this। इसलिए आनंद सिंह दांगी द्वारा जिन असंसदीय शब्दों का प्रयोग किया गया है, उनको सदन की कार्यवाही से निकलवा दिया जाए।

श्री आनंद सिंह दांगीः अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से माननीय मंत्री जी को बताना चाहूंगा कि मैं इस बात को साबित कर दूंगा।

श्री अध्यक्षः जो भी असंसदीय भाषा का प्रयोग किया गया है, उसको रिकॉर्ड न किया जाए।

श्री आनंद सिंह दांगी : अध्यक्ष महोदय, सदन को चलाने की जिम्मेवारी 3 लोगों की होती है और सभी माननीय सदस्यों का यह फर्ज बनता है कि वे उन तीन लोगों को कोपरेट करें।

*** चेयर के आदेशानुसार रिकॉर्ड नहीं किया गया**

श्री ज्ञान चंद गुप्ताः अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से माननीय सदस्य को बताना चाहूंगा कि दांगी जी लगातार खड़े हैं और एक बार भी नहीं बैठे हैं। (विघ्न)

श्री आनंद सिंह दांगीः अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से गुप्ता जी को कहना चाहूंगा कि ये किस हैसियत से खड़े हैं ? अध्यक्ष महोदय, गुप्ता जी को हमारी तरफ इशारा करते हुए बात करने की बजाय आपको सम्बोधित करते हुए अपनी बात कहनी चाहिए।

श्री ज्ञान चंद गुप्ताः अध्यक्ष महोदय, इन्होंने खुद सदन का समय बर्बाद किया है और दूसरों पर एलीगेशन लगा रहे हैं।

श्री आनंद सिंह दांगी : अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से माननीय सदस्य ज्ञान चंद जी को कहना चाहूंगा कि ये आपकी तरफ देखकर बात करें, हमारी तरफ देखकर न बोलें।

श्रम एवं रोजगार मंत्री (श्री नायब सैनी): अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से सदन को बताना चाहूंगा कि इन लोगों के पास कोई मुद्दा नहीं है, इसलिए ये लोग सदन का समय बर्बाद कर रहे हैं। (शोर एवं व्यवधान)

श्री अध्यक्षः दांगी जी, अगर आपके पास कोई मुद्दा हो तो बताएं, वरना क्यों सदन का समय बर्बाद कर रहे हैं। (शोर एवं व्यवधान)

श्री आनंद सिंह दांगी : अध्यक्ष महोदय, हमारे पास मुद्दा है। (शोर एवं व्यवधान)

श्री अध्यक्षः दांगी जी, आप अपनी बात ध्यानाकर्षण सूचना पर बोलते हुए कह लेना। (शोर एवं व्यवधान)

श्रीमती गीता भुक्कलः अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से सदन को बताना चाहूंगी कि यहां पर मुद्दे बहुत सारे हैं, लेकिन विपक्षी पार्टी के सदस्यों को कुछ बोलने नहीं दिया जा रहा है। (शोर एवं व्यवधान)

श्री अध्यक्षः गीता भुक्कल जी, विपक्ष को बोलने से किसने रोका है। (शोर एवं व्यवधान)

श्री आनंद सिंह दांगी : अध्यक्ष महोदय, मेरे कहने का मतलब यह है कि एक साल में हम 2 बार ही एक साथ इस सदन में बैठ पाते हैं और यहां पर बैठते हैं तो अपने इलाके की, प्रदेश के हित की, जनहित की बातें करने के लिए बहुत

जिम्मेदारी के साथ बैठते हैं, लेकिन बड़े दुख की बात यह है कि जिसको जो बात कहनी चाहिए उसको बोलने का मौका नहीं दिया जाता है और यहां तक कि सही बात को भी बोलने नहीं दिया जाता है। अध्यक्ष महोदय, जब कोई सदस्य बोलने के लिए खड़ा होता है तो उधर से कोई मिनिस्टर बोलने लगता है। उनको शायद अपनी गरिमा का पता नहीं है कि आखिर इनका पद क्या है और किसी बात पर आप बीच में बोल सकते हैं या नहीं तथा क्या रूल्ज–रेगुलेशंज हैं, इसका भी उनको पता नहीं है। वे बोलते रहते हैं, जिससे सदन का सारा समय बर्बाद होता है, इसमें कोई शक नहीं है।

कृषि मंत्री (श्री ओम प्रकाश धनखड): अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से माननीय सदस्य को बताना चाहूंगा कि अब ये सदन का समय क्यों बर्बाद कर रहे हैं। अध्यक्ष महोदय, मैं कहना चाहूंगा कि आप दांगी जी को बैठा दें और सदन का समय बर्बाद न होने दें। यहां पर कोई काम की बात की जानी चाहिए। यह सदन का अमूल्य समय है, भाषण के लिए नहीं है। (शोर एवं व्यवधान)

श्री आनंद सिंह दांगी: अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से मंत्री जी को बताना चाहूंगा कि यह सिर्फ और सिर्फ स्पीकर की अधिकार है कि किसको बोलने दें और किसको न बोलने दें। (शोर एवं व्यवधान)

श्री ओम प्रकाश धनखड़ : अध्यक्ष महोदय, बहुत समय हो गया है, आप इनको बैठायें । (शोर एवं व्यवधान)

श्री आनंद सिंह दांगी : अध्यक्ष महोदय, समय बहुत हो गया गया है यह कहकर क्या मंत्री जी हमें बैठाने की डायरैक्शन देंगे ? (शोर एवं व्यवधान) यहां यही दिक्कत हो रही है कि यदि कोई सदस्य अपनी बात रखना चाहता है तो सत्तापक्ष के सदस्य और मंत्री उन्हें बोलने नहीं देते । (शोर एवं व्यवधान)

श्री अध्यक्ष : दांगी साहब, आप एक मिनट में अपनी बात पूरी करें । (शोर एवं व्यवधान)

श्री आनंद सिंह दांगी : अध्यक्ष महोदय, सरकार के पास जवाब देने के लिए कुछ है नहीं और जो भी सदस्य अपनी बात रखता है उसे बोलने नहीं दिया जाता । (शोर एवं व्यवधान) अध्यक्ष महोदय, आप सत्तापक्ष के लोगों को कहें कि हमें बीच में न टोकें । (शोर एवं व्यवधान)

श्री अध्यक्ष : दांगी साहब, आप बिना मतलब का विवाद न खड़ा करें । (शोर एवं व्यवधान) आप अपनी बात पूरी करें । (शोर एवं व्यवधान) यदि आप नहीं बोलना चाहते तो मैं कालिंग अटैंशन मोशन शुरू करता हूं । (शोर एवं व्यवधान)

श्री परमिन्दर सिंह ढुल : अध्यक्ष महोदय, मुझे भी जीरो आवर में एक मिनट का समय दिया जाये । (शोर एवं व्यवधान)

श्रीमती किरण चौधरी : अध्यक्ष महोदय, मुझे जीरो आवर में बोलने का समय नहीं दिया गया । (शोर एवं व्यवधान) मुझे भी जीरो आवर में अपनी बात कहने के लिए एक मिनट का समय दिया जाये । (शोर एवं व्यवधान)

समिति की बैठक में श्री अशोक खेमका, आई.ए.एस. को बुलान संबंधी श्री अभय सिंह चौटाला, एम.एल.ए. द्वारा लोक उपक्रमों संबंधी समिति की बजाय लोक लेखा समिति का नाम लेन का मामला उठाना

श्री अध्यक्ष : सबको समय दिया गया है । (शोर एवं व्यवधान)

श्रीमती किरण चौधरी : अध्यक्ष महोदय, मुझे जीरो आवर में बोलने का समय दिया जाये क्योंकि मेरे पास भी जीरो आवर में उठाने के लिए बहुत से इश्यू हैं । (शोर एवं व्यवधान)

श्री ज्ञान चंद गुप्ता : अध्यक्ष महोदय, कल विपक्ष के साथियों ने किसी अधिकारी के बारे में पी.ए.सी. का विषय उठाया था । (शोर एवं व्यवधान) मैं सदन की जानकारी के लिए बताना चाहूंगा कि पी.ए.सी. के सामने जो विपक्ष के साथी कल जिक्र कर रहे थे ऐसा कोई मुद्दा नहीं आया । (शोर एवं व्यवधान)

डा. रघुवीर सिंह कादियान : अध्यक्ष महोदय, हमने पी.यू.सी. कहा था न कि पी.ए.सी. कहा था । (शोर एवं व्यवधान)

श्री ज्ञान चंद गुप्ता : अध्यक्ष महोदय, इन्होंने पी.ए.सी. का जिक्र किया था । (शोर एवं व्यवधान) सभी न्यूज पेपर्ज में भी पी.ए.सी. ही लिखा हुआ है । (शोर एवं व्यवधान) पी.यू.सी. के बारे में नहीं कहा । (शोर एवं व्यवधान)

श्री अध्यक्ष : इसको बाद में देख लेंगे । प्लीज आप सभी बैठें । (शोर एवं व्यवधान) पहले कालिंग अटैंशन मोशन मूव होने दो । (शोर एवं व्यवधान)

डा. रघुवीर सिंह कादियान : अध्यक्ष महोदय, हमने पी.यू.सी. का ही जिक्र किया था हो सकता है न्यूज पेपर्ज में पी.ए.सी. छप गया हो । (शोर एवं व्यवधान)

श्रीमती किरण चौधरी : अध्यक्ष महोदय, जीरो आवर में हमें भी अपनी बात कहने का अवसर दिया जाना चाहिए । (शोर एवं व्यवधान)

श्री अध्यक्ष : किरण जी, प्लीज आप बैठें । कालिंग अटैशन मोशन भी तो आप ही का है । (शोर एवं व्यवधान)

श्रीमती किरण चौधरी : अध्यक्ष महोदय, जीरो आवर में सदस्य अपने मुद्दे उठा सकते हैं इसलिए एक मिनट का समय मुझे भी दिया जाये । (शोर एवं व्यवधान)

श्री अध्यक्ष : किरण जी, पहले आप कालिंग अटैशन मोशन पर चर्चा होने दो उसके बाद आप बोल लेना । (शोर एवं व्यवधान) इसमें आप सभी का नाम है । (शोर एवं व्यवधान)

श्री अभय सिंह चौटाला : अध्यक्ष महोदय, ध्यानाकर्षण प्रस्ताव पर चर्चा होने से पहले मैं कुछ कहना चाहूंगा । (शोर एवं व्यवधान)

श्री परमेन्द्र सिंह ढुल : अध्यक्ष महोदय, मुझे भी एक मिनट का समय दिया जाये। (शोर एवं व्यवधान)

श्री अध्यक्ष : ढुल साहब, प्लीज आप बैठें । आपके नेता खड़े हैं । (शोर एवं व्यवधान)

श्री अभय सिंह चौटाला : अध्यक्ष महोदय, अभी ज्ञान चंद गुप्ता जी कल जिस मुद्दे को लेकर चर्चा हुई थी उसके बारे कुछ कह रहे थे । हमने कहा था कि एक अधिकारी कमेटी के नोटिस भेजने के बाद भी कमेटी के सामने यह लैटर भेजता है कि मेरी डयूटी कहीं बाहर है इसलिए मैं नहीं आ सकता । मैंने बाकायदा कमेटी के चेयरमैन श्री मूल चंद शर्मा का नाम भी लिया था और आज ये कह रहे हैं कि हमने पी.ए.सी. कहा था । (शोर एवं व्यवधान) ये गलत बात कह रहे हैं । (शोर एवं व्यवधान)

श्री ज्ञान चंद गुप्ता : अध्यक्ष महोदय, इन्होंने पी.ए.सी. का नाम लिया है और पी.ए.सी. में ऐसा कोई मुद्दा नहीं आया । (शोर एवं व्यवधान) पी.ए.सी. का नाम सभी अखबारों में छपा हुआ है क्या उनमें भी पी.ए.सी. मैंने लिखवा दिया । (शोर एवं व्यवधान)

श्री अध्यक्ष : गुप्ता जी, प्लीज आप बैठें । पी.ए.सी. कहा गया होगा । (शोर एवं व्यवधान) आप इसको इश्यू न बनायें । (शोर एवं व्यवधान)

श्री अभय सिंह चौटाला : अध्यक्ष महोदय, यह इश्यू वाली बात ही है । गुप्ता जी को पीड़ा क्यों हो रही है ? (शोर एवं व्यवधान) ये एक अधिकारी को बचाने की कोशिश क्यों कर रहे हैं ? (शोर एवं व्यवधान) उस अधिकारी को कमेटी के सामने पेश होकर कहना चाहिए कि मैं बेईमान नहीं हूं । वे अपने आप को बहुत ईमानदार बताते हैं । उन्हें कमेटी के सामने आकर यह कहना चाहिए कि अगर मैं बईमान हूं तो मेरी इन्क्वायरी करवा लें। (शोर एवं व्यवधान) इनको क्यों तकलीफ हो रही है । (शोर एवं व्यवधान)

श्री ज्ञान चंद गुप्ता : अध्यक्ष महोदय, इन्होंने पी.ए.सी. कहा था । पी.यू.सी. नहीं कहा । (शोर एवं व्यवधान)

डा. रघुवीर सिंह कादियान : अध्यक्ष महोदय, मैंने वेयर हाउसिंग कारपोरेशन का जिक्र किया था । (शोर एवं व्यवधान) वेयर हाउंसिंग कापोरेशन के आडिट पैराज पी.ए.सी. के दायरे में नहीं आते, पी.यू.सी. के दायरे में ही आते हैं । (शोर एवं व्यवधान)

श्री ज्ञान चंद गुप्ता : अध्यक्ष महोदय, इस कारपोरेशन के पैराज पी.ए.सी. के दायरे में भी आते हैं । (शोर एवं व्यवधान) इन्होंने पी.ए.सी. ही कहा था । (शोर एवं व्यवधान)

श्री अभय सिंह चौटाला : अध्यक्ष महोदय, इनको तकलीफ क्यों हो रही है ? ये किसी अधिकारी को क्यों बचाना चाह रहे हैं ? (शोर एवं व्यवधान)

श्री ज्ञान चंद गुप्ता : अध्यक्ष महोदय, मैं पी.ए.सी. का चेयरपर्सन हूं और इस कमेटी में इस तरह का कोई मुद्दा नहीं है । (शोर एवं व्यवधान)

श्री अध्यक्ष : पी.ए.सी. गलती से छप गया होगा । यह कोई मुद्दा नहीं है । (शोर एवं व्यवधान)

श्री अभय सिंह चौटाला : अध्यक्ष महोदय, इन्होंने दर्जा तो स्टेट मिनिस्टर का भी लिया था लेकिन नेम प्लेट पर स्टेट मिनिस्टर लिखवाने के पश्चात इनको प्लेट उतरवानी पड़ी । (शोर एवं व्यवधान)

श्री ज्ञान चंद गुप्ता : अध्यक्ष महोदय, राज्य मंत्री का सरकार ने दर्जा दिया हुआ है। (शोर एवं व्यवधान)

श्री नायब सिंह सैनी : अध्यक्ष महोदय, गुप्ता जी को आज भी राज्य मंत्री का दर्जा है । (शोर एवं व्यवधान)

डा. रघुवीर सिंह कादियान : अध्यक्ष महोदय, यह सदन है कोई बूचड़खाना नहीं है, जो मर्जी आये खड़ा हो जाये । (शोर एवं व्यवधान)

श्री जाकिर हुसैन : अध्यक्ष महोदय, हमारे नेता ने कमेटी के नाम के साथ चेयरपर्सन का नाम भी बताया था और यह भी कहा था कि ये भी उस कमेटी के मैंबर हैं । (शोर एवं व्यवधान) क्या अभय सिंह जी पी.ए.सी. के मैंबर हैं ? गुप्ता जी को ऐसी बात नहीं करनी चाहिए । (शोर एवं व्यवधान)

श्री नायब सिंह सैनी : अध्यक्ष महोदय, डाक्टर साहब सदन को बूचड़खाना कह रहे हैं । इनको अपने शब्द वापिस लेने चाहिएं । (शोर एवं व्यवधान)

श्री अध्यक्ष : प्लीज, आप सभी बैठें । (शोर एवं व्यवधान)

डा. रघुवीर सिंह कादियान : अध्यक्ष महोदय, इस महान सदन में आपकी परमिशन के बगैर कोई भी सदस्य या मंत्री खड़ा नहीं होना चाहिए । (शोर एवं व्यवधान) आप ऐसे आदेश जारी करें । (शोर एवं व्यवधान)

श्री अध्यक्ष : प्लीज, आप सभी बैठें । (शोर एवं व्यवधान)

ध्यानाकर्षण प्रस्ताव–

गन्ने का मूल्य निर्धारित करने संबंधी

श्री अध्यक्ष : माननीय सदस्यगण, मुझे श्री अभय सिंह चौटाला, विधायक तथा दो अन्य विधायकों (श्री बलवान सिंह दौलतपुरिया तथा श्री जसविन्द्र सिंह संधू)द्वारा गन्ने का भाव तय करने बारे ध्यानाकर्षण सूचना संख्या–27 प्राप्त हुई है । मैंने इसको स्वीकार कर लिया है ।

श्री परमिन्दर सिंह ढुल, विधायक द्वारा गन्ने का भाव तय करने बारे ध्यानाकर्षण सूचना संख्या–24 दी गई है । समान विषय का होने के कारण इस ध्यानाकर्षण सूचना को ध्यानाकर्षण संख्या–27 के साथ जोड़ दिया गया है । श्री परमिन्दर सिंह ढुल, विधायक भी इस पर सप्लीमैंटरी पूछ सकते हैं ।

श्रीमती किरण चौधरी, विधायक तथा तेरह अन्य विधायक (श्री जगबीर सिंह मलिक, श्री करण सिंह दलाल, श्री श्रीकृष्ण हुड्डा, डॉ. रघुवीर सिंह कादियान, श्री आनंद सिंह दांगी, श्री जय तीर्थ, श्री जयवीर, श्रीमती शकुन्तला खटक, श्रीमती गीता भुक्कल, श्री भूपेन्द्र सिंह हुड्डा, श्री कुलदीप शर्मा, श्री उदय भान तथा श्री ललित नागर) द्वारा भी गन्ने का भाव तय करने बारे ध्यानाकर्षण सूचना संख्या–36 दी गई है । समान विषय का होने के कारण ध्यानाकर्षण सूचना संख्या 36 को भी ध्यानाकर्षण सूचना संख्या 27 के साथ जोड़ दिया गया है । ये सभी विधायक भी सप्लीमैंट्री पूछ सकते हैं, श्री अभय सिंह चौटाला, विधायक प्रथम हस्ताक्षरी होने के नाते अपनी सूचना पढ़ें ।

श्री अभय सिंह चौटाला (ऐलनाबाद) : मैं और मेरे साथी विधायक श्री बलवान सिंह दौलतपुरिया एवं सरदार जसविन्द्र सिंह संधू इस महान सदन का ध्यान एक अति लोक हित के विषय की ओर दिलाना चाहते हैं। जैसा कि सभी सदस्यों को विदित है कि प्रदेश में गन्ने की फसल तैयार है और इसकी पिड़ाई का समय आ चुका है। परन्तु गन्ना कंट्रोल बोर्ड की बैठक होने के बावजूद भी इस सत्र के लिए समर्थन मूल्य तय नहीं किया गया न ही सरकार के द्वारा ऐसा कोई निर्णय अभी सामने आया है जिससे किसान की पूरी पूरी फसल की पिराई प्रदेश के गन्ना मिल कर सके और न ही मीलों की क्षमता में वृद्धि करने का निर्णय सामने आया है। ऐसा दिखाई देता है कि सरकार ने सरकारी व निजी शुगर मीलों के चालू करने, किसानों को सुविधा प्रदान करने, गन्ने के उठान आदि का समूचित प्रबंध या निर्देश देने बारे कोई कदम नहीं उठाये हैं। इससे पिछले 2–3 वर्षों से सरकार व शुगर मिलों की अव्यवस्थ कार्य प्रणाली को देखते हुए प्रदेश के गन्ना उत्पादकों में शंका पैदा हो रही है जिससे किसानों में काफी चिंता व आक्रोश है। सरकार किसानों की इस समस्या को प्राथमिकता के तौर पर देखते हुए विशेषकर किसानों के लिए शुगर मीलों में क्या व्यवस्था और प्रबंध किए गए है। अतः सरकार इस सदन में अपना वक्तव्य देकर स्थिति स्पष्ट करें।

ध्यानाकर्षण संख्या 24 ध्यानाकर्षण सूचना संख्या 27 के साथ संलग्न है

श्री परमिन्दर सिंह ढुल, विधायक ने इस महान सदन का ध्यान एक अति लोक हित के विषय की ओर दिलाना चाहा है कि हरियाणा प्रदेश में आज गन्ना उत्पादक किसान अपनी पैदावार को लेकर के असमंजस में है तथा चिंताजनक स्थिति का

सामना कर रहे है। प्रदेश में सभी गन्ना मीलों का पिराई का सीज़न शुरू होने जा रहा है लेकिन केन कंट्रोल बोर्ड बैठक होने के बावजूद इस वर्ष का भाव तय नहीं किया गया एवं प्रदेश के गन्ना किसानों को यह भी भरोसा नहीं कि उनकी समूची पैदावार की पिराई सरकार सुनिश्चित करेगी या नहीं । प्रति एकड जितनी औसत पैदावार है उसके हिसाब से बॉडिंग कर पिराई करेगी या नहीं। अतः सरकार इस सदन में अपना वक्तव्य देकर स्थिति स्पष्ट करे।

CALLING ATTENTION NOTICE NO. 36 CLUBBED WITH CALLING ATTENTION NOTICE NO. 27 AND ALLOW TO RAISE SUPPLEMENTARY

Smt Kiran Choudhry , MLA, Shri Jagbir Singh Malik, MLA, Shri Karan Singh Dalal, MLA, Shri Sri Krishan Hooda, MLA, Dr. Raghuvir Singh Kadian, MLA, Shri Anand Singh Dangi, MLA, Shri Jai Tirath, MLA, Shri Jaiveer, MLA, Smt Shakuntala Khatak, MLA, Smt Geeta Bhukkal, MLA, Shri Bhupinder Singh Hooda, MLA, Shri Kuldip Sharma, MLA, Shri Udai Bhan, MLA, Shri Lalit Nagar, MLA want to draw the attention of this august House toward a matter of great public importance that Cane Growers of Haryana State are facing hardship as during the last season the Haryana sugar Mills did not took the whole sugarcane crop and the farmers have to take their produce in Uttar Pradesh and Punjab and almost half of the produce was sold outside Haryana at very low rate and the farmers suffered huge losses. In the last season total bonding is stated to be 40 lac quintals but the production was 70 lac quintals. This year bonding is stated to be less than previous year. The per acre yield of sugarcane is about 450 quintals but the bonding was about 170 quintals per acre but this year bonding is 140 quintals per acre. This year much area has been

under the cultivation of sugarcane. How the Government has managed to crush this bumper sugarcane crop. The farmers are disturbed and perturbed as Government is not ready to take whole sugarcane crop and the farmers will be forced to commit suicide due to heavy and unbearable financial loss by selling the produce at throw away prices in Uttar Pradesh and Punjab. The Sugarcane procurement prices are very low. When the sugar price was Rs. 30/- per k.g. the sugarcane procurement price was Rs. 310 to 320 of different varieties. Now sugar price is Rs. 42/- per k.g. the procurement price of sugarcane should be Rs. 400/- per quintal. Therefore, they request the Government to make a statement whether the whole of the sugarcane crop of Haryana farmers will be procured by the State Sugar Mills without condition of bonding per acres and the proportionate price of procurement of the sugar i.e. Rs. 400/- per quintal will be paid to the farmers.

वक्तव्य–

कृषि मंत्री द्वारा उपरोक्त ध्यानाकर्षण प्रस्ताव संबंधी

कृषि मंत्री (श्री ओम प्रकाश धनखड): श्री अभय सिंह चौटाला, विधायक, श्री बलवान सिंह दौलतपुरिया, विधायक, सरदार जसविन्द्र सिंह संधू, विधायक, श्री परमिन्दर सिंह ढूल विधायक, श्रीमती किरण चौधरी, विधायक, श्री जगबीर सिंह मलिक, विधायक, श्री करण सिंह दलाल, विधायक, श्री श्री कृष्ण हुडडा, विधायक, डा0 रघुवीर सिंह कादियान, विधायक, श्री आनंद सिंह डांगी, विधायक, श्री जय तीर्थ, विधायक, श्री जयवीर, विधायक, श्रीमति शकुंतला खटक, विधायक, श्रीमति गीता भुक्कल, विधायक, श्री भूपेन्द्र सिंह हुडडा, विधायक, श्री कुलदीप शर्मा, विधायक, श्री उदय भान, विधायक तथा श्री ललित नागर, विधायक ने सम्मानित सदन का ध्यान चालू पिराई सीजन के दौरान गन्ने के समर्थन मूल्य, गन्ने की पूर्ण मात्रा की पिराई, गन्ना मिलों की पिराई क्षमता बढाने, सहकारी एवं निजी चीनी

मिलों को चलाने बारे तथा किसानों द्वारा उगाए गए गन्ने की पूर्ण मात्रा के उठान के लिए उठाए गए कदमों की ओर आकर्षित करने की इच्छा जाहिर की है।

इस बारे में मैं इस सम्मानित सदन को अवगत करवाना चाहूँगा कि सरकार राज्य के गन्ना उत्पादकों के हितों के प्रति अपनी जिम्मेदारी के लिए जागरूक है। पिछले पिराई सीजन 2016–17 के दौरान 822.30 लाख क्विंटल गन्ने के उत्पादन तथा 645.37 लाख क्विंटल गन्ने की पिराई की तुलना में चालू पिराई सीज़न 2017–18 के दौरान लगभग 1120.30 लाख क्विंटल गन्ने के उत्पादन तथा 866.65 लाख क्विंटल गन्ना राज्य की गन्ना मिलों को पिराई सीजन के लिए उपलब्ध होना अनुमानित है।

22.28 लाख क्विंटल गन्ने की मात्रा, जो पिछले पिराई सीज़न के दौरान कुछ सहकारी मिलों के पास अतिरिक्त तौर पर रह गई थी, का आवंटन पिराई करने के लिए अन्य सहकारी तथा निजी चीनी मिलों को कर दिया गया तथा इस तरह राज्य की विभिन्न चीनी मिलों द्वारा उपलब्ध गन्ने की पूर्ण मात्रा की पिराई की गई थी। यह भी सूचित किया जाता है कि राज्य से उत्तर प्रदेश तथा पंजाब राज्यो को गन्ने की आपूर्ति अथवा कथित आपूर्ति के कारण राज्य के किसानो को हुए नुकसान बारे कोई रिपोर्ट प्राप्त नहीं हुई।

पिछले पिराई सीज़न 2016–17 के दौरान 822.30 लाख क्विंटल गन्ने को उत्पादन हुआ था। इसमे से 759.52 लाख टन गन्ने की विभिन्न चीनी मिलों को आपूर्ति करने के लिए बॉड किए गए थे तथा 645.37 लाख क्विंटल गन्ने की पिराई की गई थी जोकि गन्ने के कुल उत्पादन का लगभग 78.48 प्रतिशत है। शेष मात्रा का उपभोग बीज, गुड़/खाण्डसारी, रस तथा चूसने में किया गया ओर इस प्रकार राज्य की चीनी मिलों ने गन्ने की उपलब्ध मात्रा की पिराई पूर्ण करने उपरान्त ही पिराई कार्य बन्द किया। चालू सीज़न के लिए भी राज्य की सभी चीनी मिलों को गन्ने की उपलब्ध पूर्ण मात्रा की पिराई करने के निर्देश दिए गए है।

गन्ने के उत्पादन, गन्ने की पिराई, राज्य सुझावित मूल्य आदि के बारे में हर वर्ष गन्ना नियंत्रण बोर्ड की बैठक की जाती है। चालू वर्ष 2017–18 के लिए भी गन्ना नियन्त्रण बोर्ड की बैठक दिनांक 13.10.2017 को हो चुकी है।

चालू पिराई सीज़न के लिए गन्ना नियंत्रण बोर्ड ने राज्य के किसानों के सभी तरह के हितों को मध्यनज़र रखते हुए राज्य सुझावित मूल्य निर्धारित करने के लिए मुझे अधिकृत किया है। मेरे द्वारा सभी सम्बन्धित कारको पर विचार किया जा रहा

है तथा नवम्बर माह के पहले सप्ताह से आरम्भ होने वाले चालू पिराई सीज़न के शुरू होने से पहले ही राज्य सुझावित मूल्य की घोषणा कर दी जाएगी।

गन्ने की पूरी पैदावार के उठान तथा पिराई के सम्बन्ध में मैं बताना चाहूँगा कि इस सरकार का हमेशा से ही यह प्रयास रहा है कि सम्बन्धित गन्ना मिल द्वारा राज्य सुझावित मूल्य पर किसानों का सारा गन्ना उठाया/खरीदा जाए तथा किसानों के गन्ने के न उठाने के कारण उनको कोई नुकसान ना हो।

मौजूदा सरकार ने किसानों की समस्यों के समाधान तथा उनके गन्ने की पूर्ण मात्रा की मिलों द्वारा खरीद किए जाने बारे निम्नलिखित कदम उठाए हैः–

- पिछले वर्षों की तुलना में चालू पिराई कार्य 15–20 दिन पहले शुरू किया जा रहा है। पहले चीनी मिलों द्वारा गन्ना पिराई का कार्य अकसर नवम्बर माह के आखिरी सप्ताह अथवा दिसम्बर माह के पहले सप्ताह में शुरू किया जाता था। चालू पिराई सीज़न के लिए गन्ना पिराई का कार्य नवम्बर माह के प्रथम सप्ताह से शुरू किया जा रहा है। ऐसा इसलिए किया गया है ताकि किसानो के गन्ने की पूर्ण मात्रा के उठान/खरीद को सुनिश्चित किया जा सके।
- मिलों को चलाने का समय, जो पिछले वर्ष के दौरान औसतन 162 दिन था, के बजाए चालू पिराई सीज़न के दौरान 180 दिन का कर दिया गया है। इसके अतिरिक्त राज्य की सभी चीनी मिलों को निर्देश दिए गए है कि इस सीज़न में उपलब्ध गन्ने की पूर्ण मात्रा की पिराई करने के उपरान्त ही गन्ना मिल का कार्य बन्द किया जाए।
- गन्ना नियन्त्रण बोर्ड की बैठक के दौरान राज्य की सहकारी एंव निजी चीनी मिलों को निर्देश दिए गए है कि गन्ने की अधिकतम पिराई के लिए मिलों को पूर्ण क्षमता पर चलाया जाए तथा सम्बन्धित चीनी मिल के अधीन क्षेत्र के गन्ने की पूर्ण मात्रा को उठाना सुनिश्चित करे।
- गन्ना नियन्त्रण बोर्ड की बैठक में यह भी निर्णय लिया गया कि मिलों के अधीन क्षेत्र में जिन मिलों के पास गन्ने की अतिरिक्त मात्रा उपलब्ध है, उसे गन्ने की अपर्याप्त मात्रा वाली मिलो को आवंटित कर दिया जाएगा। इसकी समीक्षा गन्ना आयुक्त द्वारा दिनांक 15.12.2017 को होने वाली बैठक में की जाएगी तथा गन्ने की अतिरिक्त मात्रा का अंतिम आवंटन जनवरी, 2018 के पहले सप्ताह में किया जाएगा।

12:00 बजे

श्री अभय सिंह चौटालाः अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से कृषि मंत्री जी से यह जानना चाहता हूं कि इसके बाद वे विभाग की तरफ से जवाब देंगे या पहले हम सभी हस्ताक्षरी बोल लें उसके बाद इकट्ठा ही जवाब देंगे?

कृषि मंत्री (श्री ओमप्रकाश धनखड़) : अध्यक्ष महोदय, पहले ध्यानकर्षण प्रस्ताव पर हस्ताक्षरी सभी सदस्य अपने विचार रख लें उसके बाद इकट्ठा ही जवाब दे दिया जायेगा।

श्री अभय सिंह चौटालाः अध्यक्ष महोदय, हरियाणा प्रदेश में गन्ने का उत्पादन लगभग 8 करोड़ क्विंटल के आस–पास है। इस विषय पर कल भी चर्चा हुई थी और परसों भी चर्चा हुई थी। हमारे प्रदेश की जो शुगर मिल्स हैं जो साल में मुश्किल से 150 से 160 दिन चलती हैं उनकी प्रतिदिन की पिराई की औसत क्षमता लगभग 2.5 लाख क्विंटल है। अगर 150 से 160 दिन के हिसाब से देखा जाये तो ज्यादा से ज्यादा 4 करोड़ क्विंटल से लेकर 4.5 करोड़ क्विंटल गन्ने की पिराई हमारी शुगर मिल्स कर सकती हैं जबकि हमारे प्रदेश में गन्ने का उत्पादन ज्यादा है। मैंने कल भी यह बात कही थी कि हमारा भूना और फतेहाबाद का जो इलाका है उस इलाके में गन्ने का उत्पादन 7 से 8 लाख क्विंटल होता है। उसके साथ लगती हुई हमारी 2 शुगर मिल्स हैं जहां पर उनका गन्ना जाता है। एक तो महम शुगर मिल है तथा दूसरी जीन्द शुगर मिल है। इन दोनो शुगर मिल्स की पिराई क्षमता से ज्यादा गन्ने का उत्पादन उस इलाके में होता है तो फिर गन्ना उत्पादक किसानों का अतिरिक्त गन्ना कहां पर जायेगा? अगर इन शुगर मिल्स की पिराई क्षमता नहीं बढ़ाई जायेगी तो गन्ना उत्पादक किसानों को बहुत दिक्कत आयेगी। मंत्री जी, आप इस समस्या को कैसे दूर करेंगे, उन शुगर मिल्स की पिराई क्षमता को कब तक बढ़ायेंगे? क्या इसके लिए नई शुगर मिल्स लगाई जायेंगी या इन्हीं शुगर मिल्स की पिराई क्षमता बढ़ाई जायेगी? इसी प्रकार से पानीपत की शुगर मिल को दूसरी जगह पर शिफ्ट करने के लिए एक ग्राम पंचायत से जमीन भी ले ली है लेकिन उसको शिफ्ट नहीं किया गया जिसकी वजह से वह शुगर मिल सुचारू रुप से नहीं चल पा रही है जिसके कारण किसानों को परेशानी का सामना करना पड़ता है। अध्यक्ष महोदय, अभी मुझ से पहले माननीय मुख्यमंत्री जी बता रहे थे कि हमने गन्ने का भाव पूरे देश में सबसे ज्यादा कर दिया है। उस बारे में मैं बताना चाहूंगा कि केन्द्र सरकार ने गन्ने के भाव में 11 प्रतिशत की बढ़ोतरी की है। केन्द्र की तरफ से गन्ने का भाव 220 रुपये प्रति क्विंटल निर्धारित किया हुआ है तथा 11

प्रतिशत की बढ़ोतरी केन्द्र की तरफ से की गई है। उस हिसाब से उसको देखते हैं तो करीब–करीब 25–26 रुपये की बढ़ोतरी बनती है जबकि हरियाणा सरकार ने केवल 10 रुपये की बढ़ोतरी की है। हमारे प्रदेश में आज के दिन गन्ने का भाव 320 रुपये प्रति क्विंटल है। हरियाणा सरकार को उसका भाव कम से कम 400 रुपये प्रति क्विंटल करना चाहिए था और अगर 400 रुपये नहीं करते तो कम से कम केन्द्र सरकार की तर्ज पर 11 प्रतिशत की वृद्धि अवश्य करनी चाहिए थी ताकि गन्ना उत्पादक किसानों की गन्ना उत्पादन में होने वाले खर्च की पूर्ति तो हो जाये। अध्यक्ष महोदय, हमारे प्रदेश में प्रति एकड़ गन्ने का उत्पादन 350 क्विंटल से 400 क्विंटल की औसत निकलती है जबकि सरकार की तरफ से प्रति एकड़ 180 से 200 क्विंटल औसत निर्धारित की गई है। इस हिसाब से किसान का जो 150 से 200 क्विंटल अतिरिक्त गन्ना बचता है उसको किसान कहां लेकर जायेगा? अगर शुगर मिल्स उसके गन्ने को नहीं खरीदेंगी तो वह किसान उस गन्ने को कहां पर बेचेगा और कहां लेकर जायेगा? अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से माननीय मंत्री जी से पूछना चाहता हूं कि क्या सरकार किसान का पूरा गन्ना खरीदेगी और किसान को उसके गन्ने का पूरा मूल्य देगी? उसके साथ–साथ आजकल जो चीनी का रेट है वह 3750 रूपये प्रति क्विंटल है लकिन गन्ने का जो रेट है वह आज चीनी के रेट के मुकाबले कम है, इसलिये मेरा मंत्री जी से यही अनुरोध है कि वह अपने जवाब में इस रेट के बारे में भी जरूर बताएं । मुख्यमंत्री जी, मैं विशेष रूप से यह जानना चाहूंगा कि जब सरकार द्वारा किसान हितैषी होने की बात की जाती है तो फिर किसान की अनदेखी क्यों की जा रही है। जिस प्रकार केन्द्र की सरकार की तरफ से गन्ने के रेट 11 प्रतिशत बढ़ाए गए हैं उसी प्रकार यहां भी गन्ने के रेट में 11 प्रतिशत की बढ़ोतरी की जानी चाहिए थी। मुख्यमंत्री जी, आपने अभी गेहूं का जिक्र किया था । गेहूं का मामला इस ध्यानाकर्षण प्रस्ताव से जुड़ा हुआ तो नहीं है लेकिन यह किसान से जुड़ा हुआ मामला है इसलिये मैं उस गेहूं वाली बात को भी जरूर हाऊस में रखना चाहूंगा । आज की तारीख में हमारा गेहूं का जो लागत मूल्य है वह केन्द्र सरकार की तरफ से 110 रूपये प्रति क्विंटल बढ़ाने के बाद भी ज्यादा है । पिछले साल गेहूं का जो लागत मूल्य दिखाया गया था वह 1950 रूपये दिखाया गया था और अबकी बार तो गेहूं की बिजाई पर और ज्यादा पैसा खर्च आएगा । अतः जो ये 110 रूपये बढ़ाने की बात की गई है वह तो ऊंट के मुंह में जीरे वाली बात है । मुख्यमंत्री जी इस पर भी आपको ध्यान देना चाहिए ।

मुख्यमंत्री जी, आप कह रहे हैं कि हम कोई एक नया पैसा भी उसमें ज्यादा नहीं दे सकते । आप किसानों को बोनस तो नहीं दे सकते लेकिन आप प्रधानमंत्री और केन्द्र के कृषि मंत्री से मिल कर के यह तो कह सकते हो कि मेरे प्रदेश में गेहूं का उत्पादन सबसे ज्यादा होता है । हालांकि यहां पानी की किल्लत होने के बावजूद भी किसान अपना पैसा खर्च करके गेहूं की फसल सबसे ज्यादा तैयार करता है इसलिए कम से कम किसान का जो प्रति क्विंटल के हिसाब से खर्चा लगता है उससे तो उसको ज्यादा मिले ताकि किसान गेहूं की और अच्छी बिजाई करके और ज्यादा गेहूं पैदा करके इस देश का भरण–पोषण करने का काम करे । मैंने गन्ने के बारे में बात कही है विशेष रूप से चीनी मिलों के बारे में कि जो गन्ना उत्पादक को पैसा देने की बात है कि उसमें 15 दिन का समय निर्धारित है कि जो गन्ना बेचने वाले किसान हैं उनको उसके गन्ने की पेमैंट 15 दिन के अन्दर की जाए । अगर किसान के गन्ने की पेमेंट सरकार 15 दिन में नहीं करती है तो उसके साथ–साथ यह भी प्रावधान किया गया है कि किसान को ब्याज के साथ उसकी पेमेंट की जाए । क्या सरकार किसान को उसके ब्याज के साथ पैसा देगी और क्या सरकार उस रेट को बढ़ाएगी ? क्या सरकार किसान के खेत का एक–एक गन्ना खरीदने का काम करेगी ? मंत्री जी सबकी बात को सुनकर के इस पर विस्तार से अपना जवाब देने का कष्ट करें । धन्यवाद ।

श्रीमती किरण चौधरी : अध्यक्ष महोदय, जैसे मैं कह रही थी कि पिछली बार पिछले सीजन में हरियाणा शुगरमिल्ज ने किसानों का सारी की सारी शुगरकेन की क्रोप को नहीं लिया जिससे उसको अपनी फसल को हरियाणा से बाहर निकालकर ले जाना पड़ा । जिसका नतीजा ये हुआ कि किसान को बहुत जबरदस्त तकलीफ हुई और जो पैसा किसान को मिलना था वह उनको पूरा नहीं मिला । मुझे जो मालूम चला है वह यह है कि इस साल भी पिछले साल की तरह जो बोंडिंग है वह भी कम की जा रही है । पिछले साल शुगरकेन की प्रति एकड़ इल्ड 450 क्विंटल थी और बोंडिग 170 क्विंटल प्रति एकड़ थी जो अब इस साल 140 क्विंटल प्रति एकड़ की जा रही है । आप मुझे यह बताइये कि आज पूरे हरियाणा के अन्दर इतना बड़ा एरिया, इतना लार्ज एरिया है जिसमें शुगरकेन का कल्टीवेशन हुआ है तो ये सरकार जो ये इतना सारा का सारा शुगरकेन पैदा हुआ है उसको कैसे क्रस कर पाएगी । क्योंकि जैसे यहां सदन में बोला गया कि हमने कोई नये उपकरण नहीं लगाए हैं, किसी तरह की कोई योजना नहीं बनाई है । आज हरियाणा के अन्दर किसान ने

जो इतना ज्यादा शुगरकेन ग्रो किया है उसको आप किस तरह से मैनेज करवाएंगे। अध्यक्ष महोदय, वे फार्मर्ज जिन्होंने बहुत तादाद में गन्ना पैदा किया है, हम उनसे मिलने गए थे तो उन्होंने कहा कि अगर इस बार हमें गन्ने का पूरा मूल्य नहीं मिला तो वे खुदकुशी करने के कगार तक पहुंच जायेंगे। इन गन्ना उत्पादक किसानों ने पिछली बार भी बहुत ज्यादा अनबियरेबल लॉस बीयर किया था। उनके उन लॉस को अब की बार सरकार पूरा कर पायेगी या नहीं या इस बार भी वह स्थिति होगी, जैसेकि पिछली बार पंजाब तथा हरियाणा के किसानों को थ्रो–अवे प्राईसिज पर अपनी गन्ने की फसल को बेचना पड़ा था? कहीं इस बार भी उन्हें ऐसा तो नहीं करना पड़ेगा? (शोर एवं व्यवधान) मंत्री जी को खुद भी मालूम है कि उनकी सरकार ने शुगर केन के प्राइसिज बहुत ही कम रखे हुए हैं। डिफरेंट वैरायटीज के गन्ने के जिस प्रकार से 310 और 320 रूपये प्रति क्विंटल के भाव से जो रेट तय किए गए हैं, यह बहुत कम रेट्स हैं। जैसाकि नेता प्रतिपक्ष ने भी कहा है और मैं भी इस बात का समर्थन करती हूँ कि गन्ने की कीमत 400 रूपये प्रति क्विंटल होनी चाहिए। जब केन्द्र सरकार गन्ने के भाव में 11 प्रतिशत का इजाफा कर सकती है लेकिन बावजूद इसके हरियाणा सरकार द्वारा शुगर केन की प्राइसिज में 10 रूपये की बढ़ोतरी करना, मैं समझती हूँ कि इससे बड़ी ज्यादती हरियाणा प्रदेश के शुगर केन ग्रोअर्ज के साथ नहीं हो सकती है। किसान अपनी कमाई का बहुत बड़ा भाग गन्ने की खेती के लिए खर्च करता है तो ऐसी अवस्था में अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से माननीय मंत्री जी से पूछना चाहूंगी कि क्या सरकार गन्ने का भाव 400 रूपये प्रति क्विंटल करेगी या नहीं करेगी? अगर सरकार गन्ने के रेट्स में इजाफा करे तथा बॉडिंग की लिमिट भी बढ़ा दे तो निःसंदेह इससे हरियाणा के किसान को बहुत फायदा होगा। इसके अतिरिक्त मैं माननीय मंत्री जी से यह भी जानना चाहूंगी कि जो आज हरियाणा प्रदेश में बड़ी भारी मात्रा में गन्ने का उत्पादन होने जा रहा है, सरकार इस सारे गन्ने को कैसे क्रश करवा पायेगी? कहीं हमारे हरियाणा प्रदेश के किसानों को एक बार फिर से अपना गन्ना पंजाब या उत्तर प्रदेश में जाकर ओने–पोने दामों पर तो बेचने के लिए मजबूर नहीं होना पड़ेगा? माननीय मंत्री जी जब अपना जवाब दें तो उसमें मेरे इन सभी प्रश्नों का गोलमोल जवाब न देकर स्पष्ट जवाब दें?

श्री परमिन्दर सिंह ढुलः अध्यक्ष महोदय, भारतीय जनता पार्टी को हरियाणा प्रदेश की सत्ता में आये हुए तीन वर्ष का समय बीत चुका है। हरियाणा प्रदेश के किसानों

को भारतीय जनता पार्टी की सरकार से बड़ी आशा थी कि उनकी आवाज को इस सरकार द्वारा सुना जायेगा और उनको राहत पहुंचाई जायेगी। हरियाणा प्रदेश के गन्ना उत्पादक किसानों को उम्मीद थी कि गन्ने की कीमत 400 रूपये प्रति क्विंटल की जायेगी और केन्द्र सरकार द्वारा गन्ने के भाव में 11 प्रतिशत का इजाफा करने के बावजूद भी हरियाणा सरकार द्वारा गन्ने के भाव में मात्र 10 रूपये की बढ़ोतरी करने का जो निर्णय लिया गया है वह बिल्कुल नाकाफी है। अगर केन्द्र सरकार द्वारा दिए गए गन्ने के भाव में जो 11 प्रतिशत की बढ़ोतरी की गई है, उस हिसाब से हरियाणा सरकार चलती तो गन्ने का भाव 355 रूपये प्रति क्विंटल हो जाना चाहिए था। परन्तु हरियाणा सरकार ने केन्द्र के समान भी गन्ने के भाव में बढ़ोतरी नहीं की। किसान उम्मीद लगाये बैठा था कि इस बार सरकार कम से कम 400 रूपये प्रति क्विंटल गन्ने का भाव जरूर तय करेगी लेकिन वह भाव किसान को नहीं मिल सका। इसके अतिरिक्त अब तक गन्ने की पिराई का सीजन शुरू हो जाना चाहिए था लेकिन पता नहीं किन कारणों की वजह से यह भी लेट होता जा रहा है? अध्यक्ष महोदय, लगातार कईं सालों से गन्ने की क्रशिंग नहीं हो पा रही है जिसकी वजह से गन्ना किसानों में एक तरह से असमंजस की स्थिति बनी हुई है। जींद शुगर मिल में वर्ष 2014–15 में 13154 एकड़ जमीन की बॉंडिंग की गई थी। यदि इस बोडिंग के हिसाब से हम प्रति एकड़ 300 क्विंटल गन्ने की पैदावार की औसत का हिसाब लगाते हैं तो उस हिसाब से 39,46,200 क्विंटल गन्ने के उत्पादन का हिसाब बैठता है लेकिन आप देखिये उस समय जींद में महज 20,51,422 टन गन्ने की क्रशिंग ही हो पाई थी। इसी प्रकार वर्ष 2015–16 में 12668 एकड़ जमीन की बॉंडिंग की गई थी। अगर इस जमीन की बोडिंग को प्रति एकड़ 300 क्विंटल गन्ने की पैदावार की औसत के हिसाब से देखें तो 38,00,400 क्विंटल गन्ने के उत्पादन का हिसाब बैठता है लेकिन आप देखिये क्रशिंग केवल 20,75,597 क्विंटल गन्ने की ही की गई थी। पिछले साल तो और बहुत ही बुरा हाल गन्ने की क्रशिंग के संबंध में रहा है। कुल 16896 एकड़ की जमीन की बॉंडिंग हुई और जमीन की इस बोडिंग से भी यदि हम 300 क्विंटल गन्ने की प्रति एकड़ पैदावार का औसत लगायें, हालांकि 350–400 क्विंटल प्रति एकड़ से कम गन्ने का उत्पादन नहीं होता है, तो उस हिसाब से 50,68,800 क्विंटल गन्ने के उत्पादन का हिसाब बैठता है लेकिन विडम्बना देखिये केवल मात्र 26,00,000 क्विंटल गन्ने की क्रशिंग ही की गई। इस चीजों से किसान को बहुत दिक्कत हुई और हरियाणा प्रदेश के किसानों

को उत्तर प्रदेश में 300–300 किलोमीटर दूर अपना गन्ना ले जाना पड़ा। तीन दिन तक लगातार उसको अपने ट्रैक्टर–ट्राली चलाने पड़े। उसके सामने रास्ते भी अच्छे नहीं थे, उनके ट्रैक्टर–ट्रालियों के टायर फट गए और अनेकों एक्सीडेंट्स भी हुए। एक किसान का बच्चा वह ट्रैक्टर–ट्रालियों को लेकर भी जाता है और फिर उसको वापिस भी लाता है, आप अंदाजा लगा सकते हैं कि कितनी दिक्कत होती होगी। तो मैं माननीय मंत्री जी से जानना चाहूंगा कि जितने एकड़ की बॉडिंग की गई है क्या सरकार उतनी एकड़ में पैदा हुए गन्ने के उत्पादन की क्रशिंग कर पायेगी? गन्ना उत्पादक किसान बर्बादी के कगार पर है। अध्यक्ष महोदय, मैं दावे के साथ कहता हूँ कि यदि सरकार किसान के पूरे गन्ने की पिराई करना चाहे तो देखेंगे कि सरकार के पास किसान के पूरे गन्ने की पिराई करने के लिए साधन ही उपलब्ध नहीं है इसका कारण यह है कि जो बहुत साल पहले प्रदेश की शुगर मिल्ज बनाई गई थी उनकी कैपेसिटी ही बहुत कम है। जब खटकड़ गांव में किसान धरना दे रहे थे तो मंत्री जी वहां जाकर किसानों से मिलकर आश्वासन देकर आये थे कि गन्ने की क्रशिंग से संबंधित जो शुगर मिल्ज में "पड़ता" सिस्टम है, उसको खत्म किया जायेगा और शुगर मिलों की कैपेसिटी बढ़ाई जायेगी तथा गन्ने का भाव भी बढ़ाया जायेगा। आज प्रदेश का किसान इस सरकार की तरफ आस लगाए बैठा है लेकिन माननीय मुख्य मंत्री जी ने गन्ने का भाव सिर्फ 10 रूपये प्रति क्विंटल बढ़ाया जोकि बहुत नाकाफी है । मैं आपके माध्यम से सदन को बताना चाहता हूं कि हमारे प्रदेश में गन्ने की बोण्डिंग सिर्फ 140 क्विंटल प्रति हैक्टेयर है । हमारे प्रदेश में जब गन्ने की पैदावार ज्यादा है तो इसकी बॉण्डिंग 250–300 क्विंटल प्रति हैक्टेयर के बीच होनी चाहिए । मैं माननीय मंत्री जी से पूछना चाहता हूं कि जीन्द की शुगर मिल की कैपेसिटी बढ़ाई जाएगी या नहीं ? उसकी कैपेसिटी सिर्फ 12 हजार मीट्रिक टन है । अब भूना शुगर मिल भी बन्द हो चुकी है जिसकी वजह से जीन्द की शुगर मिल में अब और ज्यादा प्रैशर होगा । अतः मंत्री जी बताएं कि जीन्द की शुगर मिल इतने बड़े एरिया का प्रैशर कैसे हैंडल कर पाएगी ? जीन्द के किसान पहले ही बर्बाद हो रहे हैं । उनको अभी तक पिछले पैसे ही नहीं मिले हैं । इस वजह से वहां के गन्ना उत्पादन करने वाले किसान मजबूर होकर प्राइवेट शुगर मिलों में अपना गन्ना बेच रहे हैं । आज किसान को इस सरकार से बहुत आशा है। अतः यह सरकार जीन्द की शुगर मिल की कैपेसिटी बढ़ाये । इसके अतिरिक्त आज शुगर मिलों में मिथाइल एल्कोहल और बिजली का उत्पादन भी किया जा

सकता है। इनके उत्पादन से शुगर मिलों के घाटे में जाने का मतलब ही नहीं है लेकिन सरकार इसके लिए योजना ही नहीं बनाना चाहती । तीन साल पहले पिछली सरकार के समय में करनाल में सभी मिलों की कैपेसिटी बढ़ाकर उनमें बिजली और मिथाइल एल्कोहल के कारखाने लगाए जाने की योजना बनाई गई थी। इससे कम से कम प्रदेश को 4–6 महीने तो बिजली मिलेगी और गन्ने का तो एक–एक पार्ट यूज किया जाने वाला है । आज प्रदेश का किसान दुखी है । मंत्री जी अपने जवाब में बतायें कि वे किसानों को किस प्रकार से राहत देंगे क्योंकि किसान सरकार की तरफ आंखें गड़ाये बैठे हैं । यह सरकार किसानों का भरोसा लगातार खोती जा रही है । मेरा आपके माध्यम से माननीय मुख्य मंत्री जी से निवेदन है कि अगर वे गन्ने का भाव 11 परसैंट भी बढ़ाते हैं तो गन्ने का भाव 355 रूपये प्रति क्विंटल अवश्य होना चाहिए । मैं माननीय मुख्य मंत्री जी से पूछना चाहता हूं कि क्या वे गन्ने के क्रशिंग के बॉण्ड को 140 क्विंटल प्रति हैक्टेयर से बढ़ाएंगे, क्या वे 'पड़ता' प्रणाली को खत्म करेंगे या नहीं, अगर किसान को किसी अन्य स्टेट में अपना गन्ना ले जाना पड़े तो क्या वे उनको ट्रांसपोर्ट की सुविधा उपलब्ध करवायेंगे या उनको गन्ना ले जाने का किराया देंगे, क्या सरकार किसानों से स्वयं अपने साधनों से गन्ना खरीदकर दूसरी शुगर मिलों से गन्ना पिरवाएगी या नहीं ?

श्रीमती किरण चौधरी : अध्यक्ष महोदय, मुझे माननीय मंत्री जी से प्रश्न पूछना है, इसलिए आप मुझे बोलने का समय दीजिए । (विघ्न)

श्री जगबीर सिंह मलिक : अध्यक्ष महोदय, मुझे भी माननीय मंत्री जी से प्रश्न पूछने के लिए अलाउ किया जाए । मैं सिर्फ दो मिनट का समय लूंगा । (विघ्न)

श्री अध्यक्ष : देखिये, एक बार मंत्री जी जवाब दे दें उसके बाद आप सब सप्लीमैंट्री पूछ लेना । (विघ्न) कल आप कह रहे थे कि पहले मंत्री जी का जवाब दिलवा दें और आज जब आपको जवाब दिलवा रहे हैं तो आज आप कह रहे हैं कि पहले हमें प्रश्न पूछने हैं । आपको हर बार ऐसे नहीं बदलना चाहिए । इस मोशन को सबसे पहले माननीय नेता प्रतिपक्ष अभय सिंह चौटाला जी ने पढ़ा उसके बाद तीन माननीय सदस्यों ने अपनी सप्लीमैंट्री पूछी । अब प्लीज आप व्यवस्था को न बिगाड़ें और माननीय मंत्री जी को जवाब देने दें । मैं आपको सौ प्रतिशत बोलने का समय दूंगा ।

श्री ओम प्रकाश धनखड़ : आदरणीय अध्यक्ष महोदय, माननीय सदस्यों ने आज एक बहुत ही महत्व के विषय पर कॉलिंग अटैंशन मोशन दिया है । मैं आज सबसे पहले माननीय मुख्य मंत्री जी का आभार प्रकट करना चाहूंगा कि उन्होंने सदन के शुरूआती समय में गन्ने का समर्थन मूल्य 10 रूपये प्रति क्विंटल बढ़ाने का निर्णय किया है । उन्होंने हरियाणा के किसानों के लिए एक कलम से 86 करोड़ रूपये मंजूर किये हैं । इसके लिए मैं माननीय मुख्य मंत्री जी का अभिनन्दन करता हूं और उनका स्वागत करता हूं । इसके अलावा ये गन्ने का भाव 11 परसैंट बढ़ाने की बात तो कर रहे हैं लेकिन राशि नहीं बोल रहे हैं क्योंकि वह राशि 255 रूपये प्रति क्विंटल है जबकि हरियाणा प्रदेश में सबसे ज्यादा गन्ने का रेट 330 रूपये प्रति क्विंटल हो गया है। 75 रूपये प्रति क्विंटल की बढ़ोतरी भारत के हरियाणा प्रदेश को छोड़कर किसी भी अड़ोस–पड़ोस राज्य में नहीं है। माननीय मुख्यमंत्री महोदय की एक कलम से गन्ने के भाव में 10 रूपये प्रति क्विंटल की बढ़ोतरी से प्रदेश के किसानों को 86 करोड़ रूपये का लाभ होगा। (इस समय मेजें थपथपाई गई।) इसके लिए मैं माननीय मुख्यमंत्री महोदय का आभार व्यक्त करता हूँ। अध्यक्ष महोदय, दूसरी बात मैं आपके माध्यम से सदन में कहना चाहता हूँ कि जो विपक्ष द्वारा चित्र पेश किया जाता था, वह चित्र वैसा नहीं है जैसा बताया जा रहा था। गन्ने की पैदावार करने वाला किसान बहुत खुश है। अध्यक्ष महोदय, खुशी के कारण से वह अपना गन्ने का उत्पादन लगातार बढ़ाता जा रहा है। भारतीय जनता पार्टी की सरकार जब से सत्ता में आई है तब से गन्ने के उत्पादन में बढ़ोतरी हो रही है। मौजूदा सरकार के पहले साल में गन्ना उत्पादन 7 करोड़ क्विंटल, दूसरे साल 8.22 करोड़ क्विंटल और इस बार 11.20 करोड़ क्विंटल होने जा रहा है। (इस समय मेजें थपथपाई गई।) अध्यक्ष महोदय, गन्ने के उत्पादन की बढ़ोतरी बता रही है कि गन्ना किसान इस सरकार से बहुत खुश हैं। अध्यक्ष महोदय, गन्ना उत्पादन के साथ–साथ सरकार ने क्रशिंग भी उसी हिसाब से बढ़ाई है। भारतीय जनता पार्टी की सरकार में हरियाणा की शुगर मिलों ने पहले साल में ही 5 करोड़ क्विंटल गन्ने की क्रशिंग की थी, दूसरे साल 6.45 करोड़ क्विंटल गन्ने की क्रशिंग की थी और मुझे सदन में यह बताते हुए बड़ी खुशी हो रही है कि इस बार सरकार ने पूरी तैयारी की हुई है कि जो भी किसानों का गन्ना शुगर मिलों तक आयेगा उसकी एक–एक पोरी की क्रशिंग करेंगे। (इस समय मेजें थपथपाई गई।) अध्यक्ष महोदय, एक महत्वपूर्ण बात भी मैं आपके माध्यम से सदन में कहना चाहता हूँ कि

देश का हरियाणा प्रदेश ऐसा राज्य है जहां गन्ना किसानों का एक भी पैसा बकाया नहीं है। (इस समय मेजें थपथपाई गई।) अध्यक्ष महोदय, एक–एक पैसा गन्ना किसानों का अदा किया गया है। (इस समय मेजें थपथपाई गई।) हमारे आस–पड़ोस के राज्यों में गन्ना किसानों का पैसा बचा हुआ होगा लेकिन हमारे राज्य में किसी भी गन्ना किसान का कोई पैसा बकाया नहीं है। गन्ना किसान सरकार को लगातार धन्यवाद करते जा रहे हैं। (शोर एवं व्यवधान)

श्री जगबीर सिंह मलिक : अध्यक्ष महोदय, गन्ना किसान सरकार से खुश नहीं है। (शोर एवं व्यवधान)

श्री अध्यक्ष : मलिक जी, जब आप सप्लीमेंट्री पूछेंगे तभी माननीय मंत्री जी आपकी बात का जवाब देंगे। (शोर एवं व्यवधान)

श्री ओम प्रकाश धनखड़ : अध्यक्ष महोदय, किसान नेता श्री घासी राम नैन और श्री गुरनाम सिंह चढूनी के साथ मार–पीट करने वाले लोग सदन में खड़े हो रहे हैं। (शोर एवं व्यवधान)

श्री आनन्द सिंह दांगी : अध्यक्ष महोदय, मंत्री जी गलत बात कह रहे हैं। (शोर एवं व्यवधान)

श्री जगबीर सिंह मलिक : अध्यक्ष महोदय, गन्ना किसान आंदोलन कर रहे हैं। (शोर एवं व्यवधान)

श्री ओम प्रकाश धनखड़ : अध्यक्ष महोदय, इनको असली चेहरा दिखाया जाना चाहिए। प्रदेश में किसान कोई भी आंदोलन नहीं कर रहा है। (शोर एवं व्यवधान) हमारे प्रदेश का किसान मौजूदा सरकार से खुश है। सरकार की तरफ से कोई भी पैसा गन्ना किसानों का बकाया नहीं है। (शोर एवं व्यवधान)

श्री जगबीर सिंह मलिक : अध्यक्ष महोदय, गन्ना किसान किसी भी प्रकार से सरकार से खुश नहीं है। (शोर एवं व्यवधान)

श्री ओम प्रकाश धनखड़ : अध्यक्ष महोदय, पिछली बार जब गन्ने का उत्पादन ज्यादा हुआ था तो हमने शुगर मिलों को लगभग 15 दिन ज्यादा चलाया था। अध्यक्ष महोदय, सामान्य गन्ने की पिराई का सीजन नवम्बर महीने के आखिर में या दिसम्बर महीने के शुरू में करते हैं। लेकिन इस बार सरकार ने सभी शुगर मिलों को आदेश दिए हुए हैं कि आप नवम्बर महीने के प्रथम सप्ताह में ही पिराई का

काम शुरू करें। (इस समय मेजें थपथपाई गई।) रोहतक शुगर मिल तो 31 अक्टूबर से ही चलने वाली है, पलवल शुगर मिल 3 नवम्बर से शुरू होगी तथा और सभी मिलें 7 नवम्बर तक शुरू हो जायेंगी। यह 21 दिनों की बढ़ोत्तरी औसत रूप से सभी शुगर मिलों की है। अध्यक्ष महोदय, यदि सरकार को बाद में मई तक भी मिले चलानी पड़े तो जरूर चलायेंगे। अध्यक्ष महोदय, हम गन्ना किसानों की एक–एक पोरी की पिराई का काम करेंगे। गन्ना किसान के गन्ने को बचने नहीं देंगे। इस बात का मैं सदन को आश्वासन देता हूँ। (इस समय मेजें थपथपाई गई।) माननीय सदस्यों ने बहुत सारे महत्व के विषय उठाएं हैं। श्रीमती किरण चौधरी ने बॉण्डिंग का एक विषय उठाया है। अन्य माननीय सदस्यों ने भी उठाए हैं। ढुल साहब तो कह रहे थे कि औसत उत्पादन 300 क्विंटल के आस–पास है। अन्य माननीय सदस्यों ने भी 400 क्विंटल तक की बात कही है। लेकिन अलग–अलग मिलों के हिसाब से अलग–अलग बॉण्डिंग होती है। कहीं 260 क्विंटल के हिसाब से भी बॉण्डिंग होती है। हर शुगर मिलों के हिसाब से कम–ज्यादा बॉण्डिंग होती है। लेकिन जितना गन्ना उत्पादन होता है लगभग उससे 25 प्रतिशत कम गन्ना पिराई के लिए आता है। बॉण्डिंग में भी किसान को यह होता है कि वह अपने उत्पादन का 85 प्रतिशत गन्ना शुगर मिलों में जरूर लेकर आएं। अध्यक्ष महोदय, बाकी गन्ना बीज में जाता है, गन्ने के जूस में जाता है, गुड़ और खाण्ड के प्रयोग में जाता है। उसी हिसाब से सारी व्यवस्था बनती है। यह बात सही है कि जिस तरह से गन्ना किसान का उत्पादन बढ़ता जा रहा है उसी तरह से शुगर मिलों की क्षमता बढ़ाने की जरूरत है। सरकार इस बात को बड़ी गम्भीरता के साथ लेकर चल रही है। अध्यक्ष महोदय, यह सरकार उस तरह की सरकार नहीं है जो शुगर मिले बंद करके गई थी। भूना शुगर मिल और पन्नीवाला मोटा शुगर मिल सदन के नोटिस में है। ऐसी स्थिति उत्पन्न न हो इसलिए मौजूदा सरकार इस बात पर गम्भीरता के साथ विचार कर रही है और हमारी सरकार 3 और मिलों की बिजली क्षमता को बढ़ाने के लिए भी कोशिश कर रही है। इसमें करनाल की शुगर मिल की 2200 टी.सी.डी से 3500 टी.सी.डी जिससे प्रतिदिन उसकी क्रशिंग क्षमता 3500 टन हो जाए, पानीपत चीनी मिल की 1800 टी.सी.डी से 5000 टी.सी.डी हो जाए और सोनीपत शुगर मिल की 1600 टी.सी.डी से 2200 टी.सी.डी हो जाए, इसके लिए हम कोशिश करने वाले हैं। अध्यक्ष महोदय, अभी श्री परमिंदर सिंह ढुल जी ने जो सवाल उठाया, उसके लिए मैं उन्हें बताना चाहता हूं कि जींद में जहां पर किसान धरना दे

रहे थे, वहां से मैं संयोगवश गुजर रहा था तो मैं भी उनके धरने वाली जगह पर चला गया। अध्यक्ष महोदय, मैं सदन को बताना चाहूंगा कि ऐसा मेरा स्वभाव है, क्योंकि मैं किसान मोर्चा का 2 बार अध्यक्ष भी रहा हूं। अध्यक्ष महोदय, मैं यह भी बताना चाहूंगा कि किसानों का जहां भी धरना होता है, मैं वहां चला जाता हूं, क्योंकि मुझे लगता है कि यह मेरे लायक ही काम हो रहा है और यह मेरी आदत भी है। अध्यक्ष महोदय, मैं माननीय सदस्य को बताना चाहूंगा कि शायद इन्हें यह जानकारी होगी कि मैंने उन किसानों को गन्ना बोर्ड की मीटिंग में भी आमंत्रित किया है। अध्यक्ष महोदय, मैं यह भी बताना चाहूंगा कि वहां से 3 सालों का जो भी आंकड़ा आएगा कि वहां कितने गन्ने की बिजाई हो रही है, उस हिसाब से हम उन मिलों की क्षमता बढ़ाने के काम पर आगे बढ़ेंगे। अध्यक्ष महोदय, मैं सदन को बताना चाहूंगा कि किसानों के विचार को मैंने को–ऑरेटिव मिनिस्टर साहब के सामने भी रखा कि गन्ना बोर्ड की मीटिंग में किसानों की ऐसी मांग उठी है। अध्यक्ष महोदय, मैं श्री परमिंदर सिंह ढुल जी को आश्वस्त कराना चाहूंगा कि जहां–जहां जैसी आवश्यकता होगी, हम उस आवश्यकता के हिसाब से उस मिल की कैपेसिटी को बढ़ाने का काम भी करेंगे।

श्रीमती किरण चौधरीः अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से माननीय मंत्री जी से पूछना चाहती हूं कि गन्ने को बाहर तो नहीं बेचा जाएगा।

श्री ओम प्रकाश धनखड़ः अध्यक्ष महोदय, मैं माननीय सदस्या को बताना चाहूंगा कि गन्ना बाहर नहीं बेचा जाएगा। सारा गन्ना यहां पर पिराई के लिए रखा जाएगा।

सहकारिता राज्य मंत्री (श्री मनीष कुमार ग्रोवर): अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से सदन को बताना चाहूंगा कि हमारी सरकार से पहले हरियाणा नम्बर एक पर सिर्फ कागजों में ही था, लेकिन हमारी सरकार ने हरियाणा को वास्तविक रूप में नम्बर एक पर कर दिखाया है।

श्री ओम प्रकाश धनखड़ः आदरणीय अध्यक्ष महोदय, यह एक बहुत ही संतुलन का काम है, चीनी के दाम जब कम हुए तब सरकार के ऊपर बहुत दबाव आ रहा था कि दाम कम करने चाहिएं, वरना सारी–की–सारी चीनी मिलें फेल हो जाएंगी, लेकिन सरकार उस समय किसानों के साथ खड़ी रही। सरकार ने गन्ना किसानों के भुगतान के लिए अपनी तरफ से पेमैंट कराने के लिए सहायता के लिए हाथ बटाया और किसानों का एक भी पैसा बकाया नहीं रहने दिया। पिछली बार जब रेट

अच्छे आये थे, उस समय भी किसानों को अच्छा भुगतान हुआ था। अभी हमारे माननीय सदस्य श्री अभय सिंह जी गन्ना किसानों के भुगतान की बात कह रहे थे, उसके लिए मैं माननीय सदस्य को बताना चाहूंगा कि अगर भुगतान में किसी तरह की देरी होती है और जो 15 दिन का प्रॉविजन है, उस नाते से हमें भुगतान कराने में कोई कठिनाई नहीं है। अध्यक्ष महोदय, मैं सदन को बताना चाहूंगा कि सब कुछ समयबद्ध तरीके से हो रहा है और जहां भी इस तरीके की दिक्कत आएगी उस मिल से उस प्रकार से भुगतान करवाया जाएगा। अध्यक्ष महोदय, विरोधी दल के सदस्य के द्वारा सवाल उठाए जा सकते हैं और वे सवाल भी उठायेंगे। कई बार मुझे बड़ी हैरानी होती है कि जो लोग सरकार में रहे हैं और जिन्होंने खुद भी गन्ने के दाम बढ़ाए हैं वे भी सवाल उठाते हैं। अध्यक्ष महोदय, मैं यह बताना चाहूंगा कि गेहूं के एम.एस.पी. पहले भी बढ़ते थे जैसे– 10रुपए, 25 रुपए या 50 रुपए। इस चीज को हम सबने देखा है और हमने धरने भी दिए थे। अध्यक्ष महोदय, इसी तरह से गन्ने के दाम हमारे विरोधी दल की सरकार ने भी बढ़ाए थे, लेकिन जो लोग कम से कम सत्ता में रहे हैं उन लोगों के लिए तो यह आनुपातिक व्यावहारिक बात है। अध्यक्ष महोदय, जो लोग सत्ता में नहीं रहे हैं और वह गैर–व्यावहारिक बात करें तो वह बात ध्यान में आती है, लेकिन जो पार्टी सत्ता पर वर्षों तक बैठी है और वह केवल बोलने के लिए बोले या कहने के लिए कहे तो कोई औचित्य दिखाई नहीं देता। अध्यक्ष महोदय, मैं माननीय सदस्यों से यह कहना चाहूंगा कि वे सबसे पहले अपने गिरेबान में झांककर देखें कि वे अपने समय में क्या–क्या और कैसे–कैसे करते थे, वे किस रास्ते पर चलते थे। अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से माननीय सदस्यों को बताना चाहूंगा कि मौजूदा सरकार अपने समय में सबसे अच्छा गन्ने का भाव दे रही है और देश के सभी राज्यों से ज्यादा दे रही है। अध्यक्ष महोदय, मैं माननीय सदस्य को एक बात के लिए और आश्वस्त कर देना चाहता हूं कि जब तक भारतीय जनता पार्टी की सरकार रहेगी हम गन्ने का भाव पूरे देश में सबसे ऊंचा रखेंगे, उसको किसी भी राज्य से कम नहीं होने देंगे। हम गन्ना बोर्ड की एक मीटिंग कर चुके हैं और गन्ना बोर्ड की दूसरी मीटिंग हम जल्द ही करने वाले हैं। हमारी सरकार किसी भी किसान का गन्ना पिराई की वजह से नहीं छोड़ेंगे। जहां–जहां भी कांटों की जरूरत है, हम वहां लगवाएंगे। इस तरह की पूरी व्यवस्था हम करेंगे और इस व्यवस्था में हम लगे हुए हैं, इसलिए आप सभी लोग गन्ना किसानों को यह आश्वस्त कीजिए कि यह मौजूदा सरकार गन्ना किसान

के लिए अच्छा काम कर रही है। अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से इस सारे सदन का धन्यवाद करता हूं। (मेजें थप–थपाई गईं)

हरियाणा के भूतपूर्व मंत्री तथा हरियाणा विधान सभा के भूतपूर्व सदस्य का अभिनन्दन

संसदीय कार्य मंत्री (श्री राम बिलास शर्मा) : स्पीकर सर, पूर्व मंत्री श्री जगदीश यादव एवं श्री नफे सिंह राठी, पूर्व विधायक सदन की कार्यवाही देखने के लिए वी. आई.पीज़. गैलरी में बैठे हुए हैं। मैं पूरे सदन की तरफ से उनका अभिनन्दन करता हूं एवं उनके स्वस्थ व सफल जीवन की कामना करता हूं।

श्री अध्यक्ष : बलवान सिंह दौलतपुरिया जी, आप कृपया करके पांच मिनट में अपनी बात करें।

श्री बलवान सिंह दौलतपुरिया : धन्यवाद स्पीकर सर। सर, मैं यह कहना चाहता हूं कि गन्ने की फसल बड़ी ही रफ–टफ फसल है जो कम पानी में भी हो सकती है और ज्यादा पानी में भी हो सकती है। आज की डेट में हरियाणा प्रदेश का लगभग 60 प्रतिशत हिस्सा डार्क ज़ोन में शामिल हो चुका है। सरकार को गन्ने की फसल को प्रोत्साहन देना चाहिए। मैं यह कहना चाहूंगा कि प्रदेश के किसान गन्ने की फसल को उगाने के लिए तभी प्रोत्साहित होंगे जब सरकार गन्ना किसानों को गन्ना की फसल का अच्छा मूल्य देगी। नेता प्रतिपक्ष ने गन्ने से सम्बंधित सभी बातें चाहे वह समर्थन मूल्य बढ़ाने की बात हो, चाहे प्रदेश की विभिन्न गन्ना मिल्ज की पिराई क्षमता बढ़ाने की बात हो, चाहे सरकार द्वारा बॉण्डिड उत्पादन लिमिट बढ़ाये जाने की बात हो या वे गन्ना किसानों से जुड़ी हुई दूसरी समस्यायें हों उन सभी से इस महान सदन को अवगत करवाने का काम किया है। मैं अपने आपको उनकी भावनाओं से सम्बद्ध करते हुए यह बताना चाहूंगा कि जननायक चौधरी देवी लाल जी ने सन् 1987 में फतेहाबाद जिले को हरियाणा प्रदेश के मानचित्र पर लाने के लिए हरियाणा की सबसे बड़ी भूना शुगर मिल की स्थापना वहां की थी। पिछली कांग्रेस की सरकार ने क्षेत्रवाद की भावना से ग्रसित होकर नवम्बर, 2006 में उसको औने–पौने दामों अर्थात 40 करोड़ 25 लाख रूपये में अपने चहेते लोगों को बेच दिया जबकि उस मिल की मार्किट वैल्यू उस समय कम से कम 300 करोड़ रूपये थी। आपकी सरकार ने यह वायदा किया था कि वह इस मामले की जांच करवायेगी और अगर जरूरत पड़ी तो इसको टेक–ओवर भी किया जायेगा। इस प्रकार से भूना शुगर मिल को चलाने का आश्वासन मौजूदा सरकार द्वारा दिया गया

था। मेरा आपके माध्यम से मंत्री जी से निवेदन है कि इस मामले की पूरी की पूरी जांच करवाई जाये और जो दोषी लोग पाये जायें उनके खिलाफ सख्त से सख्त कार्रवाई की जाये। इसके साथ ही मेरी यह पुरजोर मांग है कि भूना शुगर मिल को पुनः जल्दी से जल्दी चालू करवाया जाये। इस इलाके में गन्ने की पैदावार 8 लाख क्विंटल से भी ज्यादा है। अगर आज की तारीख में भूना शुगर मिल को शुरू किया जायेगा तो इस क्षेत्र के किसान गन्ने की खेती करने के लिए प्रोत्साहित होंगे और डार्क ज़ोन में होने के बावजूद भी वे गन्ने की फसल उगाकर अच्छे तरीके से अपना जीवनयापन कर सकेंगे। इसी प्रकार से मोटा–पन्नीवाला शुगर मिल को भी बंद किया हुआ है। मैं आपके माध्यम से सरकार से रिकवैस्ट करना चाहता हूं कि मोटा पन्नी वाला शुगर मिल को भी जल्दी से जल्दी चलवाया जाये ताकि वहां के आस–पास के क्षेत्र के किसानों का रूझान भी गन्ने की फसल की तरफ ज्यादा से ज्यादा हो। जब तक ये दोनों मिल्ज़ पूरी तरह से चालू नहीं करवायी जाती तब तक इन इलाकों के गन्ना किसानों के गन्ने को ज्यादा से ज्यादा संख्या में लोकल गन्ना परचेज सैन्टर (कांटे) लगाकर किसानों का सारे का सारा गन्ना सरकारी रेट पर जल्दी से जल्दी खरीदा जाये। मैं आपके माध्यम से माननीय मंत्री जी से यह रिकवैस्ट करूंगा कि वह यह बताने का कष्ट करें कि जो भूना शुगर मिल औने–पौने दामों में बेची गयी थी उसकी जांच की प्रोग्रैस रिपोर्ट क्या है? इसके साथ ही साथ मंत्री जी यह भी स्पष्ट करें कि भूना शुगर मिल और मोटा पन्नीवाला शुगर मिल को कब तक चलवाया जायेगा?

सरदार जसविन्द्र सिंह संधू : स्पीकर सर, माननीय कृषि मंत्री जी ने अपने जवाब में अपनी सरकार की और खास तौर से गन्ने की खरीद के बारे में बड़ी वाहवाही करने की बात की है। सर, जहां तक गन्ने के भाव की बात है हरियाणा प्रदेश में गन्ने का भाव तकरीबन हमारी सरकार के समय में भी हिन्दुस्तान में सबसे ज्यादा देने का काम चौधरी ओम प्रकाश चौटाला जी ने किया था। आज जो गन्ने का भाव 10/– रूपये प्रति क्विंटल के हिसाब से बढ़ाया गया है यह बहुत ही कम है। गन्ने के काम के लिए सबसे ज्यादा लेबर उत्तर प्रदेश से आती है। आज इस लेबर का रेट बहुत ज्यादा बढ़ गया है जिसके कारण किसान आर्थिक संकट से जूझने के लिए मज़बूर हो गया है। यह आर्थिक नुक्सान बर्दाश्त करना उसकी मज़बूरी बन गया है। इसके अतिरक्त खाद, कीड़ेमार दवाईयां और डीज़ल का दाम निरंतर बढ़ता जा रहा है। इसलिए जो 10/– रूपये प्रति क्विंटल का रेट बढ़ाया

गया है यह ऊंट के मुंह में जीरे के समान है। यह भाव बिलकुल कम है। इसके बारे में मैं माननीय कृषि मंत्री जी से कहूंगा कि जैसे ये अपनी बात स्वयं ही कहा करते हैं कि मेरा डांस करने को दिल करता है और मेरा झूमने को दिल करता है। मैं कृषि मंत्री जी को कहना चाहूंगा कि गन्ने का रेट 10/– रूपये प्रति क्विंटल बढ़ाने में डांस करने वाली या झूमने वाली कोई वजह नहीं है। इसी प्रकार से मैं पानीपत की शुगर मिल के बारे में कहना चाहूंगा कि यह सही बात है कि यह मिल पानीपत शहर के बीच में आ गई थी। माननीय मुख्यमंत्री जी अक्तूबर, 2015 में पानीपत जिले के डाहर गांव में नई शुगर मिल की आधारशिला रखकर आये थे लेकिन आज तक भी वहां पर कोई काम शुरू नहीं हो पाया है। आज के समय में किसान की जी तोड़ मेहनत के बल पर और गन्ना उत्पादन की नई–नई तकनीकों को अपनाने से प्रति एकड़ गन्ने की निकासी में अप्रत्याशित वृद्धि हो गई है। पहले जहां पर साधारण तकनीकों से एक एकड़ में 150 क्विंटल से 200 क्विंटल गन्ने की पैदावार होती थी वह आज के समय में बढ़कर 400 क्विंटल, 450 क्विंटल और 500 क्विंटल प्रति एकड़ हो गई है। अब जिस प्रकार से गन्ने की पैदावार को वर्तमान राज्य सरकार 150 क्विंटल से 200 क्विंटल प्रति एकड़ के हिसाब से बॉण्ड करने जा रही है वह समय की और परिस्थिति की जरूरत के हिसाब से सही नहीं है क्योंकि मैं यह मानता हूं कि जितनी गन्ने की पैदावार प्रति एकड़ में आज हो रही है उस लिहाज़ से इस सारे के सारे गन्ने की पिराई सरकार द्वारा किए गए वर्तमान बंदोबस्त में नहीं हो सकेगी। पिछले वर्ष भी गन्ने की पिराई के सीज़न में मैंने माननीय कृषि मंत्री जी से अनुरोध किया था कि हमारे हरियाणा प्रदेश का गन्ना पंजाब में जा रहा है जहां पर किसान को उसे औने–पौने दामों पर बेचने के लिए मज़बूर होना पड़ रहा है। आज कृषि मंत्री जी कह रहे थे कि हमारी सरकार ने गन्ने के किसान की सारी की सारी पेमैंट की है और आज की तारीख में किसान का गन्ने का एक रूपया भी बकाया नहीं है। मैं माननीय कृषि मंत्री जी से जानना चाहूंगा कि जिन किसानों को औने–पौने दामों में अपना गन्ना दूसरे राज्यों में बेचना पड़ता है उससे किसानों को बचाने के लिए हरियाणा प्रदेश के पूरे गन्ने की सरकारी दामों पर पूरी खरीद के पुख्ता इंतज़ाम करने का काम आज से पहले किये जायें। सरकार द्वारा धान की खरीद के मामले में भी पुख्ता इंतज़ाम किये जाते हैं लेकिन वहां पर किसान से 150/– रूपये से 200/– रूपये प्रति क्विंटल के हिसाब से मॉस्चर के नाम को कटवाने पड़ते हैं। इसी प्रकार से आज प्रदेश के

बाजरा उत्पादक किसानों का बाजरा भी मण्डियों में सरकारी खरीद न होने के कारण बर्बाद हो रहा है। यह सब यही दर्शाता है कि सरकार के स्तर पर अभी तक बाजरे की सरकारी खरीद का भी पुख्ता इंतज़ाम नहीं किया गया है। स्पीकर सर, मैं आपके माध्यम से माननीय कृषि मंत्री जी को बताना चाहूंगा कि मुझे अंदेशा है कि जिस प्रकार से पिछले गन्ने के सीज़न में किसान को लुटना पड़ा था उसी प्रकार से गन्ना किसान की लूट इस बार भी होने जा रही है। (विघ्न) गन्ने के भाव में 10/– रूपये प्रति क्विंटल की बढ़ौतरी बहुत ही कम है। इसी प्रकार से 110/– रूपये प्रति क्विंटल के हिसाब से गेहूं का भाव भी बहुत ही कम बढ़ाया गया है। (विघ्न) सर, मेरी आपके माध्यम से माननीय मुख्यमंत्री और माननीय कृषि मंत्री जी से रिकवैस्ट है कि जल्दी से जल्दी शुगरकेन कंट्रोल बोर्ड की मीटिंग बुलाई जाये। जैसे कि आप सभी को पता है कि आज की तारीख में चीनी का भाव बहुत ऊंचा है इसलिए आपकी सरकार को उसी हिसाब से गन्ने के समर्थन मूल्य में बढ़ौतरी करनी चाहिए। मेरे विचार से अगर आज की तारीख के चीनी के भाव को देखते हुए सरकार 100/– रूपये प्रति क्विंटल के हिसाब से भी गन्ने के समर्थन मूल्य में बढ़ौतरी करे तो वह वॉयबल होगा और सरकार के स्तर पर इसमें किसी प्रकार की कोई परेशानी नहीं होनी चाहिए। अध्यक्ष महोदय, मैंने कांग्रेस के माननीय साथियों की ओर देखा तो मैंने यह पाया कि इस ध्यानाकर्षण प्रस्ताव पर कांग्रेस पार्टी के 14 माननीय साथियों ने हस्ताक्षर किये हैं लेकिन बड़े अफसोस की बात है कि ये लोग इस मामले में सीरियस नहीं हैं कि प्रदेश के गन्ना उत्पादक किसानों को गन्ने की पेमैंट ठीक प्रकार से हो और उनको उनकी फसल का अच्छा भाव मिले। इनकी पार्टी के 14 लोगों ने ध्यानाकर्षण प्रस्ताव पर हस्ताक्षर किये हैं लेकिन हाउस में इस ध्यानाकर्षण प्रस्ताव पर चर्चा के दौरान इनकी पार्टी के पहले तीन सदस्य ही बैठे थे जिनकी संख्या अब बढ़कर 5 हो गई है। यह इनकी मानसिकता को दर्शाता है कि ये प्रदेश के किसानों की समस्याओं को लेकर कितने सीरियस हैं? यही वजह है कि इंडियन नैशनल लोकदल जननायक चौधरी देवी लाल जी के समय से ही किसानों के हित के लिए बराबर लड़ाई लड़ती आ रही है क्योंकि हमारी पार्टी यह बात अच्छी तरह से समझती है कि किसानों के हक की लड़ाई हर मोर्चे पर लड़ना हमारी ड्यूटी है। स्पीकर सर, मैं आपके माध्यम से आज माननीय मुख्यमंत्री जी से एक निवेदन करना चाहूंगा कि जब हरियाणा प्रदेश में हमारी पार्टी की सरकार थी उस समय सरकारी स्तर पर बहुत से प्रयास किसानों

की समस्याओं के निदान के लिए किये गये थे। सर, मैं एक बात और आपके ध्यान में लाना चाहूंगा कि मेरा पेहवा विधान सभा क्षेत्र मारकण्डा व टांगरी नदी की वजह से फ्लडिड एरिया है। मेरे क्षेत्र में इन दोनों नदियों का ज्यादा पानी आने की वजह से जो जीरी की फसल है वह ज्यादातर खराब हो जाती है। चौधरी ओम प्रकाश चौटाला जी की सरकार के वक्त में पेहवा विधान सभा क्षेत्र के सहंसा गांव में एक शुगर मिल लगाने का निर्णय लिया गया था। सहंसा गांव की पंचायत ने इस शुगर मिल के लिए जमीन देने का निर्णय भी ले लिया था लेकिन किसी कारणवश इस पर स्टे हो गया जिस कारण से इस शुगर मिल की स्थापना नहीं हो पाई थी। स्पीकर सर, मेरा आपके माध्यम से माननीय मुख्यमंत्री जी से अनुरोध है कि वे इस बारे में फिर से सर्वे करवायें। पूरे हरियाणा प्रदेश में सबसे ज्यादा प्रति एकड़ गन्ने की पैदावार और गन्ने से चीनी की रिकवरी पेहवा क्षेत्र में होती है। पेहवा के क्षेत्र में जो गन्ना उगता है वह पूरे प्रदेश में सबसे ज्यादा मीठा होता है इसलिए मेरी पुरजोर मांग है कि इसका पुनः सर्वे करवाकर अगर वॉयबल हो तो पेहवा में शुगर मिल लगवाने के लिए जल्दी से जल्दी कार्यवाही की जाये। स्पीकर सर, आपने मुझे इस विषय पर बोलने के लिए समय दिया इसके लिए आपका बहुत–बहुत धन्यवाद।

श्री जगबीर सिंह मलिक : अध्यक्ष महोदय, आपने मुझे इस विषय पर बोलने के लिए समय दिया सबसे पहले तो इसके लिए आपका बहुत–बहुत धन्यवाद। सर, आज ये बहुत ही महत्वपूर्ण मुद्दा है। पिछले साल जो गन्ना उत्पादक किसान की बुरी हालत हुई वह सबके सामने है। हमारे माननीय कृषि मंत्री जी तो इस मामले में इतने सिंसियर हैं कि उन्होंने हरेक मामले की हां भर ली कि सब कुछ हो जायेगा। स्पीकर सर, मैं आपके माध्यम से माननीय कृषि मंत्री जी के नोटिस में यह बात लाना चाहता हूं कि मेरे गोहाना शुगर मिल के अधीन क्षेत्र में कुल 30 हज़ार एकड़ ज़मीन पर गन्ने की काश्त होती है और टोटल मिनिमम 90 लाख क्विंटल गन्ने की प्रोड्क्शन है। मेरे गोहाना क्षेत्र में गन्ने की पैदावार 400 से 450 क्विंटल प्रति एकड़ के हिसाब से होती है। अगर हम एवरेज़ 300 क्विंटल प्रति एकड़ मानकर चलें तो तब भी यह टोटल 90 लाख क्विंटल बैठती है। इसके विपरीत गोहाना शुगर मिल के लिए सिर्फ 40 लाख क्विंटल की बॉण्डिंग हुई है। पिछले साल 170 क्विंटल प्रति एकड़ की बॉण्डिंग हुई थी जबकि इस बार पहले 140 क्विंटल प्रति एकड़ की बॉण्डिंग हुई थी और उसके बाद नई बॉण्डिंग 140 क्विंटल प्रति एकड़ की हुई है।

सर, मैं आपके माध्यम से माननीय कृषि मंत्री जी से पूछना चाहता था हूं कि 400 से 450 क्विंटल प्रति एकड़ की पैदावार के लिए 140 या 120 क्विंटल प्रति एकड़ की बॉण्डिंग का कितना औचित्य है। कम बॉण्डिंग के कारण पिछली बार 35 लाख क्विंटल गन्ना क्रश हुआ था और 15–15 दिनों तक शुगर मिल्ज़ बंद रही थी लेकिन इस बार शुगर मिल्ज़ की अभी चलने की कोई सम्भावना नज़र नहीं आती है। सरकार ने इस बार 10/– रूपये प्रति क्विंटल के हिसाब से गन्ने का भाव बढ़ाकर बहुत बड़ी वाहावाही लूटने का प्रयास किया है। पिछली सरकार के समय में जब चीनी का भाव 30/– रूपये प्रति किलोग्राम था तो गन्ने का भाव 310/– रूपये से 320/– रूपये प्रति क्विंटल के बीच में था। आज की तारीख में चीनी का भाव 42/– रूपये प्रति किलोग्राम है मैं आपके माध्यम से सरकार से यह पूछना चाहता हूं कि इसके प्रपोर्शनेट गन्ने के रेट्स क्यों नहीं बढ़ रहे हैं ? अध्यक्ष महोदय, मैं सदन की और सरकार की जानकारी के लिए यह बताना चाहता हूं कि पिछले साल हमारे सोनीपत के इलाके का गन्ना धुरी शुगर मिल तथा रूड़की के पास पातड़ां शुगर मिल तक गया है। हजारों की संख्या में ट्रैक्टर हमने उत्तर प्रदेश चुनाव के दौरान देखे हैं। मैं आपके माध्यम से सरकार से यह पूछना चाहता हूं कि इस साल जो सवा गुणा गन्ने का रकबा बढ़ा है क्या वह प्रदेश से बाहर नहीं जायेगा? (शोर एवं व्यवधान)

डॉ. रघुवीर सिंह कादियानः अध्यक्ष महोदय, मैं व्यवस्था के बारे में आपसे पूछना चाहता हूं। हाउस में किसानों से संबंधित इतना गम्भीर मुद्दा चल रहा है और कोई भी सदस्य बीच में आपकी अनुमति के बिना कुछ भी बोल देता है। मेरा निवेदन यह है कि सभी माननीय सदस्यों को आप Rules of Procedure and Conduct of Business in Haryana Legislative Assembly की बुकलेट पढ़ने के लिए सर्कुलेट करें ताकि उनको पता चल सके कि उनको कब और क्या बोलना है? Rules of Procedure and Conduct of Business in Haryana Legislative Assembly के रूल्ज 97 में लिखा हुआ है कि Rules to be observed by Members, कम से कम मैम्बर्स को इन रूल्ज की जानकारी तो होनी चाहिए। ये आपकी शराफत का नाजायज फायदा उठाते हैं। (शोर एवं व्यवधान)

श्री अध्यक्षः कादियान जी, आप सीनियर हैं, अगर आप इनको सिखाते तो ये सीख जाते और इस तरह बीच में खड़े नहीं होते। मैंने इनको बैठने के लिए बोल दिया है।(शोर एवं व्यवधान)

डॉ. रघुवीर सिंह कादियानः अध्यक्ष महोदय, सिटिंग रनिंग कमैंट्री और बिना इजाजत लिए खड़े हो कर बोलने से सदन का बहुमूल्य समय बर्बाद होता है। (शोर एवं व्यवधान)

श्री अध्यक्षः कादियान जी, मैंने उनको बैठा दिया है।

श्री जगबीर सिंह मलिकः अध्यक्ष महोदय, क्या सरकार इस बात का जवाब देगी कि पिछले साल की तुलना में इस साल गन्ने का रकबा सवा गुणा बढ़ा है वह बाहर लेकर जाने की नौबत गन्ना उत्पादकों को नहीं आयेगी? हरियाणा में जितनी शुगर मिल्स हैं उनकी गन्ना पिराई की क्षमता बढ़ी है या नहीं बढ़ी है? इस बात का भी स्पष्ट जवाब सरकार की तरफ से दिया जाना चाहिए कि कुल गन्ना कितना है और शुगर मिल्ज की पिराई क्षमता कितनी है और क्या हमारी शुगर मिल्ज क्या इस सारे गन्ने की पिराई कर सकती हैं? जो बॉडिंग हुई है वह पहले से कम हुई है या नहीं? जो बॉडिंग के अतिरिक्त गन्ना बचता है किसान उसको कहां पर लेकर जायेंगे? उसका सरकार ने क्या समाधान किया है? क्या प्रदेश का गन्ना दूसरे राज्यों में जाना बंद हो जायेगा? क्या सरकार अपने खर्च से किसान को दूसरे राज्यों से उसको उसके गन्ने का पूरा भाव दिलवायेगी? अध्यक्ष महोदय, यह सरकार अपने आपको किसान हितैषी सरकार कहती है लेकिन मैं आपके माध्यम से सरकार को बताना चाहता हूं कि गोहाना की मंडी में 10 हजार क्विंटल पी.आर. धान पड़ा हुआ है जिसकी खरीद नहीं की जा रही है। एक सप्ताह से वहां पर धान की खरीद नहीं हो रही है। मैं ये अखबार की फोटो दिखाना चाहता हूं जिसमें धान के ढेर के ढेर पड़े हुये हैं लेकिन सरकारी खरीद नहीं हो रही है। सरकार अपने आपको किसान हितैषी कहती है लेकिन इन्होंने बाजरे की, गन्ने की, सूरजमुखी की और मक्का तक की बॉडिंग शुरू कर दी है। किसान जो पैदा करता है उसको बढ़ावा देना चाहिए ताकि वह ज्यादा पैदावार करे न कि उसको कम करना चाहिए? भारतीय जनता पार्टी के सदस्य कहते थे कि हम एक कलम से गेहूं का भाव 2100 रुपये प्रति क्विंटल करेंगे लेकिन नहीं किया गया। (शोर एवं व्यवधान)

श्री महीपाल ढांडाः अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से माननीय साथी श्री जगबीर सिंह मलिक से पूछना चाहता हूं कि किस सरकार में प्रदेश का गन्ना बाहर नहीं गया? (शोर एवं व्यवधान)

श्री अध्यक्षः महीपाल जी, आप बैठिये, आपको जो बताना था वह आपने बता दिया है।

श्री जगबीर सिंह मलिकः अध्यक्ष महोदय, इसी प्रकार से किसान हितैषी सरकार होने का दावा करने वाली भारतीय जनता पार्टी की सरकार ने किसानों पर भी जी.एस. टी. लगा दिया है। कृषि से संबंधित खाद, बीज, पेस्टीसाइड्स और ट्रैक्टर के स्पेयर पार्ट्स महंगे हो गये हैं तथा गन्ने का भाव 10 रुपये प्रति क्विंटल बढ़ा कर सरकार वाहवाही लूटना चाहती है। अध्यक्ष महोदय, मैं सदन के ध्यान में एक बहुत जरूरी बात लाना चाहता हूं कि केन्द्र सरकार ट्रैक्टर को नॉन ट्रांस्पोर्ट व्हीकलज की कैटेगरी से बाहर निकालना चाहती है और इसके लिए 27 अक्तूबर, 2017 तक ऑब्जैक्शन्स मांगे गये हैं। इसके बाद ट्रैक्टर पर रोड टैक्स भी लगेगा और ट्रैक्टर में यदि गन्ना, तूड़ी तथा अन्य कृषि उत्पाद जायेगा तो उस पर भी टैक्स लगेगा। जिससे सारे स्टेट का नुकसान होगा और किसान का भी नुकसान होगा । 27 तारीख तक केन्द्र सरकार ने ड्राफ्ट और ऑब्जैक्शन मांगे हैं कि क्यों न ट्रैक्टर्ज को नॉन ट्रांसपोर्ट व्हीकल्ज की कैटेगरी से बाहर कर दिया जाए । इसका मतलब तो ट्रैक्टर्ज ट्रांसपोर्ट का व्हीकल्ज हो जाएगा और ट्राली में जो भी सामान जाएगा उस पर टैक्स लगेगा तो मैं यह चाहता हूं कि सरकार इसके लिये ऑब्जैक्शंज फाईल करे क्योंकि किसान का ट्रैक्टर इस टैक्स से बाहर रखना चाहिए उसको टैक्स में शामिल नहीं करना चाहिए । मेरे ख्याल से पीछे जो किसान की दुर्गति हुई थी इस साल उससे भी ज्यादा किसान की बर्बादी होगी जिसका सारा खामियाजा सरकार को भुगतना पड़ेगा ।

डॉ0 रघुवीर सिंह कादियान : अध्यक्ष महोदय, आपने मुझे बोलने के लिए समय दिया इसलिए मैं आपका धन्यवाद करता हूं। एक बहुत ही जनहित के मुद्दे पर आज कालिंग अटैंशन मोशन आया है जिसका माननीय कृषि मंत्री की तरफ से जवाब भी आया है । इस जवाब में इन्होंने कहा है कि 13.10.2017 को शुगरकेन कंट्रोल बोर्ड की मीटिंग हुई थी । मुख्यमंत्री जी ने गन्ने का भाव 10 रूपये प्रति क्विंटल बढ़ाने के बारे में यहां अनाउंस किया है परंतु जो शुगरमिल्ज हैं वे कोऑपरेटिव सैक्टर में

आती हैं या प्राईवेट सैक्टर में आती हैं और गवर्नमैंट सैक्टर में कोई शुगरमिल्ज नहीं आती है । गन्ने की कीमत के भाव तय करने की जो अथौरिटी है वह शुगरकेन कंट्रोल बोर्ड को है और यह रेट उस समय बोर्ड की मीटिंग में ही तय होने चाहिए थे । इसके अलावा एक कॅन्सेप्ट यह भी आया था कि अगर किसी चीज का मूल्य तय करना हो तो उसकी बिजाई समय पर करनी चाहिए । अब जब क्रॉप सीजन है और आज मुख्यमंत्री जी की तरफ से मूल्य निर्धारित किया जा रहा है और वह भी शुगरकेन कंट्रोल बोर्ड की मीटिंग के 20 दिन बाद निर्धारित किया जा रहा है । इसका मतलब तो यह हुआ कि शुगरकेन कंट्रोल बोर्ड की जो अथोरिटी थी उसको मुख्यमंत्री जी आपने ले लिया है जबकि यह बोर्ड कोऑपरेटिव सैक्टर में आता है, जो एक संस्था है और इंडीपैंडेंट इंस्टीच्यूशंज हैं ।

कृषि मंत्री (श्री ओमप्रकाश धनखड़) : आदरणीय अध्यक्ष जी, शुगरकेन कंट्रोल बोर्ड का अध्यक्ष मैं हूं और उसी मीटिंग में ही बोर्ड ने मुझे सारे अधिकार दिए थे कि हम अपने अध्यक्ष को अधिकार देते हैं कि वह जो रेट चाहें तय कर लेवें । यह बात उस मीटिंग के मिनट्स में भी है । मैंने ही मुख्यमंत्री जी से निवेदन किया था कि आज ये कालिंग अटैंशन मोशन आया है इसलिए आज ये अच्छा मौका है कि आप इसकी घोषणा कीजिये । माननीय मुख्यमंत्री जी ने मेरे निवेदन पर इसकी घोषणा की है । इस पर आपको खुश होना चाहिए और सरकार की बड़ाई करनी चाहिए । आज सुबह ही मुख्यमंत्री जी, मैंने आपको निवेदन किया था और आपने मेरी बात मानी इसके लिए आपका बहुत–बहुत धन्यवाद ।

डॉ0 रघुवीर सिंह कादियान : अध्यक्ष महोदय, मंत्री जी ने जो फैक्ट बताए हैं वह हमारी नॉलेज में नहीं थे । स्पीकर सर, गन्ने का मूल्य तय करने का एक फॉर्मूला है । एक क्विंटल गन्ने में कितनी चीनी निकलती है अर्थात् उसमें रिकवरी कितने प्रतिशत है, इसमें रिकवरी 10 प्रतिशत से शुरू हो कर 11 प्रतिशत और 12 प्रतिशत तक है और उसके हिसाब से गन्ने का रेट तय होता है। जैसे संधू साहब कह रहे थे कि हमारे इलाके में सबसे ज्यादा रिकवरी है । अगर एक क्विंटल गन्ने में 12 किलोग्राम चीनी निकलती और उसका रेट मार्किट के हिसाब से 480 रूपये है इस प्रकार 10 प्रतिशत के हिसाब से या 11 प्रतिशत के हिसाब से जो रेट ऑफ शुगरकेन है वह तय होना चाहिए ताकि किसान को अपने गन्ने का एक लाभकारी मूल्य मिल सके और उसकी खुशहाली का सपना भी पूरा हो सके। मेरा मंत्री जी से निवेदन है कि वह इस बात को लेकर रिकंसीडर करें और गन्ने का जो भाव है

उसमें दोबारा से बढ़ोत्तरी की जाए । मेरा सबमीशन है कि क्या मंत्री जी गन्ने के भाव में बढ़ोतरी करेंगे ? स्पीकर सर, मैं अपने द्वारा पूछे जाने वाले प्रश्न के "बी" पार्ट के रूप में सरकार द्वारा जो शुगर मिल्ज को नवम्बर के प्रथम सप्ताह में चलाने का निर्णय लिया गया है, उसके लिए मैं सरकार को एप्रिसिएट करना चाहूंगा। (इस समय सत्ता पक्ष की तरफ से मेजें थपथपाई गई।) अब चूंकि सरकार ने सभी शुगर मिल्ज को नवम्बर माह के प्रथम सप्ताह में चलाने का जो निर्णय लिया है, क्या इसमें प्राइवेट शुगर मिल्ज को भी शामिल किया जा रहा है या नहीं? तीसरा मेरे प्रश्न का "सी" पार्ट है वह गन्ने के ट्रांसपोर्टेशन से संबंधित है। अध्यक्ष महोदय, गन्ने के ट्रांसपोर्टेशन के दो तरीके होते हैं। एक तरीके में तो किसान खुद चीनी मिल में गन्ना लेकर आता है और दूसरा तरीका यह होता है कि किसी अन्य ट्रांसपोर्ट के माध्यम से चीनी मिल में गन्ना लाया जाता है। मान लो किसी किसान का खेत शुगर मिल से 50 किलोमीटर दूर है तो स्वाभाविक सी बात है उस किसान को ट्रांसपोर्टेशन चार्जिज ज्यादा देने पड़ेंगे और जिस किसान का खेत शुगर मिल के नजदीक होगा उसको ट्रांसपोर्टेशन चार्जिज कम देने पड़ेंगे। मेरे कहने का मतलब यह है कि जिस किसान का घर या खेत शुगर मिल से 50 किलोमीटर दूर है, उसका क्या गुनाह है कि उसको अपना गन्ना शुगर मिल में लाने के लिए ज्यादा ट्रांसपोर्टेशन चार्जिज देने पड़े? अध्यक्ष महोदय, ट्रांसपोर्टेशन चार्जिज हर किसान के लिए समान होने चाहिए।(शोर एवं व्यवधान)

लोक निर्माण मंत्री (श्री नरबीर सिंह): अध्यक्ष महोदय, कादियान जी तो इस प्रकार से बात कर रहे हैं जैसे कि हर किलोमीटर पर ही शुगर मिल खोल दी जाये? (शोर एवं व्यवधान)

श्री महीपाल ढांडा: अध्यक्ष महोदय, आज ये लोग किसान हितैषी होने का ढोंग कर रहे हैं जब 10 वर्ष तक इनकी सरकार रही, तब तो इन्होंने इस बारे में कुछ नहीं सोचा?(शोर एवं व्यवधान)

श्री तेजपाल तंवर: अध्यक्ष महोदय, इन लोगों को किसान के हितों से कोई लेना देना नहीं है यह तो अपनी राजनीति कर रहे हैं?(शोर एवं व्यवधान)

डॉ. रघुवीर सिंह कादियान: अध्यक्ष महोदय, मैं महीपाल जी और तेजपाल तंवर जी को केवल यही कहना चाहता हूँ कि क्या किसी बात को पूछने का सदन में मेरा अधिकार नहीं है? (शोर एवं व्यवधान) अध्यक्ष महोदय, हरियाणा प्रदेश की सरकार

अगर किसानों के वैल्फेयर में सोचने वाली सरकार है तो ट्रांसपोर्टेशन चार्जिज समान किए जाने चाहिए। (शोर एवं व्यवधान) अध्यक्ष महोदय, अगर मैंने यह पूछ लिया कि क्या सरकार ट्रांसपोर्टेशन चार्जिज बराबर करेगी, तो इसके लिए इतना शोर मचाने की क्या जरूरत है?(शोर एवं व्यवधान)

श्रीमती किरण चौधरीः अध्यक्ष महोदय, यह तेजपाल तंवर बात बात पर बीच में खड़ा होकर बोलने लग जाता है। यह ठीक नहीं है। आप इसको बिठायें और हमारी पार्टी के माननीय सदस्य को अपनी बात रखने दें।(शोर एवं व्यवधान)

श्री अध्यक्षः तेजपाल जी, आप प्लीज बैठिए।(शोर एवं व्यवधान)

डॉ. रघुवीर सिंह कादियानः अध्यक्ष महोदय, अब मैं आखिर में अपने प्रश्न के ''डी'' भाग के रूप में शुगर मिल्ज में जो बॉडिंग होती है, के विषय पर पूछना चाहूंगा। बॉडिंग के माध्यम से किसान को एक तरह से बाध्य कर दिया जाता है कि वह गन्ने की कितनी बिजाई करेगा। इसके अतिरिक्त बॉडिंग के माध्यम से गन्ना उत्पादक किसान को गन्ने के उत्पादन के कम–ज्यादा होने, अप्रैल–मई तक कितना गन्ना पैदा करेगा तथा गन्ने के किसी बाहरी स्टेट में ले जाने या न ले जाने संबंधी अनेक प्रकार की तमाम तरह की औपचारिकताओं को पूरा करना होता है। इस संबंध में मैं सरकार से पूछना चाहता हूँ कि क्या सरकार क्रॉपिंग पैर्टन आधारित कोई ऐसी पॉलिसी बनायेगी कि किसान अपनी रिक्वॉयरमैंट के हिसाब से गन्ने की बिजाई कर सके?

श्री अध्यक्षः ठीक है, कादियान जी अब आप बैठिए और अरोड़ा जी आप अपनी बात रखिए।

श्री घनश्याम अरोड़ाः अध्यक्ष महोदय, आपने मुझे बोलने के लिए अवसर दिया इसके लिए मैं आपका धन्यवाद करता हूँ। माननीय मुख्यमंत्री महोदय ने गन्ने की कीमत में 10 रूपये प्रति क्विंटल की वृद्धि करके किसान हितैषी होने का प्रमाण दिया है। इसके लिए मैं माननीय मुख्यमंत्री जी तथा उनकी कैबिनेट का तहे दिल से धन्यवाद करता हूँ। (इस समय सत्ता पक्ष की तरफ से मेजें थपथपाई गई।) (शोर एवं व्यवधान)

डॉ. रघुवीर सिंह कादियानः अध्यक्ष महोदय, 10 रूपये की बढ़ोतरी तो किसानों के साथ मजाक है?(शोर एवं व्यवधान)

श्री उदय भानः अध्यक्ष महोदय, सरकार को 10–20 रूपये तक सीमित रहकर काम नहीं करना चाहिए बल्कि किसान के हित में खुले दिल से काम करना चाहिए।(शोर एवं व्यवधान)

श्री घनश्याम दास अरोड़ाः अध्यक्ष महोदय, सदन में अनेक विषय उठाये गए जिनके बारे में हमारे कईं माननीय साथी विधायकों ने घटाकर तो कई सदस्यों ने बढ़ाकर उन विषयों के बारे में जानकारी दी लेकिन बावजूद इसके मैं इस दिशा में न जाकर सरकार को कुछ सुझाव देना चाहता हूँ। अध्यक्ष महोदय, किसान कितने एरिया में गन्ने की बिजाई कर पायेगा इसको पहले से तय नहीं किया जा सकता। गन्ने की गेहूं और धान का जो मूल्य किसान को प्राप्त होता है, उसी मूल्य के अनुपात के आधार पर किसान प्रति एकड़ गन्ने की बिजाई करता है। (शोर एवं व्यवधान)

श्री अध्यक्षः देखिये, इस तरह शोर मचाना ठीक नहीं है।(शोर एवं व्यवधान) घनश्याम अरोड़ा जी को कृषि का भी अच्छा खासा अनुभव है।(शोर एवं व्यवधान) इन्होंने तो स्वामीनाथन के साथ भी काम किया है।(शोर एवं व्यवधान) इनको गन्ने के विषय की बहुत अच्छी जानकारी है।(शोर एवं व्यवधान)

डॉ. रघुवीर सिंह कादियानः अध्यक्ष महोदय, कालिंग अटैंशन मोशन पर चर्चा चल रही है और अरोड़ा जी बीच में बोलने लग गए हैं। ऐसा थोड़ा ही होता है।(शोर एवं व्यवधान) जब कालिंग अटैंशन मोशन पर चर्चा हो रही हो तो संबंधित मंत्री या सदन के नेता को जवाब देना होता है लेकिन अरोड़ा जी बीच में बोलना शुरू हो गये और न इन्होंने बोलने के लिए आपसे कोई प्वायंट ऑफ आर्डर ही मांगा है? अतः इनके द्वारा इस समय बोलना ठीक नहीं है।(शोर एवं व्यवधान) अध्यक्ष महोदय, इसके लिए मैं आपसे रूलिंग मांगता हूँ। (शोर एवं व्यवधान)

श्री अध्यक्षः देखिये, अरोड़ा साहब मेरी परमीशन से ही बोल रहे हैं और जहां तक रूलिंग की बात है तो सदन की कुछ अपनी प्रथायें भी तो होती हैं। आप प्लीज बैठिए मैं आपको भी फिर बोलने का मौका दे दूंगा। (शोर एवं व्यवधान)

शिक्षा मंत्री (श्री राम बिलास शर्मा) : अध्यक्ष जी, माननीय सदस्य श्री घनश्याम दास अरोड़ा को सरस्वती शुगर मिल को चलाने का लगभग 40 साल का अनुभव है । (विघ्न) गन्ने और गन्ना उत्पादक किसानों की समस्याओं की जितनी जानकारी माननीय सदस्य घनश्याम दास जी को है उतनी नॉलेज किसी अन्य सदस्य को नहीं है । (विघ्न)

श्री अध्यक्ष : माननीय सदस्य अरोड़ा जी के नाम के पीछे लगे 'अरोड़ा' को देखकर माननीय सदस्यों को लगता है कि इनको गन्ने और शुगर मिलों के बारे में क्या जानकारी होगी । आप एक बार घनश्याम जी से खेती की बात कर लें तो आपको पता चल जाएगा कि उनको खेती की सभी सदस्यों से ज्यादा जानकारी है । (विघ्न) आप जिस स्वामीनाथन की बात कर रहे हो उसके साथ घनश्याम जी ने काम किया हुआ है । (विघ्न)

सरदार जसविन्द्र सिंह संधू : अध्यक्ष महोदय, अगर माननीय सदस्य घनश्याम जी को खेती की इतनी ही जानकारी है तो फिर वे गन्ने के भाव में 10 रूपये प्रति क्विंटल की बढ़ोतरी पर भी मेज क्यों थपथपा रहे थे ? (विघ्न)

श्री घनश्याम दास : अध्यक्ष जी, जब माननीय सदस्य संधू जी की पार्टी की प्रदेश में सरकार थी तो उस समय यमुनानगर के किसान गन्ने के रेट में बढ़ोतरी को लेकर 4 साल तक आन्दोलन करते रहे । उस समय माननीय सदस्य ने उनकी तरफ कोई ध्यान नहीं दिया । संधू जी ने गन्ने के जो रेट तय किये थे ये तो किसानों को वे रेट भी नहीं दिलवा पाये थे लेकिन ये हमारी ऐसी बातें सुनना नहीं चाहते । (विघ्न)

सरदार जसविन्द्र सिंह संधू : अध्यक्ष जी, हमारी सरकार के समय प्रदेश में गन्ने का रेट सारे देश में सबसे ज्यादा था । उस समय आदरणीय चौधरी ओम प्रकाश चौटाला जी ने प्रदेश के किसानों को गन्ने का रेट सारे देश में सभी राज्यों से ज्यादा दिया था । (विघ्न)

श्री घनश्याम दास : अध्यक्ष महोदय, प्रदेश में गन्ने की बिजाई कितने क्षेत्रफल पर होगी यह बात धान और गेहूं के मूल्य के अनुपात में और गन्ने की प्रति एकड़ से कितनी आमदनी होती है, उस पर निर्भर करती है । दूसरी बात, आज लोगों में ब्राउन रंग की शुगर, गुड़, खाण्ड और शक्कर इत्यादि का प्रयोग करने की एक आदत बन रही है । हम इन चीजों को परम्परागत तरीके से बना रहे हैं । यदि हम इन पर अध्ययन करके और खोज करके साइंटिफिक तरीके से बनाएं तो चीनी मिलों पर गन्ने का दबाव कम हो सकता है । ऐसा मेरा मानना है । इसके साथ–साथ चीनी मिलों की जो पिराई की क्षमता है उसकी इकॉनोमिक वायबिलिटी नहीं बनती । अगर चीनी मिलों की क्षमता को बढ़ाया जाएगा तो जो चीनी मिलें अपनी लागत पूरी नहीं कर पा रही है या लाभ नहीं कमा पा रही है हम उनकी पिराई क्षमता को बढ़ाकर लाभ कमा सकते हैं । इसके अतिरिक्त मैं एक अन्य

सुझाव भी देना चाहूंगा कि जब तक चीनी मिलें चीनी बनाने को ही इम्पोर्टेंस देती रहेंगी और कोजैंट की तरफ नहीं बढ़ेंगी चाहे फिर एथेनॉल का उत्पादन हो या बिजली का उत्पादन हो तब तक चीनी मिलों को इकॉनोमिकली वायबल बनाना कठिन होगा । सदन में यह बात कही गई कि हरियाणा प्रदेश में गन्ने के रेट्स को जो बढ़ाया गया वह काफी देरी से बढ़ाया गया है । मैं सदन को एक और जानकारी देना चाहता हूं कि हमारे पड़ोसी राज्यों में चीनी मिलें चल रही हैं लेकिन उन्होंने अभी तक गन्ने के रेट्स की घोषणा नहीं की है । मैं माननीय मुख्य मंत्री जी और माननीय मंत्री जी से एक निवेदन करना चाहता हूं कि हमें शुगर मिलों को वायबल बनाने के लिए कोजैंट की तरफ बढ़ना होगा, मिलों की पिराई क्षमता बढ़ानी होगी और गुड़–खाण्ड–शक्कर की नई यूनिटें लगाकर इनको प्राकृतिक तरीके से बनाया जाएगा तो निश्चित रूप से हम इनको जनता में लोकप्रिय कर पाएंगे । (विघ्न)

डॉ. रघुवीर सिंह कादियान : अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से माननीय मंत्री जी से पूछना चाहता हूं कि क्या हरियाणा में कहीं पर 'ब्राउन शुगर' पैदा की जाती है ? (विघ्न)

13:00 बजे

श्री ओम प्रकाश धनखड़ : अध्यक्ष महोदय, जब हम किसी होटल वगैरह में जाते हैं तो एक शक्कर जैसी चीनी मिलती है और एक सफेद चीनी मिलती है। जो सफेद जैसी रंग की चीनी मिलती है उसी को ब्राउन रंग की शुगर कहते हैं। (शोर एवं व्यवधान)

श्रीमती किरण चौधरी : अध्यक्ष महोदय, चॉकलेट डालकर जैसा रंग होता है, उसी तरह से ब्राउन रंग की शुगर होती है । (शोर एवं व्यवधान) यह आर्गेनिक नहीं होती है। (शोर एवं व्यवधान)

श्री ओम प्रकाश धनखड़ : बहन जी, ऐसा नहीं होता है। (शोर एवं व्यवधान)

श्री कर्ण देव कम्बोज : ब्राउन रंग की शुगर सल्फर होती है। (शोर एवं व्यवधान)

श्री आनन्द सिंह दांगी : अध्यक्ष महोदय, सबसे पहली बात तो यह है कि ब्राउन रंग की शुगर न तो श्रीमती किरण चौधरी को पता है और न ही श्री ओम प्रकाश धनखड़ को पता है। क्योंकि दोनों ऐसे इलाके में पैदा हो रहे हैं जहां पर गन्ना पैदा होता ही नहीं। (हंसी) इनके इलाके में बाजरा पैदा होता है और सरकार उसे खरीद नहीं रही है। (हंसी)

मुख्यमंत्री (श्री मनोहर लाल) : दांगी जी, आप ही सदन को बता दो कि ब्राउन शुगर क्या होती है?

श्री आनन्द सिंह दांगी : मुख्यमंत्री महोदय जी ब्राउन रंग की शुगर होती ही नहीं है। हमारी शुगर मिल में तो सल्फर होती है। अध्यक्ष महोदय, शुगर केन का मुद्दा बहुत ही महत्वपूर्ण मुद्दा है और यह एक ऐसी फसल है जिसके उत्पादन में पूरा एक साल का समय लगता है। दूसरी फसलों का हर 6 महीने में उत्पादन हो जाता है और कुछ फसलों का इससे कम समय में भी उत्पादन हो जाता है लेकिन गन्ने की फसल में पूरा एक साल का समय लगता है। अध्यक्ष महोदय, उसी हिसाब से इसके उत्पादन करने में या बिजाई करने में खर्चा भी ज्यादा पड़ता है। कम्पैरेटिव गन्ने के भाव को देखें तो मैं कहता हूँ कि गन्ना का भाव बहुत कम है। पहली बात तो यह है कि जिस तरह से चीनी का भाव बढ़ता है उसी तरह से गन्ने का भाव बढ़ा कर गन्ना उत्पादक किसानों को देना चाहिए। क्योंकि सारी चीजें गन्ने से बनती है। किसान ने गन्ना का उत्पादन किया तो चीनी बनी और चीनी बनी तो सारी चीजें बनी। उस हिसाब से किसानों को चीनी के भाव के मुताबिक ही गन्ने का भाव मिलना चाहिए। अध्यक्ष महोदय, असली बात तो यह है कि गन्ने की फसल बहुत ज्यादा महंगी पड़ती है। डॉ0 कादियान जी ने जो बात कही उसे हंसी मजाक में लिया गया लेकिन उन्होंने बहुत ही जरूरी बात सदन में कही है। क्योंकि एरियावाईज न जाने कितनी दूरी से गन्ना किसानों का गन्ना शुगर मिलों में आता है। कई जगहों पर कांटे (गन्ना सैंटर) लगाए जाते हैं और किसान वहीं पर अपना गन्ना डाल देते हैं। बहुत से किसान अपने–अपने साधनों से गन्ना शुगर मिल के गेट तक ले जाते हैं। अध्यक्ष महोदय, जो किसान अपना गन्ना सरकार द्वारा बनाए गए कांटे (गन्ना सैंटर) पर डाल देते हैं, सरकार उन गन्ना किसानों का गन्ना सैंटर से शुगर मिल में पहुँचाने का बहुत ज्यादा प्रति क्विंटल रेट के हिसाब से किराया काटती है। अध्यक्ष महोदय, इसमें भी एक वैरीएशन है कुछ किसान तो 20 किलोमीटर की दूरी से आकर कांटे पर गन्ना डाल देते हैं, कुछ किसान 40 किलोमीटर की दूरी से आकर कांटे पर गन्ना डाल देते हैं और कुछ किसान सिर्फ 5 किलोमीटर की दूरी से ही आकर कांटे पर गन्ना डाल देते हैं। अध्यक्ष महोदय, 5 किलोमीटर की दूरी से आए हुए गन्ने पर भी उतना ही पैसा काटा जाता है जितना 40 किलोमीटर की दूरी से आए हुए गन्ने पर कटता है। अध्यक्ष महोदय, सरकार को दूरी को ध्यान में रखकर ही किराया काटना चाहिए न कि सभी का एक समान

रूप से काटना चाहिए। इससे किसानों को बहुत ज्यादा नुकसान होता है और उसे काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ता है। क्योंकि जो किसान अपना गन्ना दूर से लेकर आता है उसका काफी समय और पैसा लगता है। अध्यक्ष महोदय, दूरी के हिसाब से ही किराया कटना चाहिए। मेरे कहने का मतलब यह है कि जो गन्ना किसान दूर से गन्ना लाकर कांटे (गन्ना सैंटर) पर डाल देते हैं, उनको कम दूरी से गन्ना लाने वाले किसानों की अपेक्षा ज्यादा सहूलियत देनी चाहिए। अध्यक्ष महोदय, इसमें किसी भी गन्ना किसान को कोई भी ऑब्जैक्शन नहीं होगा। अध्यक्ष महोदय, बॉण्डिंग की भी बहुत भारी समस्या रही है। ऐसा कोई भी खेत नहीं होगा जिसमें 200 क्विंटल गन्ना पैदा न होता होगा। मैं तो यह कहता हूँ कि दो सौ, तीन सौ या चार सौ अब तो जो नया सिस्टम गन्ने की बिजाई का आया हुआ है उससे पांच सौ या छः सौ क्विंटल की पैदावार भी हो सकती है। अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से सदन को बताना चाहूंगा कि इस समय गन्ने का पीक सीजन चल रहा है, इस सीजन में लगभग 500 से 600 क्विंटल प्रति एकड़ तक गन्ने की पैदावार हो सकती है, लेकिन हमारी सरकार की तरफ से गन्ने की बॉन्डिंग 140 क्विंटल पर एकड़ के हिसाब से होती है। अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से इस सदन को बताना चाहूंगा कि सरकार ने इस साल गन्ने की बॉन्डिंग 140 क्विंटल पर एकड़ के हिसाब से रखी है, जबकि पिछले साल यह 170 क्विंटल पर एकड़ थी। अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से माननीय मंत्री जी से पूछना चाहता हूं कि जिस किसान के खेत में 400, 500 या 600 क्विंटल गन्ने की पैदावार होती है और सरकार उसके पूरे गन्ने की खरीद नहीं करती है तो वह किसान गन्ना कहां पर सप्लाई करेगा और कहां ले जाएगा। अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से सदन को बताना चाहूंगा कि पिछले साल मंत्री जी ने किसानों को आश्वासन दिया था कि हम किसानों के गन्ने की एक–एक पोरी को खरीदेंगे और उसे शुगर मिलों तक पहुंचायेंगे। अध्यक्ष महोदय, अगर हम पिछले साल की बात करें तो गन्ने की हजारों–हजारों ट्रॉलियां हमारे हरियाणा प्रदेश से यू.पी. में गई हैं। अध्यक्ष महोदय, पहले की बात करें तो पहले यू. पी. का गन्ना हमारे प्रदेश में आता था, लेकिन पिछले साल का रिकॉर्ड है कि हजारों ट्रॉलियां पानीपत, करनाल और यमुनानगर से होकर यू.पी. में गई हैं और इसका कारण यही था कि प्रदेश में किसानों ने जितना गन्ना पैदा किया, उतनी हमारे प्रदेश की शुगर मिलों में पिराई की कैपेसिटी नहीं थी। अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से सदन को बताना चाहूंगा कि जब गन्ने की बॉन्डिंग होती है तो

उसी समय किसान परेशान हो जाता है कि इतना सारा गन्ना वह कहां सप्लाई करेगा। अध्यक्ष महोदय, सरकार इस हिसाब से किसानों के लिए कौन–सा इंतजाम करती है, उसे देखने की जरूरत है। (इस समय उपाध्यक्ष महोदया पदासीन हुई) उपाध्यक्ष महोदया, मैं आपके माध्यम से मंत्री महोदय को बताना चाहूंगा कि आज हमारे प्रदेश में शुगर मिलों की कैपेसिटी बढ़ाने की आवश्यकता है, क्योंकि इससे हरियाणा प्रदेश को फायदा ही होगा और यह जितना जल्दी हो सके किया जाना चाहिए। उपाध्यक्ष महोदया, जब किसाना अपने प्रदेश का गन्ना दूसरे राज्यों में ले जाता है तो वहां पर हमारे किसानों को रेट कम मिलता है। उपाध्यक्ष महोदया, यहां पर सरकार ढिंढ़ोरा पीटती है कि हमने किसानों को सभी राज्यों से ज्यादा गन्ने का रेट दिया है, लेकिन किसान मजबूरी में दूसरे प्रदेशों में अपने गन्ने को ले जाता है और उसे दूसरे प्रदेशों में गन्ने का 50, 60, 100 रुपए तक कम रेट मिलता है। उपाध्यक्ष महोदया, इससे हमारे प्रदेश के किसानों को बहुत नुकसान होता है और अगर उन्हें नुकसान हो रहा है तो इसका मतलब यह हुआ कि हमारे प्रदेश को भी नुकसान हो रहा है। उपाध्यक्ष महोदया, इस पर सरकार को गंभीरतापूर्वक विचार करना चाहिए और सरकार के द्वारा इसका जल्द से जल्द हल निकालना जाना चाहिए।

श्री मूल चंद शर्माः उपाध्यक्ष महोदया, मैं आपके माध्यम से माननीय सदस्य को पूछना चाहूंगा कि इनकी सरकार ने 10 सालों तक किसानों के लिए क्या किया। (विघ्न)

श्री आनंद सिंह दांगीः उपाध्यक्ष महोदया, मैं आपके माध्यम से माननीय सदस्य से पूछना चाहता हूं कि मैं किसान हित की बात कर रहा हूं तो क्या मैं कोई गलत बात कह रहा हूं ?

डा. पवन सैनीः दांगी जी, आप सही बात कह रहे हैं। हम माननीय मुख्यमंत्री जी का धन्यवाद करेंगे कि ये आपकी बातों को सुन रहे हैं।

श्री आनंद सिंह दांगीः उपाध्यक्ष महोदया, मैं आपके माध्यम से माननीय सदस्य को बताना चाहूंगा कि मुख्यमंत्री जी हमारे हल्के के ही हैं और मैं इनका मामा लगता हूं। ये मेरी बात नहीं सुनेंगे तो किसकी सुनेंगे। मैं तो अपना काम इनके हाथ पकड़ कर भी करवा सकता हूं। (हंसी की आवाजें आईं)

उपाध्यक्ष महोदयाः दांगी जी, आप कन्टीन्यू करें।

श्री आनंद सिंह दांगीः उपाध्यक्ष महोदया, हम लोग आज गन्ने की बात कर रहे हैं और यह बहुत ही महत्वपूर्ण मुद्दा है। उपाध्यक्ष महोदया, गन्ने का अच्छा रेट न मिलने से हमारे प्रदेश का किसान बहुत ही दुखी और परेशान हो जाता है, क्योंकि यह एक तरह से हमारे प्रदेश के किसानों के लिए कैश–क्रॉप है। लेकिन मैं यह कहना चाहता हूं कि किसान को गन्ने की बिजाई में सरकार को हर संभव मद्द करनी चाहिए और गन्ने की समय पर पेमैंट होनी चाहिए तभी जाकर किसान का भला हो सकता है । हम सबका फर्ज और कर्तव्य बनता है कि हम किसान का हक और हिसाब समय पर दें । बिजाई के वक्त हमें किसान की मद्द करनी चाहिए क्योंकि आज के दिन खाद और बीज बहुत महंगा हो गया है । गन्ने की बिजाई में 25 से 30 क्विंटल बीज प्रति एकड़ लगता है, कोई यह न समझे कि एक–दो किलो बीज में काम चल जाता है ।

उपाध्यक्ष महोदया : दांगी साहब, आप कंक्ल्यूड करें ।

श्री आनंद सिंह दांगी : उपाध्यक्ष महोदया, आप तो हमारी बहन हैं और किसान परिवार से हैं । मैं तो किसान के हक की बात ही कर रहा हूं । मैं जो बातें किसान की भलाई के लिए कह रहा हूं इन सभी बातों पर विशेष ध्यान देना सरकार का दायित्व बनता है । पिछली बातें कहकर सरकार को अपनी जिम्मेवारी से नहीं हटना चाहिए । चाहे किसी प्रकार की भी बात है सत्तापक्ष की जिम्मेवारी बनती है कि वह किसानों की भलाई के लिए हर संभव कार्य करे । जहां तक गन्ने का भाव 10 रुपये प्रति क्विंटल बढ़ाने की बात है यह बहुत कम बढ़ाया गया है । आज के जमाने में भिखारी भी 10 रुपये पकड़ने में दिक्कत सी महसूस करता है । इसमें मेरा यही कहना है कि गन्ने का भाव चाहे सरकार कितना भी बढ़ाये लेकिन 10 रुपये प्रति क्विंटल से ज्यादा बढ़ना चाहिए । यह प्रदेश की आज की परम्परा नहीं है बल्कि हमेशा यह रेट बढ़ता आया है ।

श्री कर्णदेव कम्बोज : उपाध्यक्ष महोदया, 10 रुपये प्रति क्विंटल गन्ने का भाव बढ़ने से एक एकड़ में किसान को 3 हजार रुपये का फायदा होगा ।

श्री आनंद सिंह दांगी : उपाध्यक्ष महोदया, यह किसान की भलाई की बात है । यदि किसान को 10 हजार रुपये भी ज्यादा मिलें तो अच्छा है क्योंकि किसान दिन–रात मेहनत करके पैदावार करता है । रात को किसान को सांप या दूसरे जानवर भी काटने का जोखिम रहता है । किसान अनाज पैदा करके हमारा पेट

पालते हैं इसलिए उनको 3 हजार की बजाय 10 हजार का फायदा भी दे दिया जाये तो भी कम है । किसान को न कोई तनख्वाह मिलती है और न कोई पेंशन मिलती है । जो वह खेत में पैदा करता है उसी से अपना गुजारा करता है और पूरे देश का पेट पालता है इसलिए किसान को जितना फायदा दिया जाये वह कम है। मेरा मुख्यमंत्री जी और कृषि मंत्री जी से निवेदन है कि सोच–विचार करके गन्ने का भाव 10 रुपये से ज्यादा बढ़ाया जाये । उपाध्यक्ष महोदया, सरकार की तरफ से कहा जाता है कि आज के दिन पूरे देश में हरियाणा प्रदेश के किसानों को गन्ने का सबसे ज्यादा रेट दिया जा रहा है । इस बारे में मैं कहना चाहूंगा कि ऐसा केवल इसी सरकार ने नहीं किया है बल्कि हरियाणा प्रदेश में हमेशा से ही जो भी सरकार रही हों वे किसानों को पूरे देश में गन्ने का सबसे ज्यादा रेट देती रही हैं । अगर मेरी बात पर विश्वास नहीं हो रहा है तो रिकार्ड निकालकर देख लिया जाये। गन्ने की फसल पकने में लम्बा समय लगता है इस दौरान यदि दूसरी फसल की जायें तो दो–तीन फसल हो जाती हैं । गन्ने की फसल पकने में एक साल का समय लगता है और कभी अच्छी हो जाती है, कभी माड़ी भी हो जाती है इसलिए इसका रेट ज्यादा बढ़ाया जाये । मेरा यही अनुरोध है कि गन्ने की फसल पैदा करने में किसान की जितनी मदद की जाये वह कम है और जो यह रेट बढ़ाया गया है इसको रीकंसीडर करके ज्यादा बढ़ाया जाये । धन्यवाद ।

डा. रघुवीर सिंह कादियान : उपाध्यक्ष महोदया, सरकार ने जो ये 10 रुपये प्रति क्विंटल गन्ने का भाव बढ़ाया है इस पर दोबारा से विचार करना चाहिए । गन्ना की पैदावार में होने वाले खर्चों में इनफ्लेशन 7–8 प्रतिशत हुई है यदि उसके हिसाब से भी देखा जाये तो 30 रुपये प्रति क्विंटल की बढ़ौत्तरी बनती है ।

श्री परमिन्दर सिंह ढुल : भूना शुगल मिल को कांग्रेस पार्टी की सरकार के समय में प्राईवेट पार्टी को बहुत कम रेट पर बेच दिया गया था और मुख्यमंत्री जी ने उसकी इन्क्वायरी करवाने की बात कही थी । क्या उसकी इन्क्वायरी करवाई जायेगी? एग्रीमैंट के मुताबिक जिस पार्टी को यह शुगर मिल बेची गई थी उसे दोबारा चालू करना था क्या वहां दोबारा शुगर मिल को चालू करवाया जायेगा ? इस बारे में सरकार जानकारी अवश्य दे । भूना शुगर मिल का एरिया जींद और महम में जोड़ा गया था यदि उसको वापिस भूना से जोड़ दिया जायेगा तो वहां पर गन्ने की आवक भी पूरी हो जायेगी । इसलिए एग्रीमैंट के मुताबिक इस शुगर मिल को दोबारा शुरू करवाया जाये ।

श्री हरिचंद मिड्डा : उपाध्यक्ष महोदया, मेरा ध्यानाकर्षण प्रस्ताव नहीं है लेकिन मैं मुख्यमंत्री जी से एक छोटा सा सवाल पूछना चाहूंगा कि क्या जींद शुगर मिल की क्षमता सरकार बढ़ायेगी और यदि बढ़ायेगी तो कब तक कितनी क्षमता बढ़ाई जायेगी?

श्री ओम प्रकाश धनखड़ : आदरणीय उपाध्यक्ष महोदया, आज इस ध्यानाकर्षण प्रस्ताव पर जिस समय डा. रघुवीर सिंह कादियान जी बोल रहे थे मैं इनमें एग्रीकल्चर साईंटिस्ट देख रहा था। डाक्टर साहब क्रौप मैंनेजमैंट और क्रौप मार्केट मैंनेजमैंट का विषय लेकर आये । मुझे खुशी हुई कि इन्होंने इस बात की प्रशंसा की कि हम नवम्बर माह के प्रथम सप्ताह में शुगर मिल चलाने जा रहे हैं। (विघ्न) इसी तरह से दांगी साहब ने भी अपना पुराना किसान भाव याद करके भावुकता के साथ यह याद करवाया कि बचपन में जब गंडा या गुड़ मिल जाता तो किस प्रकार की खुशी होती थी । उनके द्वारा इस तरह की बातें याद दिलाने से आज फिर से पुरानी यादें ताजा हो गई । गन्ने पर आज चर्चा के दौरान मुझे वास्तव में ऐसा लगा कि यह चर्चा वर्तमान के इस साल से शुरू होकर भाव लोक तक पहुंच गई कि गन्ने पर सबसे अच्छा कार्य किस प्रकार से हो सकता है । विपक्ष के कुछ साथी हमारी कुछ बातों पर एतराज कर रहे थे। दस साल तक ये लोग भी सत्ता में रहे हैं और ये सभी आईडियोलिस्टिक बातें हैं जो अब ध्यान में आ रही हैं । यदि उस समय आई होती तो हमको और अच्छा रास्ता मिलता और बेहतरी की तरफ जाते तथा हम उस बेहतरी को मेनटेन करके रखते । (विघ्न)

डा. रघुवीर सिंह कादियान : उपाध्यक्ष महोदया, हमारे से एक–आध चूक हुई है उसी के कारण तो आज हम यहां बैठे हुए हैं । यदि कोई सदस्य गरीब या किसान के हित की बातें बताता है तो उसको सरकार को मान लेना चाहिए । (विघ्न)

श्री ओम प्रकाश धनखड़ : उपाध्यक्ष महोदया, भाई जसविन्द्र सिंह संधू जी ने पेहवा क्षेत्र में जितना गन्ना है उसके मुताबिक वहां शुगर मिल लगाने की बात की है । फतेहाबाद के मित्रों ने भूना शुगर मिल के जांच का विषय उठाया है । यदि उनके पास अनियमितताओं की जानकारी है तो वे अवश्य दें इसमें कोई कठिनाई की बात नहीं है हमारे कोऑपरेटिव मिनिस्टर जांच करवायेंगे । उपाध्यक्ष महोदया, जो खास बात है जिसकी तरफ मैं सदन का ध्यान आकर्षित करना चाहूंगा कि हमारी सरकार

बनने के बाद लगातार गन्ने की बिजाई का क्षेत्र बढ़ता जा रहा है । कादियान साहब और दांगी साहब, यह ध्यान देने की बात है कि हमारी सरकार आने के बाद गन्ने की बिजाई का क्षेत्र लगातार बढ़ रहा है । पहले प्रदेश में .93 लाख हैक्टेयर भूमि पर गन्ना पैदा कर रहे थे और पिछले साल यह एरिया बढ़कर एक लाख हैक्टेयर से ज्यादा था । इस साल यह एरिया बढ़कर 1.73 लाख हैक्टेयर हो गया है इस तरह से गन्ने बिजाई का एरिया बहुत तेजी से प्रदेश में बढ़ा है । मोनोक्रोपिंग और आमदनी का भी इसमें हाथ है । मैं अभी कैलकुलेट कर रहा था कि यदि 25 क्विंटल धान और 20 क्विंटल गेहूं एक एकड़ में हों और 1600–1700 रुपये प्रति क्विंटल का भाव लगाया जाये तो टोटल वैल्यू 74 हजार रुपये के करीब बनती है । लेकिन इस बार जो हमने गन्ने का भाव दिया है उसके हिसाब से एक एकड़ की यदि 300 क्विंटल की एवरेज लगायें तो एक एकड़ में गन्ने की टोटल वैल्यू 99 हजार रुपये बनती है । यही कारण है कि आज प्रदेश में लगातार गन्ने का एरिया बढ़ रहा है । हमें बाकी संतुलन की तरफ भी ध्यान देना पड़ेगा इसलिए मैं इसकी चर्चा इस महान सदन के सामने कर रहा हूं ।

श्री आनंद सिंह दांगी : उपाध्यक्ष महोदया, मंत्री जी ने जो गन्ने की आमदनी बताई है वह 300 क्विंटल गन्ना प्रति एकड़ के हिसाब से लगाई गई है, जबकि 300 क्विंटल गन्ना प्रति एकड़ की एवरेज सभी जगहों पर नहीं आती ।

श्री ओम प्रकाश धनखड़ : उपाध्यक्ष महोदया, यह आमदनी मैंने पूरे हरियाणा की औसत के हिसाब से लगाई है । सभी जगह इतना गन्ना पैदा नहीं होता लेकिन औसतन एवरेज पूरे प्रदेश की यही रहती है । गन्ने की साल में एक फसल होने के बावजूद भी साल में धान और गेहूं की दो फसल होने से भी बैटर रहती है । यही वजह है कि गन्ने का एरिया लगातार बढ़ रहा है और उसी हिसाब से सरकार इंतजामात भी कर रही है । यह भी सही है कि एक साल में हम शुगर मिलों की क्षमता नहीं बढ़ा सकते लेकिन मिल चलाने का समय हम जरूर बढ़ा सकते हैं । जैसे पिछले साल बाद में हमने 15 दिन शुगर मिलें चलाने का समय बढ़ाया था उसी तरह से इस बारे लगभग 21 दिन पहले मिलें चलायेंगे । इसके अतिरिक्त इस साल बाद में भी हमें 15–20 दिन समय बढ़ाने की जरूरत पड़ेगी तो वह भी बढ़ायेंगे । इसके अतिरिक्त एक परम्परा पहले से रही है कि जहां पर कांटे लगे हैं वहां से गन्ना मिलें स्वयं लेकर आता है लेकिन जहां पर कांटे अलाउड नहीं हुए हैं वहां पर किसानों को गन्ना मिलों में स्वयं पहुंचाना पड़ता है। उसकी व्यवस्था अभी

भी किसान करते हैं । इस व्यवस्था में बदलाव करने बारे अभी तो हम आश्वासन नहीं दे सकते लेकिन यह एक विचारणीय इश्यू सदस्यों द्वारा रखा गया है इस पर अगली बार विचार किया जा सकता है और गन्ना बोर्ड से भी इस बारे में बात की जायेगी । इसी तरह से एक बहुत अच्छी बात हमारे माननीय सदस्य श्री घनश्याम जी की तरफ से आई और गन्ना बोर्ड में भी यह डिस्कशन हुई थी कि क्या ऑर्गेनिक गुड़ और ऑर्गेनिक शक्कर को बढ़ावा दिया जा सकता है । हमारे आस–पास बहुत बड़ी अर्बन मार्केट है और आज बहुत जगहों पर ऐसी टैकनोलोजी उपलब्ध हो गई है कि जिससे ऑर्गेनिक गुड़ और शक्कर बनाई जा सकती है । हम विचार कर रहे हैं कि ऑर्गेनिक गुड़ और शक्कर बनाकर अर्बन मार्केट का दोहन किया जा सकता है या नहीं। इसी तरह से एक विषय यह भी आया कि सफेद और ब्राउन दोनों कलर्ज की शुगर अच्छे होटलों में मिलती हैं । जिसको जो अच्छी लगे वह शुगर डाल दी जाती है या दोनों भी डाली जा सकती हैं । हमने ब्राउन कलर की शुगर के उत्पादन के बारे में सभी शुगर मिलों से बात की है कि क्या वे इसके उत्पादन पर जा सकती हैं । क्या हम शुगर क्यूब के उत्पादन पर जा सकते हैं इस तरह की बातों पर हम विचार कर रहे हैं । क्योंकि जब तक हम नये मार्केट के फंडों पर नहीं चलेंगे पूरी तरह से कामयाब नहीं हो पायेंगे । जैसे एथनॉल से बिजली बनाने का विषय आया । यदि हम इन विषयों की तरफ ध्यान नहीं देंगे तो ज्यादा दिन सरवाईव नहीं कर सकेंगे । आज के दिन हमारी शुगर मिल्ज की जो स्थिति है वह सभी के ध्यान में है । इन सभी विषयों पर जाने के लिए गन्ना बोर्ड और कोऑपरेटिव विभाग डिस्कशन कर रहा है । हम निश्चित रूप से कुछ अच्छी पहल करके बेहतरी की तरफ बढ़ेंगे । जिन–जिन सदस्यों ने इस चर्चा में भाग लिया है मैं उनका धन्यवाद करता हूं । मैं बताना चाहूंगा कि सरकार 20 करोड़ रुपये की मदद गन्ना बिजाई और किसानों को ट्रेनिंग देने के लिए करती है। इसके अतिरिक्त गन्ना बिजाई वाले किसानों को 3 हजार रुपये प्रति एकड़ के हिसाब से अलग से मद्द किसान की सरकार द्वारा की जाती है । यह एक पूरा सीन है और इस सिनैरियो में मुझे यह कहने में कोई आपत्ति नहीं है और यह बात सभी के ध्यान में भी है कि सामने की बैंचिज पर बैठकर सरकार की प्रशंसा करना कठिन होता है लेकिन आज गन्ना उत्पादकों के लिए सरकार सबसे बेहतर काम कर रही है। चाहे समय पर पेमेंट देने की बात हो, पेमेंट पूरी देने की बात हो, रेट की बात हो, मिलों के चलने की बात हो चाहे उनको सम्भालने की बात हो, हम

अपना बैस्ट देने का प्रयास कर रहे हैं। इन्हीं शब्दों के साथ आप सभी सदस्यों का बहुत–बहुत धन्यवाद।

विभिन्न मामले उठाना

श्रीमती किरण चौधरीः उपाध्यक्ष महोदया, माननीय अध्यक्ष महोदय ने कहा था कि ध्यानाकर्षण प्रस्ताव के बाद शून्यकाल में अपनी बात रखने के लिए समय दे देंगे इसलिए मैं कुछ मुद्दे सदन के सामने रखना चाहती हूं।

उपाध्यक्ष महोदयाः ठीक है, आप अपनी बात रख सकती हैं तथा शून्य काल में जो भी अन्य सदस्य अपने हल्के से संबंधित मांग/मामले रखना चाहते हैं, रख सकते है।

श्रीमती किरण चौधरीः उपाध्यक्ष महोदया, मैं सदन में एक बहुत ही गम्भीर मसला रखना चाहती हूं। वैसे सरकार बहुत बड़े–बड़े वायदे करती है कि सरकार की भ्रष्टाचार के बारे में जीरो टोलरेंस है लेकिन सच्चाई यह है कि डाडम पहाड़ जो तोशाम विधान सभा क्षेत्र में पड़ता है वहां पर आज पूरी तरह से अवैध तरीके से माइनिंग चल रही है। इस बारे में सुप्रीम कोर्ट के भी आदेश हैं लेकिन इसके बावजूद भी वहां पर अवैध माइनिंग हो रही है। इसको रोकने के लिए सुप्रीम कोर्ट ने एक कमेटी बनाने के लिए कहा था लेकिन मुख्य सचिव की अध्यक्षता में जो कमेटी बनी हुई है वह आज तक वहां पर नहीं गई है। मैंने आर.टी.आई. के माध्यम से पूरे दस्तावेज मांगे हुये हैं जिससे पता चलता है कि वहां पर अवैध माइनिंग हो रही है। नॉर्म्स के अनुसार केवल 18.65 मीटर तक ही माइनिंग कर सकते हैं लेकिन वहां पर 100 मीटर नीचे तक माइनिंग हो रही है जो कि पूरी तरह से अवैध है।

इसी के तहत अढ़ाई करोड़ रुपये का पत्थर अवैध तरीके से निकाला जा रहा है। सुप्रीम कोर्ट ने कहा है कि माइनिंग प्लान बनाना चाहिए लेकिन जो सुन्दर मार्केटिंग वहां पर माइनिंग कर रही है, उसने माइनिंग प्लान भी नहीं बनाया है। उपाध्यक्ष महोदया, मैं आपके माध्यम से माननीय मुख्यमंत्री जी के संज्ञान में यह बात लाना चाहती हूं कि किस तरीके से धड़ल्ले से अवैध माइनिंग हो रही है जिसके कारण सरकार की बदनामी हो रही है इसलिए आप उस पर तुरन्त संज्ञान लीजिए। इस बारे में सुप्रीम कोर्ट ने भी आदेश दिये हैं इसलिए आप कार्रवाई कीजिए ताकि सुप्रीम कोर्ट के आदेश की धज्जियां न उड़ें। दूसरी बात मैं यह कहना चाहती हूं कि मैंने पिछली बार भी पटवारियों की समस्या रखी थी और माननीय मंत्री जी यहां पर बैठे

हुये हैं उन्होंने कहा था कि हम उनकी नियुक्ति के लिए कार्रवाई करेंगे। अब मैं वही बात दूसरी बार हाउस में उठा रही हूं लेकिन अभी तक कोई कार्रवाई नहीं हुई है। इसी प्रकार से हमारे पुलिस कर्मियों को पंजाब के समान वेतनमान दिये जायें। कल पुलिस के जवान इस बारे में मुझसे मिल भी थे। हरियाणा और पंजाब बिल्कुल बगल के प्रदेश हैं इसलिए हमारे पुलिस कर्मियों का वेतनमान तो पंजाब के बराबर होना चाहिए। हमारे पुलिसकर्मी सुबह से लेकर शाम तक ड्यूटी पर तैनात रहते हैं अगर उनको बराबरी का वेतन नहीं मिलेगा तो मैं समझती हूं उनके अन्दर मायूसी आ जायेगी। उनकी जॉब की नेचर भी ऐसी है कि वे 24–24 घंटे भी तैनात रहते हैं। उपाध्यक्ष महोदया, इन तीनों विषयों पर मैं आपके माध्यम से सरकार का ध्यान आकर्षित करना चाहती हूं इस पर सरकार कार्रवाई करे। धन्यवाद।

श्री परमिन्दर सिंह ढुलः उपाध्यक्ष महोदया, मैं सदन के नेता का ध्यान एक जरूरी विषय की ओर दिलाना चाहता हूं। मुख्यमंत्री जी, मेरे विधान सभा क्षेत्र के 4 गांवों असरफगढ़, बिरोली, बिशनपुरा और रुपगढ़ के लोग जहां पर नया बाई–पास बनने जा रहा है, वहां पर 15 दिन से धरने पर बैठे हुये हैं पिछली सरकार ने जमीन का अधिग्रहण भेदभाव पूर्ण तरीके से किया था। मुआवजा देते समय अनदेखी की गई। उनकी समस्या सुनने के लिए कोई सरकारी अधिकारी नहीं गया। वे 15 दिन से अर्ध–नग्न हो कर भी प्रदर्शन कर रहे हैं लेकिन उनकी कोई सुनवाई नहीं हो रही है। उनके पास जा कर उनकी समस्या सुनना और उसका समाधान करना अत्यन्त आवश्यक है क्योंकि उनके लिए यह जीवन–मरण का प्रश्न है। उनकी मुख्य समस्या यह है कि जो नैशनल हाईवे बनने जा रहा है उसमें उनके पानी के रास्ते बंद किये जा रहे हैं, उनके आने–जाने के रास्ते तथा उनके अण्डरपास बंद किये जा रहे हैं क्या सरकार किसानों को उचित मुआवजा देने की व्यवस्था करेगी ? मेरा दूसरा सवाल यह है कि आपने हरियाणा रोडवेज की बसों में वरिष्ठ नागरिकों के लिए जो 50 प्रतिशत की छूट दी हुई थी उसको आपने हरियाणा तक सीमित करके दूसरे प्रदेशों के लिए बंद कर दिया है। मान लीजिए कोई जीन्द से चण्डीगढ़ आ रहा है तो अम्बाला तक तो उसको 50 प्रतिशत किराये में छूट मिलेगी लेकिन आगे पंजाब और चण्डीगढ़ का इलाका होने के कारण उसको पूरा किराया देना पड़ेगा इसलिए मेरा सरकार से यह निवेदन है कि इन आदेशों को वापिस ले कर वरिष्ठ नागरिकों को जहां तक हरियाणा रोडवेज की बसें जाती हैं वहां तक किराये में 50 प्रतिशत की छूट जारी रखी जाये।

मुख्यमंत्री (श्री मनोहर लाल) :उपाध्यक्ष महोदया, आज टी.वी. में जो इस प्रकार का समाचार चला है इसमें वास्तव में कहीं न कहीं कोई शरारत की गई है और यह शरारत भी किसी अधिकारी के द्वारा की गई है । इस संबंध में मैंने आज प्रातःकाल विभागीय अधिकारियों को कहा है कि जिस भी अधिकारी ने यह शरारत की है उसके खिलाफ कार्रवाई की जाए । अगस्त में एक मीटिंग भी हुई थी और उस मीटिंग में मिनट्स का हवाला दे कर के सभी डिपोज ने आगे इंस्ट्रक्शन भी जारी की थी कि 60 साल से ऊपर की महिलाओं और 65 साल से ऊपर के पुरूषों को जहां तक भी हरियाणा रोड़वेज की बसें जाती हैं उनको किराये में 50 प्रतिशत की सुविधा बढ़ाई जाती है जो कि अभी तक नहीं थी । इस प्रकार इस सुविधा को हमने बढ़ाया है और इसको कहीं वापिस नहीं लिया गया है इसलिये इसको रिकॉर्ड पर दर्ज कर लिया जाए ।

श्री जगबीर सिंह मलिक : उपाध्यक्ष महोदया, सोनीपत में एन.एच.–1 पर टोल प्लाजा शुरू किया गया है वह टोल प्लाजा वहां से हटाया जाए क्योंकि इससे वहां पर सारा ट्रैफिक सील हो गया है इस टोल प्लाजा से वहां लोगों को बहुत दिक्कत का सामना करना पड़ रहा है ।

श्री परमिन्दर सिंह ढुल :आदरणीय उपाध्यक्ष महोदया, मेरे हाथ में जो एक पत्र है वह चीफ इंजीनियर, यू.एच.वी.पी.एन. पंचकूला का है। उन्होंने रेड मारने पर कर्मचारियों का कमीशन निर्धारित किया हुआ है । जबकि कर्मचारियों को तनख्वा मिल रही है तब भी कर्मचारियों को कमीशन देकर रेड मरवाई जा रही है जिससे उसका नतीजा यह आ रहा है कि उनका वहां के बाशिन्दों के साथ आए दिन झगड़ा होने लग रहा है और यह बात अखबारों की सुर्खियां बनी हुई हैं । सरकार जब उन कर्मचारियों को तनख्वा पूरी दे रही है तो फिर उनको कमीशन किस चीज का दे रहे हैं । यह मेरे पास जो पत्र है इसमें कमीशन देने की बात कही गई है । आदरणीय सदन के नेता जी, यह आपका पत्र है कि जो कर्मचारी बिजली की चोरी पकड़ेंगे उन कर्मचारियों को 10 प्रतिशत कमीशन दिया जाए । जबकि इसमें कमीशन का तो कोई मतलब ही नहीं बनता ।

श्री मनोहर लाल : उपाध्यक्ष महोदया, इस पत्र को 5 दिन पहले ही वापिस ले लिया गया है ।

श्री परमिन्दर सिंह ढुल : उपाध्यक्ष महोदया, मैं आपके माध्यम से मुख्यमंत्री जी से पूछना चाहता हूं कि पंजाब सरकार ने एक कानून बना दिया कि जो किसान अण्डर ग्राउंड पाईप लाईन डालेंगे । (विघ्न)

श्री मनोहर लाल : उपाध्यक्ष महोदया, यह जो इंसैंटिव जारी था वह आज का नहीं बल्कि वर्ष 2006 से किया गया था । मुझे जो जानकारी दी गई है उसके हिसाब से वर्ष 2006 से इस प्रकार का इंसैंटिव दिया जा रहा था । यह ठीक है कि पहले इसकी तरफ कर्मचारियों द्वारा ध्यान नहीं किया गया और जब ध्यान करवाया गया तो कर्मचारियों ने इस काम को करना शुरू किया और उसके बाद उसमें शिकायत आनी शुरू हुई । यह इंसैंटिव कांग्रेस सरकार ने दिया था जिसको अब हमने वापिस ले लिया है ।

श्री परमिन्दर सिंह ढुल : मुख्यमंत्री जी, किसान के सामने सिंचाई के लिए अंडर ग्राउंड पाईप लाईन डालने की समस्या है। पंजाब सरकार ने कल कैबिनेट में एक फैसला किया है कि किसान को 3 फुट नीचे पाईप लाईन डालकर पानी ले जाने का अधिकार होगा जिसके लिए वहां के डिप्टी कमिश्नर की अध्यक्षता में एक कमेटी बनाई गई । जिसमें यह फैसला लिया गया कि इसमें जिस किसान का नुकसान होगा उस किसान के नुकसान की भरपाई वह किसान करेगा जो पाईप लाईन डाल रहा है । उसके नुकसान का मुआवजा सरकार तय करेगी । पंजाब सरकार ने यह फैसला करके किसानों को एक अधिकार प्रदान किया है । मुख्यमंत्री जी, जिस तरह पंजाब सरकार की कैबिनेट ने पंजाब के किसानों के हितों के लिये फैसला किया है उसी तरह से क्या आप भी हरियाणा के किसानों के हितों के लिये इस तरह का फैसला लेंगे क्योंकि किसानों को पीने के पानी और दूसरे खेतों में पानी ले जाने में बड़ी भारी दिक्कत आ रही है । मेरे हल्के में तो किसान को 17–17 किलोमीटर तक पानी की पाईप लाईन ले जानी पड़ती हैं । आए दिन देखने में आ रहा है कि अगर कोई किसान नाराज हो जाए तो वह उस दूसरे किसान की पाईप लाईन को उखाड़ देता है। इसलिए अगर यह फैसला रैगुलराईज हो जाएगा तो एक किसान दूसरे किसान को उसका मुआवजा भी देगा जिसको सरकार तय करेगी । तब जाकर किसान एक दूसरे को वह अधिकार प्रदत करेंगे । (विघ्न)

उपाध्यक्ष महोदया : कादियान साहब, आप एक बार बैठिये । आपकी पार्टी की तरफ से एक साथ ही 6 आदमी खड़े हो गये । एक समय में एक ही आदमी तो बोलेगा । आप बैठिये ।

श्री नसीम अहमद : उपाध्यक्ष महोदया, मैं माननीय मुख्यमंत्री जी से यह कहना चाहता हूं कि पिछले दिनों हमारे फिरोजपुर झिरका विधान सभा के 19–20 गांव पुन्हाना तहसील के अन्दर डाल दिये गये हैं। जबकि हमारी फिरोजपुर झिरका सब डिवीजन तब से है जब पंजाब और हरियाणा ज्वॉयंट था । यह बहुत पुरानी सब डिवीजन है । अब पुन्हाना जो नई सब–डिवीजन बनी है उसमें हमारे 19–20 गांवों को डाला जा रहा है जिसका नोटिफिकेशन भी कर दिया गया है जबकि वहां पर जो जन प्रतिनिधि हैं उन्होंने न विधायक से कोई सलाह मशविरा लिया है और न ही मेरी विधान सभा के जितने भी सरपंच हैं, एक्स सरपंच हैं उनसे कोई राय मशविरा लिया गया है । माननीय मुख्यमंत्री जी, अगर आप पुन्हाना विधान सभा में जाते हैं या वहां पर कोई घोषणा करते हैं तो हमें भी अपने प्रोग्राम में शामिल कर लिया करो । उपाध्यक्ष महोदया, मेरे विधान सभा क्षेत्र के 20 गांव जिसमें तिगांव, लोहिंगा खुर्द, भुचाका, चांदड़ाका, ढ़ाणा, बुबलेड़ी, डुंगेजा, मल्लाहाका, जयतलका, झारपुड़ी, नीमखेड़ा, बडेर और डोंडल, फिरोजपुर विधान सभा में पड़ते थे और इनका सब डिवीजन भी फिरोजपुर झिरका ही था । जब से पंजाब और हरियाणा ज्वायंट थे तब से यह गांव हमारे फिरोजपुर झिरका सब डिवीजन में ही थे । अब उनको बदल कर के पुन्हाना सब डिवीजन में डाला जा रहा है जोकि बिल्कुल गलत है । हमारे वहां के लोगों का न तो उधर राहवता है और न ही वहां पर लोग जाना पसंद करते हैं क्योंकि उनको फिरोजपुर झिरका ज्यादा सूटेबल है । मेरी आपके माध्यम से माननीय मुख्यमंत्री जी से एक प्रार्थना है जिसके लिये मैं उनसे मिला भी था और मैंने लिखित में भी दिया था तथा बी.जे.पी. के कार्यकर्ताओं ने भी लिख कर दिया था कि ये गांव पुन्हाना सब डिवीजन में नहीं जाने चाहिएं । इस बारे में अभी तक कोई कार्रवाई नहीं हुई और अब इसके लिए नोटिफिकेशन किया जा रहा है, किसी एक आदमी की शरारत पर जोकि यह चाहता है कि उन गांवों में मेरा दखल रहे और मेरा वर्चस्व बना रहे इसलिये उन गांवों को पुनहाना में शिफ्ट किया जा रहा है । अतः मेरा आपके माध्यम से माननीय मुख्यमंत्री जी से निवेदन है कि उन गांवों को दोबारा से फिरोजपुर झिरका सब डिवीजन में रखा जाए और इसके लिये मैं माननीय मुख्यमंत्री जी से थोड़ा सा आश्वासन चाहूंगा ।

श्री रणधीर सिंह कापड़ीवासः उपाध्यक्ष महोदया, मैं अपने क्षेत्र रिवाड़ी से संबंधित एक अति महत्वपूर्ण समस्या की ओर माननीय मुख्यमंत्री जी का ध्यान दिलाना चाहूंगा। इस समस्या के संबंध में वैसे मैं माननीय मुख्यमंत्री जी को पहले से बता भी चुका हूँ और माननीय मुख्यमंत्री जी को मैंने ज्ञापन भी सौंपा है। उपाध्यक्ष महोदया, जिला रिवाड़ी में स्थित आई.जी. यूनिवर्सिटी, मीरपुर के साथ दो जिलों के कॉलेजों को जोड़ा गया था। बाद में कुछ शरारती तत्वों ने महज नोटिफिकेशन के आधार पर ही और पूरे फैक्ट्स न बताकर माननीय कोर्ट से स्टे ले लिया कि इन दो जिलों के कॉलजों को आई.जी. यूनिवर्सिटी, मीरपुर के साथ न जोड़ा जाये। इस वजह से इन दो जिलों के कॉलेजों में पढ़ने वाले 50000 बच्चों का भविष्य खतरे में पड़ गया है। कारण यह है कि हर यूनिवर्सिटी का अलग–अलग सिलेबस होता है। अब जबकि इन्होंने पढ़ाई किसी और यूनिवसिटी के सिलेबस के माध्यम से की है तो यदि ऐसी सूरत में इन कॉलेजों में पढ़ने वाले बच्चों को किसी दूसरी यूनिवर्सिटी के सिलेबस के आधार पर एग्जाम देने पड़ जायेंगे तो सबको पता है कि क्या स्थिति उत्पन्न होगी? उपाध्यक्ष महोदया, 3 नवम्बर, 2017 को इन बच्चों के एग्जाम शुरू होने वाले है। यदि समय रहते कुछ नहीं किया गया तो बच्चों का भविष्य अधर में लटक सकता है। इस संबंध में यूनिवर्सिटी के वाइस–चांसलर तक ने कुछ न कर सकने संबंधी लैटर तक जारी कर दिया है। उपाध्यक्ष महोदया, केवल कुछ शरारती तत्वों की गलत मंशा के आधार 50000 बच्चों के जीवन को अधर में लटकने की इजाजत कदापि नहीं दी जानी चाहिए।

शिक्षा मंत्री (श्री राम बिलास शर्मा): उपाध्यक्ष महोदया, माननीय मुख्यमंत्री जी ने इस विषय पर बड़ी गम्भीरता से संज्ञान लिया है। चूंकि इंदिरा गाधी, यूनिवर्सिटी मीरपुर के साथ जुड़े दो जिलों के कॉलेजों में पढ़ने वाले इन बच्चों की 3 नवम्बर, 2017 से परीक्षा शुरू होने जा रही है, तो मैं माननीय साथी को आश्वस्त करता हूँ कि बहुत जल्द इन बच्चों को रिलीफ देने का काम सरकार की तरफ से किया जायेगा।

श्री रणधीर सिंह कापड़ीवासः उपाध्यक्ष महोदया, मैं एक दूसरी बात की ओर भी माननीय मुख्यमंत्री जी का ध्यान दिलाना चाहूंगा और इसके बाद अपनी बात समाप्त कर दूंगा। हमारे यहां धारूहेड़ा में सड़कों की हालत जर्जर बनी हुई है। हमारे क्षेत्र के उद्योगपतियों ने भी इस बारे में माननीय मंख्यमंत्री जी को अवगत करवाया था। अतः अनुरोध है कि इन सड़कों की हालत को भी सुधारने का काम सरकार की तरफ से किया जाना चाहिए। इसके अतिरिक्त मेरे क्षेत्र में तीन साल पहले एक

डिग्री कॉलेज खोलने की सी.एम. अनाउंसमैंट की गई थी, मेरा उपाध्यक्ष महोदया, आपके माध्यम से माननीय मुख्यमंत्री जी से निवेदन है कि उस पर भी ध्यान देने की कृपा की जाये।

श्री ओम प्रकाश यादवः उपाध्यक्ष महोदया, मेरे साथी श्री रणधीर सिंह कापड़ीवास की चिंता के मद्देनज़र इंदिरा गांधी, यूनिवर्सिटी, मीरपुर के साथ जुड़े दो जिलों के कालेजों के छात्रों का भविष्य अधर में लटकने से बचाने के लिए माननीय शिक्षा मंत्री जी द्वारा जो रास्ता निकालने की बात कही गई है, इसके लिए मैं माननीय शिक्षा मंत्री जी का धन्यवाद करना चाहूंगा। अब मैं दूसरे विषय पर आता हूँ। आज बाजरा खरीद के विषय पर भिन्न–भिन्न मंडियों में परचेज किए गए बाजरे की सूची माननीय मंत्री जी द्वारा सदन में पढ़ी गई। हमारे क्षेत्र में एक बहुत पुरानी मंड़ी है जिसको कनीना मंड़ी के रूप में जाना जाता है। उपाध्यक्ष महोदया, मंत्री जी ने एक सूचना यह भी दी है कि कनीना मंडी में एक तोला भी बाजरा परचेज नहीं हुआ है। जब मैंने इस संबंध में मालूम किया तो पता चला कि पिछली सरकार के समय में कोई आर्डर जारी किया गया था कि कनीना मंड़ी से बाजरे की परचेज न की जाये। उपाध्यक्ष महोदया, जैसाकि आज सदन में माननीय मंत्री जी द्वारा आश्वासन दिया गया है कि बाजरे का दाना–दाना खरीदा जायेगा, उस परिपेक्ष्य में मेरा निवेदन है चूंकि कनीना मंड़ी हमारे क्षेत्र की मुख्य मंड़ी है इसलिए भविष्य में कनीना मंड़ी से भी बाजरे की परचेज शुरू की जाये। हमारे एरिया में तो बाजरा के सिवाय कोई और फसल ज्यादा पैदा ही नहीं होती है। उपाध्यक्ष महोदया, वैसे कनीना मंडी आपके एरिया के लिए भी मुख्य मंडी के रूप में काम करती है, अतः आपसे भी निवेदन है कि आप भी इस संबंध में मंत्री जी के समक्ष हमारा पक्ष रखें।

उपाध्यक्ष महोदयाः माननीय मंत्री जी, मैं भी अपने आपको माननीय साथी की चिंता के साथ जोड़ती हूँ और मेरी भी सबमिशन है कि कनीना मंड़ी से बाजरे की खरीद शुरू की जाये।

श्री अनूप धानक : आदरणीय उपाध्यक्ष महोदया, आपने मुझे सदन में बोलने के लिए समय दिया इसके लिए मैं आपका धन्यवाद करता हूं । मैं सदन के ध्यान में एक अति महत्वपूर्ण विषय लाना चाहता हूं । हमारे माननीय मुख्य मंत्री जी 7.10.2017 को भिवानी आये थे और यह सरकार बार–बार 'बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ' का नारा देती है । भिवानी की एक बेटी प्रियंका नागर वर्ष 2008 से लगातार प्रदेश और देश

के लिए खेल प्रतियोगिताओं में भाग लेती आ रही है । उस बेटी ने नैशनल और इंटरनैशनल लेवल पर गोल्ड और सिलवर मैडल भी जीते हैं । इसके बावजूद पूर्व की कांग्रेस सरकार ने उसको सरकारी नौकरी नहीं दी थी । अब प्रदेश में भाजपा की सरकार है और माननीय मुख्य मंत्री जी जब भिवानी में आये तो उस बेटी ने सी.एम. साहब को अपने कागज–पत्र देने की कोशिश की लेकिन उसको हरियाणा पुलिस के जवानों ने धक्के मारकर बाहर निकाल दिया । इस घटना का एक वीडियो भी सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है । अचरज की बात यह है कि वहां पर उस बेटी को बाहर निकालने के लिए उस समय महिला पुलिस को भी नहीं बुलाया गया । वह लड़की एक गरीब और दलित परिवार की बेटी थी और बड़ी मुश्किल हालातों में पढ़–लिखकर वहां तक पहुंची थी । मैं इस बात को सदन के ध्यान में लाते हुए माननीय मुख्य मंत्री जी से दर्खास्त करना चाहता हूं कि उस खिलाड़ी बेटी के केस को सहानुभूतिपूर्वक डील करते हुए उसे सरकारी नौकरी देने की कृपा करें । इसके अतिरिक्त मैं भाई नसीम अहमद की तरह अपने हल्के का एक अन्य मुद्दा इस सदन में रखना चाहता हूं । मेरे हल्के के चार गांवों सौथा, भडा, पनिहारी और सरसाणा को बरवाला तहसील से काटकर खेड़ा चौपटा तहसील में शामिल कर दिया गया है । इससे उन गांवों के लोगों को बड़ी तकलीफ का सामना करना पड़ रहा है । अतः उन गांवों को वापस उसी बरवाला तहसील में जोड़ा जाए । (विघ्न)

श्रीमती सीमा त्रिखा : उपाध्यक्ष महोदया, मेरी आपके माध्यम से माननीय सदस्य से अपील है कि कम से कम बेटियों को जात–पात में न बांटा जाए । ये बेमतलब ही बेटियों को जात–पात में बांट रहे हैं । बेटी सबकी सांझी होती है । (विघ्न)

श्री अनूप धानक : उपाध्यक्ष महोदया, अगर माननीय सदस्या को इस बात से इतनी ही तकलीफ है तो वे उस बेटी को सरकारी नौकरी दिलवाने का काम करें । (विघ्न)

श्रीमती गीता भुक्कल : उपाध्यक्ष महोदया, यह बात ठीक है कि बेटी सबकी सांझी होती है लेकिन बेटी को जात–पात में बांटने का काम हुआ है, इसीलिए यह मुद्दा सदन में उठाया गया है । (विघ्न)

उपाध्यक्ष महोदया : अनूप जी, आप अपने क्षेत्र की समस्या लिखित रूप में दे दीजिए ।

श्री अनूप धानक : उपाध्यक्ष महोदया, हमारा जो वोट का अधिकार है उसके लिए कन्डूल गांव के युवा साथियों ने वोट डालने से मना कर दिया गया है क्योंकि हमारे क्षेत्र कन्डूल के निवासियों को पीने का पानी भी नहीं मिल रहा है । वहां पर पीने के पानी की बड़ी समस्या है । हाल यह है कि लोगों को अपने पैसे से सबमर्सिबल ट्यूबवैल लगाकर पानी लेना पड़ता है । मेरे क्षेत्र के ढ़ाड गांव में सेम का पानी वाटर वर्क्स के पानी में मिलकर आता है जिसकी वजह से वह पानी पीने लायक नहीं है । मैं माननीय मंत्री जी से इस समस्या के समाधान का आश्वासन चाहूंगा ।

डॉ. पवन सैनी : उपाध्यक्ष महोदया, आपने मुझे बोलने के लिए समय दिया इसके लिए आपका बहुत–बहुत शुक्रिया । मेरे क्षेत्र में कुरूक्षेत्र विश्वविद्यालय है । मैं निवेदन करना चाहूंगा कि उस विश्वविद्यालय के लिए किसी विशेष पैकेज की व्यवस्था की जाए । उस विश्वविद्यालय में जो मैस के कर्मचारी हैं उनकी तनख्वाह बहुत कम है और वे सुबह के 7 बजे से रात 10 बजे तक हॉस्टल में ड्यूटी करते हैं । अतः उनकी तनख्वाह बढ़ाने का कुछ विचार किया जाए । इसके अलावा माननीय मुख्य मंत्री महोदय और माननीय शिक्षा मंत्री महोदय ने जिस प्रकार से अनेक लोगों को सरकारी विभागों में समायोजित किया है उसी प्रकार से मैं कहना चाहूंगा कि लो–मैरिट उम्मीदवारों को भी समायोजित करें । हालांकि यह मैटर हाई कोर्ट में सब–ज्यूडिश है फिर भी मेरी अपील है कि सरकार अपने प्रयास करके उनका कुछ हल निकाले । इसके साथ–साथ मैं पुलिस कर्मचारियों की भी बात करना चाहूंगा । चाहे आम लोगों की छुट्टी का दिन हो लेकिन पुलिस कर्मचारी ड्यूटी पर तैनात रहते हैं । अतः मेरी गुजारिश है कि इनकी तनख्वाह बढ़ाने के बारे में सरकार को विचार करना चाहिए । इसके साथ–साथ मिलिट्री की तरह ही हरियाणा पुलिस के उत्तर और दक्षिण हरियाणा में हॉस्पिटल्स होने चाहिएं । इन्हीं शब्दों के साथ आपका बहुत–बहुत धन्यवाद ।

श्री केहर सिंह : उपाध्यक्ष महोदया, एक महीना पहले मैंने अपने निर्वाचन क्षेत्र हथीन और पलवल जिले के तथा नूंह जिले के कुछ गांवों के रजबाहों के लिए भूख हड़ताल रखी थी । मैंने इस मुद्दे को विधान सभा में बार–बार उठाया है और इस सरकार ने हमसे वादा किया था कि हम हर नहर की टेल तक पानी पहुंचायेंगे । सरकार के तीन साल गुजरने के बाद भी हथीन विधान सभा क्षेत्र और पलवल जिले के किसी भी रजबाहे के अंतिम छोर तक पानी नहीं पहुंचाया गया । इसके लिए मैंने जब भूख हड़ताल रखी तो उसमें 54 बुजुर्गों ने भी मेरे साथ भूख हड़ताल की थी ।

भूख हड़ताल स्थल पर हमारे पास जो प्रशासनिक अधिकारी आये उन्होंने हमें विश्वास दिलाया था कि हम 31 अक्तूबर तक प्रत्येक रजबाहे की उसके डिजाइन के मुताबिक साफ–सफाई करवाएंगे । आज 25 अक्तूबर होने के बावजूद अभी तक पलवल जिले के 35 रजबाहों/डिस्ट्रीब्यूट्रीज पर काम चालू नहीं हुआ है । मेरा सरकार से अनुरोध है कि सरकार वहां के किसानों की समस्या के प्रति गम्भीर रूख अपनाते हुए वहां के रजबाहों के अंतिम छोर तक पानी पहुंचाए । मैं एक छोटी–सी बात और कहूंगा । मेरे क्षेत्र के 45 गांवों में पंचायत चुनावों में आचार संहिता के दौरान विकास के नाम पर साढ़े चार करोड़ रूपये सरकारी खाते से निकाले गये लेकिन धरातल पर एक रूपये का भी काम नहीं हुआ । इस संबंध में आज से एक साल पहले इस सदन में मैंने आवाज उठाई थी और मुझे विश्वास दिलाया गया था कि इस बारे कार्रवाई की जायेगी। उपाध्यक्ष महोदया, वहां पर सी.एम. फ्लाईंग स्क्वैड गई और बजाय कोई कार्रवाई करने के 22 लाख रूपये उन घोटाले कर्मियों से लेकर ही आ गई जोकि यह हमारे लिए बड़े शर्म की बात है। इस मामले की पुनः जांच करवाई जाए ताकि यह लगे कि सरकार वास्तव में भ्रष्टाचार को मिटाना चाहती है।

श्री हरि चंद मिड्ढा : उपाध्यक्ष महोदया, जीन्द रजवाहों में पानी नहीं आता है। जीन्द में पानी की बहुत कमी है। लोगों को बड़ी परेशानियों को सामना करना पड़ता है। जीन्द हल्के के निवासी न जाने कितने समय से सरकार से आस लगाए बैठे हुए हैं।

उपाध्यक्ष महोदयाः ठीक है मिड्ढा जी, अब आप बैठिए।

श्री हरि चंद मिड्ढा : उपाध्यक्ष महोदया, मेरी कुछ मांगे लिखित में हैं, आप उन्हें प्रोसीडिंग्ज का पार्ट बना देना।

उपाध्यक्ष महोदयाः ठीक है, आप उन्हें सदन के पटल पर रख दीजिए।

***श्री हरि चंद मिड्ढा :** अध्यक्ष महोदय मैं आपके माध्यम से सरकार को बताना चाहता हूं कि मेरे अथक प्रयासों से जीन्द विधानसभा क्षेत्र के गांव की ग्राम पंचायत द्वारा झांझ खुर्द व लोहचब ने मुफ्त में जमीन देने का प्रस्ताव दिया है। अतः

.....

*** चेयर के आदेशानुसार लिखित स्पीच को प्रौसीडिंग्स का पार्ट बनाया गया।**

उपरोक्त में से किसी भी गांव में पौलिटैक्निक कालेज का निर्माण करवाया जाए।

प्रो0 रविन्द्र बलियाला : उपाध्यक्ष महोदया, मैं अपने हल्के के दो बहुत ही महत्वपूर्ण विषयों की ओर इस महान सदन का ध्यान आकृष्ट करवाना चाहता हूँ। इस समय माननीय लोक निर्माण और पर्यावरण मंत्री जी सदन में उपस्थित हैं। मैं वर्ष 2015 से घग्गर नदी के प्रदूषण की बात सदन में उठाता रहा हूँ। माननीय मुख्यमंत्री महोदय ने यह कहा था कि हम 31 मार्च, 2016 तक घग्गर नदी के प्रदूषण को खत्म कर देंगे और इस नदी को ठीक करने का काम काम करेंगे। लेकिन वर्ष 2017 भी बीता जा रहा है और कोई भी काम नहीं हो रहा है। घग्गर नदी के प्रदूषण के कारण रतिया निर्वाचन क्षेत्र के 30 गांव व पूरा शहर इससे पीड़ित हैं। यह गंदा पानी पंजाब और हरियाणा के अन्य क्षेत्रों से घग्गर नदी में पड़ रहा है। इस नदी के प्रदूषण के कारण रतिया के 30 गांव व पूरे शहर में ऐसा कोई घर नहीं है जिसमें 5–7 आदमी बीमार न हो। डेंगू, डायरिया जैसी खतरनाक बीमारियों के साथ–साथ जहां तक हेपेटाईटिस–सी की बात है वो पहले से ही इस क्षेत्र में चली आ रही है। यह इस इलाके की एक भारी समस्या है। इस मसले को लेकर के जब भी स्थानीय प्रशासन के अधिकारियों के साथ मीटिंग हुई तो उसमें मैंने यह सुझाव दिया है कि यदि आप कोई बहुत ज्यादा अच्छा काम नहीं कर सकते हैं तो कम से कम जो पुल का बैड है उसमें थोड़े बहुत पानी के पाइप वगैरह लगाकर पानी के बहाव को चालू कर दिया जाए लेकिन वह काम भी नहीं हो रहा है। उपाध्यक्ष महोदया, यदि पानी का बहाव समतल हो जाए और पानी आगे निकल जाए तो यह समस्या कुछ हल हो सकती है। इस बात पर सरकार को ध्यान देना चाहिए क्योंकि इस प्रदूषण से हर साल बहुत ज्यादा लोग बीमार होते हैं। उपाध्यक्ष महोदया, मेरी दूसरी समस्या सुनने में बड़ी अजीब लगेगी, क्यों कि मैं गांव के क्षेत्र से फॉर लेन की बात कर रहा हूँ। रतिया जो फतेहाबाद से लेकर हॉसपुर तक जो रतिया सदूलगढ़ रोड़ कहलाता है वहां से हजारों की तादाद में साधन गुजरते हैं और लगभग 400 टैंकर बठिण्डा रिफाईनरी की तरफ जाते हैं। उपाध्यक्ष महोदया, इस बारे में मैंने विधान सभा में प्रश्न भी लगाया था लेकिन किसी कारण से वह लग नहीं पाया। मैं कहना चाहता हूँ कि उस रोड़ को फॉर लेन किया जाए। कई बार यह लगता है कि यह गांव का क्षेत्र है, इसलिए इसे फॉर लेन की आवश्यकता नहीं है। उपाध्यक्ष महोदया, यदि उसकी सही पॉजीशन को चैक करेंगे तो यह पायेंगे कि वाकई में वहां पर फॉर लेन

की आवश्यकता है। वहां पर हर रोज बहुत ज्यादा सड़क दुर्घटनाएँ होती हैं। इस तरह से हमारे इलाके की और भी बहुत सारी समस्यांए हैं लेकिन मैं इन दोनों

समस्याओं को बहुत ज्यादा जरूरी समझता हूँ। यदि सरकार इन दोनों समस्याओं की तरफ ध्यान दें तो बड़ी मेहरबानी होगी।

श्री रणबीर गंगवा : उपाध्यक्ष महोदया, जब से भारतीय जनता पार्टी की सरकार सत्ता में आई है तब से नेता प्रतिपक्ष ने कांग्रेस के 10 वर्ष के शासन का लगभग 400 पेज का काला चिट्ठा माननीय राज्यपाल महोदय और माननीय मुख्यमंत्री महोदय को देने का काम किया है। लेकिन आज तक उस काले चिट्ठे पर सरकार की तरफ से कोई भी कार्रवाई नहीं हुई है। उपाध्यक्ष महोदया, कांग्रेस के नेताओं ने किस तरह से अपने और अपने परिवार के नाम से स्वतंत्रता सेनानियों की जमीन हड़पने का काम किया है, यह खबर अखबारों में बड़ी सुर्खियों के साथ छपी थी। उपाध्यक्ष महोदया, मैं आपके माध्यम से सदन में कहना चाहूँगा कि इसकी पूर्ण रूप से जांच करवाई जाये। बहुत बड़ा मामला होने के कारण सदन में भी चर्चा होनी चाहिए। उपाध्यक्ष मोहदया, इस मामले की जांच होनी चाहिए, लोगों को न्याय मिलना चाहिए और जिन स्वतंत्रता सेनानियों की जमीन थी वह उनको वापिस मिलनी चाहिए। अगर प्रभावशाली लोग इस तरीके से फर्जी पावर ऑफ अटार्नी के जरिए से स्वतंत्रता सेनानियों की जमीनें अपने नाम करवा लेंगे तो प्रदेश में लोगों का सरकार पर से विश्वास उठ जाएगा। उपाध्यक्ष महोदया, मैं आपके माध्यम से यह बताना चाहूंगा कि यह एक बहुत ही गंभीर विषय है इसलिए इस विषय पर सरकार को संज्ञान लेना चाहिए और मैं चाहूंगा कि सरकार इस विषय पर अपना बयान दे।

श्री राम बिलास शर्माः उपाध्यक्ष महोदया, मैं आपके माध्यम से रणवीर गंगवा जी को धन्यवाद करूंगा कि ये इस सदन में एक गंभीर विषय को लेकर आए हैं। उपाध्यक्ष महोदया, मैं आपको बताना चाहूंगा कि हम उन स्वतंत्रता सेनानियों के बलिदान के कारण ही आज यहां इस महान सदन में बैठे हुए हैं और उनके हित के बारे में सोचना, यह हम सबका नैतिक दायित्व है। उपाध्यक्ष महोदया, मैं आपके माध्यम से माननीय सदस्य को बताना चाहूंगा कि ये उनके नाम हमें लिखकर दें और जो अखबार में यह खबर छपी है वह भी दें, इसकी पूरी जांच करवाई जाएगी।

उपाध्यक्ष महोदयाः श्री नरेश कौशिक जी, आप शुरू करें।

श्री नरेश कौशिकः आदरणीय उपाध्यक्ष महोदया, मैं आपका धन्यवाद करता हूं कि आपने मुझे मेरे हल्के की आवाज उठाने के लिए इस सदन में मौका दिया। उपाध्यक्ष महोदया, मेरा आपसे निवेदन है कि जितने भी नए सम्मानित सदस्य इस सदन में चुनकर आए हैं उनको इस सदन में बोलने के लिए सबसे ज्यादा मौका दिया जाना चाहिए। आदरणीय उपाध्यक्ष महोदया, मैं आपके माध्यम से माननीय मुख्यमंत्री जी का धन्यवाद करता हूं कि इन्होंने के.एम.पी.–एकसप्रैस हाइवे को शुरू करवाया है, जिसका काम काफी समय से बंद पड़ा हुआ था। उपाध्यक्ष महोदया, मैं माननीय मुख्यमंत्री जी से निवेदन करना चाहता हूं कि जो बहादुरगढ़ दिल्ली के साथ लगता हुआ क्षेत्र है, वहां पर उद्योगपति उद्योग लगाना चाहते हैं। उपाध्यक्ष महोदया, मैं आपके माध्यम से माननीय मुख्यमंत्री जी को बताना चाहूंगा कि वहां पर 2041 के मास्टर प्लान की बहुत जरूरत है और 2041 के मास्टर–प्लान को देखते हुए वहां पर ज्यादा–से–ज्यादा उद्योग लगाने की कोशिश की जाए और वहां पर ज्यादा–से–ज्यादा इंडस्ट्रियल एरिया को बढ़ावा दिया जाए। आदरणीय उपाध्यक्ष महोदया, मैं आपके माध्यम से माननीय पी.डब्ल्यू.डी. मिनिस्टर जी का ध्यान इस ओर ध्यान दिलाना चाहता हूं कि मेरे हल्के में जाखोदा से बराही, मान्ड़ोठी से कसार और नीलोठी से पाई ये पांच या छः रास्ते हैं, इन रास्तों को बनाकर मेरे हल्के के लोगों पर कृपा करें। आदरणीय उपाध्यक्ष महोदया, मैं माननीय मुख्यमंत्री जी का धन्यवाद करता हूं कि उन्होंने मेरे हल्के में 17 घोषणाएं की थी और जिनके लिए सरकार ने राशि मंजूर कर दी है। उपाध्यक्ष महोदया, मेरे हल्के में 11 गांव ऐसे थे, जहां पर पीने का पानी नहीं पहुंच पाया था। 6 साल चौटाला जी की सरकार रही और 10 साल हुड्डा जी की सरकार रही, लेकिन इन लोगों के 16 साल की सरकार में उन गांवों मैं पानी नहीं पहुंच पाया था। उपाध्यक्ष महोदया, मैं माननीय मुख्यमंत्री जी का धन्यवाद करता हूं कि इन्होंने हमारे हल्के के गांवों में पीने का पानी उपलब्ध कराने का काम किया है। उपाध्यक्ष महोदया, आपने मुझे बोलने का मौका दिया, इसके लिए मैं आपका बहुत–बहुत धन्यवाद करता हूं।

उपाध्यक्ष महोदयाः श्री उदय भान जी, आप बोलें।

श्री उदय भानः उपाध्यक्ष महोदया, आपने मुझे इस सदन में बोलने का मौका दिया, इसके लिए मैं आपका बहुत–बहुत धन्यवाद करता हूं। उपाध्यक्ष महोदया, मैं चाहूंगा कि अगर मुझे थोड़ा–सा समय दिया जाए तो मैं सबसे पहले आपके माध्यम से इस सदन में कुछ मुद्दे उठाना चाहूंगा कि पिछली सरकार में दलित उत्पीड़न घटनाओं

को रोकने के लिए एस.सी. कमीशन बनाया गया था। उपाध्यक्ष महोदया, अभी मौजूदा बी.जे.पी. की सरकार ने अपने चुनाव घोषणापत्र 14 नम्बर पर यह स्पष्ट लिखा था कि हमारी सरकार आएगी तो हम इस एस.सी. कमीशन को संवैधानिक अधिकार देकर इसको और मजबूत करेंगे। उपाध्यक्ष महोदया, मैं आपके माध्यम से इस सदन को बताना चाहूंगा कि बी.जे.पी. की सरकार आते ही सबसे पहले उस एस.सी. कमीशन को भंग करने का काम किया गया है। उपाध्यक्ष महोदया, मैं आपके माध्यम से सरकार से जानना चाहता हूं कि इस सरकार को सत्ता में आए 3 साल हो गए हैं, क्या मौजूदा सरकार का एस.सी. कमीशन बनाने का कोई इरादा है या नहीं ? अगर इरादा है तो इस कमीशन को कब तक बनाया जाएगा ? दूसरी बात मैं यह कहना चाहूंगा कि रिजर्वेशन इन प्रमोशन को कैबिनेट ने पास कर दिया था, लेकिन उसके बावजूद जो एडवोकेट्स हाईकोर्ट में इस केस का पक्ष रखने के लिए गए, उन्होंने उस पर कोई कार्रवाई नहीं की क्योंकि एस.सी. एडवोकेट्स हैं ही नहीं और अगर एस.सी. एडवोकेट्स हैं तो उनकी संख्या केवल मात्र 3–4 ही हैं और वे भी जूनियर ही हैं। उन्होंने ठीक ढंग से उस केस को प्लीड नहीं किया इस वजह से उसकी तरफ कोई ध्यान नहीं गया। डिप्टी स्पीकर मैडम, दूसरी बात मैं यह जानना चाहता हूं कि जो पिछली सरकार के समय में गरीब आदमियों को 100–100 गज के जो प्लोट दिये गये थे उस योजना को वर्तमान सरकार द्वारा क्यों बंद कर दिया गया है और सरकार को इस योजना को बंद नहीं करना चाहिए था बल्कि उस योजना की खामियों को दूर करते हुए आगे बढ़ाना चाहिए था। मैं आपके माध्यम से सरकार से यह पूछना चाहता हूं कि क्या सरकार का इस योजना को आगे बढ़ाने का कोई इरादा है या नहीं। जिन वैनीफिशरीज़ को प्लॉट अलॉट किये गये हैं उनको अभी तक कब्जे नहीं मिले हैं उनको कब्ज़े दिलवाने के बारे में सरकार के स्तर पर क्या कार्यवाही की जा रही है। जहां–जहां पर बेसिक इन्फ्रास्ट्रक्चर मजबूत करना था उसके बाबत वहां पर क्या कार्यवाही की गई है? इसी प्रकार से बिजली और पानी की व्यवस्था भी करनी थी उसके बारे में भी सरकार यह बताये कि बिजली व पानी के मामले में सरकार के स्तर पर क्या कार्यवाही हो रही है? इसी प्रकार से जो बैक–लॉग की बात है एस.सीज., बी.सीज. का जो बैक लॉग था उसे भी पूरा करने का वायदा सरकार ने किया था लेकिन सरकार ने अब तक उसकी तरफ भी कोई ध्यान नहीं दिया है। अभी तक एक भी बैक लॉग पूरा नहीं किया गया बल्कि अपने वायदे के विपरीत सरकार ने उस

योजना को हटाने का काम किया है। सरकार ने सफाई कर्मचारी आयोग के गठन की भी बात की थी लेकिन वह बात भी अभी हवा में ही मालूम होती है क्योंकि सरकार ने उसकी तरफ भी अभी तक कोई ध्यान नहीं दिया है। ऐसे ही सरकार द्वारा 15 हजार रूपये न्यूनतम वेतन देने की बात कही गई थी लेकिन अभी तक उसकी तरफ भी कोई ध्यान नहीं दिया गया है। जो सफाई कर्मचारियों को रेगुलर करने की बात कही गई थी उसकी तरफ भी सरकार ने अभी तक कोई ध्यान नहीं दिया है। जो एस.सी. और बी.पी.एल. वर्ग के लोगों को 2 लाख रूपये से 10 लाख रूपये तक का लोन सिर्फ 4 प्रतिशत ब्याज पर दिलाने की बात कहीं गई थी जिसके लिए उन्हें कोई भी गांरटी देने की आवश्यकता नहीं थी। उस पर भी सरकार ने कोई कार्यवाही नहीं की है। इसी तरह से जो बी.पी.एल. परिवार अर्बन एरिया में रहते हैं उनके लिए 50–50 गज के मकान बनाने की जो बात की गई कही थी उस ओर भी अभी तक सरकार के स्तर पर कोई विशेष ध्यान नहीं दिया गया है। यह सरकार पूरी तरह से दलित विरोधी काम कर रही है। दलित वर्ग के विकास के लिए सरकार की कोई भी योजना नहीं है। वर्तमान सरकार की ये सभी कारगुजारियां इस बात को साबित करती हैं कि यह सरकार पूरी तरह से दलित विरोधी सरकार है। इस सरकार द्वारा कोई भी काम उनके विकास के लिए अब तक नहीं किया गया है। (शोर एवं व्यवधान)

शिक्षा मंत्री (श्री राम बिलास शर्मा) : डिप्टी स्पीकर मैडम, चौधरी उदय भान जी बहुत पुराने साथी हैं। इस सरकार पर कभी तो कांग्रेस द्वारा यह आरोप लगाया जाता है कि राष्ट्रपति उस वर्ग का बना दिया, प्राईम मिनिस्टर बैकवर्ड क्लॉस का बना दिया और ये जो इन्होंने सुझाव दिया है ये काफी अच्छा दिया है। मैं आपके माध्यम से श्री उदय भान जी को यह बताना चाहूंगा कि हम जल्दी ही सफाई कर्मचारी आयोग भी बनाने जा रहे है और एस.सी. कमीशन भी बनाने जा रहे है और मैं इनको यह बताना चाहता हूं कि हमारी सरकार दलित विरोधी नहीं है। यदि दलित विरोधी यह सरकार होती तो ऐसी योजनाओं को शुरू करने का कोई औचित्य मुझे दिखाई नहीं देता है। मान्यवर उपाध्यक्ष महोदया, आज भारत की पार्लियामैंट में सबसे ज्यादा एस.सी. और एस.टी. मैम्बर्स भारतीय जनता पार्टी के हैं। इसी प्रकार से आज 22 प्रांतों में और जहां–कहीं भी गठबंधन की सरकार है वहां पर भारतीय जनता पार्टी के जो एम.एल.एज़. हैं उनमें एस.सी. और एस.टी. विधायकों की संख्या अन्य किसी वर्ग से ज्यादा है। उपाध्यक्ष महोदया, एक और

जानकारी मैं आपके माध्यम से पूरे सदन को देना चाहूंगा कि मध्य प्रदेश विधान सभा चुनावों में 17 एस.सी. और एस.टी. उम्मीदवारों को जनरल एम.एल.एज़. की सीटों पर भारतीय जनता पार्टी के टिकट पर जीत मिली है। (शोर एवं व्यवधान)

परिवहन मंत्री (श्री कृष्ण लाल पंवार) : उपाध्यक्ष महोदया, जैसे कि मेरे साथी उदय भान जी ने एस.सी. के बैक–लॉग के बारे में जिक्र किया इस बारे में मैं इनको यह बताना चाहूंगा कि माननीय मुख्यमंत्री श्री मनोहर लाल जी, एस.सी. बैक लॉग और तमेमतअंजपवद पद चतवउवजपवद के बारे में बहुत चिंतित है। जब अतीत में भाई उदय भान जी की पार्टी की सरकार थी तो उस समय पी. राघवेन्द्र राव जी की अध्यक्ष में एक कमेटी गठित की गई थी। इस कमेटी ने अपनी रिपोर्ट दी है जिसमें यह कहा गया कि जो एस.सीज़. हैं उन्हें रोस्टर के हिसाब से पदोन्नति दी जाये और जो बैक लॉग है उसको जल्दी से जल्दी पूरा किया जाए। माननीय हाई कोर्ट की डॉयरेक्शज के अनुसार श्री पी. राघवेन्द्र राव की अध्यक्षता वाली कमेटी गठित की गई थी लेकिन इनकी सरकार के कर्ता–धर्ताओं के मन में फर्क होने की वजह से इनकी सरकार ने उस रिपोर्ट को अधूरा पेश किया। हमारी सरकार आने के बाद reservation in promotion के अंदर रिवर्शन शुरू हुई। उस समय मैं और श्री कृष्ण कुमार बेदी जी सारे दलित विधायकों को साथ लेकर मुख्यमंत्री जी के पास गए तो माननीय मुख्यमंत्री जी ने तत्काल प्रभाव से एस.सीज़. की रिवर्शन पर रोक लगाई। उसके बाद अनिल कुमार की अध्यक्षता में बनी कमेटी द्वारा अपनी रिपोर्ट प्रस्तुत की गई है यह रिपोर्ट माननीय मुख्यमंत्री जी के पास लागू करने के लिए अण्डर प्रोसेस है। हमें उम्मीद है कि जल्दी ही उस रिपोर्ट को लागू कर दिया जायेगा। इस प्रकार से वर्तमान सरकार द्वारा reservation in promotion और बैक–लॉग को पूरा किया जाएगा। (शोर एवं व्यवधान)

उपाध्यक्ष महोदया : सभी माननीय सदस्यगण, कृपया करके बैठ जायें और श्री पृथी जी को अपनी बात कहने दें। (शोर एवं व्यवधान)

श्री उदय भान : डिप्टी स्पीकर मैडम, मुझे दो मिनट का समय और दिया जाये। मैं जल्दी ही अपनी बात समाप्त कर लेता हूं।

उपाध्यक्ष महोदया : उदय भान जी, आप भी कृपया करके बैठ जायें अगर आपकी कोई विशेष समस्या रह गई है तो आप उसके बारे में लिखकर दे दें। (शोर एवं व्यवधान) गंगवा जी, आप भी कृपया करके बैठ जाये और सदन की कार्यवाही का

सुचारू रूप से चलने दें। (शोर एवं व्यवधान) अगर आपको कुछ कहना है तो जब आपको बोलने के लिए समय दिया जाये उस समय आप वह बात कह देना।

श्री उदय भान : ***

श्री रणबीर गंगवा : ***

उपाध्यक्ष महोदया : जो भी माननीय सदस्यगण मेरी परमिशन के बिना बोल रहे हैं उनकी कोई भी बात रिकार्ड न की जाये। पृथी सिंह जी, आपको बोलने के लिए समय दिया जाता है अब आप अपनी बात कहें।

श्री पृथी सिंह : उपाध्यक्ष महोदया, नरवाना शहर के बीचों–बीच नेशनल हाईवे संख्या 71 फोर–लेन बनने जा रहा है और वहां का प्रतिनिधि होने के नाते मैं वहां की समस्याओं से बहुत अच्छी तरह से वाकिफ हूं। मैं यह कहना चाहता हूं कि अगर यह प्रस्तावित फोर–लेन शहर के अंदर से निकलती है तो इससे नरवाना शहरवासियों को बड़ी भारी परेशानी का सामना करना पड़ेगा। इस रोड के दोनों ओर बहुत सी सरकारी और गैर–सरकारी संस्थायें हैं। अगर इस फोर–लेन सड़क को नरवाना शहर के बीच में से ही निकाला जायेगा तो स्कूल, आई.टी.आई., कॉलेज व टैक्नीकल कॉलेज इत्यादि में जाने वाले विद्यार्थियों, हॉस्पिटल में जाने वाले मरीजों और सरकारी व गैर–सरकारी कार्यालयों में जाने वाले कर्मचारियों व आम जनता को इससे बहुत भारी परेशानी का सामना करना पडेगा। नरवाना शहर में इस सड़क के दोनों तरफ जो छोटी–छोटी इण्डस्ट्रीज़ हैं उनके ऊपर भी इस फोर–लेन सड़क के नरवाना शहर के बीच से निकाले जाने पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ेगा इसलिए मेरा आपके माध्यम से सरकार से निवेदन है कि नरवाना शहर के सभी निवासियों के हित को ध्यान में रखते हुए नरवाना शहर में इस रोड पर बाई–पास बनवाया जाए ताकि इस रोड के नरवाना शहर के बीच में से जाने पर वहां के लोगों को कोई असुविधा न हो। उपाध्यक्ष महोदया, आपने मुझे बोलने के लिए समय दिया इसके लिए मैं आपका बहुत–बहुत धन्यवाद करता हूं।

सरदार बलकौर सिंह जी : उपाध्यक्ष महोदया, आपका बहुत–बहुत धन्यवाद। मेरे हल्के के काफी मुद्दे ऐसे हैं जिनको सरकार के ध्यान में लाया जाना बहुत जरूरी

***चेयर के आदेशानुसार रिकार्ड नहीं किया गया।**

14:00 बजे

है। मैं केवल महत्वपूर्ण मुद्दों पर ही आपके माध्यम से सरकार का ध्यान आकर्षित करवाना चाहता हूं। मुख्यमंत्री जी द्वारा मेरे क्षेत्र कालांवाली में एक पी.एच.सी. को सी.एच.सी. बनाने की अनाउंसमैंट की गई थी परन्तु वहां पर कोई भी डॉक्टर नहीं है वहां पर डॉक्टर की पोस्ट खाली पड़ी है इसलिए मैं आपके माध्यम से सरकार से कहना चाहता हूं कि कोई अमीर आदमी तो सरकारी हॉस्पिटल में जाता नहीं है लेकिन जब गरीब लोग सरकारी हॉस्पिटल में जाते हैं और यदि उनको वहां पर कोई डॉक्टर ही न मिले तो यह बहुत ज्यादा शर्म की बात है। दूसरी बात मैं यह कहना चाहता हूं कि मेरे हल्के में एक सी.एच.सी., बड़ा गुढ़ा है। वहां पर भी स्टाफ की बहुत कमी है। वहां पर भी स्टाफ की कमी को दूर किया जाये। इस ओर भी मैं आपके माध्यम से सरकार का ध्यान दिलाना चाहता हूं। तीसरी बात यह है कि मेरे क्षेत्र कालांवाली में मैंने पाईप–लाईन के लिए मुख्यमंत्री जी से मंजूरी ली थी तो उन्होंने पाईप–लाईन के लिए पैसा भी दे दिया और पाईप–लाईन डलवाने के लिए टैंडर भी हो गया। इसके लिए जो निर्धारित समय–सीमा थी वह भी निकल चुकी है लेकिन नहर से वॉटर–वर्क्स तक पाईप–लाईन डलवाने का कार्य अभी तक भी पूरा नहीं हुआ है। पाईप–लाईन डालने का ये काम बीच में ही लटका हुआ है। इस मामले में डिले का क्या कारण है? यह मैं आपके माध्यम से सरकार से पूछना चाहता हूं। उपाध्यक्ष महोदया, इसके अलावा मैं माननीय शिक्षा मंत्री जी से निवेदन करना चाहता हूं कि मेरे विधान सभा क्षेत्र डबवाली और कालांवाली के अधिकतर बच्चे पंजाबी यूनिवर्सिटी, पटियाला से पढ़े हुये हैं। सरकार की जो सक्षम योजना है जिसके तहत रोजगार कार्यालय के माध्यम से 100 घंटे का रोजगार मुहैया करवाया जाता है उसमें सरकार द्वारा जो यूनिवर्सिटीज मान्य की गई हैं उनमें यू.टी., चण्डीगढ़ और एन.सी.टी. दिल्ली को शामिल किया गया है तथा उसमें उस पंजाबी यूनिवर्सिटी पटियाला को बाहर रखा गया है जिसके कारण मेरे विधान सभा क्षेत्र के ज्यादातर बच्चे इस सक्षम योजना के लाभ से वंचित रह गये हैं इसलिए मेरा आपके माध्यम से शिक्षा मंत्री महोदय से निवेदन है कि पंजाबी यूनिवर्सिटी पटियाला को भी सक्षम योजना में शामिल किया जाये ताकि मेरे विधान सभा क्षेत्र के ज्यादा से ज्यादा बच्चों को इस सक्षम योजना का लाभ मिल सके और उनको 100 घंटे का रोजगार मिल सके।

उपाध्यक्ष महोदयाः ठीक है, बलकौर सिंह जी, अब आप बैठिए।

श्री बलकौर सिंह : उपाध्यक्ष महोदया, मेरी कुछ मांगे लिखित में हैं, आप उन्हें प्रोसीडिंग्ज का पार्ट बना देना।

उपाध्यक्ष महोदयाः ठीक है, आप उन्हें सदन के पटल पर रख दीजिए।

***श्री बलकौर सिंह :** उपाध्यक्ष महोदया, सक्षम योजना में 100 घंटे काम रोजगार ऑफिस के माध्यम से दिया जाता है जिसमें सरकार द्वारा पंजाबी यूनिवर्सिटी पटियाला को मान्यता नहीं दी गई, केवल पंजाबी यूनिवर्सिटी यू. टी. चण्डीगढ़, एन. सी.टी दिल्ली, और हरियाणा को ही मान्यता दी है। मेरा हल्का कालांवाली और जिला सिरसा का ज्यादा भाग पंजाब के साथ लगता है और यहां के लड़के–लड़कियों की ज्यादातर पढ़ाई पंजाबी यूनिवर्सिटी पटियाला से ही पूरी होती है, इस यूनिवर्सिटी में ऐसी कौन सी कमी है कि जिस की वजह से हरियाणा सरकार इसको सक्षम योजना में मान्यता नहीं दे रही। सरकार को चाहिए की पंजाबी यूनिवर्सिटी पटियाला को भी सक्षम योजना में मान्यता देनी चाहिए ताकि ज्यादा से ज्यादा बच्चे जो इस यूनिवर्सिटी से पढ़े है वे इस योजना का लाभ प्राप्त कर पाए। मैं सरकार से कहना चाहता हूं कि सक्षम योजना में पंजाबी यूनिवर्सिटी पटियाला को मान्यता क्यों नही दी गई ?

क्या स्वास्थ्य मंत्री यह बताएंगे कि–

(क) C.H.C बड़ागुढ़ा में स्टाफ की पोजीशन क्या है। इस समय C.H.C बड़ागुढ़ा में कुल 13 पोस्ट भरी है और 30 पोस्ट खाली पड़ी हैं

(ख) C.H.C बड़ागुढ़ा में 6 बैड का होस्पीटल है।

क्या स्वास्थ्य मंत्री यह बताएंगे कि–

(क) P.H.C कालांवाली जिसको कि दिनांक 25 अगस्त 2016 को अपग्रेड करके C.H.C बनाया गया है, वर्ष 1994–95 से लेकर अब तक कभी भी इस अस्पताल में स्टाफ पूरा क्यों नहीं हुआ।

.....

*** चेयर के आदेशानुसार लिखित स्पीच को प्रोसीडिंग्स का पार्ट बनाया गया।**

(ख) इस C.H.C टोटल 50 पद इस में सैक्शंज है और इनमें से इस समय डयूटी पर टोटल 5 अधिकारी/कर्मचारी हैं शेष 45 क्यों खाली पड़े हैं इसका क्या कारण हैं ?

श्री सुभाष सुधाः उपाध्यक्ष महोदया, आपने मुझे बोलने के लिए समय दिया उसके लिए मैं आपका धन्यवाद करता हूं। मैंने पिछले विधान सभा सत्र में भी कुरूक्षेत्र यूनिवर्सिटी के मैस कर्मचारियों की मांग उठाई थी कि उनको केवल 4000 रुपये वेतन मिलता है, उस समय शिक्षा मंत्री जी ने कहा था कि उनका कोर्ट में केस पैंडिंग है। अब मैं बताना चाहता हूं कि वे लेबर कोर्ट से केस जीत चुके हैं और मैंने शिक्षा मंत्री जी से उनको मिलवाया भी है और शिक्षा मंत्री जी ने फाइल पर यूनिवर्सिटी के लिए ऑर्डर भी कर दिये हैं । इसलिए अब मेरा आपके माध्यम से शिक्षा मंत्री जी से अनुरोध है कि कोर्ट के आदेशों की अनुपालना की जाये ताकि उनको रेगुलर किया जा सके।

श्री जाकिर हुसैनः उपाध्यक्ष महोदया, मैं एक महत्वपूर्ण विषय की ओर सरकार का ध्यान आकर्षित करना चाहता हूं जिस पर आज मेरा तारांकित प्रश्न संख्या 2136 भी लगा हुआ था जिसमें गुरूग्राम से अलवर वाया नूंह रेलवे लाईन बिछाने का जिक्र था। उसके बारे में 1971 में जब चौधरी तैयब हुसैन जी एम.पी. थे तब सर्वे हुआ था उसके बाद कई बार सर्वे हो चुका है और कांग्रेस राज में बार–बार यह कहा गया कि इसका बजट पास हो गया है और रेलवे लाईन मंजूर हो गई है । हमारे मेवात के लोगों को बहकाया गया जबकि आज सरकार ने यह कहा है कि इसकी फिजिबिलिटी रिपोर्ट देने के लिए मुख्य सचिव की अध्यक्षता में एक समिति का गठन किया गया है। यह बहुत गम्भीर विषय है कांग्रेस के राज में यह रेलवे लाईन मंजूर ही नही थी और इतना बड़ा झूठ मेवात के बारे में बोला गया है। मेवात क्षेत्र के लोगों को इसकी बहुत जरूरत है। मेरा आपके माध्यम से माननीय मुख्यमंत्री जी से निवेदन है कि इस पर जल्दी से जल्दी काम शुरू करवाया जाये। इसके साथ ही साथ कांग्रेस की सरकार ने मेवात के लोगों के सामने जो इतना बड़ा झूठ बोला है उसका सच भी लोगों के सामने आना चाहिए।

श्री रामचन्द कम्बोजः उपाध्यक्ष महोदया, मैं आपके माध्यम से सदन के नेता के ध्यान में लाना चाहूंगा कि रानियां तहसील का 1989 से तहसील का दर्जा है। उपमण्डल

के लिए यह तहसील सभी नार्म्स भी पूरे करती है और म्यूनिसिपल कमेटी ने प्रस्ताव भी पारित कर दिया है कि इसके भवन निर्माण के लिए जमीन म्यूनिसिपल कमेटी दे देगी। मेरा आपके माध्यम से सरकार से विनम्र निवेदन है कि रानियां तहसील को उप–मण्डल का दर्जा दिया जाये। मेरी दूसरी मांग आदरणीय धनखड़ साहब से है कि पिछले सत्र में मेरे विधान सभा क्षेत्र में हुई पशुओं की मौत पर दुधारू पशुओं के लिए 25 हजार रुपये तथा अन्य पशुओं के लिए 5 हजार रुपये मुआवजा देने की घोषणा की गई थी लेकिन अभी तक वह मुआवजा किसानों और पशु पालकों को नहीं मिल पाया है। अब मैं सी.एम. अनाउंसमैंट्स के बारे में बोलना चाहता हूं। मेरे विधान सभा क्षेत्र की 4–5 सी.एम. अनाउंसमैंट्स जिनके प्रोपोजल भी बने हुये हैं लेकिन उन पर एक प्रतिशत भी काम शुरू नहीं हुआ है इसलिए मेरा आपके माध्यम से माननीय मुख्यमंत्री जी से निवेदन है कि उन पर शीघ्रातिशीघ्र काम शुरू करवाया जाये। जो जे.बी.टी. टीचर्ज लगे हुए हैं वे अलग–अलग जिलों में लगे हुये हैं। कोई सिरसा का बच्चा अम्बाला लगा हुआ है, कोई कहीं पर लगा हुआ है इसलिए सरकार जल्दी से जल्दी कोई ऐसी तबादला पॉलिसी बनाए जिससे वे बच्चे अपने जिलों में तबादला करवा कर नौकरी कर सकें तथा उनको कोई परेशानी न हो। उपाध्यक्ष महोदया, अंत में मैं आपके माध्यम से लोक निर्माण मंत्री राव नरबीर जी से पूछना चाहूंगा कि घग्गर नदी पर रानियां–कुतावड़ पुल का निर्माण कार्य कब तक शुरू हो जायेगा? मैडम, आपने मुझे अपनी डिमांड रखने के लिए समय दिया उसके लिए आपका बहुत–बहुत धन्यवाद।

डॉ0 अभय सिंह यादव : उपाध्यक्ष महोदया, मैं अपने जिले की दो छोटी–छोटी बातें यहां रखना चाहता हूं । एक तो हमारे महेन्द्रगढ़ जिले में चौकीदारों की तनख्वाह कई दिनों से रूकी हुई है जिसको मैं माननीय मुख्यमंत्री जी के ध्यान में लाना चाहता हूं । दूसरा जो एक्स सर्विसमैन हैं उनकी नारनौल में सी.एस.डी. कैंटीन है उसमें उनका कोई L-9 लाईसैंस होता है जो कई दिनों से रिन्यू नहीं हुआ है उनको उससे काफी प्रॉब्लम है बस ये मेरी दो छोटी–छोटी बातें हैं । इन्हीं शब्दों के साथ आपका धन्यवाद ।

श्रीमती गीता भुक्कल : उपाध्यक्ष महोदया, धन्यवाद । पिछले दिनों हमने कई बार माननीय शिक्षा मंत्री जी की स्टेटमैंट पढ़ी थी कि सिक्योरिटी ऑफ स्टुडैंट्स इन एजुकेशन इंस्टीच्यूट पर सरकार एक बिल लेकर आएगी । उस संबंध में केवल मेरा जानना यही है कि रेयान स्कूल गुड़गांव में एक बच्चे प्रद्यूमन की जो हत्या हुई

उसके बाद कई जगह स्टुडैंट्स का यह मामला निकल कर आया है जिसमें स्टुडैंट्स को बंधक बनाया गया या सैक्सुअल ह्यसमैंट के केसिज आए हैं या सिक्योरिटी प्रॉब्लम आई हैं । मैं माननीय शिक्षा मंत्री जी से कहना चाहूंगी कि यह ठीक है कि स्टेट कमीशन फॉर प्रोटैक्शन ऑफ चाइल्ड राईट्स भी है और नैशनल कमीशन फॉर प्रोटैक्शन ऑफ चाइल्ड राईट्स भी है । हमने सुना है कि सरकार सिक्योरिटी ऑफ एजुकेशन पर एक बिल लेकर आएगी और यह विशेष तौर पर उन इंस्टीच्यूट्स पर लागू होगा जिसमें हमारे बच्चे, महिलाएं और बेटियां पढ़ती हैं । इसके साथ ही मैं मंत्री जी से एक बात और कहना चाहूंगी कि जो उन्होंने कहा है कि हमने ज्यादातर क्षेत्रों में एजुकेशनल इंस्टीच्यूट में सी.सी.टी.वी कैमराज लगा दिये हैं । मेरा अनुरोध है कि एक बार यह जरूर जांच करवा लें कि वह सी.सी.टी.वी कैमराज लगाने के साथ–साथ वह कैमराज कितने ज्यादा वर्किंग में हैं । इसके साथ ही हम अनुरोध करेंगे कि मीडिया ने जिस बात को उठाया है वह बड़ा दुर्भाग्यपूर्ण है और मैं उसकी निन्दा भी करती हूं कि मीडिया के साथियों पर जो अटैक किया गया और लाठी चार्ज किया गया वह भी गलत है क्योंकि जब मीडिया समाज से जुड़े हुए मुद्दों को दिखाता है तो वह उनका अधिकार भी है ताकि सभी लोगों को पूरी जानकारी हो । इसलिए मैं माननीय शिक्षामंत्री जी से पुनः अनुरोध करूंगी कि सरकार सिक्योरिटी ऑफ एजूकेशन पर जो बिल लेकर आ रही है वह जरूर लेकर आए ।

श्री ओमप्रकाश बरवा : उपाध्यक्ष महोदया, मेरे हल्का लोहारू की एक बहुत बड़ी समस्या है । लोहारू हल्के में तीन ब्लॉक हैं । लोहारू और बहल जहां नरमा की फसल झुलसा रोग के कारण पूरी तरह से बर्बाद हो गई है और तीसरा ब्लॉक है सिवानी जहां सिंचाई का कोई साधन नहीं है वहां सूखे के कारण गवार और बाजरा पूरी से तरह से बर्बाद हो चुका है । इसलिये मेरी आपके माध्यम से निवेदन है कि वहां तुरंत प्रभाव से गिरदावरी करवा कर किसान को उसका मुआवजा दिया जाए । मेरी एक बात और है जिसमें पारदर्शिता का मामला है । मेरे बारड़ा हल्के में जेवली और बारड़ा ग्राम पंचायत में ऐसी गलियां बनी हैं जिसके बारे में मौजूदा सरपंच ये कहते हैं कि यह गली मेरे समय में नहीं बनी है । आर.टी.आई. लगाकर इस बात का पता किया गया है । लेकिन यह गली बनी है और इसके मस्टर रोल वगैरह सारी चीज हैं । जिसमें झूठे नाम दिये गये हैं । कई पेमेंट तो ऐसी की गई हैं जिसका नाम मस्टर रोल में भी नहीं है । इसलिये मैं निवेदन करता हूं कि आप जो

बार–बार पारदर्शिता के बारे में कहते हैं इसमें बड़े लोग भी शामिल हैं । मुख्यमंत्री जी इसमें एक करोड़ रूपये का घोटाला है । इसकी जांच की जाए । मेरा बस आपसे यही निवेदन है । धन्यवाद ।

उपाध्यक्ष महोदया : आप इसको लिख कर दे दीजिये ।

श्री राजदीप सिंह फौगाट : उपाध्यक्ष महोदया, बहुत–बहुत धन्यवाद । अभी दिवाली पर हमारे मुख्यमंत्री जी दादरी आए थे जिसमें मुझे भी यह आशा थी कि वह मुझे भी अपने प्रोग्राम में बुलाएंगे ताकि हम हमारी दादरी की जो समस्याएं हैं। उनके सामने रखते । लेकिन मुख्यमंत्री जी ने हमें अपने उस प्रोग्राम में नहीं बुलाया जबकि उन्होंने उसमें सरपंचों को, जिला पार्षदों को बुलाया और एक वहां के विधायक को छोड़ दिया ताकि वह अपने हल्के की समस्या न रख सके । वहां तो मुख्यमंत्री जी ने मेरी सुनी नहीं ।

उपाध्यक्ष महोदया : आप अपने हल्के की समस्याओं को लिख कर दे दीजिये ।

श्री राजदीप सिंह फौगाट : उपाध्यक्ष महोदया, मैंने अपने हल्के की समस्याएं मुख्यमंत्री जी को लिख कर भी दी थी । मैं आपके माध्यम से मुख्यमंत्री जी को यह बताना चाहता हूं कि दादरी को जिले का दर्जा मिले एक साल से ऊपर हो गया है लेकिन अभी तक सरकार की तरफ से उस जिला न्यायालय कैंपस की अभी तक कोई बाउंडरी भी नहीं बनाई गई । दूसरी एक जो सबसे बड़ी बात है वह यह है कि जिला लैवल पर 50 से अधिक ऑफिसर्ज होते हैं लेकिन अभी तक वहां पर केवल डी.सी. और एस.पी. बैठते हैं तथा एक साल से इनके अलावा कोई एक भी ऑफिसर्ज दादरी में नहीं है जिस कारण लोगों को अपने सारे के सारे कार्य भिवानी जाकर करवाने पड़ते हैं । मैं आदरणीय मुख्यमंत्री जी से कहना चाहूंगा कि अगर वह कभी दादरी आएं तो वहां के एम.एल.ए. को भी जरूर बुलाएं । हम भी उनका स्वागत करेंगे और अपनी बात रख सकेंगे । इसके अलावा बी.जे.पी. के घोषणा पत्र में था कि जब भी हमारी पार्टी की सरकार बनेगी तो हम छात्र संघ के चुनाव कराएंगे । अब सरकार के तीन साल बीतने को हो गये लेकिन उसके बारे में इन्होंने अभी तक अपनी कोई बात नहीं रखी कि ये छात्र संघ का चुनाव कराएंगे या नही कराएंगे । इन्होंने जो एक आयोग बनाया उन्होंने भी यह रिपोर्ट दी कि छात्रसंघ के चुनाव होने चाहिएं । मैं आदरणीय शिक्षा मंत्री जी से पूछना चाहूंगा कि सरकार की जो छात्र संघ का चुनाव करवाने की घोषणा थी, उसको जल्दी से

जल्दी पूरा कराएं ताकि हम अपनी बात छात्र संघ के माध्यम से सरकार तक पहुंचा सकें क्योंकि हमारे हल्के की बहुत सारी समस्याएं हैं । धन्यवाद ।

उपाध्यक्ष महोदया : आप अपने हल्के की सारी समस्याएं लिख कर दे दें ।

श्री राजदीप सिंह फौगाटः ठीक है, उपाध्यक्ष महोदया मैं अपनी मांगे लिखकर दे देता हूं।

उपाध्यक्ष महोदयाः ठीक है, आप उन्हें सदन के पटल पर रख दीजिए।

***श्री राजदीप फोगाट :** माननीय उपाध्यक्ष महोदया, मैं आपके माध्यम से सदन के सामने एक महत्वपूर्ण विषय रखना चाहता हूं। मुझे अपने हल्के के एक व्यक्ति श्री सत्यवान पुत्र श्री जयचन्द निवासी, घिकाड़ा जिला (चरखी दादरी) से शिकायत प्राप्त हुई है कि उसे भवानी खेड़ा से भा.ज.पा. के विधायक बिशम्बर बाल्मीकी के सगे जीजे प्रशांत द्वारा झूठे मुकदमें में फंसाने का प्रयास किया जा रहा है। इस मामले में पुलिस भी प्रशांत की मदद कर रही है मैं चाहता हूं कि सरकार इस मामले को देखे।

श्री विक्रम सिंह यादवः उपाध्यक्ष महोदया, मैं आपके माध्यम से माननीय शिक्षा मंत्री जी के संज्ञान में एक बात लाना चाहूंगा कि पिछली सरकार में जब बहन गीता भुक्कल जी शिक्षा मंत्री हुआ करती थी उस समय हमारे कोसली हल्के में एक महिला कॉलेज की घोषणा की गई थी जिसके लिए मैं आज भी बहन गीता भुक्कल जी का धन्यवादी हूँ। कांग्रेस सरकार ने जाते–जाते इस महिला कॉलेज को रीजनल सैंटर में तबदील कर दिया जोकि भगत फूल सिंह महिला विश्वविद्यालय, खानपुरकलां के अंतर्गत आता है और इस रीजनल सैंटर को गांव लूल्ला अहीर में बनाने का प्रावधान रखा गया। ग्राम पंचायत, लूल्ला अहीर ने 25 एकड़ जमीन इस रीजनल सैंटर के लिए फ्री ऑफ कॉस्ट दी और हमारी भारतीय जनता पार्टी की सरकार ने सत्ता में आते ही इस रीजनल सैंटर को चालू करवाया जिसके लिए मैं माननीय शिक्षा मंत्री जी को धन्यवाद करता हूँ और साथ ही यह बात भी उनके संज्ञान में लाना चाहूंगा कि यद्यपि इस रीजनल सैंटर को चलते हुए तीन वर्ष का लंबा समय बीत चुका है परन्तु बावजूद इसके आज तक इस रीजनल सैंटर में

*** चेयर के आदेशानुसार लिखित स्पीच को प्रोसीडिंग्स का पार्ट बनाया गया।**

किसी भी परमानेंट प्रोफेसर की नियुक्ति नहीं की गई है। यहां पर अब तक जितने भी असिस्टैंट प्रोफेसर लगे हैं, वह सब कांट्रैक्ट बेसिज पर ही हैं। विडम्बना देखिये यहां का जो इंचार्ज है उसको भी कांट्रैक्ट बेसिज पर ही रखा गया है। इसका रिजल्ट यह देखने में आया है कि हमारी बेटियों तथा बहनों का भविष्य अंधकारमय होता जा रहा है। इस परिपेक्ष्य में मेरा माननीय शिक्षा मंत्री जी से अनुरोध है कि रीजनल सैंटर, लूल्ला अहीर में रेगुलर प्रोफेसर की नियुक्ति की जाये ताकि जो रीजनल सैंटर के इंचार्ज की पोस्ट है, कम से कम वह तो रेगुलर व्यक्ति से भरी हो? इस रीजनल सैंटर की वजह से हमारी बेटियों व बहनों में जो चार्म पैदा हुआ था, कहीं न कहीं वह समाप्त होता जा रहा है। उपाध्यक्ष महोदया, पिछले तीन साल में यहां पर बिल्डिंग के नाम पर एक ईंट तक भी नहीं लगाई गई है। उपाध्यक्ष महोदया, सरकार द्वारा महिलाओं को सशक्त बनाने की दिशा में अनेक कार्यक्रम चलाये जा रहे है। हमारी सरकार बेटी बचाओ–बेटी पढ़ाओ की अवधारणा पर गम्भीरता से काम कर रही है लेकिन बावजूद इसके यह रीजनल सैंटर जिसकी वजह से हमारी हमारी बेटियों व बहनों को उनके अपने जीवन को स्वर्णिम बनाने की आश बंधी थी, इन तमाम विसंगतियों की वजह से यह आश धूमिल होती जा रही है। मेरे हल्के में हमारी बेटियों व बहनों के लिए यह एकमात्र रीजनल सैंटर है जिसकी दुर्दशा की वजह से हमारी बहनो–बेटियों का भविष्य दांव पर लगा हुआ है। उपाध्यक्ष महोदया, मेरा आपके माध्यम से माननीय शिक्षा मंत्री जी से अनुरोध है कि मैंने जो यह मामला आज सदन में उठाया है यह बहुत ही महत्वपूर्ण मामला है इसलिए इस रीजनल सैंटर में परमानेंट प्रोफेसर की नियुक्ति की जाये और इसकी बिल्डिंग को बनाने में भी गम्भीरतापूर्वक कार्य किया जाये। उपाध्यक्ष महोदया, इसके अतिरिक्त वर्ष 2015 में जिला रेवाड़ी में स्थित मेरे हल्के कोसली में रोड़वेज का एक सब–डिपो खोलने की घोषणा की गई थी लेकिन विडम्बना देखिये सब–डिपो तो दूर की बात, यहां पर आज तक एक बस तक नहीं चल पाई है। इस बारे में मैं बार–बार माननीय मुख्यमंत्री जी से निवेदन करता आ रहा हूँ और यही नहीं मैं जब इस सब–डिपो के बारे में बात करने माननीय परिवहन मंत्री जी के पास जाता हूँ तो मुझे उत्तर मिलता है कि यह विषय सरकार के संज्ञान में है और जल्द ही इस पर काम शुरू होगा। उपाध्यक्ष महोदया, मैं आपके माध्यम से माननीय परिवहन मंत्री जी से जानना चाहूंगा कि क्या मेरे हल्के कोसली में रोड़वेज का यह सब–डिपो खोला भी जायेगा?

परिवहन मंत्री (श्री कृष्ण लाल पंवार): उपाध्यक्ष महोदया, कोसली हल्के में रोडवेज का सब–डिपो बनाने की एक सी.एम. अनाउंसमैंट थी। मैंने इस बारे में फाइल डाउन में भेजी लेकिन डिपार्टमैंट की तरफ से नॉट–फिजिबल लिखकर आ रहा था जिसकी वजह से यह काम नहीं हो सका।

श्री बिक्रम सिंह यादवः उपाध्यक्ष महोदया, मैं जब भी इस बारे में बात करता हूँ तो हर बार मुझे यही उत्तर प्राप्त होता है कि नॉट–फिजिबल। मैं इस संबंध में पी.एस. सी.एम. श्री राजेश खुल्लर से मिल चुका हूँ और उन्होंने मुझे बताया है कि कोसली का सब–डिपो मंजूर कर दिया गया है लेकिन बावजूद इसके यह फाइल अभी भी अधर में ही लटकी हुई है।

श्री कृष्ण लाल पंवारः उपाध्यक्ष महोदया, मैं माननीय सदस्य को आश्वस्त करता हूँ कि इस मामले को मैं एक बार फिर से चैक करवा लूंगा।

श्री असीम गोयलः उपाध्यक्ष महोदया, मैं अपने निर्वाचन क्षेत्र अम्बाला शहर से संबंधित एक महत्वपूर्ण समस्या की ओर सरकार का ध्यान दिलाना चाहूंगा। अम्बाला शहर में दिल्ली से लुधियाना जाने वाला जो मेन रोड़ है, इस मेन रोड़ पर पिछले लगभग 50 वर्षो से एक मोटर मार्किट स्थित है। यह मोटर मार्किट इस मेन रोड़ पर स्थित होने की वजह से यहां पर अकसर जाम की स्थिति बनी रहती है। अतः उपाध्यक्ष महोदया, मेरा आपके माध्यम से सरकार से अनुरोध है कि इस मोटर मार्किट के लिए अम्बाला शहर से दूर कोई 20–25 एकड़ जगह चिन्हित की जाये और वहां पर इस मोटर मार्किट को शिफ्ट कर दिया जाये। इसकी वजह से अम्बाला शहर को जाम से मुक्ति मिल सकेगी और मोटर मार्किट से खाली हुई इस जगह पर कुछ और नई चीज भी बनाई जा सकती है।

श्री मूल चन्द शर्मा : उपाध्यक्ष महोदया, मेरे क्षेत्र में ई.डब्ल्यू.एस. के लिए 5 मंजिला छोटे फ्लैट्स बनाये गये थे । उस समय वहां पर माननीय मुख्य मंत्री महोदय भी गये थे और उन्होंने आदेश दिया था कि इकॉनोमिक वीकर सैक्शन के इन फ्लैट्स को शिफ्ट किया जाएगा । इस फ्लैट्स को बने 13–14 वर्ष हो चुके हैं । ये फ्लैट्स मेरे विधानसभा क्षेत्र में तीन जगहों पर बने हुऐ हैं और इनकी संख्या 6 हजार है । अगर इनको ट्रांसफर नहीं किया गया तो इन फ्लैट्स की हालत जर्जर हो जाएगी । इस काम में कोई पैसा भी नहीं लगना है । इसके लिए सरकार को सिर्फ कागज

पर आदेश करने हैं । इससे वहां के गरीब लोगों को मकान मिल जाएंगे और स्लम्स ट्रांसफर हो जाएगी ।

ध्यानाकर्षण प्रस्वाव–

राज्य के ग्रामीण क्षेत्रों में राजकीय विद्यालयों में पढ़ रहे विद्याथियों को सरकारी नौकरियों में वरीयता देने संबंधी

उपाध्यक्ष महोदया : माननीय सदस्यगण, मुझे श्री परमिन्दर सिंह ढुल, विधायक तथा दो अन्य विधायकों श्री केहर सिंह और प्रो. रविन्द्र बलियाला द्वारा प्रदेश में देहाती आंचल में सरकारी स्कूलों में पढ़ने वाले बच्चों को सरकारी नौकरियों में वरीयता देने बारे ध्यानाकर्षण सूचना संख्या 28 प्राप्त हुई है । मैंने इसे स्वीकार कर लिया है । प्रथम हस्ताक्षरी होने के नाते माननीय सदस्य श्री परमिन्दर सिंह ढुल अपनी ध्यानाकर्षण सूचना पढ़ें । श्री केहर सिंह, विधायक तथा प्रो. रविन्द्र बलियाला, विधायक इस पर केवल सप्लीमैंट्री पूछ सकते हैं ।

श्री परमिन्दर सिंह ढुल : उपाध्यक्ष महोदया, मैंने और श्री केहर सिंह, विधायक तथा प्रो. रविन्द्र बलियाला, विधायक ने इस महान सदन का ध्यान एक अति लोकहित के विषय की ओर दिलाना चाहा है कि सरकार ने निर्णय लिया है कि श्रेणी तीन और चार योग्यता पर नौकरी देने का निर्णय किया है । इस निर्णय में सरकार की मंशा ठीक नजर नहीं आती । योग्यता के आधार पर नौकरी देना उचित निर्णय है लेकिन हरियाणा के देहाती आंचल में और प्रदेश के सरकारी स्कूलों में पढ़ने वाले बच्चे जोकि आज शिक्षा के स्तर के मुताबिक प्रदेश के कॉन्वेंट स्कूल और प्राइवेट स्कूलों के बच्चों के मुकाबले में योग्यता का मुकाबला नहीं कर सकते । इस निर्णय से प्रदेश की लगभग 80 प्रतिशत जनसंख्या नौकरियों से वंचित रह जायेगी तो सरकार इस विषय पर सदन में वक्तव्य दे कि अतिरिक्त अंक देकर सरकार के देहाती आंचल के स्कूलों में पढ़ने वाले बच्चों को वरीयता दी जाएगी ।

वक्तव्य–

मुख्यमंत्री द्वारा उपरोक्त ध्यानाकर्षण प्रस्ताव संबंधी

मुख्य मंत्री (श्री मनोहर लाल) : उपाध्यक्ष महोदया, माननीय प्रधानमंत्री जी ने 15 अगस्त, 2015 को घोषणा की थी कि ग्रुपा बी (गैर–राजपत्रित और सभी समतुल्य पद), ग्रुप सी और ग्रुप डी (जो अब पुनः समूह सी के रूप में नामित किए गए हैं) में भर्ती के लिए पहली जनवरी, 2016 से भारत सरकार द्वारा साक्षात्कार समाप्त कर दिए गए। कौशल परीक्षण या भौतिक परीक्षण जहां भी लागू हैं, यद्यपि जारी रहेंगे, तथापि, ये परिक्षाएं केवल योग्यता प्रकृति की होंगी और ऐसी परीक्षाओं के अंको को

चयन के उद्देश्य के लिए नहीं गिना जाएगा। भारत के माननीय राष्ट्रपति ने संसद के दोनों सदनों के सदस्यों को 31 जनवरी, 2017 को संबोधित करते हुए शासन की कार्य पद्धति के बदलाव पर जोर देते हुए इस ओर इशारा किया था कि सरकारी नौकरियों की भर्ती को और अधिक सरल और पारदर्शी बनाते हुए गैरराजपत्रित पदों की भर्ती के लिए साक्षात्कार को समाप्त कर दिया जाना चाहिए। भारत सरकार इस मामले में जूनियर स्तर पर चयन परीक्षा की प्रक्रिया को पारदर्शी माध्यम से करने के लिए राज्यों से अनुरोध कर रही है। साक्षात्कार का समापन केवल एक लागत प्रभावी प्रक्रिया ही नहीं होगी, बल्कि सामाजिक सुधार नीति के विचारणीय विषय के रूप में एक पथप्रदर्शक निर्णय होगा।

2008 में अधिसूचना क्रमांक जीएसआर 41/संवि./अनु.309/2008 दिनांक 27 नवंबर 2008 के तहत ग्रुप डी की भर्ती हरियाणा कर्मचारी चयन समिति के माध्यम से करने का निर्णय लिया गया था। समिति की समयावधि तीन साल थी। चयन समिति के अध्यक्ष श्री जे.पी. कौशिक, आई.ए.एस. ने सरकार को निम्न त्रुटियों के बारे में एक रिपोर्ट प्रस्तुत की जो उनके साक्षात्कार के दौरान आईः

1. जिला मेवात के केस में 48.4 प्रतिशत अभ्यर्थियों को 80 प्रतिशत और इससे ज्यादा नम्बर दिए गए, जबकि क्रमशः पानीपत, कुरूक्षेत्र और रोहतक में यह प्रतिशत 0.5 प्रतिशत, 2 प्रतिशत और 3 प्रतिशत रहा।
2. कुछ अभ्यर्थियों द्वारा निजी स्कूलों से 20,000 से लेकर 50,000 रुपये तक का भुगतान कर फर्जी प्रमाणपत्र प्राप्त किए गए।
3. फरीदाबाद और यमुनानगर में कुछ अभ्यार्थियों के साक्षात्कार उन अधिकारियों द्वारा लिए गए जो चयन समिति के सदस्य नहीं थे।

तदोपरान्त मंत्री परिषद की 27 जुलाई, 2011 की बैठक में यह महसूस किया गया कि चयन प्रक्रिया भ्रष्ट हुई है और यह निर्णय लिया गया कि चयन समिति को भंग कर दिया जाए। 10.06.2013 को सरकार ने निर्णय लिण कि चतुर्थ श्रेणी के रिक्त पदों को संयुक्त भर्ती अभियान के तहत भरा जाएगा। सामान्य प्रशासन विभाग को उपरोक्त कार्य करने के लिए अधिकृत किया गया और रोजगार निदेशालय को आवेदन ऑनलाईन मंगाने के लिए नोडल एजेंसी के रूप में नामित किया गया। 16,330 पदों की मांगपत्र प्राप्त करने के बाद 22.02.2014 को सामान्य प्रशासन विभाग द्वारा 13,563 पदों को भर्ती के लिए विज्ञापन जारी किया गया । इस विज्ञापन की एवज में 4,51,431 आवेदन प्राप्त हुए थे। स्कूल शिक्षा बोर्ड भिवानी

द्वारा योग्यता परीक्षा लेने को फैसला लिया गया। यद्यपि, लोक सभा चुनावों की आदर्श आचार संहिता के लगने से पहले भर्ती प्रक्रिया का पहला चरण भी पूरा नहीं किया गया।

सरकार ने हरियाणा कर्मचारी चयन समिति को पुनःगर्ठित और मजबूत करते हुए मार्च, 2015 में इसके नए अध्यक्ष और सदस्यों की नियुक्ति की। आयोग के पुनर्गठन के बाद से ग्रुप बी और सी के विभिन्न पदों पर भर्ती की प्रक्रिया आयोग द्वारा शुरू की गई। आयोग ने 2015 में 55,357 पदों के लिए विज्ञापन दिया तथा ग्रुप सी के 40,860 पदों के लिए लिखित परीक्षा आयोजित की। 13,089 पदों के परिणाम घोषित किए गए तथा 15,445 पदों के लिए साक्षात्कार आयोजित किया गया और आगे के 8,690 पदों के लिए आवेदनों की जांच पूरी हो चुकी है। आयोग ने अपनी अधिकांश भर्ती प्रक्रियाओं को डिजिटल रूप से सक्षम करके अपने कार्य में निष्पक्षता और पारदर्शिता का प्रदर्शन किया है।

यहां यह भी उल्लेखनीय है कि बड़ी संख्या में राज्यों ने ग्रुप सी और डी पदों के लिए साक्षात्कार की प्रक्रिया को समाप्त किया है। इनमें से कुछ राज्य हैं जैसे राजस्थान, महाराष्ट्र, उत्तराखण्ड, हिमाचल प्रदेश, झारखण्ड, केरल, सिक्किम, तमिलनाडु, तेलंगाना, उत्तर प्रदेश, पुडुचेरी, दमन और दीव, दादरा एवं नगर हवेली आदि।

हरियाणा मंत्रिपरिषद ने 13.09.2017 को ग्रुप सी व डी के पदो ंके चयन के विषय पर निर्णय लिया कि अभ्यर्थियों के चयन और चयन की संस्तुति किसी विभाग या कार्यालय को केवल लिखित परीक्षा के आधार पर की जाएगी और ग्रुप डी के पद भी हरियाणा कर्मचारी चयन आयोग के दायरे में लाए गए।

ग्रुप सी पदों के मामले में निम्नलिखित निर्णय लिए गएः–

1) तृतीय श्रेणी में पदों की भर्ती के मामले में किसी भी विभाग या कार्यालय के लिए अभ्यर्थियों के चयन और नाम की संस्तुति के लिए केवल लिखित परीक्षा होगी। साक्षात्कार की प्रक्रिया निरस्त कर दी गई।

2) लिपिकों के ग्रुप सी के पदो ंके लिए पात्रता के सम्बन्ध में एसईटीसी (कम्प्यूटर एप्रीसियशन तथा एप्लीकेशन में राज्य पात्रता परीक्षा) अनिवार्य होगी।

3) ग्रुप सी में लिपिकों से अन्य पदों के मामले में एसईटीसी लागू नहीं होगी।

4) ग्रुप सी पदो ंके लिए निर्दिष्ट लिखित परीक्षा की योजना के संबंध में सामान्य प्रशासन विभाग अधिसूचना संख्या 523/–3 जीएस–70/2068 दिनांक 28.07.1970 की स्थिति को लागू करने के लिए इस शर्त पर लागू किया गया था कि धारा–6–डी (2) (इतिहास, संस्कृति, साहित्य, भूगोल, वर्तमान मामलों, नागरिक शास्त्र और हरियाणा के पर्यावरण के संबंध में) उम्मीदवारों को लिखित परीक्षा उत्तीर्ण करने के लिए न्यूनतम 50 प्रतिशत अंक अर्जित करने होंगे।

इसी प्रकार ग्रुप डी पदो ंके मामले में निम्नलिखित निर्णय लियें गयेः–

1) ग्रुप डी के पदों की भर्ती के लिए विभाग या कार्यालय को उम्मीदवारों के चयन या नामों की सिफारिश के मामले में केवल लिखित परीक्षा होगी । साक्षात्कार की प्रक्रिया बंद की गई।

2) वर्ष 2014 में आरंभ किए गए ग्रुप डी पदों में भर्ती की प्रक्रिया बंद कर दी गई।

3) ग्रुप डी के पदों को हरियाणा कर्मचारी चयन आयोग के दायरे में लाया गया।

4) उन ग्रुप डी पदों के लिए जहां कोई न्यूनतम शैक्षिक योग्यता निर्धारित नहीं की गई थी, वहां सम्बन्धित विभागों को अपने स्तर पर सेवा नियमों में संशोधन कर शैक्षणिक योग्यता न्यूनतम आठवीं पास निर्धारित करने के निर्देश दिए गए।

5) ग्रुप सी और डी पदों में चयन के संबंध में अंकों की योजना में कुल 100 अंक शामिल होंगे, जिनमें से 85 अंक लिखित परीक्षा के आधार पर और सामाजिक–आर्थिक पैरामीटर और अनुभव के लिए 15 अंक दिए जाएंगे।

लिखित परीक्षा	:	85 अंक
सामाजिक–आर्थिक स्थिति और अनुभवः		15 अंक

सामाजिक–आर्थिक स्थिति और अनुभव के लिए 15 अंक निम्नानुसार आवंटित किए गएः

(1) इस आशय का बेरोजगार प्रमाण पत्र कि कोई भी पारिवारिक सदस्य किसी सरकारी/अर्ध सरकारी संगठन में कर्मचारी नहीं हैं :–5 अंक

(2) ग्रुप डी पद के विरुद्ध किसी सरकारी/अर्ध सरकारी संगठन में अधिकतम 10 वर्ष का अनुभव (प्रत्येक सम्पूर्ण वर्ष के लिए 0.5 अंक) – अधिकतम 5 अंक

(3) (अ) यदि आवेदक एक विधवा है – 5 अंक

(ब) यदि आवेदक 25 वर्ष से कम है और विधवा का पुत्र/पुत्री है–5 अंक

(स) यदि आवेदक 25 वर्ष से कम आयु का है तथा अनाथ है – 5 अंक

नोटः– किसी उम्मीदवार को उपरोक्त 3 के (अ), (3) (ब) और (3) (स) में से एक प्रवर्ग से अधिक का लाभ नहीं दिया जाएगा।

भर्ती की नई प्रणाली से ज्यादा पारदर्शिता और भर्ती में निष्पक्षता होगी । इस प्रक्रिया के तहत सभी उम्मीदवार इस तथ्य के बावजूद चाहे वे ग्रामीण या शहरी पृष्ठभूमि से हैं, चयन के समान अवसर होंगे, क्योंकि सभी उम्मीदवारों का उसी परीक्षा में उनके प्रदर्शन के आधार पर ही मूल्यांकन किया जाएगा। साथ ही सरकार ने समाज के कमजोर वर्गों और पहले से ही उन पदों पर काम कर रहे लोगों, जो नियमित नहीं हैं, के हितों की रक्षा के लिए विशेष ध्यान रखा है। जिन अभ्यर्थियों के परिवार का कोई सदस्य सरकारी/अर्ध–सरकारी सेवा में नहीं है, उन्हें अतिरिक्त वरीयता प्रदान की जाएगी। इसके अलावा विधवाओं, विधवाओ के बेटे/बेटियों और अनाथों को अतिरिक्त अंक दिए जाएंगें। किसी भी सरकारी/अर्ध सरकारी संगठन में 10 वर्षों से अधिक का अनुभव रखने वाले लोगों को प्राथमिकता दी जाएगी।

यह आरोप लगाना गलत है कि ग्रामीणों क्षेत्र के उम्मीदवारों को नई प्रणाली के तहत नुकसान होगा। ग्रुप सी पदो ंके चयन के मामले में इसके विपरीत, लिखित परीक्षा के 25 प्रतिशत अंक इतिहास, संस्कृति, साहित्य, भूगोल, वर्तमान मामलों, नागरिक शास्त्र और हरियाणा के पर्यावरण के लिए होंगे और उम्मीदवारों को इस श्रेणी में उत्तीर्ण होने के लिए न्यूनतम 50 प्रतिशत अंक प्राप्त करने होंगे।

साक्षात्कार को निरस्त करने का एक बहुत बड़ा फायदा यह होगा कि भर्ती प्रक्रिया में और तेजी आएगी। हरियाणा सरकार द्वारा यह फैसला दूसरे राज्यों की तर्ज पर निष्पक्ष चयन पद्धति को सुनिश्चित करने के लिए लिया गया है। सरकार समाज के प्रत्येक वर्ग को निष्पक्ष अवसर प्रदान करने के उद्देश्य के प्रति पूर्ण रूप से वचनबद्ध है।

श्री परमिन्दर सिंह ढुल : उपाध्यक्ष महोदया, इस सरकार ने योग्यता के आधार पर ग्रुप–सी और ग्रुप–डी की नौकरियां देने का निर्णय लिया है । यह बात ठीक है लेकिन इसके पीछे एक साजिश है । हरियाणा में चाहे युनिवर्सिटी की नौकरियां है या फिर सुशासन सहयोगी हैं वे लोग हरियाणा प्रदेश से बाहर के लाकर बिठा दिये गए हैं । इसी तरह छोटी नौकरियों में भी यह सरकार हरियाणा से बाहर के लोगों को लगाना चाहती है । आज हरियाणा के देहात को सरकारी नौकरियों से वंचित किया जा रहा है । आज हरियाणा के सरकारी स्कूलों में देहात के आंचल में पढ़ने वाले बच्चे शहरों के प्राइवेट या कान्वेंट स्कूलों का मुकाबला नहीं कर सकते । वैसे

भी हरियाणा के सरकारी स्कूलों का इस बार का परिणाम ऐसा है कि दसवीं में कुल 49 प्रतिशत बच्चे पास हो पाये हैं । (विघ्न) ऐसे बच्चे भला शहरों के 90 परसैंट अंक लेने वाले बच्चों का मुकाबला कैसे कर पाएंगे, इसलिए सरकार को सरकारी स्कूलों में खासकर ग्रामीण आंचल के सरकारी स्कूलों में पढ़ने वाले बच्चों को वेटेज देनी चाहिए । इससे पहले भी ग्रामीण आंचल में पढ़ने वाले बच्चों को युनिवर्सिटी और कॉलेजों में दाखिले में वेटेज दी जाती रही है । मेरे विचार से यह सरकार चाहती ही नहीं कि ग्रुप 3 और ग्रुप 4 की नौकरियों में गरीब लोग लगें । बच्चों को मैरिट के नाम पर नौकरी देना भी एक ढ़कोसला है । सरकार जो आउटसोर्सिंग पोलिसी पार्ट–2 लाई है उसके अन्दर तो सरकार ने कमाल ही कर दिया । इस पोलिसी के तहत प्रदेश के मुख्य सचिव, विधायकों तथा सांसदों को आउटसोर्स बेसिज पर नौकरी देने का अधिकार दे दिया । वैसे तो सरकार कहती है कि हम योग्यता के आधार पर नौकरियां देंगे लेकिन इस पोलिसी के तहत सरकार अपने चहेतों को ही नौकरी देना चाहती है । इसमें योग्यता को गौण कर दिया गया है क्योंकि इसमें मैरिट के आधार पर नौकरी नहीं दी जा रही है । यह पोलिसी ऐसी है कि इसमें भारतीय संविधान का भी उल्लंघन किया गया है । संविधान के अनुसार आउटसॉर्स बेसिज की नौकरियों के लिए हरिजनों के लिए 20 परसैंट कोटा और बैकवर्ड क्लासिज के लिए 27 परसैंट कोटा होना चाहिए जोकि इस आउटसॉर्सिंग पोलिसी पार्ट–2 में नहीं है । अतः इस पोलिसी में संविधान का भी पालन नहीं हो रहा है । इसमें सरकार द्वारा नियमित भर्ती न करके हरिजनों और बैकवर्ड क्लासिज के अधिकारों पर डाका डाला जा रहा है । यह भारतीय जनता पार्टी की सरकार इस पोलिसी के माध्यम से प्रदेश के गरीब लोगों का शोषण कर रही है और इस सरकार की नीयत ठीक नहीं है । मेरा प्रश्न है कि क्या यह सरकार नियमित भर्ती न करके इस आउटसॉर्सिंग पोलिसी पार्ट–2 के द्वारा आउटसॉर्स बेसिज पर नियुक्तियां करने के लिए संविधान द्वारा हरिजनों और बैकवर्ड क्लासिज को दिये गये अधिकारों को बहाल करेगी ? (विघ्न) उपाध्यक्ष महोदया, मेरे पास एक लिस्ट है। (विघ्न)

श्री ज्ञान चंद गुप्ता : उपाध्यक्ष महोदया, ध्यानाकर्षण प्रस्ताव पढ़ने के बाद सिर्फ दो सप्लीमैंट्रीज हो सकती हैं। (शोर एवं व्यवधान)

श्री परमिन्दर सिंह ढुल : उपाध्यक्ष महोदया, मेरे पास एक लिस्ट है। (शोर एवं व्यवधान)

श्री मनीष कुमार ग्रोवर : ढुल साहब, आपने अपना ध्यानाकर्षण प्रस्ताव पढ़ लिया है, इसलिए अब आपको और सप्लीमैंट्री करने की आवश्यकता नहीं है। (शोर एवं व्यवधान)

श्री परमिन्दर सिंह ढुल : उपाध्यक्ष महोदया, जनरल कैटेगरी की ए.ईज की सिलेक्शन की लिस्ट मेरे पास है जिसमें 63 में से सिर्फ 9 बच्चे हरियाणा के थे बाकि 54 बच्चे बाहर के थे। क्या हरियाणा के लोगों के साथ यही न्याय है? क्या यही 'हरियाणा एक हरियाणवी एक' को दर्शाता है। उपाध्यक्ष महोदया, आज तक कितने प्रार्थी हरियाणा कर्मचारी चयन आयोग द्वारा भर्ती हुए हैं उनका ब्यौरा भी दे दें। आज कल तो पेपर के फिक्सिंग का मामला चला हुआ है। जो बच्चे पेपर देने आते हैं उनकी तालाशी का ठेका प्राईवेट कम्पनी को दे दिया गया है, इस तरह से पुलिस के अधिकारों को भी छीन लिया गया है। मैं इसका एक उदाहरण देता चाहता हूँ कि 4 दिसम्बर को क्लर्क के पद का पेपर आउट हुआ था और केवल 43 फीसदी बच्चे ही बुलाए गए थे और इसकी दिनांक 11 दिसम्बर को एफ.आई.आर. दर्ज हुई थी। (विघ्न)

हरियाणा विधान सभा के पूर्व विधायक का अभिनंदन

शिक्षा मंत्री (श्री राम बिलास शर्मा) : अध्यक्ष महोदय, आज हमारे पूर्व विधायक फूल सिंह खेड़ी जी सदन की कार्यवाही देखने के लिए अति विशिष्ट दीर्घा में उपस्थित हैं । मैं पूरे सदन की तरफ से उनका अभिनंदन करता हूँ।

ध्यानाकर्षण प्रस्ताव (पुनरारम्भ)

श्री परमिन्दर सिंह ढुल : उपाध्यक्ष महोदया, मैं आपके माध्यम से एक हैरानी की बात माननीय मुख्यमंत्री महोदय के संज्ञान में लाना चाहता हूँ कि यमुनानगर में जो कंडक्टर के पद का पेपर लीक हुआ था, उस पेपर को लीक करवाने वाला भिवानी में क्लर्क के पेपर को लीक करवाने वाले का सगा भाई था, जोकि जेल में बैठ कर पेपर लीक करवा गया । देहात के बच्चों के अधिकारों को हनन हो रहा है जबकि उनको वेटेज देनी चाहिए। (विघ्न)

श्री राम बिलास शर्मा : ढुल साहब, माननीय उपाध्यक्ष महोदया ने आपके इस ध्यानार्षण प्रस्ताव को मंजूर तो कर लिया है। (विघ्न)

मुख्यमंत्री (श्री मनोहर लाल) : उपाध्यक्ष महोदया, हरियाणा का जो पिछला इतिहास रहा है, उसमें मैं किसी पार्टी या नेता का नाम नहीं लेना चाहूँगा। हरियाणा में जिस किस भी पार्टी की सरकार पहले रही हैं उसमें गैर कानूनी तरीके से कर्मचारियों की भर्तियों और तबादलों का खेल चलता रहा है। हमारी सरकार ने यह तय किया है कि इस तरह के सारे खेल बंद करेंगे। क्योंकि इस तरह के गैर कानूनी तरीके से खेलों की फिल्म बहुत चल चुकी, लेकिन अब आगे नहीं चलने देंगे। (इस समय मेजें थपथपाई गई।) इसका सबसे पहला इंसेंटिव देश के प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने 15 अगस्त, 2015 को लिया और आह्वान किया कि तृतीय व चतुर्थ श्रेणी की नौकरियों में साक्षात्कार प्रथा को समाप्त किया जायेगा। इसके तदोपरान्त ही केन्द्र सरकार ने 1 जनवरी, 2016 को तृतीय व चुतर्थ श्रेणी की नौकरियों में साक्षात्कार प्रथा प्रणाली को समाप्त कर दिया। इसके बाद लोकसभा में जब 31 जनवरी, 2017 को माननीय राष्ट्रपति का अभिभाषण हुआ था तो उसमें भी उन्होंने इस बात का उल्लेख किया और यह आशा प्रकट की कि देश के प्रांतों में भी इस तरह की प्रथा बननी चाहिएं कि तृतीय व चतुर्थ श्रेणी की नौकरियों में साक्षात्कार प्रथा समाप्त होनी चाहिए। क्योंकि योग्यता के साथ–साथ जब साक्षात्कार के नम्बर जुड़ते हैं तो जितने खेल होते हैं वो सब इस साक्षात्कार के तहत होते हैं। उपाध्यक्ष महोदया, एक साक्षात्कार की एक टीम द्वारा सुबह से लेकर शाम तक लगभग 200–250 प्रार्थियों का साक्षात्कार लिया जाता है। यदि वह साक्षात्कार टीम 10 घंटे काम करती है तो उस हिसाब से एक घंटे में 20–25 प्रार्थियों का साक्षात्कार लिया जाता है। उपाध्यक्ष महोदया, ऐसा कौन सा बैरोमीटर है जिससे केवल 2 मिनट में ही प्रार्थी का पूरा आंकलन हो सके कि वह कहां पर खड़ा है। इतने कम समय में प्रार्थी के मूल दस्तावेज तो चैक किए जा सकते हैं लेकिन साक्षात्कार से किसी का मूल्यांकन करना संभव नहीं है। हरियाणा राज्य से पहले देश के 13 राज्यों ने साक्षात्कार प्रणाली को समाप्त कर दिया था। उत्तर भारत में हरियाणा एक मात्र ऐसा राज्य था जिसको तृतीय व चतुर्थ श्रेणी में साक्षात्कार प्रणाली को समाप्त करने में देरी हो गई। अब हरियाणा राज्य ने भी साक्षात्कार प्रथा को समाप्त कर दिया है कि भविष्य में तृतीय व चतुर्थ श्रेणी की नौकरियों में साक्षात्कार नहीं होंगे। उपाध्यक्ष महोदया, जहां तक भर्तियों का विषय है तो पिछली सरकारों ने भर्तियां करने की कोशिश ही नहीं करी। लेकिन कोशिश करने के बाद भी किस प्रकार से सारे खेल होते रहें, इसका एक उदाहरण मैं आपके माध्यम से सदन में देना चाहता हूँ। वर्ष

2008 में कांग्रेस की सरकार ने हरियाणा कर्मचारी चयन समिति बनाई, जिसके चेयरमैन आई.ए.एस. अधिकारी जे.पी. कौशिक थे। उस समय जो भर्ती प्रक्रिया शुरू की गई, उस प्रक्रिया में पता नहीं किस प्रकार के खेल खेले जा रहे थे और अलग–अलग लोग अपने–अपने क्षेत्र में जाकर, अलग–अलग प्रकार का इन्ट्रव्यू लेते थे। उपाध्यक्ष महोदया, मैं आपके माध्यम से सदन को बताना चाहूंगा कि इन्ट्रव्यू में जिस प्रकार की असमानता होती थी, अगर इसके लिए उदाहरण देना हो तो हम यह देंगे कि इनकी सरकार के कार्यकाल में एक एग्जाम लिया गया, जिसमें मेवात में 80 परसेंट से ऊपर अंक प्राप्त करने वाले 48.4 परसैंट लोग थे। उपाध्यक्ष महोदया, इसके साथ–साथ दूसरे जिलों का उल्लेख करें तो 80 परसैंट से ऊपर अंक प्राप्त करने वाले पानीपत में 0.5 परसैंट, कुरूक्षेत्र में 2 परसैंट, रोहतक में 3 परसैंट और फतेहाबाद में 21 परसेंट लोग थे। उपाध्यक्ष महोदया, इसका मतलब यह हुआ कि 80 परसैंट से ऊपर अंक लाने वाले 0.5 परसैंट से लेकर 48 परसैंट तक के लोग थे। उपाध्यक्ष महोदया, मैं आपके माध्यम से इस सदन को बताना चाहूंगा कि इस प्रकार की ये सारी चयन प्रक्रिया हुई और उसके बाद उसी कमेटी के चेयरमैन ने जब यह कहा कि

> "Complaint was received by the Committee in which it was alleged that certain candidates have procured forged certificates from private schools on payment of Rs.20,000/- to Rs.50,000/-."

यानी प्राइवेट इंस्टीच्यूशन से 20–20 हजार रुपए से लेकर 50–50 हजार रुपए में सर्टिफिकेट भी खरीदे गए, जिसमें 80 परसेंट, 70 परसेंट और 60 परसैंट नम्बर दिए गए थे। उपाध्यक्ष महोदया, मैं आपके माध्यम से कहना चाहूंगा कि जब इस कमेटी के ध्यान में यह आया तो उन्होंने खुद लिखा है-

> "Interviews of some of candidates of Faridabad and Yamunanagar have been conducted, by officers who were not the members of the Haryana Group 'D' Employees Selection Committee."

इसका मतलब यह हुआ कि सलैक्शन कमेटी के बाहर के लोगों ने भी इन्ट्रव्यू लिया। उपाध्यक्ष महोदया, जब इनके पास कम्प्लेंट्स आईं और ये दबाव में पड़ गए तो इन्होंने अल्टीमेटली इस कमेटी को ही भंग कर दिया। उपाध्यक्ष महोदया, मैं बताना चाहूंगा कि यह कमेटी 2008 में बनी थी, मैं 2008 की बात इसलिए कह रहा हूं, क्योंकि उस समय 2009 का चुनाव आने वाला था। उसके बाद उस समय की

सरकार अगली भर्ती 2014 में शुरू करती है, मैं यहां पर फिर से 2014 की बात इसलिए कह रहा हूं, क्योंकि उस समय 2015 का चुनाव आने वाला था। उपाध्यक्ष महोदय, मैं बताना चाहूंगा कि जब चुनाव आते हैं तो उस समय ये खेल खेलते हैं और उस खेल के अंदर इन्होंने 4.5 लाख लोगों के ग्रुप–डी के इन्ट्रव्यू के लिए एप्लीकेशज मांगी। उपाध्यक्ष महोदया, मैं सदन को बताना चाहूंगा कि इनके पास कोई प्रोसैस नहीं था, जिनके आधार पर ये भर्तियां कर सकते थे और इनकी सरकार बिना भर्तियां किए बाहर हो गई। उपाध्यक्ष महोदया, ऐसे हजारों लोग थे, जिनकी भर्तियां पिछले सालों के अंदर हो जानी चाहिए थी। उपाध्यक्ष महोदया, पिछले सालों के अंदर जो भर्तियों का हाल रहा है वह मैं यहां पर बता देता हूं। जब इनेलो की चौटाला साहब की सरकार थी तो उस समय पहले 3 साल के अंदर या यह कहना चाहिए कि पहले 1000 दिन के अंदर कोई भर्ती नहीं हुई और 5 सालों में केवल 12.5 हजार भर्तियां हुईं। (शोर एवं व्यवधान) और हुड्डा साहब के समय पहले 1000 दिन में 6000 भर्तियां हुईं और 5 सालों में केवल 20 हजार ही भर्तियां की गईं, इसके साथ–साथ इनकी सरकार जे.बी.टी. के टीचर्स की सिलैक्शन का पचड़ा छोड़ गई, जिसमें हुआ यह था कि एग्जाम किसी और व्यक्ति का था और एग्जाम देने कोई और व्यक्ति गया था। उपाध्यक्ष महोदया, उनमें जब 10 या 12 हजार लोगों का किस्सा सामने आया और कोर्ट ने उनको ज्वाइन करने से यह कहते हुए रोक दिया कि सबसे पहले इनके थंब–इम्प्रैशन लिए जाए और इन सबके सिग्नेचर वैरीफिकेशन किए जाए। उपाध्यक्ष महोदया, मैं यह भी बताना चाहूंगा कि उस वैरीफिकेशन में काफी ऐसे लोग सामने आए जो अपने पेपर न देकर दूसरों के पेपर में जाकर एग्जाम दे आए थे उनमें जो सक्सैसफुल कैंडीडेट्स थे, जो फर्जी नहीं थे उनकी सारी जांच कराने के बाद हमने उन जे.बी.टी. टीचर्स को नियुक्ति–पत्र भेज दिया कहा कि वे आकर टीचर्स के पद पर ज्वाइन करें। (मेंजें थप–थपाई गईं) और इसके साथ–साथ हमने जो नई भर्तियां की हैं, उन नई भर्तियों में हमने हरियाणा कर्मचारी चयन समिति का मार्च 2015 में गठन किया। उस समिति के अंतर्गत 55 हजार नए लोगों को नौकरी देने के लिए विज्ञापन भी किया गया है और इन 55 हजार नौकरियों में से 40860 नौकरियों की लिखित परीक्षा भी हो चुकी है । इसके अतिरिक्त 15445 कैंडीडेट्स का इन्ट्रव्यू भी हो गया है और 13089 को नियुक्ति पत्र भी दे चुके हैं । 13 हजार ये और 9 हजार पिछली सरकार के समय के हैं यानि टोटल 22 हजार कैंडीडेट्स को सरकारी नौकरी हमने तीन साल के कार्यकाल में दे दी है । (विघ्न)

डा. रघुवीर सिंह कादियान : उपाध्यक्ष महोदया, 9 हजार जे.बी.टी. नौकरियां तो हमारे समय की हैं ।

श्री मनोहर लाल : उपाध्यक्ष महोदया, मैंने 13 हजार अलग बताई हैं और 9 हजार अलग बताई हैं । मैंने यही कहा है कि 13 हजार नौकरियों की नियुक्ति हमने की है । इसके अतिरिक्त एक सप्ताह के अंदर–अंदर 6142 क्लर्कों को भी नियुक्ति पत्र दे दिए जायेंगे । (इस समय मेजें थप–थपाई गई ।)

डा. रघुवीर सिंह कादियान : उपाध्यक्ष महोदया, मुख्यमंत्री जी ये भी बता दें कि इनके तीन साल के कार्यकाल में कितने लोगों को नौकरियों से निकाला गया है?

जिन लोगों को इन्होंने नौकरी से निकाला है उसका सारा रिकार्ड हमारे पास है।

श्री मनोहर लाल : उपाध्यक्ष महोदया, वे इनकी करतूतों की वजह से हुआ है । वह मामला भी मैं सामने लेकर आऊंगा । वह सरकार की बजाय कोर्ट के आदेशों से ज्यादा हटे हैं । (शोर एवं व्यवधान)

उपाध्यक्ष महोदया : मुख्यमंत्री जी जवाब दे रहे हैं, प्लीज, आप सभी बैठें ।

श्री मनोहर लाल : उपाध्यक्ष महोदया, इसी तरह से एच.पी.एस.सी. द्वारा भी अभी तक 1400 नौकरियां दी जा चुकी हैं जो कि अपने आप में रिकार्ड है । क्योंकि पिछले 15 साल का जो एच.पी.एस.सी. का एक टर्म में नौकरियां देने का रिकार्ड है वह प्रति टर्म 1000 से 1300 नौकरियों देने का है और हमारे तीन साल के कार्यकाल में ही 1400 नौकरियां दी जा चुकी हैं । अभी दो साल का समय बाकी है जिसमें और भी नौकरियां एच.पी.एस.सी. द्वारा दी जायेंगी । पिछली सरकार के कार्यकाल में नौकरियां नहीं दी गई । यह भी सही है कि प्रदेश में सरकारी नौकरियों की एक साल में 10 से 12 हजार की ही गुंजाइश होती है अर्थात 50 हजार सरकारी नौकरियां ही हम 5 साल में दे सकते हैं ।

श्री परमिन्दर सिंह ढुल : उपाध्यक्ष महोदया, भारतीय जनता पार्टी के चुनाव मैनीफस्टों में 2 लाख नौकरियां देने की बात कही गई थी । उसका क्या रहा ?

श्री मनोहर लाल : उपाध्यक्ष महोदया, हमारे मैनीफैस्टो में 2 लाख नौकरी देने की कहीं बात नहीं कही गई है । उसमें 2 लाख लोगों को रोजगार देने की बात कही गई है । उसके बारे में भी मैं पूरी जानकारी सदन के सामने दूंगा । मैं माननीय सदस्य को बताना चाहूंगा कि रोजगार और नौकरी में अंतर होता है । जहां तक

रोजगार का विषय है इस बारे में मैं बताना चाहूंगा कि हमारी सरकार ने स्किलड डिवैल्पमैंट मिशन के माध्यम से और अन्य विभागों के माध्यम से पिछले तीन साल में 1.96 लाख बच्चों को स्किल ट्रेनिंग दी है । इसमें कुछ बच्चे वर्ष 2014–15 के भी शामिल हैं । हमारे समय में करीबन 1.60 लाख बच्चों को ट्रेनिंग दी गई है । हमने जिन बच्चों को ट्रेनिंग दी है वे सैल्फ इम्प्लोयमैंट में जायेंगे, प्राईवेट जॉब में जायेंगे या सरकारी नौकरियों में जायेंगे । वे तीनों जगह जाते हैं ।

श्री आनंद सिंह दांगी : उपाध्यक्ष महोदया, मुख्यमंत्री जी यह भी तो बतायें कि बच्चों को किस प्रकार की ट्रेनिंग दी गई है ?

श्री मनोहर लाल : उपाध्यक्ष महोदया, विपक्ष के साथी मेरी बात तो सुन लें । मैं यह जानकारी भी दूंगा । मैं सदन की जानकारी के लिए बताना चाहूंगा कि हमारी सरकार आने के बाद लार्ज, मीडियम, माईक्रो और स्माल स्केल इण्डस्ट्रीज में 3.13 लाख लोगों को रोजगार दिया गया है । लार्ज और मीडियम स्केल इण्डस्ट्रीज में 95 हजार लोगों को रोजगार दिया गया है । माईक्रो और स्माल स्केल इण्डस्ट्रीज में 2.18 लाख लोगों को रोजगार दिया गया है ।

श्री नसीम अहमद : उपाध्यक्ष महोदया, माननीय मुख्यमंत्री जी यह भी बतायें कि इन 3.13 लाख लोगों में से हरियाणा प्रदेश के कितने लोगों को रोजगार मिला है?

श्री मनोहर लाल : उपाध्यक्ष महोदया, इनमें हरियाणा के बच्चों को भी नौकरी मिली है और बाहर के बच्चों को भी नौकरी मिली है । (शोर एवं व्यवधान) उद्योग विभाग की सूचना के अनुसार इनमें 60 से 70 प्रतिशत बच्चों को रोजगार मिला है । यदि 3.13 लाख का 60 से 70 प्रतिशत हरियाणा के की एवरेज निकालें तो करीबन 2 लाख बच्चे इसमें हरियाणा प्रदेश के हैं । ये आंकड़े विभाग से लिये जा सकते हैं ।

श्री नसीम अहमद : उपाध्यक्ष महोदया, मुख्यमंत्री जी यह भी बतायें कि ये नौकरियां कहां–कहां दी गई हैं ?

श्री मनोहर लाल : उपाध्यक्ष महोदया, उद्योग विभाग के पास सभी आंकड़े हैं उनसे लिये जा सकते हैं । (विघ्न)

डा. रघुवीर सिंह कादियान : उपाध्यक्ष महोदया, प्रदेश में उद्योग बंद हो रहे हैं और मुख्यमंत्री जी नौकरियां देने की बात कर रहे हैं ।

उपाध्यक्ष महोदया : डाक्टर साहब, मुख्यमंत्री जी रिकार्ड की बात बता रहे हैं । आप विभाग से यह जानकारी ले सकते हैं । मुख्यमंत्री जी जवाब दे रहे हैं, प्लीज आप बैठें ।

श्री मनोहर लाल : उपाध्यक्ष महोदया, मैं विधान सभा में रिकार्ड के आधार पर बोल रहा हूं । यदि रिकार्ड में कहीं कोई गलती है तो पहले ये रिकार्ड ले लें उसके बाद रिकार्ड झूठा साबित करें । (विघ्न) उपाध्यक्ष महोदया, विपक्ष के साथी पहले सुन तो लें । हम विपक्ष के साथियों को आंकड़े दे देंगे ये छान–बीन कर लें । उपाध्यक्ष महोदया, हमने इन्वैस्टमैंट समिट किया था जिसमें 442 एम.ओ.यू. साईन किए गए। आज उनमें से काफी पर काम चल रहा है । हमने उनके लिए रिलेशनशिप मैनेजर नियुक्त कर दिए हैं । इनमें से काफी ने जमीन लेकर हमारे से लाईसैंस के लिए एप्लाई कर दिया है । इनमें से 161 एम.ओ.यूज. पर कार्य प्रारम्भ हो चुका है और इनमें करीबन 200192 लोगों को रोजगार मिलने की संभावना है । हम आने वाले समय में स्किलड डिवैल्पमैंट के कार्यक्रमों को भी आगे बढ़ायेंगे और लोगों को रोजगार देंगे । उपाध्यक्ष महोदया, जो पढ़े लिखे बेराजगार हैं उनको पहले केवल 500, 700 या 1000 रुपये मानदेय दिया जाता था । पिछली सरकार के समय में ऐसा ही होता था । (विघ्न) विपक्ष के साथी प्लीज मेरी बात सुन लें । गीता जी, आप मेरी बात तो सुनें । (विघ्न)

श्रीमती गीता भुक्कल : उपाध्यक्ष महोदया, रूरल एजूकेशन के बारे में यह ध्यानाकर्षण प्रस्ताव है और मुख्यमंत्री जी दूसरी बातें कर रहे हैं । (विघ्न)

उपाध्यक्ष महोदयाः गीता जी, नौकरियों से संबंधित ध्यानाकर्षण प्रस्ताव है और सभी नौकरियों के बारे में जानकारी दी जायेगी । प्लीज, आप बैठें ।

श्री मनोहर लाल : उपाध्यक्ष महोदया, रोजगार का विषय है और उसी बारे मैं जवाब दे रहा हूं । रोजगार में ये सभी इश्यू आते हैं । ढुल साहब ने अपने ध्यानाकर्षण प्रस्ताव में डिटेल में जानकारी मांगी है इसलिए हम सभी बातों का जवाब देंगे। (विघ्न)

शिक्षा मंत्री (श्री राम बिलास शर्मा) : उपाध्यक्ष महोदया, यह ध्यानाकर्षण प्रस्ताव ढुल साहब का है और मुख्यमंत्री जी जवाब दे रहे हैं । बहन गीता भुक्कल जी पता नहीं बार–बार क्यों खड़ी हो रही हैं । (विघ्न)

उपाध्यक्ष महोदया : गीता भुक्कल जी, प्लीज आप बैठें । आप इस पर नहीं बोल सकती । (विघ्न)

श्री मनोहर लाल : उपाध्यक्ष महोदया, जिन माननीय सदस्यों का कालिंग अटैंशन मोशन है वे तो एतराज कर सकते हैं लेकिन गीता भुक्कल जी एतराज नहीं कर सकती । (विघ्न) मैं फैक्ट्स की पूरी जानकारी दे रहा हूं और इनका मेरी बात सुननी चाहिए ।

डा. रघुवीर सिंह कादियान : उपाध्यक्ष महोदया, (विघ्न)

उपाध्यक्ष महोदया : कादियान जी, प्लीज आप बैठें । मुख्यमंत्री जी जवाब दे रहे हैं आप बीच में कमेंट्री न करें ।

श्री राम बिलास शर्मा : उपाध्यक्ष महोदया, इनमें सुनने का सामर्थ्य नहीं है । इनको आईना देखने में दिक्कत हो रही है । इनको भागना होता है । (शोर एवं व्यवधान)

उपाध्यक्ष महोदया : डाक्टर साहब, आपको मुख्यमंत्री जी का जवाब सुनना चाहिए। आप कई दफा रूल की बात करते हैं । जिन माननीय सदस्यों का यह कालिंग अटैंशन मोशन है यदि उनको ही जवाब से एतराज नहीं है तो आप क्यों उठ रहे हैं। जिन माननीय सदस्यों का यह कालिंग अटैंशन मोशन है वे सप्लीमैंट्री पूछ सकते हैं । आप बीच में नहीं बोल सकते ।

श्री मनोहर लाल : उपाध्यक्ष महोदया, डाक्टर साहब मेरा जवाब सुन लें । मैं हर विषय पर जवाब दूंगा ।

उपाध्यक्ष महोदयाः कादियान जी, आप लॉ के जानकार हैं। इन स्टेटमैंट्स के ऊपर कोई डिबेट नहीं होती है। हरियाणा विधान सभा की रूल्ज ऑफ प्रोसीजर एण्ड कंडक्ट ऑफ बिजनेस की बुक के रूल 73 के (2) में लिखा हुआ हैः–

> "There shall be no debate on such statement at the time it is made but each Member in whose name the notice stands may, with the permission of the Speaker, ask a question;"

श्री मनोहर लालः उपाध्यक्ष महोदया, मैं सक्षम योजना के बारे में ही बता रहा हूं। हम लोगों ने जो वायदा किया था उसको हमने पूरा किया है। हमने उसमें जो पोस्ट ग्रेज्युएट थे, साथ में साइंस ग्रेज्युएट्स और बी.ए. विद मैथेमैटिक्स थे इन सभी लोगों को एक योजना के तहत रजिस्टर करवाया और उनकी एप्लीकेशन एप्रूव की

हैं। हरियाणा के जो डोमिसाइल थे और जो हरियाणा, चण्डीगढ़ और दिल्ली की यूनिवर्सिटीज से पढ़े हुये थे, वे अपने मां–बाप पर बोझ न रहें इसलिए इनको 100 घंटे का काम दे कर 7500 और 9000 रुपये का मानदेय देने की योजना शुरू की जिसमें 20 हजार से ज्यादा लोग इस समय काम कर रहे हैं। इनको नौकरियां नहीं दी गई हैं, हम यह दावा नहीं कर रहे हैं कि इनको नौकरियां दी हैं लेकिन ये नौकरी प्राप्त करने के लिए अपने पैरों पर खड़े हो जायें, इनको कहीं पर इन्टरव्यू देना है या इनको कहीं पर ट्रेनिंग करनी है इसलिए इनको यह काम दिया गया है अन्यथा ये इतना पढ़ लिख कर भी अपने मां–बाप पर बोझ बने रहते थे और परेशान होते थे। हमारी सरकार से पहले अच्छा पढ़ा–लिखा आदमी दरकिनार हो कर बैठ जाता था, उसको पता होता था कि मुझे नौकरी लेनी है तो मुझे कोई जैक चाहिए, मुझे पैसा चाहिए, मेरे सत्ताधारी लोगों के साथ संबंध होने चाहिएं, इसके बिना तो नौकरी मिलती ही नहीं थी। आज कम से कम लोगों का यह विश्वास बना है कि अगर हमको नौकरी लेनी है तो हमारी योग्यता पर मिलेगी और मैरिट पर मिलेगी। (शोर एवं व्यवधान)

उपाध्यक्ष महोदयाः कादियान जी, आप बैठिये।

डॉ. रघुवीर सिंह कादियानः उपाध्यक्ष महोदया, मुख्यमंत्री जी यह भी बता दें कि नौकरियों से संबंधित हाई कोर्ट में कितने केस पैंडिंग पड़े हैं, पेपर लीक के मामले कितने पैंडिंग पड़े हुये हैं। (शोर एवं व्यवधान)

श्री मनोहर लालः उपाध्यक्ष महोदया, इसी सक्षम योजना के अन्तर्गत आज हरियाणा प्रदेश में 20 हजार लोग 100–100 घंटे का काम कर रहे हैं। उन 20 हजार में से बहुत से लोग अब भर्तियों में भी आ रहे हैं और जब वे भर्तियों में आयेंगे तो वे धीरे–धीरे वहां से निकलेंगे। उसके लिए हमारा नारा है कि Sooner you come, sooner you go for service, for job and for employment. वे किसी भी तरीके से जायेंगे तो उसमें हमारा काम पूरा होता है। उसके बाद हम 10+2 के साइंस के स्टूडैंट्स और बाकी बचे हुए ग्रेज्युएट्स को भी इसमें जोड़ेंगे। हम यह चाहते हैं कि कम से कम एक लाख लोग इस सक्षम योजना में काम प्राप्त कर सकें। यह अभी योजना है लेकिन जैसे–जैसे काम आगे बढ़ेगा उनको रजिस्टर भी करेंगे और उनको पैसा भी देंगे। इसमें शर्त यह है कि 3 साल तक काम देंगे, 3 साल में वह अपने पैरों पर खड़ा हो जायेगा। यह उसको एक प्रकार की सहायता

है। इन 3 सालों में वह सैल्फ इम्प्लौयमैंट के तहत अपना काम करे या उसको कहीं सरकारी नौकरी मिलती है तो सरकारी नौकरी करे या प्राइवेट नौकरी करे, 3 साल में तैयार हो कर वह अपने आपको आगे बढ़ाये। इसलिए एक इन्टरमीडियट रास्ता हमने दिया है। अब मैं उस विषय पर आता हूं जिसके बारे में कहा गया कि ग्रामीण क्षेत्र के लिए इसमें क्या किया गया है। मेरा कहना है कि पेपर लीक होने के मामले में हरियाणा में जिन–जिन के खिलाफ हमें शिकायत मिली है वे पकड़े भी गये हैं और पकड़ने के बाद उनके खिलाफ कार्रवाई भी हो रही है। (शोर एवं व्यवधान)

श्री परमिन्दर सिंह ढुलः उपाध्यक्ष महोदया, मेरा प्वॉइंट ऑफ ऑर्डर है। 11 दिसम्बर, को भिवानी में पेपर लीक की एफ.आई.आर. दर्ज हुई है तथा हरियाणा सरकार की तरफ से हाई कोर्ट में जानकारी दी गई कि पेपर लीक नहीं हुआ है बल्कि नकल हुई है। मैं यह कहना चाहता हूं कि हाई कोर्ट में गलत जानकारी दी गई है जबकि भिवानी में पेपर लीक से संबंधित एफ.आई.आर. दर्ज की हुई है। हाई कोर्ट में सरकार द्वारा गलत जानकारी देने की क्या जरूरत थी?

मुख्यमंत्री(श्री मनोहर लाल) : उपाध्यक्ष महोदया, जानकारियां तो जो वास्तविकता होगी उसी के आधार पर बताई जाएंगी । आखिर बोर्ड के लोग हैं वह अपनी छानबीन के दौरान सारी छानबीन तो करेंगे और उनको जो ठीक लगेगा वह रिप्लाई देंगे लेकिन उसका डिसीजन कोर्ट ने करना है और कोर्ट के पास भी दूसरे लोग 10 प्रकार की जानकारियां पहुंचाएंगे । उसमें जो सत्यता होगी वह सामने आएगी । लेकिन हम किसी को प्रैशराइज करेंगे ऐसा नहीं है । मुझे तो कष्ट इस बात का है कि पहले जो इस प्रकार की गड़बड़ियां होती थी, गल्तियां होती थी उनको राजनैतिक संरक्षण प्राप्त होते थे । लेकिन हम कम से कम राजनैतिक तौर से इस बात के एक दम विरोधी हैं कि किसी प्रकार का कोई गलत काम नहीं होना चाहिए । अगर कोई गलत काम हुआ है तो उसको करने वाला दंडित होना चाहिए । जहां तक इसका मूल विषय है हमने ग्रुप–सी और ग्रुप–डी की नौकरियों में इंटरव्यू समाप्त किये हैं । इंट्रव्यू समाप्त करने के बाद पेपर की जो कंडीशन लगाई है उसके मुताबिक अब 85 नं0 के दो पेपर होंगे । जिसमें एक पेपर 75 प्रतिशत का सामान्य पेपर होगा जोकि विषय के अनुसार होगा और दूसरा पेपर जो

कि 25 प्रतिशत का होगा, वह हरियाणा का इतिहास, साहित्य, संस्कृति, भूगोल, वर्तमान मामले, नागरिक शास्त्र और हरियाणा के पर्यावरण के बारे में होगा। यह केवल हरियाणा स्पैसिफिक पेपर ही होगा और इस हरियाणा स्पैसिफिक पेपर में 50 प्रतिशत यानि साढ़े 12 प्रतिशत अंक लेना अनिवार्य है फॉर क्वालिफाईंग । कैंडीडेट उस पेपर को क्वालिफाई तब करेगा जब 25 में से साढ़े 12 प्रतिशत अंक लेगा अगर वह साढ़े 12 प्रतिशत अंक नहीं लेगा तो यह स्पष्ट होगा कि वह हरियाणा की बजाए कहीं बाहर से आया है ।

श्री परमिन्दर सिंह ढुल : मुख्यमंत्री जी, यह कौन से संविधान में लिखा है कि बाहर से आया हुआ व्यक्ति यह टैस्ट नहीं देगा । (शोर एवं व्यवधान)

श्री मनोहर लाल : आपने संविधान की बात की है तो मैं बताना चाहता हूं कि संविधान में ऐसा कोई प्रावधान नहीं है कि बाहर का व्यक्ति इस टैस्ट को नहीं दे सकता । (शोर एवं व्यवधान)

श्री परमिन्दर सिंह ढुल : उपाध्यक्ष महोदया, मैंने भी एक सप्लीमैंट्री पूछनी है ।

उपाध्यक्ष महोदया : परमिन्दर जी, आपको सप्लीमैंट्री पूछने के लिए मना किसने किया है । यही तो कहा है कि आप बाद में पूछ लेना । (शोर एवं व्यवधान)

श्री मनोहर लाल : उपाध्यक्ष महोदया, 25 प्रतिशत में हरियाणा का जो स्पैसिफिक पेपर होगा उसमें साढ़े 12 प्रतिशत अंक लेना अनिवार्य है तभी बाकी 75 प्रतिशत पेपर के अंक या और चीजों के अंक उसके अन्दर काउंट होंगे । यह एक क्वालिफाईंग टैस्ट है इस बात का ध्यान रखें । दूसरा जो आपने कहा कि यह केवल हरियाणा के बच्चों के लिये है या बाहर की स्टेट्स के बच्चों के लिये भी है और आपने संविधान की बात कही । संविधान में स्पैसिफिकली लिखा गया है कि हम इस प्रकार का कोई भी भेदभाव नहीं कर सकते, किसी भी प्रांत ने नहीं किया और न कोई कर सकता है कि स्पैसिफिकली इस पेपर के अन्दर, इस टैस्ट के अन्दर, इस नौकरी के अन्दर केवल हरियाणा के लोग ही आएंगे या पेपर देंगे और दूसरी जगह के लोग नहीं देंगे । हम हरियाणा के लोगों को उस टैस्ट की तैयारी के लिये तो सहायता कर सकते हैं जैसे हमने 'सक्षम' योजना में किया है । लेकिन हम किसी प्रकार की नौकरी के लिये हरियाणा की, गांव की या शहर की इस प्रकार की रिजर्वेशन नहीं कर सकते । केवल रिजर्वेशन का जो प्रावधान है वह उस रिजर्वेशन के हिसाब से ही किया जा सकता है इसके अलावा नहीं किया जा

सकता । यह फैक्ट है । इसी में हमने जो ग्रुप–सी के क्लर्क हैं उन क्लर्कों का जो हमने अनिवार्य किया है वह कम्प्यूटर एप्रीसिएशन और एप्लीकेशन कम्प्यूटर में राज्य पात्रता परीक्षा पास होना चाहिए क्योंकि कलर्क का आज के समय में कम्प्यूटर की शिक्षा के बिना आगे चलना संभव नहीं है क्योंकि हर चीज कम्प्यूटर युक्त हो रही है । क्लर्कों के अलावा बाकी किसी को यह पात्रता परीक्षा देने की जरूरत नहीं है । ऐसे ही हमने 85 प्रतिशत की लिखित परीक्षा रखी है और 85 प्रतिशत के अलावा 15 प्रतिशत हमने जो डिप्राउड क्लास है यानि जो जरूरतमंद हैं उन जरूरतमंद लोगों के लिये अभी हमने 5 अंक तय किये हैं यदि किसी के परिवार में एक भी व्यक्ति सरकारी नौकरी में नहीं है तो यह प्रावधान हम पहली बार उनके लिए कर रहे हैं। वरना तो यह देखा गया है कि जिसके घर में दो सरकारी नौकरी वाले हैं तो तीसरा, चौथा, पांचवा भी उसकी परिवार से नौकरियों में लगते रहते हैं । इस बार हमने पहली प्राथमिकता यानि प्राथमिकता का मतलब 5 अंक उनके लिए निर्धारित किये हैं । ऐसा नहीं है कि दूसरे लोग इसमें नहीं आ सकते । लेकिन इसमें 5 अंक का अलग से प्रावधान किया गया है जिसके घर में कोई नौकरी नहीं है वह हमारी प्राथमिकता का विषय है । इसी प्रकार दूसरा जो कोई महिला दुर्भाग्य से मानो विधवा हो गई है और उसके परिवार से उसका बेटा या बेटी जिसकी आयु 25 वर्ष है उसको पारिवारिक 5–5 अंक दिये जाएंगे लेकिन इसमें जानबूझकर एक प्रावधान रखा गया है मान लो उस विधवा महिला की आयु ही 60–70 साल की हुई तो यह तो स्वाभाविक है कि एक परिवार के मनुष्य के साथ ऐसा होना ही होता है । लेकिन जो अर्ली आयु की यानि 50 वर्ष तक की कोई विधवा है तो उसका मैक्सीमम 25 वर्ष का कोई बेटा या बेटी होगी उसको या कोई अनाथ है जिसकी आयु 25 वर्ष है उनके लिए भी पारिवारिक 5–5 अंक दिये गये हैं। जिसके घर में कोई नौकरी नहीं होगी और जिसका सरकारी अथवा अर्ध सरकारी संगठन में अधिकतम 10 वर्ष का अनुभव है यानि कई बार कह देते हैं कि ये कच्ची नौकरी लगा है, डी.सी. रेट पर लगा है, आउट सोर्सिंग में लगा है या कहीं भी जो लोग आज भी लगे हुए हैं उनकी भी यह इच्छा रहती है कि हमें रेगुलर किया जाए लेकिन रेगुलर करने की कोर्ट के निर्देशानुसार कोई ऐसी पॉलिसी नहीं है कि जो भी कच्चे कर्मचारी लगे हुए हैं उनको रैगुलर किया जा सके । कोर्ट के निर्देशानुसार जो भी कच्चे कर्मचारी हैं उनको रेगुलर करने की अब कोई पॉलिसी नहीं है लेकिन सरकारी नौकरी में कच्चे कर्मचारी को उसके अनुभव की बदौलत

पांच अंक का वरिष्ठता का लाभ दिया गया है। इस प्रकार जो सभी बातें मैंने बताई हैं इनके आधार पर सरकारी नौकरियों में कुल पन्द्रह अंक का प्रावधान सरकार द्वारा बनाई जा रही नई पॉलिसी में किया जा रहा है ताकि सरकारी नौकरी प्राप्त करने में सभी के साथ न्याय हो सके। यह पॉलिसी एक तरह से अभी निर्माणाधीन अवस्था में है और अभी तक फाईनल नहीं हुई है। इसलिए मैं इस सदन के माध्यम से आप सबसे अपील करता हूँ कि यदि आपके पास भी कोई ऐसा सुझाव है जोकि संवैधानिक तौर पर टिक सकता है और यदि ऐसा कोई सुझाव आता है तो उस पर जरूर विचार किया जायेगा। जहां तक संबंधित विषय पर प्रश्न पूछने की बात है तो प्रश्न पूछे जा सकते है और उनके उत्तर भी दिए जा सकते हैं। आज सदन में योग्यता पर नौकरी देने विषय पर आधारित ध्यानाकर्षण सूचना पर चर्चा की जा रही है। सदन का कोई भी सदस्य चाहे वह इस ध्यानाकर्षण सूचना का सिगनेट्री है अथवा नहीं है, मैं आग्रह करता हूँ कि वह भी सरकार द्वारा रोजगार के संबंध में बनाई जा रही नई पॉलिसी को और अधिक अच्छा बनाने के लिए यदि कोई सुझाव देना चाहता है तो दे सकता है। सुझावों को सरकार द्वारा रोजगार के संबंध में बनाई जा रही नई पॉलिसी में शामिल किया जायेगा यह मेरा पूरे सदन से वादा है।

श्री परमिन्दर सिंह ढुलः उपाध्यक्ष महोदया, सदन के नेता ने जो बयान दिए हैं उनके बावजूद मेरा प्रश्न चिन्ह अभी भी वहीं खड़ा है। आज की जो हरियाणा प्रदेश में शिक्षण व्यवस्था है वह कब से ज्यादा खराब हुई है, इसका सबको पता है? आज हरियाणा प्रदेश के देहाती इलाकों के सरकारी स्कूलों में पढ़ने वाले बच्चों को ग्रेसमार्क्स देने के बावजूद 49 प्रतिशत नम्बर आ रहे हैं तो सवाल यह है कि ऐसे बच्चे किस प्रकार से ओपन कंपीटिशन को झेल पायेंगे। इन बच्चों को अगर कुछ वेटेज दी जायेगी तभी जाकर यह बच्चे सरकारी नौकरियों में आ पायेंगें । बिना वेटेज के ये बच्चे सरकारी नौकरी में नहीं आ पायेंगे। वास्तव में कंपीटिशन में वे बच्चे ही आ सकेंगे जिनके माता–पिता के पास 10000 रूपये प्रति माह ट्यूशन फीस देने के लिए होंगे तथा जिन बच्चों के पास स्कूल या ट्यूशन से आने–जाने के लिए अच्छे साधन उपलब्ध होंगे केवल वे बच्चे ही कंपीटिशन में उभरकर सामने आ पायेंगे। देहात के लोगों के पास यह साधन उपलब्ध नहीं हैं इस वजह से प्रदेश की लगभग 80 प्रतिशत जनसंख्या जोकि गांवों में रहती है, सरकारी नौकरियों से वंचित रह जायेगी। उपाध्यक्ष महोदया, सच्चाई यह है कि आज का किसान डेढ़ से दो किल्ले तक का ही किसान रह गया है। उसके पास अपने पेट पालने तक का भी

ब्यौत नहीं है। उसके बच्चे सरकारी स्कूलों में पढ़ रहे हैं। मेरा माननीय मुख्यमंत्री महोदय को सुझाव है कि इन बच्चों को सरकारी नौकरियों में वेटेज दी जानी चाहिए। यदि ग्रामीण अंचल में पले बच्चों को वेटेज नहीं दी गई तो ग्रामीण अंचल में रहने वाली 80 प्रतिशत जनसंख्या की बर्बादी निश्चित है। योग्यता के आधार पर नौकरियां देना अच्छी बात है लेकिन वर्तमान शिक्षा व्यवस्था में ग्रामीण अंचल से शिक्षा प्राप्त कर रहे बच्चे किसी भी स्थिति में कंपीट नहीं कर सकते? दूसरा सुझाव यह है कि जो एग्जाम आयोजित किए जाते हैं उसमें फ्रिस्किंग का कार्य प्राइवेट कंपनीज को दिया गया है जो कि सरासर गलत बात है। इस तरह का ठेका मेरे हल्के में भी किसी को दिया गया है मैं उसका नाम लेना नहीं चाहूंगा लेकिन इतना जरूर कहना चाहूंगा कि फ्रिस्किंग जैसे कार्य को प्राइवेट कंपनीज को देकर एक तरह से पुलिस को उनके नैसर्गिक अधिकार से वंचित किया गया है। प्राइवेट कंपनीज के लोगों की मर्जी है कि किसको किस कमरे में बैठाना है, किस की तलाशी लेनी है या नहीं लेनी। आप इसका खुद विश्लेशण करके देखें कि इस प्रणाली से क्या हो सकता है? तीसरा प्वॉयंट यह है कि जो आउटसोर्सिंग पॉलिसी के तहत भर्ती की जाती है, क्या इस पॉलिसी के तहत की जाने वाली भर्तियों में एस.सी./बी.सी. लोगों के लिए जो आरक्षण का प्रावधान है, उसकी अनुपालना की जाती है? वैसे आउटसोर्सिंग पॉलिसी के तहत भर्ती करना एक तरह से असंवैधानिक प्रक्रिया है। इस तरह से तो आपने अपनी सरकार के विधायकों को उनके चहेतों को इस पॉलिसी की आड़ में नौकरी देने का अधिकार दे दिया है। इस पॉलिसी को बंद करके सरकार को सही ढंग से नौकरी देने का काम करना चाहिए। इसके अतिरिक्त उपाध्यक्ष महोदया मैं एक अति महत्वपूर्ण विषय की ओर भी ध्यान दिलाना चाहूंगा और यह विषय है रोजगार कार्यालयों के माध्यम से नौकरी प्राप्त करना। कल सदन में मेरा इस विषय पर एक प्रश्न भी लगा था। सरकार द्वारा आउटसोर्सिंग पॉलिसी को समाप्त करके रोजगार कार्यालयों के माध्यम से भी नौकरी देने का काम करना चाहिए। सरकार द्वारा रोजगार कार्यालयों का तो प्रयोग ही नहीं किया जा रहा है? (शोर एवं व्यवधान)

डॉ. पवन सैनीः उपाध्यक्ष महोदया, आज यह विपक्ष के साथी बड़ी–बड़ी बातें कह रहे हैं लेकिन इन लोगों को अपने समय को भी याद रखना चाहिए? (शोर एवं व्यवधान)

श्री परमिन्दर सिंह ढुलः उपाध्यक्ष महोदया, इस तरह मुझे बीच में इंट्रप्ट करना ठीक नहीं है। ऐसा लगता है कि सारी ठेकेदारी केवल इन लोगों(सत्ता पक्ष) ने ही ले

रखी है। मैं सच बोल रहा हूँ तो ड़ॉ पवन सैनी को तकलीफ क्यों हो रही है।(शोर एवं व्यवधान) डॉ. पवन सैनी किस हैसियत से इस तरह बोल रहे हैं? (शोर एवं व्यवधान) माननीय मुख्यमंत्री जी ने सुझाव मांगे हैं मैं उस संबंध में अपने सुझाव प्रस्तुत कर रहा हूँ और डॉ. पवन सैनी जी मुझे इंट्रप्ट कर रहे हैं। (शोर एवं व्यवधान)

श्री ज्ञान चंद गुप्ताः उपाध्यक्ष महोदया, ढुल साहब हैसियत की बात कर रहे है। सदन में इस तरह से किसी पर पर्सनल आक्षेप नहीं कर सकते? (शोर एवं व्यवधान)

उपाध्यक्ष महोदयाः ढुल साहब, आप हैसियत शब्द का प्रयोग किस आधार पर कर रहे हैं। (शोर एवं व्यवधान)

श्री ज्ञान चंद गुप्ताः उपाध्यक्ष महोदया, ढुल साहब द्वारा हैसियत शब्द का प्रयोग करना गलत है इसके लिए इनको माफी मांगनी चाहिए?(शोर एवं व्यवधान)

श्री परमिन्दर सिंह ढुलः उपाध्यक्ष महोदया, मैंने हैसियत शब्द का प्रयोग पर्सनल आक्षेप के तौर पर नहीं किया है बल्कि इस प्रसंग में किया है कि मैंने सदन में योग्यता के आधार पर नौकरी देने संबंधी विषय पर एक ध्यानाकर्षण सूचना दी है जिस पर चर्चा चल रही है और माननीय मुख्यमंत्री महोदय ने इस ध्यानकर्षण सूचना पर चर्चा के दौरान सदन के सदस्यों से सुझाव मांगे हैं। मैं अपने सुझाव माननीय मुख्यमंत्री जी को दे रहा हूँ और इस बीच जब डॉ. पवन सैनी जी मुझे इंट्रप्ट कर रहे हैं तो मैंने उनसे यह कहा है कि वे किस हैसियत से मुझे बीच में इंट्रप्ट कर रहे हैं अर्थात मैंने जो ध्यानकर्षण सूचना दी है उसका मैं सिगनेट्री हूँ और सदन में उस पर चर्चा चल रही है जिस पर माननीय मुख्यमंत्री जी का और मेरा संवाद हो रहा है तो ऐसी सूरत में जब डॉ. पवन सैनी बोले तो मैने उनसे यह पूछना चाहा कि इस संवाद में उनकी क्या हैसियत है? इसके अतिरिक्त डॉ. पवन भी जिस तरह से इस सदन का एक हिस्सा है उसी तरह मैं भी इस सदन का एक हिस्सा हूँ। (शोर एवं व्यवधान) इसलिए मुझे मेरी बात कहने में उनको मुझे बीच में इंट्रप्ट नहीं करना चाहिए। उपाध्यक्ष महोदया, मैं एक बार फिर से माननीय मुख्यमंत्री जी से पूछना चाहता हूँ कि क्या सरकार मेरे द्वारा दी गई ध्यानाकर्षण सूचना में उठाये गए विषय की पालना करेंगी या नहीं? (शोर एवं व्यवधान) आउटसोर्सिंग पॉलिसी के तहत नौकरी देना एक तरह से असंवैधानिक है। (शोर एवं व्यवधान) इस

पॉलिसी के तहत तो केवल सरकार के एम.एल.एज. के चहेतों को ही नौकरी मिलेगी और योग्यता के आधार पर नौकरी देने का लक्ष्य पूरा नहीं हो सकेगा।

आपने अपना बयान दिया कि आपने अपने राज में केवल 13 हजार लोगों को योग्यता के आधार पर नौकरियां दी । (विघ्न) अभी तक तो केवल इतनी ही नौकरियां दी हैं । अगर सरकार और नौकरियां देने जा रही है तो यह एक अच्छी बात है । जिन 60–70 हजार नौकरियों की तरफ हरियाणा प्रदेश के लोग जो आस लगाये बैठे हैं माननीय मुख्य मंत्री महोदय उनके बारे में भी बतायें । (विघ्न)

श्री केहर सिंह : उपाध्यक्ष महोदया, मुझे माननीय मुख्य मंत्री जी के कार्यों में जहां कमी दिखेगी मैं उनके बारे में सदन में अवश्य बताउंगा अभी सदन के नेता ने सदन को अवगत कराया कि हमने 20 हजार पोस्ट ग्रैजुएट्स को सौ घंटे काम के बदले 8–9 हजार रूपये बेरोजगारी भत्ता दिया है । आज प्रदेश के रोजगार कार्यालयों में 16 लाख से ज्यादा युवा पंजीकृत हैं । सरकार ने वादा किया था कि हम प्रदेश के बेरोजगार युवाओं को 7–9 हजार रूपये बेरोजगारी भत्ता देंगे । मैं आपके माध्यम से माननीय मुख्य मंत्री जी से पूछना चाहता हूं कि बेरोजगारी भत्ता केवल 20 हजार युवाओं को ही क्यों दिया जा रहा है ? इसके साथ–साथ सरकार ने वादा किया था कि वे अतिथि अध्यापकों को नियमित करेंगे लेकिन इस सरकार ने उनको नियमित नहीं किया । जिस प्रकार पिछली कांग्रेस सरकार इन अध्यापकों को भ्रमित करती रही उसी प्रकार यह सरकार भी अध्यापकों को भ्रमित कर रही है । (विघ्न)

उपाध्यक्ष महोदया : केहर सिंह जी, अगर आप ऐसी बात करना चाहते हैं तो आप अपनी सीट पर बैठ जाइये । आप इस समय केवल प्रश्न पूछ सकते हैं और माननीय मुख्य मंत्री जी उसका जवाब देंगे । अतः आप अपना क्वैश्चन पूछिये । (विघ्न)

श्री केहर सिंह : उपाध्यक्ष महोदया, मैं प्रश्न ही पूछ रहा हूं । मैं कहना चाहता हूं कि सदन को जो गुमराह किया जा रहा है यह बिल्कुल गलत है । आज प्रदेश में अगर सबसे बड़ी समस्या कोई है तो वह बेरोजगारी की समस्या है । (विघ्न)

श्री मनोहर लाल : केहर सिंह जी, अगर आप 'गुमराह किया' जैसे शब्दों का इस्तेमाल करेंगे तो मुझे बार–बार अपनी सीट से उठना पड़ेगा । 'गुमराह किया' यह कोई प्रश्न नहीं है । अतः अगर आपका कोई प्रश्न है तो पूछिये अन्यथा आपको इस तरह की बात कहने का कोई अधिकार नहीं है । (विघ्न) अगर आपका कोई प्रश्न

नहीं है तो आपको इस समय बोलने का कोई अधिकार नहीं है । आप हमसे प्रश्न पूछिये क्योंकि 'गुमराह किया' शब्द कोई प्रश्न नहीं है । (विघ्न)

श्री केहर सिंह : उपाध्यक्ष महोदया, मैं प्रश्न ही पूछ रहा हूं । (विघ्न)

उपाध्यक्ष महोदया : केहर सिंह जी, आपने अब तक अगर अपना प्रश्न नहीं पूछा है तो आप इतनी देर से क्या कर रहे थे ? आप सीधे–सीधे क्वैशन भी तो पूछ सकते हो । (विघ्न)

श्री केहर सिंह : उपाध्यक्ष महोदया, जब मेरा बोलने का नंबर आयेगा तभी तो मैं प्रश्न पूछूंगा । मेरे संस्कार ऐसे नहीं हैं कि मैं किसी अन्य सदस्य की बात में बाधा डालूं । (शोर एवं व्यवधान)

उपाध्यक्ष महोदया : केहर सिंह जी, आप अपनी सीट पर बैठ जाइये । (विघ्न)

श्री केहर सिंह, एम.एल.ए. द्वारा श्री ज्ञानचंद गुप्ता, एम.एल.ए. के विरूद्ध पंचकूला में रेहड़ी वालो से पैसा इकट्ठा करने के आरोप लगाने से संबंधित

श्री केहर सिंह : उपाध्यक्ष महोदया, यह सरकार युवाओं को रोजगार देने में तो सक्षम नहीं है लेकिन जो बेरोजगार युवक हैं उनको बेरोजगारी भत्ता भी नहीं दिया जा रहा है । (शोर एवं व्यवधान) उपाध्यक्ष महोदया, मैं पंचकुला गया था और मुझे पंचकुला के रेहड़ी लगाने वाले बता रहे थे कि पंचकुला विधान सभा क्षेत्र के विधायक ज्ञान चन्द गुप्ता जी रेहड़ी लगाने वालों से 300–300 सौ रूपये प्रति माह लेते हैं । यह बहुत ही शर्म की बात है । (शोर एवं व्यवधान)

श्री ज्ञान चन्द गुप्ता : उपाध्यक्ष महोदया, माननीय सदस्य श्री केहर सिंह ने मुझ पर जो आरोप लगाया है उन्हें इसको साबित करना पड़ेगा नहीं तो उनको इसी सदन में मुझ से माफी मांगनी पड़ेगी । (शोर एवं व्यवधान) अगर उन्होंने इसे साबित नहीं किया तो मैं इन्हें कोर्ट में श्यू करूंगा और इन पर मानहानि का मुकदमा दायर करूंगा । (शोर एवं व्यवधान) माननीय सदस्य ने सदन में मुझ पर गलत आरोप लगाया है और वे सारे सदन को गुमराह करने का प्रयास कर रहे हैं । (शोर एवं व्यवधान) मेरा माननीय सदस्य को चैलेंज है कि उन्होंने जो बात कही है वह उसे साबित करके दिखायें नहीं तो मैं उन पर मानहानि का केस दर्ज करूंगा । (शोर एवं व्यवधान) माननीय सदस्य इस बात को साबित करके दिखायें । रेहड़ी वालों से 300–300 सौ रूपये लेने की जो बात सदन में केहर सिंह जी ने कही है यह बात उनको आज साबित करनी पड़ेगी । (शोर एवं व्यवधान) उपाध्यक्ष महोदया, या तो माननीय सदस्य श्री केहर सिंह आज मुझसे सदन में इस बात की माफी मांगेंगे या

फिर ये अपनी बात को साबित करेंगे । (शोर एवं व्यवधान) मैं माननीय सदस्य केहर सिंह जी से कहता हूं कि वे मेरे साथ पंचकुला में चलें और किसी एक आदमी से भी इस बात की पुष्टि करवायें । अगर इन्होंने यह आरोप साबित कर दिया तो मैं विधान सभा की सदस्यता से इस्तीफा दे दूंगा क्योंकि इन्होंने मुझ पर बहुत गम्भीर आरोप लगाया है । (शोर एवं व्यवधान)

उपाध्यक्ष महोदया : केहर सिंह जी, आप इस तरह नहीं बोल सकते। (शोर एवं व्यवधान)

श्री ज्ञान चंद गुप्ता : उपाध्यक्ष महोदया, केहर सिंह जी ने जो मेरे ऊपर आरोप लगाया है वह गलत लगाया है। (शोर एवं व्यवधान) यह आरोप इनको साबित करना पड़ेगा। (शोर एवं व्यवधान)

श्रम एवं रोजगार राज्य मंत्री (श्री नायब सैनी) : उपाध्यक्ष महोदया, केहर सिंह जी के खिलाफ विशेषाधिकार हनन का प्रस्ताव लेकर आएं। (शोर एवं व्यवधान)

सहकारिता राज्य मंत्री (श्री मनीष ग्रोवर) : केहर सिंह जी आपने गलत आरोप लगाए हैं इसलिए आप इसका प्रूफ दीजिए। (शोर एवं व्यवधान)

श्री केहर सिंह : यह बात सारा पंचकुला कह रहा है। (शोर एवं व्यवधान)

शहरी स्थानीय निकाय मंत्री (श्रीमती कविता जैन) : उपाध्यक्ष महोदया, विधायक जी को बोलने से पहले सोचना चाहिए। (शोर एवं व्यवधान)

श्री नसीम अहमद : उपाध्यक्ष महोदया, प्रूफ तो पंचकुला वाले ही देंगे। (शोर एवं व्यवधान)

श्री ज्ञान चंद गुप्ता : केहर सिंह जी, यह आपको प्रूव करना पड़ेगा। (शोर एवं व्यवधान)

श्री नायब सैनी : उपाध्यक्ष महोदया, इनैलो पार्टी के लोगों ने तो पूरा हरियाणा को लूटने का काम किया है। (शोर एवं व्यवधान)

श्री मनीष ग्रोवर : केहर सिंह जी, आप प्रूफ दीजिए वरना आपके खिलाफ विशेषाधिकार हनन का प्रस्ताव आयेगा। (शोर एवं व्यवधान)

श्री ज्ञान चंद गुप्ता : केहर सिंह जी, आप आरोप को साबित कीजिए वरना मैं आपके खिलाफ मान हानि का दावा करूँगा। (शोर एवं व्यवधान)

श्री केहर सिंह : पंचकुला में सभी रेहड़ी वाले ऐसा कहते हैं। (शोर एवं व्यवधान)

सरदार जसविन्द्र सिंह संधू : उपाध्यक्ष महोदया, इस तरह के आरोप तो पहले भी सदन में लगते आए हैं। (शोर एवं व्यवधान)

श्री ज्ञान चंद गुप्ता : उपाध्यक्ष महोदया, मेरे खिलाफ कोई भी आरोप नहीं लगा सकता है। (शोर एवं व्यवधान)

श्रीमती कविता जैन : केहर सिंह जी, आप साबित करें नहीं तो आपके खिलाफ विशेषाधिकार हनन का प्रस्ताव लाया जायेगा। (शोर एवं व्यवधान)

उपाध्यक्ष महोदया : सभी माननीय सदस्यगण बैठ जायें। (शोर एवं व्यवधान)

श्री ज्ञान चंद गुप्ता : उपाध्यक्ष महोदया, मुझे सबूत चाहिए। (शोर एवं व्यवधान)

श्री केहर सिंह : उपाध्यक्ष महोदया, इसकी इन्क्वॉयरी करवा ली जाए। पूरा पंचकुला इस बात का गवाह है। (शोर एवं व्यवधान)

डॉ0 रघुवीर सिंह कादियान : उपाध्यक्ष महोदया, तीन मैम्बर्ज की कमेटी बना दी जाए, वह कमेटी इस बारे इन्क्वॉयरी करें तब दूध का दूध और पानी का पानी हो जायेगा। (शोर एवं व्यवधान)

श्री ज्ञान चंद गुप्ता : उपाध्यक्ष महोदया, केहर सिंह जी को सोचकर और जांच करके ही बोलना चाहिए। (शोर एवं व्यवधान)

कृषि मंत्री (श्री ओम प्रकाश धनखड़) : उपाध्यक्ष महोदया, केहर सिंह जी को माननीय सदस्य से माफी मांगनी चाहिए वरना उनके खिलाफ विशेषाधिकार हनन का प्रस्ताव आना चाहिए। (शोर एवं व्यवधान)

श्री केहर सिंह : उपाध्यक्ष महोदया, मैं किसी भी बात की माफी नहीं मागूंगा। आप लोग इसकी इन्क्वॉयरी करवा सकते हैं। (शोर एवं व्यवधान)

सरदार जसविन्द्र सिंह संधू : उपाध्यक्ष महोदया, मेरा आपके माध्यम से सदन से अनुरोध है कि जो ध्यानाकर्षण प्रस्ताव था उस पर बड़े अच्छे ढंग से सुझाव दिए गए थे। माननीय मुख्यमंत्री जी उन सुझावों का जवाब भी दे रहे हैं। ऐसे आरोप पहली बार नहीं लगे हैं। इस तरह के आरोप विपक्ष पर भी पहले से लगते आ रहे हैं। (शोर एवं व्यवधान)

श्री ज्ञान चंद गुप्ता : अगर यह प्रूव नहीं हुआ तो मैं केहर सिंह जी के खिलाफ मान हानि का दावा करूँगा। (शोर एवं व्यवधान)

श्री केहर सिंह : उपाध्यक्ष महोदया, पंचकुला में सभी रेहड़ी वालों को इस बात का पता है। (शोर एवं व्यवधान)

शिक्षा मंत्री (श्री राम बिलास शर्मा) : उपाध्यक्ष महोदया, आज सत्र का आखरी दिन है। इनैलो के सदस्यों और कांग्रेस पार्टी के सदस्यों ने बहुत अच्छा कंट्रीब्यूशन किया है। केहर सिंह जी शायद आवेश में आकर यह बात कह गए हैं। केहर सिंह जी की मंशा इस तरह की नहीं थी। केहर सिंह जी, अपने शब्द वापिस ले लो और सदन की कार्यवाही चलने दो।

श्री केहर सिंह : शर्मा जी, चाहे आप इन्क्वॉयरी करवा लें। (शोर एवं व्यवधान) हर महीन रेहड़ी वाले से 300 रूपये लिये जाते हैं। (शोर एवं व्यवधान)

श्री ज्ञान चंद गुप्ता : केहर सिंह जी, आपने जो नजायज तौर पर मुझ पर आरोप लगाएं हैं वे किसी इन्क्वॉयरी के बेस पर लगाएं होंगे। तथ्यों के आधार पर लगाए होंगे। आप केवल इसका प्रूफ दीजिए। (शोर एवं व्यवधान)

श्री राम बिलास शर्मा : केहर सिंह जी, आप अपने शब्द वापिस लीजिए और सदन की कार्यवाही चलने दीजिए । (शोर एवं व्यवधान) आपका मन ऐसा नहीं है। (शोर एवं व्यवधान)

श्री केहर सिंहः उपाध्यक्ष महोदया, मैं श्री राम बिलास शर्मा जी का दिल से आदर करता हूं। उपाध्यक्ष महोदया, हकीकत में जैसा मैंने सुना है और जैसा मैंने रेहड़ी वालों से पूछा है, वह बिल्कुल सत्य है। (शोर एवं व्यवधान)

श्री ज्ञान चंद गुप्ताः उपाध्यक्ष महोदया, अभी केहर सिंह जी ने जो मेरे पर आरोप लगाया है इसका वे प्रूफ दें। (शोर एवं व्यवधान)

उपाध्यक्ष महोदयाः माननीय सदस्यगण, सुनी–सुनाई बातों का कोई तथ्य नहीं होता है। (शोर एवं व्यवधान)

श्री राम बिलास शर्माः उपाध्यक्ष महोदया, हम चाहते हैं कि केहर सिंह जी ने श्री ज्ञान चंद गुप्ता जी के खिलाफ जो शब्द बोले हैं, वे उन शब्दों को वापिस ले लें और सदन को चलने दें। (शोर एवं व्यवधान)

श्री केहर सिंहः उपाध्यक्ष महोदया, मैं आपके माध्यम से यह बताना चाहूंगा कि जो मैं बोल रहा हूं वह सत्य है। (विघ्न)

सरदार जसविंद्र सिंह संधूः उपाध्यक्ष महोदया, मैं माननीय मंत्री जी से कहना चाहूंगा कि अगर वे चाहें तो केहर सिंह जी के द्वारा कही हुए बातों को सदन की कार्यवाही से निकलवा दें और सदन को चलने दें। (शोर एवं व्यवधान)

श्री ज्ञान चंद गुप्ताः उपाध्यक्ष महोदया, मैं आपके माध्यम से सदन को बताना चाहूंगा कि श्री केहर सिंह जी पूरे सदन को गुमराह कर रहे हैं। अगर इनके पास मेरे खिलाफ ऐसा कोई तथ्य है तो वे यहां पर पेश करें। इनके द्वारा मेरे खिलाफ कहे हुए शब्द को सदन की कार्यवाही से बिना साबित हुए नहीं निकाला जाना चाहिए। (शोर एवं व्यवधान)

सरदार जसविंद्र सिंह संधू : उपाध्यक्ष महोदया, मैं आपके माध्यम से माननीय मंत्री जी से कहना चाहूंगा कि हमने भी कई बार उनके द्वारा कही गई बातों को बर्दाश्त किया है। मैं इनसे कहना चाहूंगा कि ये इस बात को भूल जाएं और श्री केहर सिंह जी के द्वारा कही हुई बातों को सदन की कार्यवाही से निकलवा दें। (शोर एवं व्यवधान)

उपाध्यक्ष महोदयाः संधू जी, सदन को गुमराह करने के लिए सुनी–सुनाई बातों को नहीं बोलना चाहिए। (शोर एवं व्यवधान)

श्री केहर सिंहः उपाध्यक्ष महोदया, मैं आपके माध्यम से माननीय मंत्री जी से कहना चाहूंगा कि वे इसके लिए एक कमेटी गठित करके इसकी जांच करवाएं। (शोर एवं व्यवधान)

श्री ज्ञान चंद गुप्ता : उपाध्यक्ष महोदया, मैं आपके माध्यम से श्री केहर सिंह जी को कहना चाहूंगा कि इन्होंने जो हम पर इतना बड़ा आरोप लगाया है, इसके लिए ये यहां पर तथ्य लेकर आएं। इन्हें हम पर आरोप लगाने से पहले इसकी जांच करनी चाहिए थी। (शोर एवं व्यवधान)

उपाध्यक्ष महोदयाः संधू जी, अभी तो केहर सिंह जी कह रहे थे कि ये खुद सुनी–सुनाई बातों पर बोल रहे हैं। (शोर एवं व्यवधान)

श्री ज्ञान चंद गुप्ताः उपाध्यक्ष महोदया, श्री केहर सिंह जी मेरे ऊपर बिना छानबीन किए आरोप लगा रहे हैं। (शोर एवं व्यवधान)

श्री केहर सिंहः उपाध्यक्ष महोदया, मैंने रेहड़ी, ठेले और सामान बेचने वालों से पूछा है, तब जाकर मैंने यह बात सदन में कही है। (शोर एवं व्यवधान)

कृषि मंत्री (श्री ओम प्रकाश धनखड़) : उपाध्यक्ष महोदया, मैं आपके माध्यम से कहना चाहूंगा कि अगर श्री केहर सिंह जी अपनी गलती नहीं मान रहे हैं तो हम उनके खिलाफ प्रिविलेज मोशन लेकर आएंगे और जब प्रिविलेज मोशन मूव होगा तो इस मामले की खुद ब खुद जांच हो जाएगी और उसके बाद श्री केहर सिंह जी से फैक्ट्स मांगें जाएंगे और अगर इन्होंने फैक्ट्स नहीं दिए तो प्रिविलेज कमेटी इनके खिलाफ कार्रवाई करेगी। (शोर एवं व्यवधान)

उपाध्यक्ष महोदयाः संधू जी, केहर सिंह जी को सुनी–सुनाई बातों को सदन में नहीं बोलना चाहिए था। अगर केहर सिंह जी कहते हैं कि मैं अपने द्वारा सदन में कही गई बात को वापस लेता हूं तो यह मामला खत्म हो जाएगा। (शोर एवं व्यवधान)

सरदार जसविंद्र सिंह संधूः उपाध्यक्ष महोदया, श्री केहर सिंह जी जो बात कह रहे हैं, यह आज का मामला नहीं है, यह बहुत ही पुराना मामला है। श्री केहर सिंह जी को जिन रेहड़ी, ठेले और सामान बेचने वालों ने यह बात बताई है, वहां से ये रोज सब्जी लेते हैं।

श्री राम बिलास शर्माः उपाध्यक्ष महोदया, मैं आपके माध्यम से इस सदन में कहना चाहूंगा कि कई बार कुछ लोग आवेश में आकर कुछ अनाप–शनाप बोल जाते हैं। हम सब लोगों को एक ही छत के नीचे बैठना होता है और बार–बार बैठना है। श्री केहर सिंह जी, हम मानते हैं कि कई बार मन कुछ और कहने को होता है और हम सुनी–सुनाई बातों पर कुछ और कह जाते हैं। अगर श्री केहर सिंह जी अपने शब्द वापस ले रहे हैं तो मामला खत्म हो जाएगा और सदन की कार्यवाही चलेगी। (शोर एवं व्यवधान)

श्री ज्ञान चंद गुप्ताः उपाध्यक्ष महोदया, मैं आपके माध्यम से माननीय मंत्री जी से कहना चाहूंगा कि यह कोई छोटी बात नहीं हैं और यह ऐसे ही खत्म नहीं हो सकती। इन्होंने हम पर बहुत ही गंभीर आरोप लगाया है। (शोर एवं व्यवधान)

श्री केहर सिंहः उपाध्यक्ष महोदया, मैं एक बात कहना चाहूंगा कि श्री मूल चंद शर्मा जी और श्री टेक चंद शर्मा जी दोनों ने आरोप लगाया था और उन्होंने जो आरोप लगाया था, वह सदन में झूठा साबित हुआ थो। (शोर एवं व्यवधान)

श्री राम बिलास शर्माः आप सब कृपया बैठ जाएं। मैं कुछ कहना चाहता हूं। उपाध्यक्ष महोदया, मैं आपके माध्यम से माननीय सदस्य जी को कहना चाहूंगा कि ये सारे फरीदाबाद के लोग यमुना का ही पानी पीते हैं, इसलिए उनमें उबाल जरूरी है। (विघ्न)

श्री ज्ञान चंद गुप्ताः उपाध्यक्ष महोदया, ये छुपकर भागने वाले लोग हैं। (शोर एवं व्यवधान)

श्री केहर सिंहः उपाध्यक्ष महोदया, मैं माननीय मंत्री जी को बताना चाहूंगा कि हम वैसे नहीं है। हम झूठ नहीं बोलते हैं। आप इसकी जांच करवाएं, उसके बाद आपको पता चल जाएगा की क्या ठीक है और क्या गलत है। (शोर एवं व्यवधान)

श्री राम बिलास शर्माः टेक चंद जी, कृपया आप सदन को चलने दें। (शोर एवं व्यवधान)

श्री ज्ञान चंद गुप्ताः उपाध्यक्ष महोदया, श्री केहर सिंह जी सबसे पहले तथ्य लेकर आएं और तथ्यों के आधार पर सदन में बात करें। (शोर एवं व्यवधान)

श्री केहर सिंहः उपाध्यक्ष महोदया, जैसा मैंने सुना है वही बोल रहा हूं। अगर इनको विश्वास न हो तो जैसा मैंने अभी कहा उसकी जांच करवाई जाए। (शोर एवं व्यवधान

सरदार जसविंद्र सिंह संधू : उपाध्यक्ष महोदया, मैंने पहले भी यह बात की थी, यह आरोप–प्रत्यारोप आज कोई नई बात नहीं है, इस सदन की कार्यवाही में ऐसे आरोप–प्रत्यारोप हमेशा लगते रहे हैं। श्री करण सिंह दलाल जी ने भी इस सदन में कई बार इस तरह की बात कही है। यहां पर ऐसी क्या बात हो गई है, अगर आपको अच्छा नहीं लगा तो आप केहर सिंह जी के द्वारा कही गई बातों को सदन की कार्यवाही से निकलवा दें और सदन को आगे चलने दें। (शोर एवं व्यवधान) माननीय उपाध्यक्ष महोदया, मैं यह कहना चाहता हूं कि अगर एक शरीफ आदमी को कहीं से कोई जानकारी मिली है तो उसने अपनी उस बात को सदन में रख दिया है। (शोर एवं व्यवधान) उनको भविष्य में इस बाबत ध्यान रखने के लिए कह दिया जाये और सदन की कार्यवाही को आगे चलाया जाये। (शोर एवं व्यवधान) इतनी छोटी सी बात को इतना ज्यादा बढ़ाना ठीक प्रथा नहीं है। (शोर एवं व्यवधान)

श्री राम बिलास शर्मा : उपाध्यक्ष महोदया, अगर श्री केहर सिंह जी अपने शब्द वापिस ले लेते हैं तो बात समाप्त हो जायेगी। (शोर एवं व्यवधान)

श्री ज्ञान चंद गुप्ता : उपाध्यक्ष महोदया, श्री केहर सिंह जी को अपनी बात प्रूफ के साथ साबित करनी होगी। (शोर एवं व्यवधान) ऐसे तो यहां पर कोई भी किसी के ऊपर भी बेबुनियाद आरोप लगा देगा। (शोर एवं व्यवधान) यहां पर किसी भी माननीय सदस्य को किसी के ऊपर भी झूठे आरोप नहीं लगाने चाहिएं। (शोर एवं व्यवधान)

श्री राम बिलास शर्मा : उपाध्यक्ष महोदया, जैसा माननीय सरदार जसविन्द्र सिंह संधू जी ने कहा मैं भी माननीय सदस्य श्री केहर सिंह जी से निवेदन करता हूं कि वे अपने शब्दों को वापिस ले लें। इस सदन में हम सभी विधायक हैं और यहां पर कोई छोटा–बड़ा नहीं है।

सरदार जसविन्द्र सिंह संधू : माननीय उपाध्यक्ष महोदया, मुझे बड़े दुःख के साथ यह कहना पड़ रहा है कि यह सदन ट्रैजरी बैंचिज़ के प्रैशर में चल रहा है। मैंने श्री अनिल विज की बात के ऊपर ऐतराज किया था लेकिन उस समय मेरी बात नहीं सुनी गई। इसलिए मैं इस मामले में भी यह कह रहा हूं कि अगर आपको कोई बात ठीक नहीं लगती तो उसे सदन की कार्यवाही से निकलवा दिया जाये। यह कोई इतना बड़ा इश्यू नहीं है कि इसके बाबत माननीय सदस्य के खिलाफ कोई प्रिविलेज मोशन लाया जाये।

श्री ज्ञान चंद गुप्ता : उपाध्यक्ष महोदया, श्री केहर सिंह जी ने जो आरोप लगाये हैं उन्हें उनको साबित करना होगा और अगर वे अपने आरोपों को साबित नहीं कर सकते तो उनको यहां पर माफी मांगनी चाहिए तभी सदन की कार्यवाही आगे चलाई जाये।

सरदार जसविन्द्र सिंह संधू : माननीय उपाध्यक्ष महोदया, अगर ऐसी बात है तो आपको श्री अनिल विज जी से भी माफी मंगवानी चाहिए। (शोर एवं व्यवधान) जो बात अनिल विज जी ने हमारे बारे में कही थी उसके बारे में श्री अनिल विज जी को भी माफी मांगनी पड़ेगी। (शोर एवं व्यवधान) हम कोई समझौता नहीं करेंगे। (शोर एवं व्यवधान)

श्री ज्ञान चंद गुप्ता : उपाध्यक्ष महोदया, प्रिविलेज कमेटी इसी उद्देश्य के लिए बनाई गई है जो कि इस प्रकार के मामले में सुनवाई करके अपना निर्णय देती है। (शोर एवं व्यवधान)

श्री केहर सिंह, एम.एल.ए. के विरूद्ध अभिकथित विशेषाधिकारी भंग की सूचना

उपाध्यक्ष महोदया : माननीय सदस्यगण, मुझे श्री श्याम सिंह राणा, विधायक से श्री केहर सिंह, विधायक के विरूद्ध एक विशेषाधिकार हनन का प्रस्ताव मिला है, जिसमें उन्होंने श्री ज्ञान चंद गुप्ता, विधायक के बारे में आरोप लगाये कि पंचकूला में हर रेहड़ी वाले से श्री ज्ञान चंद गुप्ता 300/– रूपये की वसूली करते हैं। जब उनसे इस बारे में सबूत देने को कहा गया तो उन्होंने कहा कि ऐसा मैंने लोगों से सुना है और उन्होंने इस बात को स्पष्ट करने में अपनी असमर्थता जताई। इस प्रकार से उन्होंने इस महान सदन को गुमराह किया है। मैं इस विषय पर दिए गए विशेषाधिकार हनन के प्रश्न पर अपनी सहमति देती हूं। अब संसदीय कार्य मंत्री इस सम्बन्ध में सदन की अनुमति लेने का अपना प्रस्ताव प्रस्तुत करेंगे।

संसदीय कार्य मंत्री (श्री राम बिलास शर्मा) : माननीय उपाध्यक्ष महोदया, मैं श्री केहर सिंह, विधायक के विरूद्ध विशेषाधिकार हनन का प्रस्ताव प्रस्तुत करने के लिए सदन की अनुमति चाहता हूं।

उपाध्यक्ष महोदया : मैं अनुरोध करती हूं कि जो सदस्य इस प्रस्ताव के पक्ष में हैं वे अपनी सीटों पर खड़े हो जायें।

(इस समय सत्ताधारी पार्टी के सदन में उपस्थित सभी सदस्य अपनी सीटों पर खड़े हो गए)

उपाध्यक्ष महोदया : इस प्रस्ताव के समर्थन में खड़े होने वाले सदस्यों की सदस्य 15 से अधिक है इसलिए इस प्रस्ताव को मंजूर किया जाता है। अब संसदीय कार्य मंत्री श्री केहर सिंह, विधायक के विरूद्ध विशेषाधिकार हनन का प्रस्ताव विशेषाधिकार समिति को जांच के लिए रैफर करने के लिए प्रस्तुत करेंगे। यह भी प्रस्ताव किया जाये कि अगले सत्र की प्रथम बैठक तक प्रिविलेज कमेटी अपनी रिपोर्ट प्रस्तुत करे।

संसदीय कार्य मंत्री (श्री राम बिलास शर्मा) : माननीय उपाध्यक्ष महोदया, मैं प्रस्ताव करता हूं –

कि श्री केहर सिंह, विधायक ने आज दिनांक 25.10.2017 को जो श्री ज्ञान चंद गुप्ता, विधायक के बारे में आरोप लगाए कि पंचकूला में हर रेहड़ी वाले से श्री ज्ञान चंद गुप्ता 300/– रूपये की वसूली करते हैं। जब उनसे इस बारे में सबूत देने को कहा गया तो उन्होंने कहा कि ऐसा मैंने लोगों से सुना है और उन्होंने इस बात को स्पष्ट करने में अपनी असमर्थता जताई। इस प्रकार उन्होंने इस महान सदन को गुमराह किया है इसलिए मैं श्री केहर सिंह, विधायक के विरूद्ध विशेषाधिकार हनन का प्रस्ताव प्रस्ताव प्रस्तुत करता हूं और सदन से अनुरोध करता हूं कि यह प्रस्ताव विशेषाधिकार समिति को रैफर किया जाए और अगले सत्र की प्रथम बैठक तक विशेषाधिकार समिति इस बारे में अपनी रिपोर्ट प्रस्तुत करे।

उपाध्यक्ष महोदया : प्रस्ताव प्रस्तुत हुआ –

कि श्री केहर सिंह, विधायक ने आज दिनांक 25.10.2017 को जो श्री ज्ञान चंद गुप्ता, विधायक के बारे में आरोप लगाए कि पंचकूला में हर रेहड़ी वाले से श्री ज्ञान चंद गुप्ता 300/– रूपये की वसूली करते हैं। जब उनसे इस बारे में सबूत देने को कहा गया तो उन्होंने कहा कि ऐसा मैंने लोगों से सुना है और उन्होंने इस बात को स्पष्ट करने में अपनी असमर्थता जताई। इस प्रकार उन्होंने इस महान सदन को गुमराह किया है इसलिए मैं श्री केहर सिंह, विधायक के विरूद्ध विशेषाधिकार हनन का प्रस्ताव प्रस्ताव प्रस्तुत करता हूं और सदन से अनुरोध करता हूं कि यह प्रस्ताव विशेषाधिकार समिति को रैफर किया जाए और अगले सत्र की प्रथम बैठक तक विशेषाधिकार समिति इस बारे में अपनी रिपोर्ट प्रस्तुत करे।

उपाध्यक्ष महोदया : प्रश्न है –

कि श्री केहर सिंह, विधायक ने आज दिनांक 25.10.2017 को जो श्री ज्ञान चंद गुप्ता, विधायक के बारे में आरोप लगाए कि पंचकूला में हर रेहड़ी वाले से श्री ज्ञान चंद गुप्ता 300/– रूपये की वसूली करते हैं। जब उनसे इस बारे में सबूत देने को कहा गया तो उन्होंने कहा कि ऐसा मैंने लोगों से सुना है और उन्होंने इस बात को स्पष्ट करने में अपनी असमर्थता जताई। इस प्रकार उन्होंने इस महान सदन को गुमराह किया है इसलिए मैं श्री केहर सिंह, विधायक के विरूद्ध विशेषाधिकार हनन का प्रस्ताव प्रस्ताव प्रस्तुत करता हूं और सदन से अनुरोध करता हूं कि यह प्रस्ताव विशेषाधिकार समिति को रैफर किया जाए और अगले सत्र की प्रथम बैठक तक विशेषाधिकार समिति इस बारे में अपनी रिपोर्ट प्रस्तुत करे।

प्रस्ताव स्वीकृत हुआ।

ध्यानाकर्षण प्रस्ताव (पुनरारम्भ)

उपाध्यक्ष महोदया : रविन्द्र बलियाला जी, अब आप बोलिए आप क्या कहना चाहते हैं?

प्रो. रविन्द्र बलियाला : उपाध्यक्ष महोदया, सर्वप्रथम आपका बहुत–बहुत धन्यवाद। आपने मुझे आज एक बहुत ही गंभीर विषय पर बोलने का मौका दिया। जो हमारा ग्रामीण अंचल है उसके पूरी तरह से नष्ट हो जाने का खतरा बना हुआ है। आपने मुझे इस विषय के बारे में चर्चा करने का अवसर प्रदान किया। जो हमारा ध्यानाकर्षण प्रस्ताव था वो वास्तव में ये था कि ग्रुप डी और सी की जो नौकरियां हैं उसमें सरकार ने जो साक्षात्कार पद्धति को खत्म करके जो नौकरी के लिए जो टैस्ट का प्रावधान किया है उससे जो ग्रामीण अंचल के बच्चे हैं उनको काफी नुकसान होगा जिससे उन्हें सरकारी नौकरियों में प्रॉपर प्रतिनिधित्व नहीं मिलेगा। यही हमारे ध्यानाकर्षण प्रस्ताव का विषय था। इसी के बारे में मैं आज सदन में बात कर रहा हूं। माननीय मुख्यमंत्री जी, ने अपने जबाव में काफी बातें कहीं हैं। (शोर एवं व्यवधान) उन्होंने सबसे पहले तो अपने जवाब में केन्द्र सरकार की एक नीति का वर्णन करते हुए यह कहा है कि discontinuation of interview shall not only be cost effective procedure but will also be a path breaking decision so far as social reform policy is concerned इसमें इन्होंने केन्द्र सरकार की नीति का वर्णन करते हुआ कहा है कि इंटरव्यू सिस्टम को खत्म करने से लागत में कटौती होगी अर्थात अगर वर्तमान सिस्टम को सरकार द्वारा अपनाया जाता है तो लागत कम होगी। मैं माननीय मुख्यमंत्री जी से यह पूछना चाहता हूं कि वर्तमान पद्धति लागू करने से कुल कितनी लागत कम होगी? मुझे तो नहीं लगता कि इससे कोई लागत कम होगी क्योंकि सरकार ने किसी एजेंसी को इस काम का ठेका भी दिया है। इसके बाद उन्होंने पेपर भी छपवाए हैं और वो टैस्ट लिया भी जाता है। इस प्रकार से इसमें इन सब कारणों से बहुत ज्यादा लागत आती है। कई बार पेपर लीक होने की स्थिति में दोबारा से यही प्रक्रिया दोहराई जाती है। आगे उन्होंने कहा है कि यह ैवबपंस त्मवितउे च्वसपबल है। हरियाणा सरकार ने इस पॉलिसी के तहत ही इस प्रोसीज़र को अडॉप्ट किया है इसलिए इससे बहुत फायदा होगा। जहां तक समाज सुधार की प्रक्रिया का सम्बन्ध है इस समय हमारे समाज के अंदर बहुत सी विषमताएं हैं। इन

विषमताओं में मुख्य रूप से आर्थिक विषमताएं और सामाजिक विषमताएं हैं और बहुत से depressed sections of the society हैं जिसमें महिलाएं हैं और दलित वर्ग हैं। पिछले तीन–साढ़े तीन साल से समाज में जो सबसे ज्यादा विषमता पैदा हो गयी है वह रूरल और अर्बन वर्ग का डिवाईड है क्योंकि पिछले कुछ समय से प्रदेश के सभी लोगों की और विशेषकर ग्रामीण क्षेत्रों के लोगों की जो परचेजिंग पॉवर है वह निरंतर बहुत कम हो गई है। यह बात सभी को भली भांति ज्ञान है कि हरियाणा एक कृषि प्रधान प्रदेश है। यहां पर कोई इण्डस्ट्री नहीं है जिससे ग्रामीण अंचल में रहने वाले लोगों को रोजगार उपलब्ध हो सके। आज की तारीख में वास्तविक हालात यही है कि जो ग्रामीण अंचल का मज़दूर है उसे काम नहीं मिल रहा है। इसी प्रकार से कमेरा वर्ग है उसको भी कोई काम नहीं मिल रहा है। ग्रामीण अंचल के लोग पूरी तरह से कृषि पर निर्भर है लेकिन उनको कोई काम नहीं मिल रहा है। इसी प्रकार से किसानों की आमदनी भी लगातार कम होती जा रही है। (शोर एवं व्यवधान)

डॉ. अभय सिंह यादव : उपाध्यक्ष महोदया, मैं आपसे सिर्फ एक बात पूछना चाहता हूं कि क्या किसी मामले में Leader of the House के जवाब देने के बाद इस प्रकार के सवालों का कोई औचित्य रह जाता है। (शोर एवं व्यवधान)

प्रो. रविन्द्र बलियाला : मैडम डिप्टी स्पीकर, मैं आपके माध्यम से माननीय साथी डॉ. अभय यादव जी को यह बताना चाहता हूं कि मैं ध्यानाकर्षण प्रस्ताव का हस्ताक्षरी हूं। (शोर एवं व्यवधान)

उपाध्यक्ष महोदया : अभय यादव जी, आप बैठिए। ये कॉलिंग अटैंशन मोशन के सिग्नेट्री हैं इसलिए इनका सवाल पूछने का हक बनता है। ये रूल के अनुसार सवाल पूछ सकते हैं। (शोर एवं व्यवधान)

डॉ. अभय सिंह यादव : उपाध्यक्ष महोदया, रविन्द्र बलियाला जी तो ये सवाल तो पूछ सकते हैं किन्तु भाषण दे रहे हैं। आप इनको कहो कि ये सवाल पूछे न कि भाषण दें। (शोर एवं व्यवधान)

प्रो. रविन्द्र बलियाला : मैडम डिप्टी स्पीकर, जो माननीय मुख्यमंत्री जी ने जवाब दिया है मैं उसी के संदर्भ में सवाल पूछ रहा हूं। मैं कोई गलत बात नहीं बोल रहा हूं। (शोर एवं व्यवधान)

उपाध्यक्ष महोदया : बलियाला जी, आप कृपया भाषण न दें और अपना स्पैसिफिक सवाल पूछें। आपको बालते हुए काफी समय हो गया है इसलिए आप जल्दी वाइंड–अप करें।

प्रो. रविन्द्र बलियालाः उपाध्यक्ष महोदया, क्योंकि आज रूरल और अर्बन का डिवाइड बहुत ज्यादा हो चुका है। रूरल एरिया में जो लोग रहते हैं उनकी आमदनी बहुत कम हो चुकी है इसलिए वे अर्बन एरिया के लोगों के साथ कम्पीट नहीं कर पाते हैं। जो बच्चे गुड़गांव में पढ़ते हैं, जो बच्चे फरीदाबाद में पढ़ते हैं, जो बच्चे मैट्रोपोलीटन सिटीज में पढ़ते हैं उन बच्चों में और जो ग्रामीण क्षेत्र में पढ़े हुये बच्चे हैं उनमें बहुत ज्यादा फर्क है इसलिए उस डिवाइड को खत्म करने के लिए समाज सुधार की अगर बात है तो ग्रामीण क्षेत्र के बच्चों को वैटेज देना बहुत ज्यादा जरूरी है। (इस समय अध्यक्ष महोदय पदासीन हुये।) अध्यक्ष महोदय, इस प्रकार के काम पहले भी सरकारें करती रही हैं। अगर सरकार किसी विशेष वर्ग को ऊपर उठाना चाहती हैं तो उनको एक विशेष पैकेज भी देती हैं। मेरी माननीय मुख्यमंत्री जी से यही मांग है कि ग्रामीण क्षेत्र के बच्चों को नौकरियों में वैटेज दी जाये।

श्री अध्यक्षः बलियाला जी, आपने दो प्रश्न पूछ लिये हैं अब आप बैठ जाईये।

प्रो. रविन्द्र बलियालाः अध्यक्ष महोदय, मैं जल्दी ही अपनी बात समाप्त करने जा रहा हूं। सरकार की तरफ से जो जवाब दिया गया है मैं उसी पर पूछ रहा हूं। इस जवाब में पिछली सरकार की कुछ खामियां भी निकाली गई हैं। इस जवाब में लिखा हुआ है कि पिछली सरकार में 20–20, 50–50 हजार में फर्जी सर्टिफिकेट बनाये गये थे। क्या सरकार ने उसकी कोई इन्कवायरी की है या सरकार उसकी इन्कवायरी करेगी कि वे कौन लोग थे जिन्होंने फर्जी सर्टिफिकेट्स बनाए और इन फर्जी सर्टिफिकेट्स के आधार पर कितने लोगों को नौकरी दी गई है? क्या सरकार इसकी कोई जांच करवायेगी? अध्यक्ष महोदय, इसी प्रकार से सरकार ने अपने जवाब में लिखा हुआ है कि हमने ग्रुप सी. और डी. के पदों पर अभी तक 13089 नौकरियां दी हैं। मेरे हिसाब से वे बहुत कम हैं लेकिन मैं यह भी पूछना चाहता हूं कि ग्रुप सी. और डी. के कितने पद खाली पड़े हुये हैं।

श्री अध्यक्षः बलियाला जी, आपका समय समाप्त हो गया है, आपने बहुत ज्यादा सवाल पूछ लिये हैं।

श्री मनोहर लालः अध्यक्ष महोदय, हमारे सम्मानित सदस्यों ने जो प्रश्न किये हैं उनमें से ज्यादातर के उत्तर मैं दे चुका हूं फिर भी कुछ प्रश्न दौहराये गये हैं और मैं उनका जवाब देना चाहता हूं। श्री परमिन्द्र सिंह ढुल ने ग्रामीण क्षेत्र के बच्चों को वैटेज देने की बात कही है उस बारे में मेरा कहना यह है कि अगर संविधान में वैटेज देने का कोई प्रावधान होगा और वैटेज देनी सम्भव होगी तो वैटेज अवश्य दी जायेगी अन्यथा ऐसी कई क्लासिज हैं जो डिप्राइव्ड हैं लेकिन हम तो अन्त्योदय के पुजारी हैं। अन्त्योदय का मतलब ही यह होता है कि अंतिम का उदय करो और जो अंत में रह गया वह चाहे ग्रामीण क्षेत्र से है, शहरी क्षेत्र से है, गरीब है, किसी भी जाति से है, जिस भी तरीके से है, आखिर रोजगार हर किसी को मिलना चाहिए यह हमारी आस्था है। इसीलिए रोजगार हमारे लिए बहुत महत्वपूर्ण विषय है। अगर हम नौजवानों को रोजगार दे पायेंगे, जितने ज्यादा रोजगार दिलवा पायेंगे उतना ही समाज का भला होगा। इसी प्रकार से दूसरा विषय फर्जी सर्टिफिकेट्स की इन्कवायरी का है। यह विषय उस समय का है जब कांग्रेस सरकार ने समिति बनाई थी और उन्होंने स्वयं अपनी फाइंडिंग्ज में पाया कि हमने इसकी फाइंडिंग कर ली है और जब उनको वह सत्यता ध्यान में आई तो उस समय की सारी परीक्षा रद्द कर दी तथा सारी सलैक्शन्ज रद्द कर दी गई तथा उस समिति को भंग कर दिया गया था इसलिए अब इसका कोई अर्थ नहीं बचता है कि इसकी इन्कवायरी करवाई जायेगी या नहीं करवाई जायेगी ? तीसरी बात 13089 नौकरियों के बारे में पूछी गई है। अध्यक्ष महोदय, हमने अपने जवाब में यह भी लिखा हुआ है कि हमने 55 हजार के लगभग पद विज्ञापित भी किये हुये हैं। 55 हजार में से 45 हजार के आस–पास पदों हेतु परीक्षाएं हो चुकी हैं तथा बाकियों के लिए परीक्षा होंगी। इन पदों को भरने के बाद सभी विभागों को कह दिया गया है कि वे अपने–अपने विभाग में रिक्त पदों की नई रिक्वीजीशन आयोग को भेज दें। जब विभागों की नई रिक्वीजीशन आयेगी तो उसके अनुसार ही उन पदों का टाईम–टेबल बनेगा। अभी तो जो 55 हजार रिक्तियां पहले की थी उन्हीं को भरना हमारा टारगेट है। इसी प्रकार से जहां तक प्रक्रिया की बात है तो नौकरियों के लिए परीक्षा भी होती है और इन्टरव्यू भी होता है। हरियाणा पब्लिक सर्विस कमिशन और हरियाणा कर्मचारी चयन आयोग हैं उनकी अपनी एक सलैक्शन प्रक्रिया होती है। जितने उम्मीदवार परीक्षा में पास होते थे उनमें से पदों से दोगुणा कैंडीडेट्स को छांट लिया जाता था और फिर उनके इंटरव्यू होते थे और उनके जो अनुभव के

मार्कस होते थे या एक्स्ट्रा एजुकेशन के मार्कस होते थे वह उसमें जोड़े जाते थे फिर उसमें से जितनी सलैक्शन होती थी वह होती थी । अभी कुछ दिन पहले कोर्ट का डिसीजन आया है उन्होंने यह कहा है कि नहीं जितने कैंडीडेट्स पास होंगे उनके जो अनुभव के मार्कस हैं वह इंटरव्यू से पहले जोड़े जाएंगे । अर्थात यदि क्लास–डी की नौकरियों की बात है जिसका मैंने उल्लेख किया कि उनकी वर्ष 2013 के अन्दर एप्लीकेशंज मांगी गई थी उसमें साढ़े चार लाख एप्लीकेशंज आई हुई थी । अब यदि 20 हजार की नौकरियां हैं तो उस समय अगर दो गुणा इंटरव्यू करने हैं तो 40 हजार लोगों का इंटरव्यू किया जाएगा । लेकिन अब चूंकि पास होने वालों के सभी के अनुभव के मार्कस पहले जोड़े जाएंगे । साढ़े चार लाख में एक अनुमान के हिसाब से मान लो दो लाख लोग पास हो जाएं तो उन दो लाख लोगों के सबके इंटरव्यू पहले करने पड़ेंगे । जो फार्म हैं उनके अनुभव के आधार पर जो उनके दस्तावेज हैं वह पहले देखने पड़ेंगे । दो लाख लोगों के इंटरव्यू के लिए उनके दस्तावेज वैरीफिकेशन के लिये जैसे मैंने बताया कि स्टाफ सलैक्शन कमीशन के 10 मैंबर होते हैं अगर ऐसी 10 टोलियां भी बनाई जाएं और एक टोली अगर 200 लोगों के दस्तावेज भी वैरीफिकेशन करती है तो दो हजार से ज्यादा लोगों का दस्तावेज वैरीफिकेशन एक दिन में हमारा स्टाफ सलैक्शन बोर्ड नहीं कर सकता । दो हजार कैंडीडेट्स प्रति दिन का मतलब दो लाख लोगों का दस्तावेज वैरीफिकेशन करना पड़ेगा तो 100 दिन लगते हैं । 100 दिन तो उनके दस्तावेज वैरीफिकेशन करने में लगेंगे । उसके बाद फिर उसमें से दो गुणा यानि 40 हजार लोगों का दोबारा से इंटरव्यू होगा और उस इंटरव्यू के मार्कस देने पड़ेंगे । इतनी लम्बी प्रोसैस में अगर 20 हजार लोगों को हमने भर्ती करना है तो 100 दिन का उनके इंटरव्यू का बहुत खर्चा पड़ेगा । इनके आने–जाने का खर्च भी पड़ेगा, इंटरव्यू लेने वालों का खर्च भी पड़ेगा और जब 100 दिन तक इंटरव्यू होते हैं तो सारे ऑफिस भी चलते हैं इसका बहुत बड़ा खर्चा सरकार पर पड़ने वाला है इसकी जानकारी भी आपको होनी चाहिए ।

डॉ0 रघुवीर सिंह कादियान : मुख्यमंत्री जी, क्वालिटी सलैक्शन में जहां तक एक्सपैंडीचर की बात है उस संबंध में मैं सबमिट करना चाहता हूं ।

श्री मनोहर लाल : कादियान जी, मैं सलैक्शन की बात बता चुका हूं ।

डॉ0 रघुवीर सिंह कादियान : स्पीकर सर, पहले 50 साल के हरियाणा के इतिहास में हरियाणा सर्विस सलैक्शन बोर्ड या कमीशन में 6 करोड़ रूपये से ज्यादा खर्च नहीं लगा लेकिन अब जो खर्चा लग रहा है वह जैमर का लग रहा है, सी.सी.टी.वी कैमरे का लग रहा है और बायोमैट्रिक मशीन का लग रहा है ।

श्री अध्यक्ष : आप ये बताइये कि वह पैसा ठीक लग रहा है या गलत ?

डॉ0 रघुवीर सिंह कादियान : अध्यक्ष महोदय, इस तरह से तो हर साल का 20 या 25 करोड़ रूपये लगेगा । जो 6 करोड़ रूपये खर्चा था वह अब 25 करोड़ रूपये पर पहुंच गया है।

श्री मनोहर लाल : कादियान साहब, वह तो लगेगा ही और जो लग रहा है उसकी मनाही नहीं है । (शोर एवं व्यवधान)

श्री अध्यक्ष : कादियान जी, आप बैठिये । (शोर एवं व्यवधान) आपकी बात पूरी हो गई है । (शोर एवं व्यवधान)

श्री मनोहर लाल : कादियान साहब, वह किसने मना किया है वह 25 करोड़ रूपया तो लगेगा ही । यह 25 करोड़ रूपये तो एग्जाम लेने की लागत है उसमें जैमर्ज भी लगेंगे कि नकल न हो, सी.सी.टी.वी. कैमराज भी लगेंगे और कम्प्यूटर भी लगेंगे । सब कुछ होगा । (शोर एवं व्यवधान) पहले ये सब नहीं लगे तभी ये सारी धांधलेबाजी हुई है । उस धांधलेबाजी को रोकने के लिये ही तो हम यह सारा प्रोसैस कर रहे हैं । आपकी सरकार ने पहले जो किया उसी का रोना तो हम रो रहे हैं । (शोर एवं व्यवधान)

डॉ0 रघुवीर सिंह कादियान : मुख्यमंत्री जी, आपने पुलिस की भर्ती में तो पूरी ट्रांसपेरेंसी बरती है । (शोर एवं व्यवधान)

श्री मनोहर लाल : हमने अच्छा काम किया है ना । अब सारी ही भर्ती में हम ट्रांसपेरेंसी करेंगे । (शोर एवं व्यवधान)

श्री अध्यक्ष : कादियान जी, प्लीज आप बैठ जाईये । (शोर एवं व्यवधान)

श्री मनोहर लाल : अध्यक्ष महोदय, हमारे सिस्टम में जो कमी है उस सिस्टम में कमी को दूर करने के लिये जो खर्च हमको करना पड़ेगा वह हम करेंगे लेकिन

सिस्टम की कमी को हमने दूर करना ही है । अगर सिस्टम की कमी दूर नहीं की गई तो हमारी सिलैक्शन फेयर नहीं हो सकती । (शोर एवं व्यवधान)

श्री अध्यक्ष : कादियान जी, प्लीज आप बैठ जाईये । (शोर एवं व्यवधान)

डॉ0 रघुवीर सिंह कादियान : अगर कोई काम टैंडर्ज के थ्रू हो तो ठीक हैं । आप कह रहे हैं कि सारा काम एस.एस.सी. के थ्रू हो रहा है। (शोर एवं व्यवधान)

श्री अध्यक्ष : कादियान साहब, सारे काम टैंडर्ज के थ्रू ही हो रहे है । (शोर एवं व्यवधान) आप पुरानी बात कर रहे हैं । टैंडर्ज के बिना कुछ नहीं हो रहा है । सब कुछ टैंडर्ज से ही होता है । (शोर एवं व्यवधान)

श्री मनोहर लाल : अध्यक्ष महोदय, जो चीज इनके अपने अन्दर बैठी हुई है वही चीज बार–बार निकाल रहे हैं । कादियान जी, उन पुरानी बातों को मत निकालो । उस चैप्टर को भूल जाओ कि बिना ऑक्शन के टैंडर होता है या बिना टैंडर के कोई भर्ती रखी जाती है । सब चीज ऑक्शन से होती है या टैंडर से होती है । ओपन टैंडर्ज में कोई भी आ सकता है । हमारा उसमें रिश्तेदारी या राजनीतिक संरक्षण से कोई मतलब नहीं है । इसलिये हम जो इतनी बड़ी घोषणाएं करते हैं वह खुलकर करते हैं । आप स्वयं कह भी रहे हो कि अभी पीछे जो भर्तियां हुई हैं, वे ठीक हुई हैं तो निःसंदेह आगे भी जो भर्तियां होगी वे भी ठीक ही होंगी। (इस समय मेजें थपथपाई गई।) अगर मेरे विपक्ष के साथी की नज़र में कोई भर्ती गलत हुई है तो वह मुझे कोई रिकॉर्ड दे दें मैं आश्वस्त करता हूँ कि यदि एक भी गलत भर्ती हुई होगी तो उसे हम रद्द कर देंगे। अब कादियान जी आप अपनी सीट पर बैठ जाओ। (शोर एवं व्यवधान)

डॉ. रघुवीर सिंह कादियानः अध्यक्ष महोदय, जो भर्तियां हुई है उनमें इतनी कमियां पाई गई हैं कि सारी की सारी भर्तियां माननीय हाई कोर्ट में पैंडिंग पड़ी हुई हैं।(शोर एवं व्यवधान)

श्री अध्यक्षः कादियान जी, आपको इतना सशक्त आश्वासन माननीय मुख्यमंत्री जी द्वारा दिया गया है, अतः आप प्लीज बैठिए और माननीय मुख्यमंत्री जी को अपनी बात पूरी कर लेने दें?(शोर एवं व्यवधान)

श्री मनोहर लालः अध्यक्ष महोदय, जिन भर्तियों में कोई कमियां रह गई हैं उनको भी हम दूर करेंगें। आज सदन में ढुल साहब द्वारा रोजगार कार्यालयों के माध्यम से

रोजगार देने बारे सदन में एक बात कही गई जिसके परिपेक्ष्य में मैं बताना चाहूंगा कि वर्षों पहले सरकारी नौकरियों में रोजगार कार्यालयों के माध्यम से भर्तियां होती थी लेकिन बाद में माननीय कोर्ट की तरफ से एक डिसीजन आया कि रोजगार कार्यालयों के माध्यम से नौकरी देने के प्रावधान को बंद किया जाये क्योंकि इसके माध्यम से केवल उन्हीं लोगों को नौकरी मिलती है जोकि रोजगार कार्यालय में रजिस्टर्ड हैं और इस आधार जो लोग रोजगार कार्यालय में अनरजिस्टर्ड हैं उनको नौकरी से वंचित नहीं किया जा सकता और ऐसी सूरत में यह अनिवार्य बना दिया गया कि किसी भी सरकारी नौकरी के लिए ओपनली एडवर्टाइजमैंट करनी पड़ेगी उसमें ही लोग एप्लाई करेंगे। कोई व्यक्ति रोजगार कार्यालय में अनरजिस्टर्ड है इस आधार पर अब कोई भी व्यक्ति सरकारी नौकरी प्राप्त करने से वंचित नहीं रह पायेगा। यही कारण है कि अब सरकारी नौकरी के लिए ओपनली पब्लिक एडवर्टाइजमैंट होती है जिसमें रोजगार कार्यालय में रजिस्टर्ड या अनरजिस्टर्ड सभी लोग एप्लाई कर सकते हैं। रोजगार कार्यालयों में एक यह भी समस्या आती थी कि मान लो कोई व्यक्ति एक बार रजिस्टर्ड हो जाता था तो अगली बार जब रजिस्ट्रेशन रिन्युल का समय आता था तो वह भूल जाता था और इस तरह उसकी सीनियरिटी लूज हो जाती थी और वह सरकारी नौकरी प्राप्त करने की लाइन में सालों साल पड़ा रहता था। अभी माननीय सदस्य केहर सिंह जी ने बताया था कि वर्तमान में हरियाणा प्रदेश के रोजगार कार्यालयों में 16 लाख आदमी रजिस्टर्ड हैं जबकि मेरे पास जो आंकड़ा मौजूद है उसके हिसाब से हरियाणा प्रदेश में 52 रोजगार कार्यालय है जिनमें 4,96,625 लोगों का रजिस्ट्रेशन है। इन रजिस्टर्ड लोगों में से बहुत से लोग ऐसे सामने आये जिनको कहा गया कि 100 घंटे काम करें आपको योग्यता के हिसाब से 7500 या 9000 रूपये दिए जाएंगे लेकिन ऐसे अनेकों लोग जो कि रोजगार कार्यालय में रजिस्टर्ड थे, काम करने के लिए नहीं आये इसलिए इनका नाम रोजगार कार्यालयों की रजिस्ट्रेशन लिस्ट से काटा गया। वास्तव में कुछ लोग प्राईवेटली काम करते हैं और क्योंकि रोजगार कार्यालय में रजिस्टर्ड होने से कुछेक हजार रूपये मिलते हैं इसलिए उन्होंने रोजगार कार्यालयों में नाम लिखवाया हुआ था। चूंकि जो रजिस्टर्ड लोग काम करने के लिए नहीं आ रहे हैं, इसका सीधा मतलब है कि वे बेरोजगार नहीं हैं। यह लोग सरकारी नौकरी में तो है नहीं इसलिए इनका कोई प्रमाण नहीं है कि वे कहां काम करते हैं और इसी चीज का फायदा उठाते हुए इन्होंने रोजगार कार्यालयों में अपना नाम रजिस्टर्ड

करवाया हुआ था और वित्तीय सहायता प्राप्त कर रहे थे। हमारी सरकार बेरोजगार केवल उसी जन को मानती है जो 100 घंटे काम करने के लिए आयेगा। यदि कोई 100 घंटे के लिए काम करने नहीं आयेगा तो सीधा सा मतलब है कि वह सैल्फ एंप्लॉयड है या कहीं काम करता है और कुछ ज्यादा वित्तीय सहायता के मकसद से ही रोजगार कार्यालयों में रजिस्टर्ड है, क्योंकि हर किसी की यह इच्छा होती है कि उसको थोड़ा पैसा और ज्यादा मिल जाये तो अच्छा रहेगा। हमारी सरकार ने पारदर्शी ढंग से बेरोजगार लोगों को काम दिया है और पैसे के बदले उनसे काम करवाया है। जहां तक आउटसोर्सिंग पॉलिसी के तहत नौकरी देने की बात है तो बात बिल्कुल ठीक है कि आउटसोर्सिंग पॉलिसी के आधार पर नौकरी देना संवैधानिक प्रक्रिया नहीं है। वास्तव में यह मजबूरी की व्यवस्था है। पिछली सरकारें पोस्ट्स सैंग्शंड होने के बावजूद भी भर्तियां नहीं कर पाई और पोस्ट्स वेकेंट पड़ी रही। अतः सरकारी कार्य में कोई बाधा उत्पन्न न हो इसके ध्यानार्थ आउटसोर्सिंग पॉलिसी के तहत कर्मचारी रखे गए। सभी सरकारी विभागों में जहां–जहां कर्मचारियों की आवश्यकता होती है, वहां पर विभागों को यह अधिकार दिया गया है कि वे अपनी आवश्यकता के हिसाब से सैंग्शंड पोस्ट्स के अगेनस्ट आउटसोर्सिंग पॉलिसी के तहत भर्तियां कर सकते हैं। जैसे ही रेगुलर भर्तियां होगी वैसे ही आउटसोर्सिंग पॉलिसी के तहत लगे कर्मचारी बाहर होते रहेंगे चाहे कोई आउटसोर्स पर लगा कर्मचारी किसी की सिफारिश से लगा हो, रेगुलर कर्मचारी आने की अवस्था में आउटसोर्स पर लगे कर्मचारी के साथ कोई लिहाज नहीं बरता जायेगा और बाहर का रास्ता दिखा दिया जायेगा। यही कारण है कि आउटसोर्सिंग पॉलिसी पर लगे सभी व्यक्तियों को कहा जाता है कि यह आपकी नौकरी नहीं है बल्कि आपको टैम्परेरी तौर पर रखा गया है। (शोर एवं व्यवधान)

श्री अनूप धानकः अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से माननीय मुख्यमंत्री जी से निवेदन करता हूँ कि आउटसोर्सिंग पॉलिसी के तहत जो भर्तियां की जाती है उनमें रिजर्वेशन का भी प्रावधान होना चाहिए? (शोर एवं व्यवधान)

श्री रणवीर गंगवाः अध्यक्ष महोदय, अगर आउटसोर्सिंग पॉलिसी के तहत भर्तियों में रिजर्वेशन का प्रावधान हो जाता है तो किसी गरीब को भी रोजगार मिल जायेगा। (शोर एवं व्यवधान)

श्री मनोहर लालः देखिये, जो एक्सपीरियंस के नम्बरों का प्रावधान किया गया है वह एक तरह से इसी तरह की चीजों को ध्यान में रखकर किया गया है जैसाकि अभी अनूप जी तथा गंगवा जी ने पूछी है। यदि किसी व्यक्ति के पास दो साल, चार साल या फिर पांच साल का कोई एक्सपीरियंस है तो उसके लिए बाकायदा तौर पर पांच नम्बर दिए जाते हैं। (शोर एवं व्यवधान)

श्री रणवीर गंगवाः अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से माननीय मुख्यमंत्री जी के संज्ञान में यह बात भी लाना चाहूंगा कि आउटसोर्सिंग के तहत जो भर्तिया होती हैं वह बगैर इंटरव्यू के होती है।

श्री मनोहर लालः अध्यक्ष महोदय, मैंने पूरे सदन को पहले भी बताया है और अब माननीय सदस्य की जानकारी के लिए एक बार फिर से बताना चाहूंगा कि आउटसोर्सिंग एक असंवैधानिक प्रक्रिया है। यह किसी सिस्टम के अधीन नहीं है। जिन विभागों को कर्मचारियों की जरूरत होती है, वे बिना किसी सिस्टम के कर्मचारियों को आउटसोर्सिज बेसिज पर रख लेते हैं। अब तो यह तक स्थिति आ गई है कि जब इन आउटसोर्स बेसिज पर लगे कर्मचारियों को हटाने की बात आती है तो बाकायदा तौर पर इनकी यूनियनें भी खड़ी होने लग गई हैं जो कि हटाने का विरोध करती हैं जिसकी वजह से जो रेगुलर भर्ती होकर आते हैं वह भी इनके चक्कर में फंस जाते हैं। (विघ्न)

श्री परमिन्दर सिंह ढुलः अध्यक्ष महोदय, मैं माननीय मुख्यमंत्री जी का धन्यवाद करूंगा जो इन्होंने आउटसोर्सिंग पॉलिसी को असंवैधानिक कहा। मेरा तो निवेदन है कि आउटसोर्सिंग पॉलिसी को पूर्णतया बंद ही कर देना चाहिए।

श्री मनोहर लालः अध्यक्ष जी, मैं ढुल साहब को बताना चाहूंगा कि जैसे जैसे रेगुलर भर्तियां होती जायेंगी वैसे वैसे आउटसोर्सिंग पॉलिसी के आधार पर भर्तियां करने के प्रावधान को बंद कर दिया जायेगा और आगे से हम आउटसोर्सिंग पॉलिसी पर भर्तिया नहीं करेंगे। (शोर एवं व्यवधान) और जो लोग कांग्रेस पार्टी के शासनकाल के समय से लगे हुए हैं वे केवल तब तक रहेंगे जब तक नई रैगुलर अप्वायंटमैंट नहीं कर ली जाती । (विघ्न)

श्रीमती किरण चौधरी : अध्यक्ष जी, प्रदेश में डी.सी. रेट पर रोज ही लोग लग रहे हैं । यह बात भी कह दी जानी चाहिए कि सरकार के पास उनकी लिस्ट तैयार होकर आ जाती है । (विघ्न)

श्री मनोहर लाल : ऐसा नहीं है । हमारे पास कोई लिस्ट नहीं आती है । (विघ्न)

श्रीमती किरण चौधरी : अध्यक्ष महोदय, मुझे पता है कि पूरी लिस्ट तैयार होकर आती है और उसमें गरीब आदमियों का नाम नहीं होता है । (विघ्न)

श्री अध्यक्ष : किरण जी, क्या कोई अमीर आदमी डी.सी. रेट पर नौकरी करेगा ? (विघ्न)

श्री मनोहर लाल : अध्यक्ष महोदय, हमने ग्रुप–डी की भर्तियों के लिए इन्ट्रव्यू को खत्म कर रखा है । अब ग्रुप–डी की भर्ती एक कम्प्यूट्राइज्ड टैस्ट के माध्यम से सम्पन्न की जा रही है । सभी कैंडीडेट्स का कम्प्यूटर पर एक टैस्ट लिया जाएगा और उसका कम्प्यूट्राइज्ड रिजल्ट निकाला जाएगा । परीक्षार्थी के कम्प्यूटर टैस्ट और उसकी मार्कशीट के नंबरों को जोड़कर जिस कैंडीडेट की जैसी परफोरमैंस होगी उसे उसी के मुताबिक पीयन या अन्य पोस्ट दी जाएगी । हम यह रिजल्ट विद इन वन मंथ निकालकर जल्दी ही भर्ती को पूरा करेंगे । मैं सदन को पुलिस भर्ती से संबंधित एक जानकारी देना चाहता हूं । माननीय सदस्य डॉ. कादियान साहब ने इस भर्ती के संबंध में कहा था कि यह भर्ती बहुत ईमानदारी के साथ की गई है इसके लिए मैं उनका धन्यवाद भी करना चाहता हूं । मुझे इसमें सत्ता पक्ष या विपक्ष के किसी भी माननीय सदस्य की तरफ से किसी तरह की कोई शिकायत नहीं मिली है कि इसमें कोई गलती हुई है । इस भर्ती में चुने गये उम्मीदवारों का जब हमने विश्लेषण करवाया तो पाया कि इसमें 80 परसैंट युवा ग्रामीण क्षेत्र के लगे हैं और 20 परसैंट युवा शहरी क्षेत्र के लगे हैं ।

श्री अध्यक्ष : अब संसदीय कार्य मंत्री सदन के पटल पर कागज–पत्र रखेंगे ।

सदन की मेज पर रखे गये कागज पत्र

संसदीय कार्य मंत्री (श्री राम बिलास शर्मा) : अध्यक्ष महोदय, मैं सदन के पटल पर कागज–पत्र क्रमांक 1–16 तक रखता हूं ।

हरियाणा माल और सेवा कर अधिनियम, 2017 की धारा 166 के अधीन की गई अपेक्षा के अनुसार आबकारी एवं कराधान विभाग अधिसूचना संख्या 106/एस.टी–2, दिनांकित 18 अक्तूबर, 2017 मेज पर रखेंगे।

हरियाणा माल और सेवा कर अधिनियम, 2017 की धारा 166 के अधीन की गई अपेक्षा के अनुसार आबकारी एवं कराधान विभाग अधिसूचना संख्या 107/एस.टी–2, दिनांकित 18 अक्तूबर, 2017 मेज पर रखेंगे।

हरियाणा माल और सेवा कर अधिनियम, 2017 की धारा 166 के अधीन की गई अपेक्षा

के अनुसार आबकारी एवं कराधान विभाग अधिसूचना संख्या 108/एस.टी–2, दिनांकित 18 अक्तूबर, 2017 मेज पर रखेंगे।

हरियाणा माल और सेवा कर अधिनियम, 2017 की धारा 166 के अधीन की गई अपेक्षा के अनुसार आबकारी एवं कराधान विभाग अधिसूचना संख्या 109/एस.टी–2, दिनांकित 18 अक्तूबर, 2017 मेज पर रखेंगे।

हरियाणा माल और सेवा कर अधिनियम, 2017 की धारा 166 के अधीन की गई अपेक्षा के अनुसार आबकारी एवं कराधान विभाग अधिसूचना संख्या 110/एस.टी–2, दिनांकित 18 अक्तूबर, 2017 मेज पर रखेंगे।

हरियाणा माल और सेवा कर अधिनियम, 2017 की धारा 166 के अधीन की गई अपेक्षा के अनुसार आबकारी एवं कराधान विभाग अधिसूचना संख्या 111/एस.टी–2, दिनांकित 18 अक्तूबर, 2017 मेज पर रखेंगे।

हरियाणा माल और सेवा कर अधिनियम, 2017 की धारा 166 के अधीन की गई अपेक्षा के अनुसार आबकारी एवं कराधान विभाग अधिसूचना संख्या 112/एस.टी–2, दिनांकित 18 अक्तूबर, 2017 मेज पर रखेंगे।

हरियाणा माल और सेवा कर अधिनियम, 2017 की धारा 166 के अधीन की गई अपेक्षा के अनुसार आबकारी एवं कराधान विभाग अधिसूचना संख्या 113/एस.टी–2, दिनांकित 18 अक्तूबर, 2017 मेज पर रखेंगे।

हरियाणा माल और सेवा कर अधिनियम, 2017 की धारा 166 के अधीन की गई अपेक्षा के अनुसार आबकारी एवं कराधान विभाग अधिसूचना संख्या 114/एस.टी–2, दिनांकित 18 अक्तूबर, 2017 मेज पर रखेंगे।

हरियाणा माल और सेवा कर अधिनियम, 2017 की धारा 166 के अधीन की गई अपेक्षा के अनुसार आबकारी एवं कराधान विभाग अधिसूचना संख्या 115/एस.टी–2, दिनांकित 18 अक्तूबर, 2017 मेज पर रखेंगे।

हरियाणा माल और सेवा कर अधिनियम, 2017 की धारा 166 के अधीन की गई अपेक्षा के अनुसार आबकारी एवं कराधान विभाग अधिसूचना संख्या 116/एस.टी–2, दिनांकित 18 अक्तूबर, 2017 मेज पर रखेंगे।

सूचना का अधिकार अधिनियम, 2005 की धारा 25(4) के अधीन की गई अपेक्षा के अनुसार, सूचना का अधिकार अधिनियम, 2005 (01.01.2013 से 31.12.2013) के लागू होने पर राज्य सूचना आयोग, हरियाणा की 8वीं रिपोर्ट मेज़ पर रखेंगे।

सूचना का अधिकार अधिनियम, 2005 की धारा 25(4) के अधीन की गई अपेक्षा के अनुसार, सूचना का अधिकार अधिनियम, 2005 (01.01.2014 से 31.12.2014) के लागू होने पर राज्य सूचना आयोग, हरियाणा की 9वीं रिपोर्ट मेज़ पर रखेंगे।

सूचना का अधिकार अधिनियम, 2005 की धारा 25(4) के अधीन की गई अपेक्षा के अनुसार, सूचना का अधिकार अधिनियम, 2005 (01.01.2015 से 31.12.2015) के लागू होने पर राज्य सूचना आयोग, हरियाणा की 10वीं रिपोर्ट मेज़ पर रखेंगे।

सूचना का अधिकार अधिनियम, 2005 की धारा 25(4) के अधीन की गई अपेक्षा के अनुसार, सूचना का अधिकार अधिनियम, 2005 (01.01.2016 से 31.12.2016) के लागू होने पर राज्य सूचना आयोग, हरियाणा की 11वीं रिपोर्ट मेज़ पर रखेंगे।

जल (प्रदूषण निवारण एवं नियंत्रण) अधिनियम, 1974 की धारा 39 (2) के अधीन की गई अपेक्षा के अनुसार, वर्ष 2014–2015 के लिए हरियाणा राज्य प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड की वार्षिक रिपोर्ट मेज पर रखेंगे।

विधेयक को वापिस लेने संबंधी संसदीय कार्य मंत्री द्वारा घोषणा

शिक्षा मंत्री (श्री राम बिलास शर्मा) : अध्यक्ष महोदय, मैं हरियाणा राज्य उच्चतर शिक्षा परिषद विधेयक, 2017 जिसे आज की कार्य सूची में दर्शाया गया है, उसे वापस लेने की सदन से अनुमति चाहता हूं क्योंकि विधेयक में कुछ अन्य प्रावधानों की आवश्यकता है ।

श्री अध्यक्ष : ठीक है ।

विधान कार्य

(i) दि हरियाणा ऐप्रोप्रिएशन (नंबर 3) बिल, 2017

श्री अध्यक्ष : अब संसदीय कार्य मंत्री हरियाणा विनियोग (संख्या 3) विधेयक, 2017 प्रस्तुत करेंगे तथा यह भी प्रस्ताव करेंगे कि विधेयक पर तुरंत विचार किया जाए ।

संसदीय कार्य मंत्री (श्री राम बिलास शर्मा) : अध्यक्ष महोदय, मैं हरियाणा विनियोग (संख्या 3) विधेयक, 2017 प्रस्तुत करता हूं । मैं यह भी प्रस्ताव करता हूं –

कि हरियाणा विनियोग (संख्या 3) विधेयक पर तुरंत विचार किया जाए ।

श्री अध्यक्ष : प्रस्ताव प्रस्तुत हुआ –

कि हरियाणा विनियोग (संख्या 3) विधेयक पर तुरंत विचार किया जाए ।

श्री अध्यक्ष : प्रश्न है –

कि हरियाणा विनियोग (संख्या 3) विधेयक पर तुरंत विचार किया जाए ।

प्रस्ताव स्वीकृत हुआ ।

श्री अध्यक्ष : अब सदन विधेयक पर क्लॉज बाई क्लॉज विचार करेगा ।

क्लॉज 2

श्री अध्यक्ष : प्रश्न है –

कि क्लॉज 2 विधेयक का पार्ट बने ।

प्रस्ताव स्वीकृत हुआ ।

क्लॉज 3

श्री अध्यक्ष : प्रश्न है –

कि क्लॉज 3 विधेयक का पार्ट बने ।

प्रस्ताव स्वीकृत हुआ ।

शिडयुल

श्री अध्यक्ष : प्रश्न है –

कि शिडयुल विधेयक का पार्ट बने ।

प्रस्ताव स्वीकृत हुआ ।

क्लॉज 1

श्री अध्यक्ष : प्रश्न है –

कि क्लॉज 1 विधेयक का पार्ट बने ।

प्रस्ताव स्वीकृत हुआ ।

इनैक्टिंग फार्मूला

श्री अध्यक्ष : प्रश्न है –

कि इनैक्टिंग फार्मूला विधेयक का इनैक्टिंग फार्मूला हो ।

प्रस्ताव स्वीकृत हुआ ।

टाइटल

श्री अध्यक्ष : प्रश्न है –

कि टाइटल विधेयक का टाइटल हो ।

प्रस्ताव स्वीकृत हुआ ।

श्री अध्यक्ष : अब संसदीय कार्य मंत्री प्रस्ताव करेंगे कि विधेयक पारित किया जाए ।

संसदीय कार्य मंत्री (श्री राम बिलास शर्मा) : अध्यक्ष महोदय, मैं प्रस्ताव करता हूं –

कि विधेयक पारित किया जाए ।

श्री अध्यक्ष : प्रस्ताव प्रस्तुत हुआ –

कि विधेयक पारित किया जाए ।

श्री अध्यक्ष : प्रश्न है –

कि विधेयक पारित किया जाए ।

प्रस्ताव स्वीकृत हुआ ।

(विधेयक पारित हुआ ।)

(ii) दि हरियाणा विश्वकर्मा स्किल यूनिवर्सिटी (अमैंडमैंट) बिल, 2017

श्री अध्यक्ष : माननीय सदस्यगण, अब उद्योग मंत्री हरियाणा विश्वकर्मा कौशल विश्वविद्यालय (संशोधन) विधेयक, 2017 प्रस्तुत करेंगे और इस पर तुरंत विचार करने के लिए प्रस्ताव प्रस्तुत करेंगे।

उद्योग मंत्री (श्री विपुल गोयल) : स्पीकर सर, मैं हरियाणा विश्वकर्मा कौशल विश्वविद्यालय (संशोधन) विधेयक, 2017 प्रस्तुत करता हूँ। मैं यह भी प्रस्ताव करता हूँ –

कि हरियाणा विश्वकर्मा कौशल विश्वविद्यालय (संशोधन) विधेयक पर तुरन्त विचार किया जाए।

श्री अध्यक्ष : प्रस्ताव प्रस्तुत हुआ –

कि हरियाणा विश्वकर्मा कौशल विश्वविद्यालय (संशोधन) विधेयक पर तुरन्त विचार किया जाए।

श्री रणबीर गंगवा : अध्यक्ष महोदय, यह बहुत अच्छी बात है कि इस विधेयक के माध्यम से विश्वकर्मा कौशल विश्वविद्यालय के बारे में रिसर्च कमेटी बन रही है। लेकिन एक बात मैं आपके माध्यम से सदन में कहना चाहता हूँ कि जितने भी उपकुलपति लगाए गएं हैं, वे मौजूदा सरकार के बनने के बाद बाहर से लगाए गए हैं। हरियाणा राज्य में उपकुलपति के पद के योग्य बहुत काबिल लोग हैं, उनकी कहीं न कहीं अनदेखी हो रही है। अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से सदन में कहना चाहता हूँ कि सरकार कमेटी जरूर बनाए लेकिन हरियाणा के जो उभरते हुए काबिल लोग हैं उनकी अनदेखी न करते हुए उन पर भी एक बार सरकार को जरूर विचार करना चाहिए। (विघ्न)

श्री अध्यक्षः प्रश्न है –

कि हरियाणा विश्वकर्मा कौशल विश्वविद्यालय (संशोधन) विधेयक पर तुरन्त विचार किया जाए।

प्रस्ताव स्वीकृत हुआ।

श्री अध्यक्षः अब सदन विधेयक पर क्लॉज–बाई–क्लॉज विचार करेगा।

क्लॉजिज 2 से 6

श्री अध्यक्ष : प्रश्न है –

कि क्लॉजिज 2 से 6 विधेयक का पार्ट बने।

प्रस्ताव स्वीकृत हुआ।

क्लॉज–1

श्री अध्यक्ष : प्रश्न है –

कि क्लॉज 1 विधेयक का पार्ट बने।

प्रस्ताव स्वीकृत हुआ।

इनैक्टिंग फार्मूला

श्री अध्यक्ष : प्रश्न है –

कि इनैक्टिंग फार्मूला विधेयक का इनैक्टिंग फार्मूला हो।

प्रस्ताव स्वीकृत हुआ।

टाइटल

श्री अध्यक्ष : प्रश्न है –

कि टाइटल विधेयक का टाइटल हो।

प्रस्ताव स्वीकृत हुआ।

श्री अध्यक्ष : अब उद्योग मंत्री प्रस्ताव करेंगे कि विधेयक पारित किया जाए।

उद्योग मंत्री (श्री विपुल गोयल) : अध्यक्ष महोदय, मैं प्रस्ताव करता हूँ –

कि विधेयक पारित किया जाए।

श्री अध्यक्ष : प्रस्ताव प्रस्तुत हुआ –

कि विधेयक पारित किया जाए।

श्री अध्यक्ष : प्रश्न है –

कि विधेयक पारित किया जाए।

प्रस्ताव स्वीकृत हुआ।

(विधेयक पारित हुआ।)

(iii) दि गुरूग्राम मैट्रोपोलिटन डिवैल्पमैंट अथॉरिटी बिल, 2017

श्री अध्यक्ष : माननीय सदस्यगण, अब संसदीय कार्य मंत्री गुरूग्राम महानगर विकास प्राधिकरण विधेयक, 2017 प्रस्तुत करेंगे और इस पर तुरंत विचार करने के लिए प्रस्ताव प्रस्तुत करेंगे।

शिक्षा मंत्री (श्री राम बिलास शर्मा) : स्पीकर सर, मैं गुरूग्राम महानगर विकास प्राधिकरण विधेयक, 2017 प्रस्तुत करता हूँ। मैं यह भी प्रस्ताव करता हूँ –

कि गुरूग्राम महानगर विकास प्राधिकरण विधेयक पर तुरन्त विचार किया जाए।

श्री अध्यक्ष : प्रस्ताव प्रस्तुत हुआ –

कि गुरूग्राम महानगर विकास प्राधिकरण विधेयक पर तुरन्त विचार किया जाए।

श्री अध्यक्षः प्रश्न है –

कि गुरूग्राम महानगर विकास प्राधिकरण विधेयक पर तुरन्त विचार किया जाए।

प्रस्ताव स्वीकृत हुआ।

श्री अध्यक्षः अब सदन विधेयक पर क्लॉज–बाई–क्लॉज विचार करेगा।

सब क्लॉज–2 ऑफ क्लॉज–1

श्री अध्यक्ष : प्रश्न है –

कि सब क्लॉज–2 ऑफ क्लॉज–1 विधेयक का पार्ट बने।

प्रस्ताव स्वीकृत हुआ।

क्लॉजिज 2 से 60

श्री अध्यक्ष : प्रश्न है –

कि क्लॉजिज 2 से 60 विधेयक का पार्ट बने।

प्रस्ताव स्वीकृत हुआ।

सब–क्लॉज–1 ऑफ क्लॉज–1

श्री अध्यक्ष : प्रश्न है –

कि सब–क्लॉज–1 ऑफ क्लॉज–1 विधेयक का पार्ट बने।

प्रस्ताव स्वीकृत हुआ।

इनैक्टिंग फार्मूला

श्री अध्यक्ष : प्रश्न है –

कि इनैक्टिंग फार्मूला विधेयक का इनैक्टिंग फार्मूला हो।

प्रस्ताव स्वीकृत हुआ।

टाइटल

श्री अध्यक्ष : प्रश्न है –

कि टाइटल विधेयक का टाइटल हो।

प्रस्ताव स्वीकृत हुआ।

श्री अध्यक्ष : अब संसदीय कार्य मंत्री प्रस्ताव करेंगे कि विधेयक पारित किया जाए।

शिक्षा मंत्री (श्री राम बिलास शर्मा) : अध्यक्ष महोदय, मैं प्रस्ताव करता हूँ –

कि विधेयक पारित किया जाए।

श्री अध्यक्ष : प्रस्ताव प्रस्तुत हुआ –

कि विधेयक पारित किया जाए।

श्री अध्यक्ष : प्रश्न है –

कि विधेयक पारित किया जाए।

प्रस्ताव स्वीकृत हुआ।

(विधेयक पारित हुआ।)

(iv) दि हरियाणा सेटलमैंट ऑफ आउटस्टैंडिंग ड्यूज बिल, 2017

श्री अध्यक्ष : माननीय सदस्यगण, अब संसदीय कार्य मंत्री हरियाणा बकाया देय व्यवस्थापन विधेयक, 2017 प्रस्तुत करेंगे और इस पर तुरंत विचार करने के लिए प्रस्ताव प्रस्तुत करेंगे।

शिक्षा मंत्री (श्री राम बिलास शर्मा) : स्पीकर सर, मैं हरियाणा बकाया देय व्यवस्थापन विधेयक, 2017 प्रस्तुत करता हूँ। मैं यह भी प्रस्ताव करता हूँ –

कि हरियाणा बकाया देय व्यवस्थापन विधेयक पर तुरन्त विचार किया जाए।

श्री अध्यक्ष : प्रस्ताव प्रस्तुत हुआ –

कि हरियाणा बकाया देय व्यवस्थापन विधेयक पर तुरन्त विचार किया जाए।

श्री नसीम अहमद (फिरोजपुर झिरका) : स्पीकर सर, मैं आपके माध्यम से यहां पर यह बताना चाहूंगा कि जैसाकि इस बिल में दिखाया गया है और सरकार ने अपने उद्देश्यों में साफ–साफ लिखा हुआ है कि कमजोर एवं वित्तीय स्थिति के कारण

बकाया राशि वसूल कर पाना कठिन था। अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से माननीय मंत्री जी से जानना चाहता हूं कि यह बिल किस कारण से लाया जा रहा है। आखिर क्या वजह थी कि जो यह वित्तीय स्थिति कमजोर पड़ गई, जिसके कारण यह बिल लाने की जरूरत पड़ गई है। अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से माननीय मंत्री जी से पूछना चाहता हूं कि क्या उसका कारण नोटबंदी थी या उसका कारण जी.एस.टी. का लगना था या उसका कोई और कारण था और जिसके द्वारा अपने लोगों को मुनाफा पहुंचाने के लिए यह बिल लाया जा रहा है। अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से सरकार से कहना चाहता हूं कि वह उन बकायदारों की एक लिस्ट जारी करे और उसके बाद ही यह बिल लाया जाए। अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से माननीय मंत्री जी से कहना चाहूंगा कि इस मामले में बहुत सारी अनियमितताएं होने की शंका है। अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से इस सदन को बताना चाहूंगा कि कहीं ऐसा न हो कि इस तरीके से कुछ चहेते लोगों को फायदा पहुंच जाए, इसलिए मेरा अनुरोध है कि उन बकायदारों की एक लिस्ट जरूर जारी की जाए।

शिक्षा मंत्री (श्री राम बिलास शर्मा) : अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से इस सदन को बताना चाहूंगा कि हमने बकाया राशि को वापस लेने के लिए ही यह एक्ट बनाया था। अध्यक्ष महोदय, हमने यह प्रयोग पहले भी किया था, लेकिन हम इसे विधेयक के रूप में आज लेकर आ रहे हैं। अध्यक्ष महोदय, मैं सदन को यह बताना चाहूंगा कि कुल 1880 डीलर्स से बकाया राशि लेना था और इसका परिणाम यह हुआ कि हमने 1 जुलाई से पहले जो कन्सैशन दिया था, उसके कारण सरकार के खजाने में 2330 करोड़ रुपया आया। अध्यक्ष महोदय, हमारे इस तरह के 8 प्रावधान थे। अध्यक्ष महोदय, मैं यह भी बताना चाहूंगा कि इसके साथ हर जिले की लिस्ट लगी हुई है। अध्यक्ष महोदय, इस कारण हम यह विधेयक इस सदन में लेकर आए हैं।

श्रीमती किरण चौधरीः अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से माननीय मंत्री जी से पूछना चाहूंगी कि ये इनैक्टमेंट तो कर रहे हैं, लेकिन क्या इन्होंने उन लोगों के खिलाफ कोई पुनीटिव एक्शन लिया है।

श्री राम बिलास शर्माः अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से माननीय सदस्या को बताना चाहूंगा कि पिछली सरकार में अंधेर गर्दी चल रही थी, उन सरकारों में पिक एण्ड चूज के आधार पर चहेते लोगों को फायदा पहुंचाया जाता था। अध्यक्ष

महोदय, मैं आपके माध्यम से यह बताना चाहूंगा कि हमारी सरकार आने के बाद जो राजकीय कोष में घाटा हो रहा था और जो लोग अपने राजनैतिक संरक्षण का फायदा उठाकर प्रदेश के खजाने पर बोझ बन रहे थे, हमने उनके खिलाफ पुनीटिव एक्शन लेकर उनको एक समय सीमा दी कि आप अपना बकाया राशि इस समय सीमा में जमा करा दें। अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से इस सदन को बताना चाहूंगा कि लोगों के कुल 8000 करोड़ रुपया बकाया था और हमारे इस कदम से सरकार के खजाने में 2330 करोड़ रुपए की बढ़ोतरी हुई। अध्यक्ष महोदय, इंडियन ऑयल कारपोरेशन जो है, उसका इंट्री फीस बहुत सालों से बकाया थी और उसी के कारण यह पैसा जमा हुआ है और इसी कारण हम इस बिल को इस सदन में लेकर आए हैं। (शोर एवं व्यवधान)

सरदार जसविंद्र संधू : अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से कहना चाहूंगा कि केन्द्र में भी भाजपा की सरकार है, इसलिए विजय–माल्या को बुला लिया जाए, जिससे ये सारा–का–सारा मसला तुरंत खत्म हो जाएगा। (शोर एवं व्यवधान)

श्रीमती किरण चौधरीः अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से सदन को बताना चाहूंगी कि कारपोरेट–सैक्टर की बात तो ठीक है, लेकिन कई बार पर्सनल मुद्दों की बात भी आ जाती है और इन पर छीटा–कशी हो जाती है और असली मुद्दों पर आगे बात नहीं हो पाती है।

श्री अध्यक्षः प्रश्न है –

कि हरियाणा बकाया देय व्यवस्थापन विधेयक पर तुरन्त विचार किया जाए।

प्रस्ताव स्वीकृत हुआ।

श्री अध्यक्षः अब सदन विधेयक पर क्लॉज–बाई–क्लॉज विचार करेगा।

सब क्लॉज–2 ऑफ क्लॉज–1

श्री अध्यक्ष : प्रश्न है –

कि सब क्लॉज–2 ऑफ क्लॉज–1 विधेयक का पार्ट बने।

प्रस्ताव स्वीकृत हुआ।

क्लॉजिज 2 से 4

श्री अध्यक्ष : प्रश्न है –

कि क्लॉजिज 2 से 4 विधेयक का पार्ट बने।

प्रस्ताव स्वीकृत हुआ।

शिड्यूल

श्री अध्यक्ष : प्रश्न है –

कि शिड्यूल विधेयक का पार्ट बने।

प्रस्ताव स्वीकृत हुआ।

सब क्लॉज–1 ऑफ क्लॉज–1

श्री अध्यक्ष : प्रश्न है –

कि सब क्लॉज–1 ऑफ क्लॉज–1 विधेयक का पार्ट बने।

प्रस्ताव स्वीकृत हुआ।

इनैक्टिंग फार्मूला

श्री अध्यक्ष : प्रश्न है –

कि इनैक्टिंग फार्मूला विधेयक का इनैक्टिंग फार्मूला हो।

प्रस्ताव स्वीकृत हुआ।

टाइटल

श्री अध्यक्ष : प्रश्न है –

कि टाइटल विधेयक का टाइटल हो।

प्रस्ताव स्वीकृत हुआ।

श्री अध्यक्ष : अब संसदीय कार्य मंत्री प्रस्ताव करेंगे कि विधेयक पारित किया जाए।

शिक्षा मंत्री (श्री राम बिलास शर्मा) : अध्यक्ष महोदय, मैं प्रस्ताव करता हूँ –

कि विधेयक पारित किया जाए।

श्री अध्यक्ष : प्रस्ताव प्रस्तुत हुआ –

कि विधेयक पारित किया जाए।

श्री अध्यक्ष : प्रश्न है –

कि विधेयक पारित किया जाए।

प्रस्ताव स्वीकृत हुआ।

(विधेयक पारित हुआ।)

(v) दि **हरियाणा प्राईवेट यूनिवर्सिटीज़ (सैकण्ड अमैंडमैंट) बिल, 2017**

श्री अध्यक्ष : माननीय सदस्यगण, अब शिक्षा मंत्री हरियाणा निजी विश्वविद्यालय (द्वितीय संशोधन) विधेयक, 2017 प्रस्तुत करेंगे और इस पर तुरंत विचार करने के लिए प्रस्ताव पुस्तुत करेंगे ।

शिक्षा मंत्री (श्री राम बिलास शर्मा) : अध्यक्ष महोदय, हरियाणा निजी विश्वविद्यालय (द्वितीय संशोधन) विधेयक, 2017 प्रस्तुत करता हूं। मैं यह भी प्रस्ताव करता हूं –

कि हरियाणा निजी विश्वविद्यालय (द्वितीय संशोधन) विधेयक पर तुरन्त विचार किया जाये ।

श्री अध्यक्ष : प्रस्ताव प्रस्तुत हुआ –

कि हरियाणा निजी विश्वविद्यालय (द्वितीय संशोधन) विधेयक पर तुरंत विचार किया जाए ।

श्री अध्यक्ष : प्रश्न है–

कि हरियाणा निजी विश्वविद्यालय (द्वितीय संशोधन) विधेयक पर तुरन्त विचार किया जाए ।

प्रस्ताव स्वीकृत हुआ ।

श्री अध्यक्ष : अब सदन विधेयक पर क्लॉज बाई क्लाज विचार करेगा ।

क्लाज–2

श्री अध्यक्ष : प्रश्न है –

कि क्लॉज–2 विधेयक का पार्ट बने ।

प्रस्ताव स्वीकृत हुआ ।

क्लॉज–1

श्री अध्यक्ष : प्रश्न है –

कि क्लॉज–1 विधेयक का पार्ट बने ।

प्रस्ताव स्वीकृत हुआ ।

इनैक्टिंग फार्मूला

श्री अध्यक्ष : प्रश्न है –

कि इनैक्टिंग फार्मूला विधेयक का इनैक्टिंग फार्मूला हो ।

प्रस्ताव स्वीकृत हुआ ।

टाईटल

श्री अध्यक्ष : प्रश्न है –

कि टाईटल विधेयक का टाईटल हो ।

प्रस्ताव स्वीकृत हुआ ।

श्री अध्यक्ष : अब शिक्षा मंत्री प्रस्ताव करेंगे कि विधेयक को पारित किया जाए ।

शिक्षा मंत्री (श्री राम बिलास शर्मा) : अध्यक्ष महोदय, मैं प्रस्ताव करता हूं–

कि विधेयक पारित किया जाए ।

श्री अध्यक्ष : प्रस्ताव प्रस्तुत हुआ –

कि विधेयक पारित किया जाए ।

श्री अध्यक्ष : प्रश्न है–

कि विधेयक पारित किया जाए ।

प्रस्ताव स्वीकृत हुआ ।

(विधेयक पारित हुआ ।)

(vi) दि हरियाणा कंसोलिडेशन ऑफ प्रोजैक्ट लैण्ड (स्पैशल प्रोविज़न) बिल, 2017

श्री अध्यक्ष : माननीय सदस्यगण, अब संसदीय कार्य मंत्री हरियाणा परियोजना भूमि समेकन (विशेष उपबन्ध) विधेयक, 2017 प्रस्तुत करेंगे और इस पर तुरंत विचार करने के लिए भी प्रस्ताव प्रस्तुत करेंगे ।

संसदीय कार्य मंत्री (श्री राम बिलास शर्मा) : अध्यक्ष महोदय, हरियाणा परियोजना भूमि समेकन (विशेष उपबन्ध) विधेयक, 2017 प्रस्तुत करता हूं। मैं यह भी प्रस्ताव करता हूं –

कि हरियाणा परियोजना भूमि समेकन (विशेष उपबन्ध) विधेयक पर तुरन्त विचार किया जाए ।

श्री अध्यक्ष : प्रस्ताव प्रस्तुत हुआ –

कि हरियाणा परियोजना भूमि समेकन (विशेष उपबन्ध) विधेयक पर तुरन्त विचार किया जाए ।

श्री परमिन्द्र सिंह ढुल (जुलाना) : अध्यक्ष महोदय, हमें नहीं मालूम कि सरकार कौन से कारण से यह बिल लेकर आई है । भूमि अधिग्रहण करके जमीन देने का पिछला ट्रैक रिकार्ड सारा हरियाणा देख चुका है । स्वयं मुख्यमंत्री जी बार–बार यह ब्यान दे चुके हैं कि एक इंच जमीन भी किसी की मर्जी के खिलाफ अधिग्रहण नहीं करेंगे। अब यह बिल किस जमीन का अधिग्रहण करने के लिए लाया जा रहा है । इसमें लिखा है कि कुछ परियोजनाएं कभी कभी संकट में पड़ जाती हैं क्योंकि कुछ भूस्वामी जमीन बेचने को तैयार नहीं होते । मैं इसमें कहना चाहूंगा कि जिन लोगों

की परियोजनाएं हैं उनकी जिम्मेवारी होनी चाहिए कि वे उचित रेट देकर साथ लगती जमीन खरीद लें । इसमें सरकार को ऐसी कौन सी मजबूरी हो गई कि बीच में आकर परियोजना वालों को जमीन खरीद कर देगी । अध्यक्ष महोदय, यह मामला ठीक नहीं लग रहा है । इसमें सरकार को नहीं आना चाहिए । सरकार को क्या जरूरत पड़ गई कि किसी बिल्डर या परियोजना वाले को जमीन खरीद कर दे। सरकार इसमें यह कह रही है कि न तो रजबाहे के लिए जमीन लेंगे और न ड्रेन के लिए जमीन लेंगे यानि किसी चीज के लिए नहीं लेंगे फिर इसकी क्या जरूरत पड़ गई । यह बिल बिलकुल गलत लाया गया है इसको वापिस लेना चाहिए । यदि यह बिल पास किया जायेगा तो इसमें वही दिक्कतें रहेंगी जो पिछली सरकार के समय में हुई थी । मुझे लगता है इसके अंदर बहुत भारी गड़बड़ है और कुछ ही आदमियों को फायदा पहुंचाने के लिए यह बिल लाया गया है । बिल्डरों को सरकार जमीन खरीद कर दे यह सही नहीं है । वे अपने आप जमीन खरीदें इससे गरीब लोगों को कुछ फायदा हो जायेगा । यदि सरकार जमीन अधिग्रहण करना चाहती है तो सड़क, रजबाहे, स्कूल, हॉस्पिटल आदि जनकल्याणकारी योजनाओं के लिए करे । बिल्डरों को सरकार जमीन अधिग्रहण करके दे, इसमें सरकार को पड़ने की कोई जरूरत नहीं है इसलिए मेरा निवेदन है कि सरकार इस बिल को वापिस ले ले।

श्रीमती किरण चौधरी (तोशाम): अध्यक्ष महोदय, इस बिल पर मुझे भी बोलने की इजाजत दी जाये । इस बिल का जो आब्जैक्ट है यह बहुत ही वेग है । माननीय विधायक जी ने जो इस बिल के बारे में कहा है उस बात को आगे बढ़ाते हुए मैं इसमें क्लैरीफिकेशन चाहती हूं । इस बिल में कहा गया है कि Where the State Government or any agency owns or has purchased seventy percent or more of the total project land in a particular area falling in one or more revenue estates and the remaining is left out pockets of private land, the State government may consolidate the total project land to ensure the viability of such project. मैं इसमें यह पूछना चाहती हूं कि अगर एक जगह पर कोई प्राईवेट प्रोजैक्ट है और उसके साथ सरकारी जमीन लगती है तो क्या उसके साथ उसी रैवेन्यू एस्टेट में सरकारी जमीन को एक्सचेंज करेंगे ? क्या सरकारी जमीन को भी एक्सचेंज किया जायेगा ? बहुत सारी जगहों पर सरकारी जमीनें हैं जो बहुत कीमती हैं । उदाहरण के तौर पर सोहना और गुरूग्राम के एरिया में पब्लिक हैल्थ विभाग की बेशकीमती बहुत सारी जमीन है । अगर एक पॉकेट के अंदर पूरी तरह से कोई प्रोजैक्ट नहीं लग रहा

और वे जमीनें प्राईवेट लोगों को दी जा रही हैं तो यह बहुत गलत बात है । यह तो सरकार पर पूरी तरह से प्रश्नचिन्ह खड़ा करता है कि किसी को फायदा पहुंचाने के लिए यह बिल लाया जा रहा है और सरकार आश्वासन दे कि सरकारी जमीनों को एक्सचेंज नहीं किया जायेगा । मेरा अनुरोध है कि यह बिल सरकार को वापिस लेना चाहिए नहीं तो इसका मतलब यह होगा कि किसी को फायदा पहुंचाने के लिए यह बिल लाया गया है । (विघ्न)

डा. रघुबीर सिंह कादियान (बेरी): अध्यक्ष महोदय, इस बिल को लेकर दोनों सदस्यों ने बहुत अच्छी बातें उठाई हैं । (विघ्न)

श्री तेजपाल तंवर (सोहना) : अध्यक्ष महोदय, जो परियोजना लोगों के फायदे के लिए होगी उसके लिए जमीन अधिग्रहण करने के लिए यह बिल लाया गया है । (शोर एवं व्यवधान)

डा. रघुबीर सिंह कादियान : अध्यक्ष महोदय, क्या तंवर साहब आपकी परमिशन से बोल रहे हैं । (विघ्न)

श्री अध्यक्ष : तंवर साहब, प्लीज आप बैठें ।

डा. रघुबीर सिंह कादियान : अध्यक्ष महोदय, हमें यह बिल आज ही मिला है इसलिए इसको पूरी तरह से पढ़ने का अवसर नहीं मिला लेकिन इस बिल में कुछ बातें ऐसी हैं जिनके बारे में मैं अपनी बात अवश्य कहना चाहूंगा । इस बिल के प्वाइंट नम्बर 15 में लिखा है कि No civil court shall have any jurisdiction to entertain or decide any question relating to matters falling under this Act.

16:00 बजे

इसमें जो स्टेटमैंट ऑफ ऑब्जैक्शन्स और रीजन्स हैं इसमें बहुत बड़ी स्मैल आ रही है। कुछ बहुत बड़े लोगों को फायदा पहुंचाने के लिए यह बिल लाया गया है। इसमें रोजमर्रा की कोई ऐसी बात नहीं है जैसे इसमें लिखा गया है। इसमें पर्टीकुलर मौके पर पर्टीकुलर लोगों को फायदा देने के लिए यह बिल लाया गया है। अध्यक्ष महोदय, मेरी आपसे हम्बल रिक्वैस्ट है कि इस पर थोरो डिस्कशन होनी चाहिए, इसकी थोरो स्टडी होनी चाहिए इसलिए इसको फिलहाल डैफर कर दिया जाये तथा मार्च के सत्र में इस बिल को दोबारा ले आया जाये क्योंकि यह एक बहुत ही गम्भीर मामला है। यह एक स्कैंडुलस एक्ट है। (शोर एवं व्यवधान)

श्रीमती किरण चौधरी: अध्यक्ष महोदय, यह एक बहुत ही सीरियस मैटर है इसलिए इस समय इसको डैफर कर दिया जाये। (शोर एवं व्यवधान)

डॉ. रघुवीर सिंह कादियानः अध्यक्ष महोदय, इसको इस समय डैफर करने में कोई हर्ज नहीं है क्योंकि हाल ही में राजस्थान सरकार ने भी एक बिल वापिस लिया है। मेरा आपके माध्यम से निवेदन है कि इस बिल को मार्च तक डैफर कर दिया जाये। मैं बड़ी जिम्मेदारी के साथ एक शब्द स्कैंडुलस इस्तेमाल कर रहा हूं। इसमें स्कैंडुलस स्मैल आ रही है। पर्टीकुलर लोगों के लिए, पर्टीकुलर टाईम पर पर्टीकुलर बात की जा रही है उसके बाद इस एक्ट को कोई नहीं पूछेगा। मेरा निवेदन यह है कि इस एक्ट के लिए विधान सभा को इस्तेमाल न किया जाये इसलिए इस एक्ट को मार्च सत्र तक डैफर कर दिया जाये। अब सरकार को तो कोई जमीन एक्वायर करनी है नहीं और सरकार का इसके बिना कोई प्रोजैक्ट भी नहीं अटका हुआ है, या तो सरकार यह मेन्शन करे कि यह एक्ट किसी पैंडिंग प्रोजैक्ट के लिए लाया गया है। (शोर एवं व्यवधान)

डा. अभय सिंह यादव (नांगल चौधरी) : अध्यक्ष महोदय, विपक्ष जिस एक्ट के लिए कह रहा है कि स्कैंडुलस स्मैल आ रही है इसके बारे में मैं भी कुछ कहना चाहता हूं। इस एक्ट का मकसद सिर्फ इतना है कि मान लीजिए हमें किसी प्रोजैक्ट के लिए 1000 एकड़ जमीन चाहिए और हमने 700–800 एकड़ जमीन खरीद ली और बाकी लोगों ने देने से मना कर दिया तो उस प्रकार के प्रोजैक्ट्स के लिए यह एक्ट लाया जा रहा है। (शोर एवं व्यवधान)

श्री परमिन्दर सिंह ढुलः वह प्रोजैक्ट सरकारी है या प्राइवेट है? (शोर एवं व्यवधान)

डा. अभय सिंह यादवः ढुल साहब, वह प्रोजैक्ट सरकारी है, मैंने इस एक्ट को पढ़ा है और गैर सरकारी प्रोजैक्ट्स पर तो यह लागू ही नहीं होता है। (शोर एवं व्यवधान)

डॉ. रघुवीर सिंह कादियानः अध्यक्ष महोदय, सरकार इसमें मैन्शन करे कि यह बिल किस प्रोजैक्ट के लिए लाया गया है। 50 साल के इतिहास में सरकार के सामने ऐसी डिफिकल्टी कभी नहीं आई है। (शोर एवं व्यवधान)

श्री अध्यक्षः कादियान जी, आपने अपनी बात कह ली है अब मुख्यमंत्री जी इसका जवाब दे रहे हैं, आप बैठिये।

मुख्यमंत्री (श्री मनोहर लाल) : अध्यक्ष महोदय, इसमें क्या लिखा हुआ है वह मैं पढ़ कर सुनाता हूं। पहली बात तो यह है कि यह बिल किसी प्राइवेट आदमी के लिए

नहीं लाया गया है। इसमें 3 नम्बर पर स्पष्ट लिखा हुआ है कि Where the State Government or any agency. ऐजेन्सी को भी डिफाइन किया गया है। Agency means an agency owned, controlled, managed or administered by the State Government and includes Boards and Corporations. (Interruptions). ऐजेन्सी का मतलब यही है, ऐजेन्सी का मतलब कोई प्राइवेट ऐजेन्सी नहीं है।

डॉ. रघुवीर सिंह कादियानः अध्यक्ष महोदय, क्या आज से पहले 50 साल के इतिहास में इस तरह की जरूरत कभी नहीं पड़ी?

श्री मनोहर लालः अध्यक्ष महोदय, पहले जरूरत नहीं पड़ी होगी लेकिन अब मैं इसकी जरूरत क्यों आन पड़ी उसके बारे में भी बता रहा हूं। पहली बात तो यह है कि यह प्राइवेट के लिए नहीं है। दूसरी बात यह है कि Where the State Government or any agency owns or has purchased seventy percent or more of the total project land in a particular area falling in one or more revenue estates and the remaining is left out pockets of private land, यानि किसी की प्राइवेट जमीन है तो यह बिल उसके लिए ही है the State Government may consolidate it. इसमें एक्वायर करने का विषय नहीं है बल्कि कंसोलिडेशन का विषय है। कंसोलिडेशन का मतलब यह है कि वह जमीन लेकर उसको दूसरी जमीन देनी है। जमीन के बदले में उसको कोई पैसा नहीं दे रहे हैं बल्कि हम तो जमीन के बदले दूसरी जमीन देंगे और उसको कुछ इन्सैंटिव भी देंगे।

श्रीमती किरण चौधरीः अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से सरकार से पूछना चाहती हूं कि सरकार जो जमीन बदलेगी क्या वह सरकारी जमीन के साथ बदलेगी?

श्री मनोहर लालः अध्यक्ष महोदय, वही जमीन जो सरकारी होगी या सरकार ने 70 प्रतिशत खरीदी होगी। मान लीजिए 100 एकड़ चाहिए और 70 प्रतिशत चारों तरफ सरकार ने खरीद ली और बीच में 30 प्रतिशत रह गई तो उनको बाहर की तरफ 70 प्रतिशत में से जमीन दे कर उनसे बीच में ले लेंगे। यह सब उसी रिवेन्यू इस्टेट में होगा।

श्रीमती किरण चौधरी : अध्यक्ष महोदय, मैं आपको इतना निवेदन कर रही हूं कि बहुत सारे जो विभाग हैं उनके लिये बहुत साल पहले जमीन अधिकृत की गई थी । अगर आज वह विभाग काम करना चाहते हैं, फॉर एग्जाम्पल पब्लिक हैल्थ विभाग को ही ले लीजिये, अगर वह कोई नया प्रोजैक्ट लगाना चाहते हैं तो वे जमीनें उनके लिये इस्तेमाल होती हैं । आज विभाग नई जमीन अधिग्रहण नहीं कर सकता । जिन विभागों के पास इस तरह की जो जमीने पड़ी हुई हैं क्या आप उन जमीनों को एक्सचेंज करेंगे ? मैं आपसे बस यही पूछना चाहती हूं ।

मुख्यमंत्री (श्री मनोहर लाल) : अध्यक्ष महोदय, हम उसमें 70 प्रतिशत जमीन और ले रहे हैं । हम नये प्रोजैक्ट में और जमीन ले रहे हैं । हम नये प्राजैक्ट के लिये जो जमीन ले रहे हैं अगर उस जमीन में मान लो 70–80 प्रतिशत लोग जमीन देने के लिये तैयार हैं और जो रह गये हैं उनमें से कोई भी बीच में अड़ सकता है । वह बीच में अड़ने वाला व्यक्ति यह कह देता है कि मैं तो अपनी जमीन नहीं बेचता । मुझे तो अपनी जमीन रखनी है । अगर उसको जमीन रखनी है तो हमें उससे कोई जबरदस्ती नहीं है । हमने हमेशा यही कहा है कि हम किसी भी व्यक्ति की जमीन जबरदस्ती एक्वायर नहीं करेंगे । हम उससे उसकी जमीन जबरदस्ती खरीदेंगे भी नहीं । लेकिन कंसोलिडेशन आज का फैक्टर नहीं है कंसोलिडेशन सदियों से होता आया है । कंसोलिडेशन का मतलब यह होता है कि उसकी जमीन के बदले उसको उसी स्टेट में जमीन दे दी जाए । (शोर एवं व्यवधान)

श्री अध्यक्ष : उसको जमीन भी तो दे रहे हैं ।

श्री मनोहर लाल : अध्यक्ष महोदय, यह जमीन भी सरकार ले रही है । जब सरकार जमीन ले रही है तो पहले वाली जमीन भी सरकार की होगी और ये जमीन भी सरकार की होगी । सरकार की ऐसा बात थोड़ी है कि इससे अलग जमीन नहीं है और वह भी उसके एडज्वॉइनिंग अर्थात् जो जमीन उसके नजदीक होगी और जो सेम इस्टेट में होगी वह दी जाएगी । मान लो हमें 100 एकड़ जमीन चाहिए और उस 100 एकड़ के बीच में कोई 10 एकड़ जमीन को देने से मना कर दे और बाहर वाले दे रहे हैं तो हम उसको वहां से उठाकर बाहर वाली जमीन देंगे । हम उसको उस जमीन का पैसा देंगे और पैसा देकर उससे वह जमीन एक्सचेंज करेंगे क्योंकि उसने भी खेती करनी है । (शोर एवं व्यवधान) अगर कोई कारण हो तो बताएं ।

श्री अध्यक्ष : कारण तो कोई नहीं है ।

श्री मनोहर लाल : अध्यक्ष महोदय, मैं कारण बता रहा हूं । दूसरा क्योंकि इस बिल में एक लाईन सिविल कोर्ट के बारे में लिखी है। सिविल कोर्ट का अर्थ है कि नीचे की कोर्ट में इस तरह के केसिज नहीं जा सकते अन्यथा इसमें लिटिगेशंज बहुत बढ़ती है । परंतु हाई कोर्ट और सुप्रीम कोर्ट में इससे संबंधित केसिज जा सकते हैं। सिविल कोर्ट का यह मतलब नहीं है कि कहीं भी उसकी ज्यूरिसडिक्शन नहीं आएगी । बल्कि केवल सिविल कोर्ट की ज्यूरिसडिक्शन रोकी गई है ताकि सिविल कोर्ट के केसिज में जो धांधलेबाजी होती है उससे बचा जा सके। हम अगर प्रोजैक्ट को चलाना चाहते हैं और उस प्रोजैक्ट को वायबल बनाने के लिये कोई बीच में एक–दो एकड़ जमीन के लिए उसका मालिक अड़ जाता है तो हम उसको कहते हैं कि भाई आप बीच में अड़ने की बजाए इसके बदले में कहीं बाहर जमीन ले ले या जमीन के साथ कुछ और भी ले लें । इस प्रकार इस बिल को आने से कहीं कोई समस्या नहीं है । इसलिए इस बिल को पारित होने दिया जाए ।

वॉकआउट्स

श्री परमिन्दर सिंह ढुल : अध्यक्ष महोदय, हमारा निवेदन है कि इस बिल को अगले सत्र तक डैफर किया जाए और यदि आप इसको डैफर नहीं करते हैं तो हम इस बिल को डैफर न किये जाने के विरोध स्वरूप सदन से वॉक आउट करते हैं ।

(इस समय इण्डियन नैशनल लोकदल के सदन में उपस्थित सभी सदस्य हरियाणा परियोजना भूमि समेकन (विशेष उपबन्ध) विधेयक, 2017 को अगले सत्र तक डैफर न किये जाने के विरोध स्वरूप सदन से वॉक आउट कर गये।)

श्रीमती किरण चौधरी : अध्यक्ष महोदय, हमारा निवेदन है कि इस बिल को अगले सत्र तक डैफर किया जाए और यदि आप इसको डैफर नहीं करते हैं तो हम इस बिल को डैफर न किये जाने के विरोध स्वरूप सदन से वॉक आउट करते हैं ।

(इस समय इण्डियन नैशनल कांग्रेस पार्टी के सदन में उपस्थित सभी सदस्य हरियाणा परियोजना भूमि समेकन (विशेष उपबन्ध) विधेयक, 2017 को अगले सत्र तक डैफर न किये जाने के विरोध स्वरूप सदन से वॉक आउट कर गये।)

विधान कार्य (पुनरारम्भ)

श्री अध्यक्ष : प्रश्न है –

> कि हरियाणा परियोजन भूमि समेकन (विशेष उपबंध) विधेयक पर तुरंत विचार किया जाए ।

प्रस्ताव स्वीकृत हुआ ।

श्री अध्यक्ष : अब सदन विधेयक पर क्लॉज–बाई–क्लॉज विचार करेगा ।

क्लॉजिज–2 से 17

श्री अध्यक्ष : प्रश्न है –

कि क्लॉजिज–2 से 17 विधेयक का पार्ट बने ।

प्रस्ताव स्वीकृत हुआ ।

क्लॉज –1

श्री अध्यक्ष : प्रश्न है –

कि क्लॉज–1 विधेयक का पार्ट बने ।

प्रस्ताव स्वीकृत हुआ ।

इनैक्टिंग फॉर्मूला

श्री अध्यक्ष : प्रश्न है –

कि इनैक्टिंग फॉर्मूला विधेयक का इनैक्टिंग फॉर्मूला हो।

प्रस्ताव स्वीकृत हुआ ।

टाईटल

श्री अध्यक्ष : प्रश्न है –

कि टाईटल विधेयक का टाईटल हो ।

प्रस्ताव स्वीकृत हुआ ।

श्री अध्यक्ष : अब संसदीय कार्य मंत्री प्रस्ताव प्रस्तुत करेंगे कि विधेयक पारित किया जाए ।

शिक्षा मंत्री (श्री रामबिलास शर्मा) : अध्यक्ष महोदय, मैं प्रस्ताव करता हूं –

कि विधेयक को पारित किया जाए ।

श्री अध्यक्ष : प्रस्ताव प्रस्तुत हुआ –

कि विधेयक को पारित किया जाए ।

श्री अध्यक्ष : प्रश्न है –

कि विधेयक पारित किया जाए ।

प्रस्ताव स्वीकृत हुआ।

(विधेयक पारित हुआ।)

संसदीय कार्य मंत्री एवं अध्यक्ष महोदय द्वारा धन्यवाद

शिक्षा मंत्री(श्री रामबिलास शर्मा) : अध्यक्ष महोदय, मैं पूरे सदन की तरफ से सभी माननीय सदस्यों का इस सदन को चलाने में सहयोग देने के लिये धन्यवाद करता हूं ।

मैं आपका भी इस सदन को सुचारू रूप से चलाने के लिये धन्यवाद करता हूं ।

श्री अध्यक्ष : माननीय सदस्यगण, आप सभी ने मुझे इस सदन को सुचारू रूप से चलाने के लिये जो अपना सहयोग दिया उसके लिये मैं आप सभी का धन्यवाद करता हूं ।

श्री अध्यक्ष : माननीय सदस्यगण, अब यह सदन अनिश्चितकाल के लिये स्थगित किया जाता है ।

16.10 बजे

(तत्पश्चात सदन अनिश्चितकाल के लिये * स्थगित हुआ)

.....